GARGI COLLEGE

गार्गी कॉलेज

दिल्ली विश्वविद्यालय

(नैक [NAAC] के द्वारा मान्य 'ए+' ग्रेड)

विवरणिका

2022-23

ध्यान रखने योग्य बिंदु.....

आपका मार्गदर्शक

यह विवरणिका महाविद्यालय में विद्यार्थियों के आत्मविकास के साथ–साथ सभी अवसरों, नियमों तथा विभिन्न प्रस्तुतीकरण के लिए अंतिम तिथि की जानकारी हेतू महत्वपूर्ण मार्गदर्शक है। गार्गी कॉलेज में अध्ययन की सम्पूर्ण अवधि के दौरान मार्गदर्शन के लिए इसका निरतंर अवलोकन करें ।

गार्गी कॉलेज की वेबसाइट

गार्गी कॉलेज की वेबसाइट परिसर जीवन, अकादमिक गतिविधियों, आंतरिक मूल्यांकन, विद्यार्थियों की गतिविधियों, पुरस्कारों एवं छात्रवृत्तियों से सम्बन्धित सभी जानकारियों का भंडार है। कृपया निरंतर इसका अवलोकन करें।

वेबसाइट : www.gargicollege.in

रैगिंग का समुचित बहिष्कार

दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिनियम XV-B एवम् XV-C के तहत रेगिंग पूर्णरूपेण प्रतिबंधित है। यह एक अपराध है और इसमें संलिप्त विद्यार्थी के विरूद्ध पुलिस कार्यवाही और महाविद्यालय से उनका निष्कासन हो सकता है।

धूम्रपान वर्जित क्षेत्र

यह महाविद्यालय तम्बाकू रहित वातावरण को प्रोत्साहित करने में दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली पुलिस और विश्व फेफड़ा प्रतिष्ठान – दक्षिण एशिया के संकल्प से कटिबद्ध है। इस दिशा में एक ठोस कदम के साथ गार्गी कॉलेज में धूम्रपान प्रतिबंधित है।

चित्र साभार : **तिशा मंडल,** बी.कॉम. (प्रोग्राम) – प्रथम वर्ष, द्वितीय सेमेस्टर

आवरण चित्र साभार : **नेहा कासवान,** बी.एससी (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान, द्वितीय वर्ष, तृतीय सेमेस्टर

प्राचार्या
की कलम से

गार्गी में आपका स्वागत है!

हमारे महाविद्यालय का नाम सातवीं शताब्दी ई.पू. की एक महान विदुषी एवं प्रबुद्ध दार्शनिक गार्गी वाचक्नवी के नाम पर रखा गया है। वह उच्च श्रेणी की विद्वता, निडरता, बुद्धिमत्ता एवं लीक से हटकर सोच रखने वाली और उत्सुकता की प्रतिमूर्ति थीं, और अपने समय से बहुत आगे थीं। हमने उसी परंपरा को संजोए रखा है और अपने छात्रों को इस बात के लिए प्रोत्साहित करते हैं कि वे स्वयं को भी चुनौती देने से न चूकें। हम उन्हें इस तेजी से बदलती और निरंतर विकसित होती हुई दुनिया को लेकर संशय करने और सवाल पूछते रहने के लिए भी प्रोत्साहित करते हैं। हमारी इस भावना को सही साबित करने वाले अनेक उदाहरणों में से एक ताजा उदाहरण है। हमारी द्वितीय वर्ष की छात्रा सुश्री क्रतिका खिन्ची, जिसने दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह के लिए 'स्मारक लोगो' बनाकर सर्वश्रेष्ठ डिजाइन का पुरस्कार जीतकर 'गार्गी की उत्कृष्टता' के भाव को पूरे विश्वविद्यालय में साबित किया है।

हमने अपनी यात्रा की शुरुआत वर्ष 1967 में बहुत मामूली ढंग से एक महिला महाविद्यालय के रूप में की थी, जिसमें दो सौ छात्राएं, दो पाठ्यक्रम और सोलह संकाय सदस्य शामिल थे। पचपन साल बाद, अब हमारे पास इक्कीस स्नातक और तीन स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हैं, 4500 से अधिक छात्राएं और दो सौ से अधिक संकाय सदस्य हैं। हम कला, विज्ञान और वाणिज्य संकायों में अपनी छात्राओं को शिक्षा प्रदान करते हैं। गार्गी में, हम अपनी छात्राओं और शिक्षकों पर गर्व करते हैं और विविधता को एक संपदा के रूप में संपोषित करते हैं, जिससे संवाद के लिए एक सुरक्षित स्थान का निर्माण होता है। ये संवाद निरंतर चलना आवश्यक है।

हम अपना सर्वोत्तम देने का निरंतर प्रयास करते हैं और यह प्रयास हर मंच पर हमारी उभरती रैंकिंग में परिलक्षित होता है। हमारे कॉलेज को नैक द्वारा अपने पहले चक्र के मूल्यांकन में 'ए' ग्रेड प्रदान किया गया था और अब हम एक और पायदान ऊपर ए+ पर पहुंच गए हैं। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) ने हमें वर्ष 2021 में अखिल भारतीय स्तर पर 16वां स्थान दिया है। ये पड़ाव जिम्मेदारी की जबरदस्त भावना के साथ प्राप्त होते हैं और हम इसे अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमताओं तक पहुंचाने का प्रयास भी करते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) प्रयोग–आधारित शिक्षा प्रणाली, जीवन–कौशल के प्रदर्शनों को जीवन में जोड़ने के लिए मूल्यों और कौशल वृद्धि पर बल देती है। हमारे सभी संकाय सदस्य एवं कर्मचारीगण अपनी छात्राओं के लिए एक सहज, आनंदमय और सीखने के गहन अनुभव के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं। अकादमिक उत्कृष्टता के अलावा, हम अनुसंधान के क्षेत्र में उभरते हुए नए अवसरों के केंद्र के रूप में स्वयं को प्रस्तुत करते रहते हैं, जो हमारे उत्कृष्ट संकाय सदस्यों द्वारा संचालित

होते हैं। ये अवसर हमारे नवोदित युवा शोधकर्ताओं के समुदाय को लीक से हटकर सोचने और दुनिया में नये मूल्य संवर्धन के लिए एक महत्वपूर्ण मानसिकता विकसित करने के लिए सलाहकार की भूमिका निभाते हैं। गार्गी की 'सम्मान सूची' में विश्वविद्यालय में हर साल अनेक पाठ्यक्रमों में स्वर्ण पदक विजेता अपना स्थान बनाते हैं।

गार्गी कॉलेज में आईसीटी सक्षम क्लास रूम, वाई–फाई सुविधा सम्पन्न परिसर, वातानुकूलित सभागार और सेमिनार हॉल तथा एक पूर्ण कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय की सुविधा है। जब आप हमारे हरे–भरे, पर्यावरण अनुकूलित परिसर में घूमते हैं, तो आप छात्रों के उत्साही समूह को अपने शैक्षणिक पाठ्यक्रम से परे ऊर्जा और विचारों के साथ जीवंत पाते हैं। वे शैक्षिक गतिविधियों से परे भी प्रशंसा पाते हैं, क्योंकि हमारे पास एन.सी.सी और एन.एस.एस के साथ–साथ चौबीस सांस्कृतिक और गैर–सांस्कृतिक समितियाँ हैं। हमारे खेल के मैदान में हमारी विभिन्न खेल की टीमों में अनुशासन, समर्पण और कर्तव्यबोध का एक प्रेरणादायी परस्पर समन्वय दिखता है, इन्हीं टीमों ने हमें अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई है। कक्षाओं के बाहर, आप हमारे खुले जिम का उपयोग कर सकते हैं क्योंकि हम समग्र विकास के महत्व पर जोर देते हैं। इसमें मानसिक स्वास्थ्य सुधारक प्रयास भी शामिल है जिसके अन्तर्गत विशेष रूप से सहयोगी हैं: इज़हार (सभी विभागों को सहायता प्रदान करता है) और सारथी (खिलाड़ियों को सहायता प्रदान करता है) ।

अगर आप में नए विचारों के प्रति आकर्षण हैं, यदि विविधता आपके जीवन के लिए मायने रखती है, यदि कक्षा के साथ–साथ पाठ्येत्तर शिक्षा में भी आपकी रुचि है और यदि आपकी दृष्टि स्वयं का सर्वोत्तम संभव संस्करण बनना है : गार्गी आपके लिए सही जगह है ।

मुझे आशा है कि गार्गी स्नातक के रूप में आप हमारे संस्थान द्वारा प्रदत्त मूल्यों के सार को अपने साथ ले जाएंगे और एक सशक्त वैश्विक दृष्टिकोण, करुणा के साथ नेतृत्व करने का साहस और जीवन के हर क्षेत्र में बदलाव लाने की एक सकारात्मक दृष्टि का सार्थक उपयोग करेंगे ।

प्रो. (डॉ.) संगीता भाटिया
कार्यवाहक प्राचार्या

विषय सूची

विवरण	पृष्ठ सं.
विद्यार्थी परिषद	4
दाखिला अनुसूची 2022–23	5
दाखिला प्रक्रिया और पात्रता मानदंड	11
विभिन्न कोटा के तहत दाखिला	24
एनईपी और यूजीसीएफ 2022 के तहत पाठ्यक्रम संरचना का विवरण	27
वर्ष 2022–23 के लिए शुल्क	37
महत्वपूर्ण समितियां	38
संकाय	39
विभाग	43
सर्टिफिकेट कोर्स	70
शिक्षणेतर गतिविधियाँ	75
आईक्यूएसी रिपोर्ट	104
प्लेसमेंट सेल	105
अवसंरचना और सुविधाएं	107
छात्राओं के लिए शोध परियोजनाएं	110
पुरस्कारों की सूची	111
अकादमिक कैलेंडर	117
अनुशासन और आरटीआई अधिनियम पर अध्यादेश	132

अस्वीकरण

- यह विवरणिका विभिन्न विभागों, संघों, समितियों, संबंधित स्रोतों आदि से एकत्रित और एकत्रित इनपुट का एक संग्रह है।
- कॉलेज इस जानकारी के आधार पर की गई किसी भी कार्यवाही से होने वाली किसी भी हानि या क्षति के लिए किसी भी व्यक्ति के प्रति किसी भी दायित्व को अस्वीकार करता है, जो अनजाने में हुई चूक, लिपिकीय त्रुटियों या किसी अन्य कारण से हो सकता है।

विद्यार्थी परिषद 2022–23

अध्यक्ष
अदिति सिंह

उपाध्यक्ष कला
सृष्टि गुप्ता

वाइस प्रेसिडेंट साइंस
हर्षिता कौशिक

सांस्कृतिक सचिव
तारीशी मित्तल

कोषाध्यक्ष
अमृता कौर

महासचिव
मुस्कान साहू

प्रोक्टर आर्ट्स
अपूर्वा सिंह

कॉमर्स प्रॉक्टर
इशिता चौधरी

प्रॉक्टर्स साइंस
प्रचेता चौहान

खेल अध्यक्ष
कनिका त्यागी

अध्यक्ष का संदेश

गार्गी कॉलेज का नाम प्राचीन भारत की एक महान महिला दार्शनिक विदुषी गार्गी वाचक्नवी के नाम पर रखा गया था, जो भारत के वैदिक काल से अब तक जानी जाने वाली कुछ विशिष्ट स्त्रियों में गिनी जाती हैं। इस तरह के प्रेरणादायी और सम्मानित व्यक्तित्व के नाम पर संस्थापित हमारा महाविद्यालय बीतते समय के साथ उन्हीं की परम्परा को आत्मसात करने की कोशिश करता आ रहा है और यही हमारी विरासत है जिसे हम सबसे ज्यादा महत्व देते हैं और सम्मानपूर्वक आगे बढ़ाते हैं।

गार्गी हमेशा एक ऐसी संस्था रही है जो दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्तर्गत एक गौरवमय संस्थान होने का गर्व करती है और यह मेरे मन को अत्यधिक प्रसन्नता से भर देता है कि मुझे इस संस्थान का हिस्सा बनने का अवसर मिला। यह एक ऐसी जगह है जिसने मुझे पहले से कहीं ज्यादा दिया है। उम्मीद की रौशनी और कल्पना की उड़ान दी है। गार्गी कई लोगों का घर है, यह एक ऐसी जगह है जहाँ लोगों ने अपनी पहचान को पाया है, एक ऐसी जगह जहाँ लोगों ने अपना उद्देश्य पाया है और यह एक ऐसी जगह है जहाँ लोगों ने खुद को जिया है। एक ऐसी संस्था जो एक दर्पण की तरह काम करती है जो हर किसी को उनकी वास्तविक क्षमता न केवल दिखाती है बल्कि उससे परिचय भी करवाती है। साथ ही उन्हें उनके अपने अन्दर ही छिपे कई अनछुए पहलुओं से इसे हासिल करने के लिए सशक्त बनाती है। गार्गी एक ऐसा मंच है जहाँ समान विचारधारा वाले लोग जीवंतता से भरपूर हैं और विभिन्न समितियों जैसे क्षितिज, नजाकत, एनलिवेन, एनएसएस, एनसीसी से जुड़े है वहीं , व्हाइट रोज क्लब, आदि कुछ और भी नाम हैं जो कई प्रकार से छात्राओं को कई जगह शामिल करते है, जहाँ वे बहुत कुछ हासिल करने का प्रयास करते हैं तथा अपने व्यक्तित्व का विकास करते हैं। गार्गी वह स्थान हैं जहाँ छात्र–शिक्षक समान रूप से मिल कर कई मंचों से काम करते हैं, बाकी मैं आप ही पर गार्गी को और जानने के अन्वेषण का कार्य आपकी जिज्ञासा पर छोड़ती हूँ।

गार्गी संस्थान अकादमिक के साथ–साथ पठन–पाठन से इतर आने वाले अवसरों का एक सही मिश्रण प्रदान करता है और वास्तविक दुनिया का सामना करने के लिए एक व्यक्तित्व को तैयार करता है। जो लोग गार्गी के इन लाल गलियारों में अपनी विशिष्टता और विनम्रता को दर्शाते हुए एक भीनी सुगंध के साथ चले हैं, वे आज समाज के कुछ सबसे निखरे हुए और सफल व्यक्ति बन गए हैं। हमारे पूर्व छात्रों का समूह पहले से कहीं ज्यादा मजबूत है और हम पहले से कहीं ज्यादा उन पर गौरवान्वित महसूस करते हैं। हमें यह जानकर बहुत गर्व होता है कि हमारे छात्र विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं और इतिहास के पन्नों पर अपना नाम दर्ज करा रहे हैं।

गार्गी के छात्रों का हमेशा से ही इसकी सुंदर लाल दीवारों के साथ एक विशेष संबंध रहा है। ये क्लासिक लाल दीवारें न केवल छात्रों की तस्वीरों के लिए एक सौंदर्य पृष्ठभूमि हैं, बल्कि वे दीवारें हैं जिन्होंने इस संस्थान और इसके प्रत्येक छात्र की यात्रा को निरंतर ऊर्ध्वगामी दृष्टि से देखा है। मुझे विश्वास है और यह कहना गलत नहीं है कि हमारी छात्राएँ प्रगति के उत्तरोत्तर शिखरों पर जाती हैं आने वाले तमाम वर्षों में भी ऐसा जारी रहेगा।

इसलिए, मैं आप सभी का स्वागत करती हूँ कि आप इस जीवंत, प्रयोगों से भरपूर इस संस्थान में शामिल होकर इन लाल दीवारों को अपनी यात्रा का साक्षी बनाएं।

गार्गी में आपका स्वागत है–

धन्यवाद!

सादर

अदिति सिंह
अध्यक्ष 2022–23
छात्र संघ

दाखिला अनुसूची और सामान्य सीट आवंटन प्रणाली के बारे में जानकारी (सीएसएएस-2022)

- अकादमिक सत्र 2022–23 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी स्नातक प्रोग्रामों में दाखिला सीएसएएस–2022 द्वारा होगा एवं UG BOI–2022 में बताई गई पात्रता आवश्यकताओं और दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित अन्य नियमानुसार होगा।
- सीएसएएस के माध्यम से दाखिला लेने के लिए www.admission.uod.ac.in पर एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा। 2022 दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों को इसी प्लेटफॉर्म के माध्यम से सीएसएएस–2022 आवेदन पत्र ऑनलाइन भरना होगा। सीएसएएस–2022 आवेदन पत्र को ऑफलाइन नहीं भरना होगा।
- उम्मीदवार को एक ही मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा या इसके समकक्ष उत्तीर्ण होना चाहिए।
- सीएसएएस–2022 के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार को एनटीए द्वारा आयोजित सीयूईटी (यूजी) – 2022 में उपस्थित होना अनिवार्य है।
- उम्मीदवार को सीयूईटी (यूजी) – 2022 में केवल उन्हीं विषयों में उपस्थित होना अनिवार्य है जिसमें उसने बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण की हो।
- उम्मीदवार को यह जांचने की सलाह दी जाती है कि क्या वह कार्यक्रम के लिए सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करता है, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है और सीयूईटी (यूजी) – 2022 में संबंधित विषयों/परीक्षा–पत्र में उपस्थित हुआ है, साथ ही UG BOI–2022 (http://du-ac-in/uploads/newweb/21042022_BOI-UG.pdf) में प्रकाशित कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता को पूरा करता है। यदि किसी उम्मीदवार ने CSAS–2022 में आवेदन किया है, लेकिन यदि कोई दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित किसी भी कार्यक्रम के मानदंड पात्रता को पूरा नहीं करता है तो उसकी उम्मीदवारी पर विचार नहीं किया जाएगा।
- अगर कोई उम्मीदवार अनिवार्य रूप से आवश्यक विषय/परीक्षा–पत्र में उपस्थित नहीं हुआ या अनुपस्थित रहा, उस स्थिति में वह उस विशेष कार्यक्रम में प्रवेश लिए पात्र नहीं होगा ।
- यदि सभी दस्तावेज सही पाए जाते हैं और उम्मीदवार द्वारा पात्रता मानदंड पूरे किए जाते हैं, तो आवंटित सीट को कॉलेज द्वारा अस्थायी रूप से अनुमोदित किया जाएगा। उस स्थिति में निर्धारित समय के भीतर प्रवेश शुल्क का भुगतान करके स्वीकृत आवंटित सीट पर प्रवेश उम्मीदवार को लेना होगा।

कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम 2022 को तीन चरणों में बांटा गया है :

चरण I : दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए आवेदन (12 सितंबर, 2022)

चरण II : कार्यक्रमों और कॉलेजों के लिए प्राथमिकताएं भरना (26 सितंबर, 2022 से 10 अक्टूबर, 2022)

चरण III : आवंटन–सह–प्रवेश

सामान्य सीट आवंटन प्रणाली 2022 का चरण I, 12 सितंबर, 2022 को शुरू हुआ। सीएसएएस 2022 का चरण II, जिसमें उम्मीदवार कार्यक्रमों और कॉलेजों के लिए वरीयता प्रदान करेगा, सोमवार 26 सितंबर, 2022 से सोमवार 10 अक्टूबर, 2022 तक होगा। दोनों चरण I और सीएसएएस (यूजी) 2022 का दूसरा चरण सोमवार 10 अक्टूबर, 2022 तक खुला रहेगा।

कार्यक्रम–विशिष्ट योग्यता स्कोर की पात्रता मानदंड के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा स्वतः गणना की जाएगी, और उम्मीदवार को वरीयता देने से पहले अपने अंकों की पुष्टि करनी होगी।

वरीयता–भरने के चरण के बंद होने के बाद, विश्वविद्यालय सीएसएएस 2022 आवंटन नीति के आधार पर अस्थायी आवंटन की एक कृत्रिम सूची जारी करेगा। इसके बाद, उम्मीदवारों को उनके कार्यक्रम एवं कॉलेज की प्राथमिकताओं को फिर से व्यवस्थित करने के लिए दो दिन का समय प्रदान किया जाएगा। प्रवेश की पहली सूची की घोषणा की तिथि 10 अक्टूबर 2022 तक अधिसूचित की जाएगी।

प्रवेश वेबसाइट : https: //admission.uod.ac.in

अंडरग्रेजुएट बुलेटिन ऑफ इंफॉर्मेशन 2022 : http://du.ac.in/uploads/new-web/07072022_UG-BOI.pdf

मान्य सीट आवंटन प्रणाली 2022 : https://admission.uod.ac.in/userfiles/downloads/12092022_CSAS.pdf

सीएसएएस पंजीकरण लिंक : https: //ugadmission.uod.ac.in/

सीट आवंटन और दाखिला

चरण 1 – अस्थायी रूप से आवंटित सीट की स्वीकृति

- यह उम्मीदवार की जिम्मेदारी है कि वह डैशबोर्ड में लॉग इन करें और जांच करें कि सीट आवंटन की समय–सीमा में सीट आवंटित की गई है या नहीं, और यदि आवंटित की गई है तो उसे सभी प्रवेश औपचारिकताओं को पूरा करना होगा।
- एक बार किसी विशेष समय–सीमा के भीतर सीट आवंटित हो जाने के बाद, उम्मीदवार को निर्दिष्ट अंतिम तिथि/समय से पहले 'स्वीकार' करना होगा। किसी विशेष आबंटित सीट की स्वीकृति का प्रावधान केवल उसी दौर के लिए मान्य होगा जिसमें उम्मीदवार को सीट आबंटित की गई थी।
- यदि किसी उम्मीदवार को किसी विशेष दौर में कई सीटों की पेशकश की जाती है, तो उसे केवल एक आबंटित सीट को "स्वीकार" करना होगा। आवंटित सीट को नहीं स्वीकार किये जाने की सूरत में कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। इसे अस्थायी रूप से आवंटित सीट की अस्वीकृति के रूप में माना जाएगा और उम्मीदवार अब सीएसएएस–2022 के बाद के दौर में भाग लेने में सक्षम नहीं होंगे।

चरण 2 (ए) – कॉलेज द्वारा ऑनलाइन अनुमोदन

एक बार जब उम्मीदवार अस्थायी रूप से आवंटित सीट को "स्वीकार" कर लेता है, तो संबंधित कॉलेज पात्रता की जांच करेगा और उम्मीदवार द्वारा अपलोड किए गए दस्तावेज कॉलेज निर्धारित समय सीमा के भीतर निम्नलिखित विधि से सत्यापित करेगा :

1. उम्मीदवार की न्यूनतम पात्रता।
2. उम्मीदवार की कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता।
3. विषय प्रतिचित्रण : दिल्ली विश्वविद्यालय केवल उन सीयूईटी विषयों पर विचार करेगा जिनमें उम्मीदवार ने बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण की है।
4. उम्मीदवार द्वारा जमा किए गए दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों की वैधता और प्रामाणिकता।

ऑनलाइन अनुमोदन प्रक्रिया के दौरान, यदि कोई कॉलेज उम्मीदवार से अधिक स्पष्टता/सूचना चाहता है, तो वह उम्मीदवार से पूछताछ कर सकता है। (चरण 2बी देखें)।

सत्यापन के बाद, कॉलेज उम्मीदवार की अस्थायी रूप से आवंटित सीट को 'स्वीकार' या 'अस्वीकार' करेगा। महाविद्यालयों द्वारा कोई भी आवेदन अनुत्तरित नहीं छोड़ा जाएगा।

स्वीकृति के मामले में:

एक बार कॉलेज की मंजूरी मिलने के बाद, उम्मीदवार को 'प्रवेश शुल्क' का भुगतान करना होगा।

अस्वीकृति के मामले में:

ऑनलाइन सत्यापन के समय, यदि कोई आवेदन खारिज हो जाता है, तो कॉलेज अस्वीकृति का कारण बताएगा।

किसी आवेदन को अस्वीकार करने के लिए, कॉलेज निम्नलिखित कारणों में से किसी एक का संकेत देगा:

1. उम्मीदवार द्वारा न्यूनतम पात्रता की पूर्ति न करना।

2. उम्मीदवार द्वारा कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता की पूर्ति न करना।

3. विषय–प्रतिचित्रण मानदंड की पूर्ति न करना।

4. उम्मीदवार द्वारा जमा किए गए अमान्य दस्तावेज/प्रमाण पत्र।

5. निर्धारित समय के भीतर कॉलेज द्वारा उठाए गए प्रश्नों का उत्तर देने में विफलता।

चरण 2 (बी) – कॉलेज के अनुमोदन के दौरान प्रश्नों का उत्तर (यदि कोई हो)

ऑनलाइन अनुमोदन प्रक्रिया के दौरान, यदि कोई कॉलेज कोई प्रश्न पूछता है तो उम्मीदवार को निर्धारित समय के भीतर ऑनलाइन (उम्मीदवार के डैशबोर्ड के माध्यम से) जवाब देना होगा। प्रश्नों का उत्तर देने में विफलता के कारण आवंटित सीट को अस्वीकार कर दिया जाएगा और उम्मीदवार सीएसएएस–2022 से बाहर हो जाएगा।

चरण 3 – अस्थायी रूप से आवंटित सीट पर दाखिला

कॉलेज की मंजूरी के बाद, उम्मीदवार को स्वीकृत सीट के लिए प्रवेश शुल्क का भुगतान करना होगा। प्रवेश शुल्क के सफल भुगतान के बाद ही प्रवेश प्रक्रिया को पूर्ण माना जाएगा। यदि कोई उम्मीदवार निर्धारित समय के भीतर प्रवेश शुल्क का भुगतान करने में विफल रहता है, तो इसे अस्थायी रूप से आवंटित सीट को रद्द करने के रूप में माना जाएगा। आवंटित सीट को जब्त कर लिया जाएगा और किसी भी आने वाले एसएएस–2022 आवंटन दौर के लिए उम्मीदवार पर विचार नहीं किया जाएगा। उम्मीदवार आवंटित सीट के सभी अधिकारों को खो देगा और उसके लिए अतिरिक्त विचार नहीं किया जाएगा ।

अनुवर्ती CSAS–2022 आवंटन दौर

विकल्प 1 – अपग्रेड

सीएसएएस–2022 के लिए आवेदन करने वाले सभी उम्मीदवार सभी आवंटन दौरों के लिए पात्र होंगे, सिवाय उन उम्मीदवारों के जिनकी आवंटित सीट/प्रवेश को किसी भी कारण से रद्द कर दिया गया है। सभी प्रवेशित उम्मीदवार जो किसी विशेष दौर में 'अपग्रेड' विकल्प चुनते हैं, उन्हें संबंधित सीएसएएस–2022 आवंटन दौर के लिए सीटों की उपलब्धता के अधीन माना जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को किसी भी दौर में अपनी पहली वरीयता आवंटित हो गई थी, उन पर बाद में विचार नहीं किया जाएगा।

आवंटन दौर की घोषणा से पहले, विश्वविद्यालय सभी भर्ती के लिए 'अपग्रेड' विकल्प खोलेगा ।

एक प्रवेशित उम्मीदवार 'अपग्रेड' विकल्प का चयन कर सकता है, जो उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत उच्च वरीयता के लिए उन्नयन की अनुमति देगा। प्रवेश लेने वाले उम्मीदवार जो अपग्रेड का विकल्प चुनते हैं, वे स्वचालित रूप से आवंटन नीति के आधार पर अपग्रेड हो जाएंगे।

'अपग्रेड' विकल्प चुनने का अर्थ यह होगा कि उम्मीदवार किसी कार्यक्रम और उच्च वरीयता वाले कॉलेज संयोजन में प्रवेश के प्रस्ताव पर बाद के दौर में (यदि कोई हो) विचार करने के लिए सहमति देता है। यदि नई वरीयताएँ आवंटित की जाती हैं तो वर्तमान प्रवेशित सीट स्वतः रद्द हो जाएगी।

एक उम्मीदवार जो 'अपग्रेड' का विकल्प चुनता है, वह प्रोग्राम एवं कॉलेज संयोजन को फिर से व्यवस्थित कर सकता है जो उच्च वरीयता वाला है। जिस प्रोग्राम एवं कॉलेज संयोजन में उसने पहले प्रवेश लिया था, उसे पुनः किसी भी दौर में नहीं दिया जाएगा। इसी प्रकार कार्यक्रम एवं महाविद्यालय संयोजन जो

निम्न वरीयता क्रम में थे जिस पर उम्मीदवार ने पहले प्रवेश लिया था, उसे पुनः किसी भी दौर में नहीं दिया जाएगा।

अपग्रेड विकल्प उस उम्मीदवार के लिए उपलब्ध नहीं होगा जिसे उसकी पहली वरीयता आवंटित हो चुकी हो।

आवंटन सीट के सभी दौरों में 'अपग्रेड' विकल्पों की जांच करते रहना उम्मीदवार की जिम्मेदारी होगी। किसी भी परिस्थिति में, उन्नयन प्रक्रिया में भाग लेने में विफलता/अक्षमता को शिकायत नहीं माना जाएगा।

अपग्रेड होने वाले उम्मीदवार को अपग्रेड की गई सीट को 'स्वीकार' करना होगा और प्रवेश पूरा करना होगा।

उन्नत आबंटित सीट पर प्रक्रियाएं :

यदि कोई उम्मीदवार उन्नत सीट पर कोई गतिविधि नहीं करता है, इसे स्वतरू रद्द माना जाएगा और उम्मीदवार सीएसएएस–2022 से बाहर हो जाएगा ।

यदि कोई उम्मीदवार अपग्रेड नहीं होता है, तो उसकी पिछली सीट पर प्रवेश बरकरार रखा जाएगा।

विकल्प 2 – फ्रीज

एक उम्मीदवार जिसने आवंटित सीट पर प्रवेश लिया है और इसे जारी रखना चाहता है, उसे अपने डैशबोर्ड के माध्यम से 'फ्रीज' अनुरोध करना होगा। 'फ्रीज' का चयन करने पर, ऐसे उम्मीदवार को 'अपग्रेडेशन' का विकल्प चुनने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यदि कोई प्रवेशित उम्मीदवार न तो उन्नयन का विकल्प चुनता है और न ही फ्रीज का विकल्प देता है, और उस समय सीमा में निष्क्रिय रहता है, तो उसके द्वारा लिया गया प्रवेश बरकरार रखा जाएगा और उसे उन्नयन के लिए नहीं माना जाएगा।

अस्थायी रूप से आवंटित सीट/दाखिला का रद्द होना

1. निर्धारित समय सीमा के भीतर अस्थायी रूप से आवंटित सीट को 'स्वीकार' करने में विफलता के कारण आवंटित सीट का रद्द होना।
2. अस्थायी रूप से आवंटित सीट रद्द कर दी जाएगी यदि कोई उम्मीदवार निर्धारित समय में दाखिला शुल्क का भुगतान करने में विफल रहता है।
3. अस्थायी रूप से आवंटित सीट/दाखिला रद्द कर दिया जाएगा यदि, किसी भी समय कोई भी दस्तावेज/प्रमाण–पत्र अमान्य/धोखाधड़ी वाले पाए जाते हैं।
4. यदि किसी भी समय यह पाया जाता है कि कोई अभ्यर्थी दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा घोषित न्यूनतम पात्रता मानदंड को पूरा नहीं करते हैं।

एक उम्मीदवार जिसका अस्थायी रूप से आवंटित सीट/दाखिला उपर्युक्त कारणों से रद्द कर दिया गया है वह CSAS–2022 के माध्यम से दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने का अधिकार खो देगा ।

दाखिला वापस लेना

एक उम्मीदवार जिसने दाखिला लिया है, लेकिन वापस लेना चाहता है, वह अपने डैशबोर्ड के माध्यम से ऐसा कर सकता है : 'विदड्रा' विकल्प का चयन करना और रुपये 1000.00 (अप्रतिदेय) की निकासी शुल्क का भुगतान करना।

एक उम्मीदवार जो अपना दाखिला वापस ले लेता है, वह सीएसएएस–2022 से बाहर हो जाएगा। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रमों में दाखिला के लिए वह अपनी पात्रता खो देगा। बाद के किसी भी आवंटन दौर में उसे भागीदारी की अनुमति नही होगी।

स्पॉट एडमिशन राउंड की घोषणा के बाद दाखिला वापस लेने का कोई विकल्प नहीं होगा।

मध्य–दाखिला

जो उम्मीदवार निर्धारित समय के भीतर सीएसएएस–2022 के लिए आवेदन करने में विफल रहे और इसमें भाग लेने के इच्छुक हैं सीएसएएस–2022 मध्य प्रवेश विंडो (जब भी विश्वविद्यालय इसकी घोषणा करता है) के माध्यम से भाग ले सकते हैं, मध्य प्रवेश शुल्क रु. 1000.00 (अप्रतिदेय) का भुगतान करके ।

जो उम्मीदवार मध्य–दाखिला करता है, आवंटन के लिए सभी उम्मीदवारों के बाद ही उस पर विचार किया जा सकता है जिन्होंने पहले आवेदन किया था और न्यूनतम घोषित स्कोर से अधिक योग्यता अंक प्राप्त किए हैं।

मध्य प्रवेशक के लिए आवंटित सीट पर दाखिला लेना अनिवार्य होगा, यदि पेशकश की जाती है।

आवंटित सीट को स्वीकार करने में असफलता पर दिल्ली विश्वविद्यालय में उम्मीदवार का दाखिला रद्द कर दिया जाएगा। 'अपग्रेड' का कोई विकल्प नहीं होगा।

ईसीए और स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेरी कोटा के लिए मध्य–दाखिला की अनुमति नहीं होगी।

स्पॉट दाखिला

नियमित सीएसएएस–2022 दौरों के पूरा होने के बाद, यदि सीटें खाली रहती हैं, तो दिल्ली विश्वविद्यालय स्पॉट दाखिलों के दौर/दौरों की घोषणा कर सकता है।

उम्मीदवार जिन्होंने सीएसएएस–2022 के लिए आवेदन किया था, लेकिन घोषणा की तिथि तक किसी भी कॉलेज में दाखिला प्राप्त नहीं हुआ था वह स्पॉट दाखिला दौर में भाग ले सकता है। स्पॉट दाखिले की घोषणा पर, पहले से चयनित सभी उम्मीदवारों के दाखिले को स्थिर कर दिया जाएगा और उनके उन्नयन के लिए विचार नहीं किया जाएगा। इसी प्रकार, दाखिला प्राप्त उम्मीदवारों को अपना नाम वापस लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

स्पॉट दाखिला दौर में विचार करने के लिए, उम्मीदवार को अपने डैशबोर्ड के माध्यम से 'स्पॉट एडमिशन' का विकल्प चुनना होगा ।

प्रत्येक स्पॉट दाखिला दौर के लिए विश्वविद्यालय प्रत्येक कार्यक्रम की रिक्त सीटों को प्रदर्शित करेगा। इच्छुक उम्मीदवार केवल एक कार्यक्रम का चयन करने में सक्षम होगा।

स्पॉट दौर में आवंटित सीट पर अभ्यर्थी को प्रवेश लेना अनिवार्य होगा। स्पॉट दाखिले के दौर में आवंटित सीट को स्वीकार करने में विफल रहने पर दाखिले के लिए उम्मीदवार की पात्रता समाप्त हो जाएगी, ऐसे उम्मीदवार दिल्ली विश्वविद्यालय सीएसएएस से बाहर हो जाएंगे।

स्पॉट दाखिले दौर के दौरान 'अपग्रेड' और 'विदड्रॉ' का कोई विकल्प नहीं होगा।

एक विशेष स्पॉट दाखिले के दौर में आवंटित सीट ही एकमात्र विकल्प होगा और स्पॉट के किसी भी बाद के दौर में अपग्रेड नहीं किया जाएगा।

मूल दस्तावेजों के वास्तविक सत्यापन की अनिवार्य आवश्यकता

सीएसएएस–2022 के समापन पर, सभी भर्ती उम्मीदवारों को निर्धारित कॉलेज में रिपोर्ट करना होगा और दस्तावेज/प्रमाण पत्र के वास्तविक सत्यापन सहित संबंधित कॉलेज की सभी प्रवेश औपचारिकताओं को पूरा करना होगा।

एक उम्मीदवार का दाखिला विशुद्ध रूप से अस्थायी है और मूल दस्तावेजों के सत्यापन के अधीन है।

संबंधित कॉलेज सभी दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों की दोबारा जांच करेगा। वास्तविक सत्यापन के दौरान, कोई दस्तावेज/प्रमाण–पत्र के अपर्याप्त/अनुचित पाए जाने पर, इसे रद्द कर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, ऐसा उम्मीदवार दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2022–23 के किसी भी स्नातक कार्यक्रम में दाखिले के अवसर से वंचित हो जाएगा।

दाखिला शिकायत निवारण

स्तर 1 – कॉलेज शिकायत निवारण समिति :

प्रत्येक कॉलेज इस दौरान उत्पन्न होने वाली शिकायतों के निवारण के लिए एक शिकायत निवारण समिति की स्थापना करेगा। इसके अलावा, उम्मीदवारों की शिकायतों के निवारण के लिए शिकायत निवारण की एक उप–समिति एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/अल्पसंख्यक और पीडब्ल्यूबीडी श्रेणियों से संबंधित भी स्थापित की जाएगी, जिसका विवरण महाविद्यालय की वेबसाइट शिकायत निवारण समिति एवं उप समिति पर प्रदर्शित किया जायेगा।

दाखिले के बारे में शिकायत रखने वाले उम्मीदवारों को पहले संबंधित कॉलेज की निवारण समिति शिकायत से संपर्क करना होगा।

स्तर 2 – केंद्रीय शिकायत निवारण समिति :

यदि कॉलेज द्वारा उचित समय के भीतर शिकायतों का समाधान नहीं किया जाता है, तो उम्मीदवार दिल्ली विश्वविद्यालय की केंद्रीय शिकायत निवारण समिति से संपर्क कर सकते हैं। यह समिति उम्मीदवारों के आवंटन और प्रवेश संबंधी मुद्दों का समाधान करेगी। केंद्रीय शिकायत निवारण समिति का विवरण दिल्ली विश्वविद्यालय की दाखिला वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा।

यदि कोई शिकायत प्रासंगिक और वास्तविक पाई जाती है, और यदि किसी विशिष्ट प्रोग्राम एवं कॉलेज संयोजन में सीटें भरी गई हैं, तो ऐसे उम्मीदवार को एक अतिरिक्त सीट की पेशकश की जाएगी। शिकायतों के संबंध में निर्णय संबंधित प्राधिकारी द्वारा अंतिम और मान्य होंगे।

दिल्ली विश्वविद्यालय की संबंधित मान्य समितियों के द्वारा NCWEB, ECA, स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेरी कोटा और CW से संबंधित दाखिले की शिकायतों का निवारण किया जाएगा।

कार्यक्रम और पाठ्यक्रम पात्रता

कार्यक्रम और पाठ्यक्रम पात्रताएं

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीयूईटी 2022 में चुने जाने वाले विषयों/पत्रों की सूची

सूची क :

सीयूईटी 2022 के सेक्शन 1क और सेक्शन 1ख की सभी भाषाएँ
उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से कम से कम एक भाषा में उपस्थित होना चाहिए :

अरबी	गुजराती	मणिपुरी	सिंधी
असमिया	हिंदी	मराठी	स्पेनिश
बंगाली	इतालवी	नेपाली	तमिल
बोडो	जापानी	उड़िया	तेलुगु
चीनी	कन्नड़	फारसी	तिब्बती
डोगरी	कश्मीरी	पंजाबी	उर्दू
अंग्रेज़ी	कोंकणी	रूसी	
फ्रेंच	मैथिली	संस्कृत	
जर्मन	मलयालम	संथाली	

सूची ख :

सीयूईटी 2022 के खंड II में उल्लिखित विषयों/परीक्षण पत्रों को सूची ख1 और सूची ख2 के तहत वर्गीकृत किया गया है। चयनित कार्यक्रम में प्रवेश के लिए विचार करने के लिए, उम्मीदवार को सीयूईटी 2022 में उन विषयों को चुनने के लिए कार्यक्रम–विशिष्ट पात्रता देखनी चाहिए, जिसमें वह उपस्थित होंगे।

	सूची ख1 में विषय		सूची ख2 में विषय
1	एकाउंटेंसी/बहीखाता पद्धति	1	कृषि
2	एंथ्रोपोलॉजी	2	इंजीनियरिंग ग्राफिक्स
3	जीव विज्ञान/जैविक अध्ययन/ जैव प्रौद्योगिकी/जैव रसायन	3	उद्यमिता
4	बिजनेस स्टडीज	4	भारत का ज्ञान, परंपराएं और प्रथाएं
5	केमिस्ट्री	5	ललित कला/दृश्य कला (मूर्तिकला/पेंटिंग) / वाणिज्यिक कला
6	कंप्यूटर विज्ञान/इन्फार्मेटिक्स प्रैक्टिसेज	6	मास मीडिया/मास कम्युनिकेशन
7	अर्थशास्त्र/व्यावसायिक अर्थशास्त्र	7	शारीरिक शिक्षा/एनसीसी/योग
8	वातावरण का अध्ययन	8	प्रदर्शन कला – i) नृत्य (कथक/भरतनाट्यम/कथकली/ ओडिसी/कुचिपुरी/मणिपुरी (ii) नाटक– रंगमंच (iii) सामान्य संगीत (कर्नाटक/रवींद्र संगीत/हिंदुस्तानी/आघाती उपकरण/ गैर–आघाती)
9	भूगोल/भूविज्ञान	9	शिक्षण योग्यता
10	इतिहास		
11	गृह विज्ञान		
12	कानूनी अध्ययन		
13	गणित		
14	भौतिकी		
15	राजनीति विज्ञान		
16	मनोविज्ञान		
17	संस्कृत		
18	समाज शास्त्र		

बी. ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी

यह पाठ्यक्रम छात्राओं को साहित्य की श्रेणी को परिभाषित/आलोचना करने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य पूर्व–कल्पित धारणाओं को चुनौती देना और उनका रहस्योद्घाटन करना है। अनुकरण के रूप में साहित्य, सांस्कृतिक उत्पादन के हिस्से के रूप में साहित्य को रेखांकित करता है और ऐतिहासिक रूप से मजबूती देता है। विशिष्टता, निर्धारित ग्रंथों के साथ गहन जुड़ाव के माध्यम से एकीकृत तरीके से भाषा कौशल विकसित करना और इन कौशलों के उपयोग में शिक्षार्थियों को व्यावहारिक अभ्यास देना इसका प्राथमिक उद्देश्य है।

बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना चाहिए :

- सूची क से अंग्रेजी एवं सूची ख 1 से कोई दो विषय + सूची ख 1 या सूची ख 2 में से कोई भी एक विषय
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों पर आधारित होगी।

बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी

यह पाठ्यक्रम हिंदी की छात्राओं को भाषा क्षमता की व्यापक समझ से परिचित कराता है, साथ ही उन्हें स्थानीय और विश्व स्तर पर समाज की चुनौतियों के संदर्भ में जोड़ने की क्षमता विकसित करता है। इसका उद्देश्य हिंदी साहित्य की एक नई समझ और भाषा की व्यावहारिकता व व्यावसायिक योग्यता का विकास करना है ।

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए :

- सूची क से हिंदी. सूची ख 1 से कोई दो विषय + सूची ख 1 या सूची ख 2 में से कोई एक विषय
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों पर आधारित होगी।

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को शास्त्रीय ग्रंथों के माध्यम से शास्त्रीय संस्कृत साहित्य (कविता) की सामान्य रूपरेखा से परिचित कराना है। महान संस्कृत कवियों के कार्यों का एक उचित विचार विकसित करना, काव्यात्मक, कलात्मक सांस्कृतिक और उनके कार्यों और उनके ऐतिहासिक पहलू पर ध्यान केन्द्रित करने वाले व्यक्तिगत कवियों की शैलियों और विचारों की सराहना करना है। इस पाठ्यक्रम की उपलब्धि है। यह प्रोग्राम शुद्ध शास्त्रीय संस्कृत में दक्षता बढ़ाता है और उन्हें काव्य रचनाओं के अनुवाद और व्याख्या में कौशल प्रदान करना इसका लक्ष्य है।

बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए :

संयोजन I : सूची क से कोई एक भाषा + सूची ख 1 से संस्कृत + कोई भी दो विषय जिनमें से एक को सूची ख1 से हो।

या

संयोजन II : सूची क से कोई एक भाषा + सूची क से संस्कृत + कोई भी दो विषय जिनमें से एक होना चाहिए, सूची ख1 से हो।

या

संयोजन III: सूची क से संस्कृत + कोई तीन विषय जिनमें से कम से कम दो सूची ख 1 से होने चाहिए।

या

संयोजन IV : सूची क से कोई एक भाषा + सूची ख1 में से कोई भी दो विषय + इनमें से कोई एक विषय सूची ख1 या सूची ख2

मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

जिन उम्मीदवारों ने प्रवेश के लिए संयोजन IV का विकल्प चुना है, उन पर तभी विचार किया जाएगा जब संयोजन I/II/III को चुनने वाले सभी उम्मीदवारों पर विचार करते हुए दाखिले के बाद सीटें खाली रह जाएँगी।

बी. ए. (ऑनर्स) व्यावहारिक मनोविज्ञान

इस प्रोग्राम का उद्देश्य छात्रों को व्यावहारिक मनोविज्ञान में समकालीन प्रवृत्तियों और विकास के बारे में जागरूकता और समझ विकसित करने के लिए निर्मित किया गया है। मनोविज्ञान के विषय में प्रशिक्षण और आत्मचिंतन के माध्यम से प्रासंगिक, शैक्षणिक और व्यावसायिक कौशल सीखने के लिए छात्राओं को सक्षम कर के इसकी पुष्टि की जाएगी। रोजगार की दृष्टि से यह प्रोग्राम तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम शिक्षण मानकों को बनाए रखने, छात्रों के मूल्यांकन और मनोविज्ञान के इंटरफेस को अलग–अलग रखने के लिए व मानव कल्याण हेतु विकसित किया गया है। मनोविज्ञान, मनोवैज्ञानिक विकारों को समझना, परामर्श मनोविज्ञान, औद्योगिक/संगठनात्मक व्यवहार, स्वास्थ्य मनोविज्ञान और अन्य सन्दर्भों को इस पाठ्यक्रम में पढ़ाया जायेगा।

बी.ए. (ऑनर्स) एप्लाइड साइकोलॉजी में प्रवेश के लिए पात्रता :

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए :

- सूची क से कोई एक भाषा + सूची ख1 से कोई भी दो विषय + सूची ख1 या सूची ख2 में से कोई एक विषय
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों पर आधारित होगी।

बी. ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम अर्थशास्त्र में उन्नत चिंतन के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है और यह छात्राओं को परिवारों, फर्मों और सरकारी संस्थानों के व्यवहार और बातचीच की अवधारणा और व्याख्या के लिए एक तार्किक प्रतिमान देता है। समकालीन प्रासंगिकता वाले पाठ्यक्रमों जैसे शिक्षा, कानून, प्रबंधन, पत्रकारिता और सरकारी क्षेत्रों में करियर हेतु यह प्रोग्राम अन्य क्षेत्रों में कैरियर की तैयारी के लिए एक लचीलापन प्रदान करता है। यह प्रोग्राम अर्थशास्त्र विषय में वैश्विक मानकों के अनुरूप है साथ ही दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में एक स्नातक स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करता है।

बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र में प्रवेश के लिए पात्रता :

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए :

- सूची क में से कोई एक भाषा + गणित + कोई भी दो विषय जिनमें से एक सूची ख 1 से होना चाहिए। मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों पर आधारित होगी।

बी. ए. (ऑनर्स) इतिहास

प्रस्तुत पाठ्यक्रम आनुक्रमिक गुणों जैसे स्वास्थ्य, भावनात्मक स्थिरता, विवेचनात्मक चिंतन, सामाजिक न्याय और रोजगारपरकता कौशल को विकसित करने की प्रयास करता है। बी. ए. इतिहास (ऑनर्स) छात्राओं को शैक्षणिक रूप में

आयोजित क्षेत्र तक पहुँच प्रदान करता है जो रोचक और सुलभ है। यह विद्यार्थियों के लिए एक अंतः विषय प्रोग्राम में संरचित है जो इतिहास के विषय के लिए एक संक्षिप्त और संपूर्ण परिचय प्रदान करता है और संज्ञानात्मक अध्ययन के विषय के प्रति संवेदनशील रहता है। यह संचार मोड खोलने के लिए मानविकी और सामाजिक विज्ञान में विषयों के साथ प्रतिच्छेदन के कई बिन्दु प्रदान करता है जिसके द्वारा एक ऐतिहासिक संवेदनशीलता एक समृद्ध अनुभव हो सकती है। सुलभ और दिलचस्प है।

बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास में प्रवेश के लिए पात्रता :

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयईटी में उपस्थित होना चाहिए :

- सूची क से कोई एक भाषा + सूची ख1 से कोई भी दो विषय + सूची ख1 या सूची ख2 में से कोई एक विषय
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों पर आधारित होगी।

बी. ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र

बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र कार्यक्रम चुनौतीपूर्ण विषय में से एक है जिसमें जीवन को गहराई से देखने का प्रयास किया जाता है और दार्शनिक अध्ययन किया जा सकता है। यह छात्र को महान दार्शनिकों और उनके विचारों से परिचित कराता है और उनके सैद्धांतिक दृष्टिकोण के माध्यम से समकालीन समस्याओं के समाधान को सुनिश्चित करना सिखाता है। यह भारतीय और पश्चिमी दर्शन को एक व्यापक विस्तार देता है और छात्राओं को वैचारिक नैतिकता की मुख्य धाराओं से अवगत कराता है। इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी विज्ञान के दर्शन, तर्कशास्त्र, नारीवाद और जैव–नैतिकता व कई अन्य मूल विचारों को खोजते है। छात्राओं को दर्शन के माध्यम से दुनिया से संबंधित मूलभूत मुद्दों से अवगत कराना होता है, जिनका सम्बन्ध हमारे जीवन, मन, पदार्थ, अस्तित्व, विश्वास, धर्म और विज्ञान से होता है।

बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र में प्रवेश के लिए पात्रता :

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए :

- सूची क से कोई एक भाषा + सूची ख1 से कोई भी दो विषय + सूची ख1 या सूची ख2 में से कोई एक विषय
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों पर आधारित होगी।

बी. ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य राजनीति से जुड़े सभी तथ्यों को आंकड़ो के साथ व राजनैतिक इतिहास के महत्वपूर्ण आयामों की जानकारी देना है, जिससे भविष्य में विद्यार्थी राजनीति से जुड़े प्रश्नों को उठा सके। विभिन्न परम्पराओं के दार्शनिकों का परिचय करवा कर विद्यार्थी कुछ मौलिक राजनीतिक सवालों के जवाब दे सकते हैं, हम राजनीतिक समुदायों में क्यों रहते हैं, सरकार का सर्वश्रेष्ठ रूप क्या है, मानव स्वभाव राजनीतिक निर्णय लेने को कैसे प्रभावित करता है, हमें बुरे शासकों का विरोध कैसे और किन परिस्थितियों में करना चाहिए? इस प्रोग्राम के माध्यम से विद्यार्थी अपने नागरिक होने का दायित्व समझता है और राज्य, समाज, जिला देश के प्रति अपने अधिकार व कर्तव्य की जानकारी पाता है।

बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए :

- सूची क से कोई एक भाषा + सूची ख1 से कोई भी दो विषय + सूची ख1 या सूची ख2 में से कोई एक विषय
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों पर आधारित होगी।

बी. ए. (प्रोग्राम)

बी. ए. (प्रोग्राम) विद्यार्थियों को उकी समानता के विषयों में स्नातक करने के लिए आकर्षित करने के लिए विषय संयोजनों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। कॉलेज कई प्रकार के संयोजन प्रदान करते हैं, जिसमें से एक छात्र उन विषयों का चयन कर सकता है जिनमें वह अपनी आगे की पढ़ाई जारी रख सकता है। दिल्ली विश्वविद्यालय 180 से अधिक बीए (प्रोग्राम) विषय संयोजन प्रदान करता है, जिससे विभिन्न विषयों को शामिल किया जाता है।

बी.ए. (प्रोग्राम) में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए :

- **संयोजन I** : सूची क से कोई एक भाषा + सूची ख 1 से कोई दो विषय + सूची में से कोई एक विषय ख1 या सूची ख2

या

- **संयोजन II** : सूची क में से कोई एक भाषा + सूची ख1 या सूची ख2 + अनुभाग III में से कोई एक विषय सीयूईटी (सामान्य परीक्षा)
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

नोट : चूंकि सीयूईटी अनुभागों का भारांक समान नहीं है, इसलिए उचित अनुपात किया जाएगा।

बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान

बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान पाठ्यक्रम समग्र रूप से पौधों का अध्ययन करने के लिए आवश्यक ज्ञान और तकनीकी कौशल प्रदान करता है। विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण अंतःविषय घटकों के साथ मूल और वैकल्पिक पेपर के एक अद्वितीय संयोजन का उपयोग करके पादप जीव विज्ञान के सभी क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाएगा। विद्यार्थियों को वर्तमान में पौधों के जीवन रूपों, उनके विकास और पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर अन्य अंतः क्रिया के अध्ययन में उपयोग की जाने वाली अत्याधुनिक तकनीकों से अवगत कराया जाएगा। विद्यार्थी पौधों के सामाजिक और पर्यावरणीय महत्व और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए उनकी प्रासंगिकता के बारे में भी जागरूक होंगे।

बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए :

- भौतिकी + रसायन विज्ञान + जीव विज्ञान / जैविक अध्ययन / जैव प्रौद्योगिकी / जैव रसायन
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों पर आधारित होगी।
- उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची क की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करने चाहिए।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी विज्ञान

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र विभिन्न मानव प्रणालियों, समन्वय और नियंत्रण के बारे में सीखने और जानने के लिए अधिक सुसज्जित होंगे । प्राणी विज्ञान डिग्री प्रोग्राम शास्त्रीय आनुवंशिकी को समझने के लिए एक मंच प्रदान करता है ताकि आबादी उनकी वंशानुक्रम जातीयता के बीच अन्य लक्षणों के वितरण को समझें और जीनोमिक्स, मेटागेनोमिक्स, जीनोम एडिटिंग और मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक टूल्स जैसी समकालीन और आधुनिक तकनीको के साथ सहसंबंध बना सके । इस पाठ्यक्रम के व्यावहारिक और सैद्धांतिक कौशल सामाजिक कल्याण के लिए विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतियों को

डिजाइन करने में मदद करेंगे। पाठ्यक्रम को रोजगार के समावेश को सुनिश्चित करने वाले लागू विषयों का गहन ज्ञान प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है ताकि रोजगार कौशल का समावेश सुनिश्चित हो सके, छात्र अपना करियर बना सकें और जलीय जीव विज्ञान, रेशम उत्पादन, मधुमक्खी पालन आदि के विविध क्षेत्रों में उद्यमी बन सकें। इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद छात्र वन्यजीव संरक्षण, पशु संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण में नीति निर्माताओं के रूप में योगदान कर सकते हैं।

बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी विज्ञान में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए :

- भौतिकी + रसायन विज्ञान + जीव विज्ञान / जैविक अध्ययन / जैव प्रौद्योगिकी / जैव रसायन
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों पर आधारित होगी।
- उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची क की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करने चाहिए।

बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान

बीएससी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान पाठ्यक्रम अकार्बनिक, कार्बनिक, भौतिक, सामग्री और विश्लेषणात्मक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। पाठ्यक्रम छात्रों को ध्वनि सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक ज्ञान के साथ प्रशिक्षित करेगा जो शिक्षाविदों और उद्योग की आवश्यकता के अनुरूप है। रसायन विज्ञान और संबद्ध क्षेत्रों में करियर के रूप में अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए पाठ्यक्रम भी पर्याप्त कौशल प्रदान करते हैं। यह कार्यक्रम देश के एक सबसे बड़े और सबसे पुराने विभाग ने तैयार किया है ताकि समाज की मांगों को पूरा करने के लिए श्रेष्ठतम व्यक्ति तैयार किये जा सकें। दिल्ली विश्वविद्यालय को उम्मीद है कि बीएससी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान छात्रों को एक उन लक्ष्यों के बारे में सूचित निर्णय लेने में मदद करेगा जो वे आगे की शिक्षा और जीवन में करना चाहते हैं।

बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए :

- भौतिकी + रसायन विज्ञान + गणित
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों पर आधारित होगी।
- उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची क की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करने चाहिए।

बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी

भौतिकी एक प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक विज्ञान है जो उप–परमाणु डोमेन से लेकर पूरे ब्रह्मांड तक के लम्बाई के पैमाने पर संचालित प्रकृति के नियमों का क्रमबद्ध रूप से अध्ययन करता है।

बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी कार्यक्रम अध्ययन अनुशासनात्मक / विषय क्षेत्र के भीतर के मुख्य क्षेत्र हैं : शास्त्रीय और क्वांटम यांत्रिकी, बिजली और चुंबकत्व, थर्मल और सांख्यिकीय भौतिकी, तरंग सिद्धांत और प्रकाशिकी, सामग्री भौतिक विज्ञान, डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स, और गणितीय भौतिकी और उनके अनुप्रयोग के विशेष तरीके विषय की विभिन्न शाखाओं में। सैद्धांतिक पाठ्यक्रम के साथ–साथ।

विद्यार्थी भौतिकी की विभिन्न शाखाओं के लिए भौतिकी प्रयोगशाला विधियों को भी सीखते हैं, विशेष माप तकनीक, अवलोकन संबंधी डेटा का विश्लेषण, त्रुटि अनुमान सहित, और वैज्ञानिक रिपोर्ट लेखन। नवीनतम जोड़ भौतिकी के लिए अध्यापन कम्प्यूटेशनल भौतिकी है, जिसमें एल्गोरिथम समाधानों के लिए भौतिकी की समस्याओं को अपनाना शामिल है और भौतिक घटनाओं का मॉडलिंग और अनुकरण।

बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए :

- भौतिकी + रसायन विज्ञान + गणित
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों पर आधारित होगी।
- उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची क की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करने चाहिए।

बी.एससी. (ऑनर्स) गणित

बी.एससी. (ऑनर्स) गणित कार्यक्रम का उद्देश्य तार्किक और विश्लेषणात्मक रूप से सोचने की क्षमता विकसित करना है और दैनिक जीवन में गणितीय तर्क का प्रयोग करना सिखाना है। गणित में डिग्री हासिल करने से विद्यार्थियों को शिक्षा, अनुसंधान, सरकारी क्षेत्र एवं व्यावसायिक क्षेत्र और उद्योग में गणित करिअर की तैयारी में क्षमता विकसित की जाएगी तथा दिलचस्प और मूल्यवान विचारों से परिचित कराया जाएगा। बी.एससी. (ऑनर्स) गणित में क्लासिकल केलकुलस से लेकर आधुनिक क्रिप्टोग्राफी, सूचना सिद्धांत, संख्या सिद्धांत, बीजगणित और नेटवर्क सुरक्षा तक गणित की पूरी श्रृंखला शामिल है। पाठ्यक्रम कैलकुलस, वास्तविक और जटिल विश्लेषण, सार बीजगणित, विभेदक समीकरण (गणितीय मॉडलिंग सहित) संख्या सिद्धांत, ग्राफ सिद्धांत और विशेष रूप से गणित के लिए सी़ प्रोग्रामिंग की एक संरचित नींव रखता है।

बी.एससी (ऑनर्स) गणित में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए :

- सूची क में से कोई एक भाषा + गणित + कोई भी दो विषय जिनमें से एक सूची ख 1 से होना चाहिए।
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों पर आधारित होगी।

बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्मजीव विज्ञान

बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्मजीव विज्ञान प्रोग्राम में बुनियादी और अनुप्रयुक्त सूक्ष्म जीव विज्ञान पाठ्यक्रमों और अंतःविषय प्रकृति पाठ्यक्रम की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। मुख्य पाठ्यक्रम जो प्रोग्राम का एक हिस्सा है, जहाँ एक ओर विद्यार्थी सूक्ष्म जीव विज्ञान का मजबूत आधार बना पाएंगे वहीं दूसरी ओर विषय के अनुप्रयुक्त पहलुओं से परिचित हो पाएंगे, जिससे भविष्य में वे अपनी पसंद के संस्थान में उच्चतर अध्ययन करने में सक्षम हो सके।

बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्मजीव विज्ञान में प्रवेश के लिए पात्रता :

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए :

- भौतिकी + रसायन विज्ञान + जीव विज्ञान / जैविक अध्ययन / जैव प्रौद्योगिकी / जैव रसायन
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों पर आधारित होगी।
- उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची क की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करने चाहिए।

बी.एससी. (प्रोग्राम) रसायन विज्ञान के साथ भौतिक विज्ञान

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को एस आई इकाईयों, एकाग्रता की शर्तों, विभिन्न विश्लेषणात्मक विधियों, रासायनिक विश्लेषण में त्रुटियों के प्रकार, आंकड़ों के सांख्यिकीय परीक्षण और रसायनों और उनके अपशिष्ट पदार्थ के सुरक्षित उपयोग के बारे में जागरूक करना है।

बी.एससी. (प्रोग्राम) रसायन विज्ञान के साथ भौतिक विज्ञान में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए :

- भौतिकी + गणित + रसायन विज्ञान
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।
- उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची क की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करने चाहिए।

बी.एससी. (प्रोग्राम) जीव विज्ञान

यह प्रोग्राम विद्यार्थियों को जैविक विज्ञान के संबद्ध विषयों के साथ–साथ अनुशासनात्मक विषयों का व्यापक ज्ञान प्राप्त करने की पेशकश करेगा, जो विद्यार्थियों को दुनिया में मौजूदा जीवन प्रक्रियाओं की विविधता को समझने और उनकी सराहना करने में मदद करेगा। इसके अलावा पाठ्यक्रम अनुसंधान उपकरण और जीनोमिक्स, मेटा जेनेटिक्स जैसे कम्प्यूटेशनल टूल को संभालने और सामाजिक कल्याण के लिए समग्र सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतियों को डिजाइन करने में कौशल विकसित करेगा।

बी.एससी. (प्रोग्राम) जीव विज्ञान में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए :

- रसायन विज्ञान + भौतिकी + जीव विज्ञान / जैविक अध्ययन / जैव प्रौद्योगिकी
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों पर आधारित होगी ।
- उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची क की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करने चाहिए।

बी.कॉम. (ऑनर्स)

दिल्ली विश्वविद्यालय का बी.कॉम. (ऑनर्स) प्रोग्राम विद्यार्थियों व्यवसाय से संबंधित समकालीन वास्तविकताओं का विश्लेषण और संश्लेषण करने हेतु ज्ञान, कौशल और क्षमता प्राप्त करने में सक्षम और सशक्त बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह पाठ्यक्रम परिवर्तन और प्रतिस्पर्धा की हवाओं और सतत विकास के एक बेहद जरूरी परिप्रेक्ष्य के सामने मौजूदा व्यवसायों को बनाए रखने और इसे टिकाऊ बनाने के लिए प्रदान करता है। इस प्रोग्राम का उद्देश्य छात्रों को आज की व्यावसायिक वास्तविकताओं से निपटने के लिए वास्तविक समझ पैदा करना है और आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना है। ये विद्वानों और नीति निर्माताओं द्वारा परिकल्पित प्रासंगिक क्षेत्र में विद्यार्थियों को प्रौद्योगिकी और डिजिटलीकरण की दुनिया से भी परिचित कराता है। भारत सरकार की आत्मनिर्भर योजना के तहत इस पाठ्यक्रम को उद्यमशीलता की मानसिकता और कौशल विकसित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

बी.कॉम. (ऑनर्स) में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए :

- **संयोजन I** : सूची क में से कोई एक भाषा + गणित + कोई भी दो विषय जिनमें से कम से कम एक होना चाहिए सूची ख1 + से हो।

या

- **संयोजन II** : सूची क में से कोई एक भाषा + लेखा + कोई दो विषय जिनमें से कम से कम एक होना चाहिए सूची ख1 + से हो।

- मेरिट के उपर्युक्त संयोजनों में से किसी से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

बी. कॉम

वाणिज्य को समाज और व्यवसाय के बीच एक कड़ी के रूप में देखा जाता है। दोनों के बीच बातचीत की प्रकृति और उद्देश्य में समय के साथ जबरदस्त बदलाव आया है। सूचना प्रौद्योगिकी ने आकार और डिजाइन को फिर से तैयार किया है व्यवसाय, अपनी प्रकृति के कायापलट और सामाजिक कामकाज के मैट्रिक्स को जन्म देता है। इस परिवर्तन के निहितार्थ, बी. कॉम. प्रोग्राम का उद्देश्य छात्रों में कामकाज की समझ का निर्माण करना है और व्यापार की दुनिया का आधार बनाना है।

संगठनात्मक कामकाज के पहलू, वित्तीय प्रणाली, अर्थव्यवस्था की समझ, व्यवसाय को नियंत्रित करने वाले कानून, समाज, आदि तक पहुँचने के लिए व्यवसायों द्वारा अपनाई गई रणनीतियाँ इसे प्राप्त करने के लिए, प्रोग्राम छात्रों को अलग–अलग जानने का अवसर प्रदान करता है। रोजगार तलाशने वालों के रूप में नहीं बल्कि एक उद्यमी के रूप में समाज की सेवा करने के लिए खुद को तलाशें, प्रयोग करें और सुसज्जित करें।

बी कॉम में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए :

- **संयोजन I** : सूची क से कोई एक भाषा + सूची ख 1 से कोई दो विषय + सूची में से कोई एक विषय ख1 या सूची ख2

या

- **संयोजन II** : सूची क में से कोई एक भाषा + सूची ख1 या सूची ख2 + अनुभाग III में से कोई एक विषय सीयूईटी (सामान्य परीक्षा)
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

नोट : चूंकि सीयूईटी अनुभागों का भारांक समान नहीं है, इसलिए उचित अनुपात किया जाएगा।

बैचलर ऑफ बिजनेस इकोनॉमिक्स (बी.बी.ई)

बी.ए. (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स प्रोग्राम मजबूत नीति निर्माण और निर्णय लेने के लिए डेटा और जानकारी का विश्लेषण करने के लिए छात्रों में कुशल क्षमताओं को आत्मसात करने के लिए व्यावहारिक, विश्लेषणात्मक और सैद्धांतिक उपकरणों का एक आदर्श मिश्रण है। व्यावसायिक अर्थशास्त्र अनिवार्य रूप से व्यावसायिक समस्याओं से निपटने के लिए एक अनुप्रयोग–आधारित अंतर–अनुशासनात्मक दृष्टिकोण है। पाठ्यक्रम के अकादमिक अभिविन्यास को निर्बाध प्रयोज्यता की ओर एक मजबूत अभिविन्यास बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। पाठ्यक्रम छात्रों को बदलते आर्थिक परिदृश्य और व्यवसाय के वैश्वीकरण के साथ तालमेल रखने के लिए प्रासंगिक सॉफ्टवेयर के साथ सांख्यिकी, वित्त, विपणन, अर्थशास्त्र, अर्थमिति जैसे विषयों से संबंधित उफकरणों और सिद्धांतों से लैस करता है।

बी.बी.ई में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए :

- सीयूईटी (सामान्य परीक्षा) की सूची क + गणित + खंड III में से कोई एक भाषा
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों पर आधारित होगी।

बैचलर ऑफ एलीमेंट्री एजुकेशन बी. ईएल. ईडी

इसका उद्देश्य प्रारंभिक शिक्षक शिक्षण में उच्च क्षमता वाले स्नातक तैयार करना है। इसके अलावा, इसने प्रारंभिक शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय की डिग्री प्रदान करके प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक की व्यावसायिक स्थिति को उन्नत किया है। प्रोग्राम गहन है और एक सहायक और उत्तेजक वातावरण प्रदान करके शिक्षकों को तैयार करने पर केंद्रित है।

बी.ईएल. ईडी में प्रवेश के लिए पात्रता

उम्मीदवार को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना चाहिए :

- सूची क से कोई एक भाषा + सूची ख1 से कोई भी दो विषय + सूची ख1 या सूची ख2 में से कोई एक विषय
- मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों पर आधारित होगी।

आवेदन के समय आवश्यक दस्तावेजों की सूची

उम्मीदवारों को आवेदन करते समय प्रासंगिक प्रमाणपत्रों/दस्तावेजों की प्रतियां अपलोड करनी होंगी (जैसा लागू हो) और वास्तविक सत्यापन के समय मूल रूप में वही प्रमाण पत्र/दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे :

1. उम्मीदवार के नाम पर दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र, जिसमें जन्म तिथि और माता–पिता का नाम दर्शाया गया हो।

2. उम्मीदवार के नाम पर बारहवीं कक्षा की अंकतालिका। उम्मीदवार का नाम सीयूईटी (यूजी)–2022 फॉर्म से मेल खाना चाहिए ।

3. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ओबीसी–एनसीएल/ईडब्ल्यूएस/अल्पसंख्यक/सीडब्ल्यू/के.एम/पीडब्ल्यूबीडी प्रमाण–पत्र (उम्मीदवार के नाम पर) सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया हो। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ओबीसीएनसीएल के तहत आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार का नाम उस नाम से मेल खाना चाहिए जो उससे संबंधित स्कूल प्रमाण–पत्र में दिखाई देता हो। इसी तरह बोर्ड योग्यता प्रमाण पत्र और सीयूईटी (स्नातक) – 2022 में, उसके माता–पिता के नाम प्रमाणपत्रों के सेट से मेल खाना चाहिए।

4. ओबीसी नॉन–क्रीमी लेयर प्रमाण–पत्र (उम्मीदवार के नाम पर) – सक्षम जारीकर्ता प्राधिकारी द्वारा जारी किया हुआ हो और जिसमें जाति http://ncbc.nic.in द्वारा जारी ओबीसी केंद्रीय सूची में हो। ओबीसी–नॉन–क्रीमी लेयर के तहत आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार और माता–पिता के नाम प्रमाणपत्रों में मेल खाना चाहिए। आय प्रमाण पत्र 31 मार्च, 2022 के बाद जारी किया गया हो। ओबीसी–एनसीएल प्रमाण–पत्र का निर्धारित प्रारूप दिल्ली विश्वविद्यालय प्रवेश वेबसाइट पर दिया गया है।

5. सक्षम जारीकर्ता प्राधिकारी से ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र (उम्मीदवार के नाम पर) प्रमाणित करता है कि उम्मीदवार इस श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा कर सकते हैं। आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार का नाम, उसके माता–पिता का नाम इस श्रेणी के तहत उस नाम से मेल खाना चाहिए जो उससे संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाण–पत्र पर दिखाई देता हो। आय प्रमाण पत्र 31 मार्च, 2022 के बाद जारी किया गया हो।

6. ईसीए/स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेरी कोटा के माध्यम से प्रवेश का दावा करने वाले उम्मीदवारों को स्व–सत्यापित प्रमाणपत्रों की प्रतियां अपलोड करनी होंगी और मांगे जाने पर प्रासंगिक आवश्यक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने होंगे।

7. PwBD विकलांगता प्रमाण पत्र किसी मान्यता प्राप्त सरकारी अस्पताल द्वारा जारी उम्मीदवार के नाम पर होना चाहिए, उम्मीदवार की एक तस्वीर के साथ (निर्धारित प्रारूप के लिए अनुबंध IV देखें) प्रमाणपत्र 01.06.2021 के बाद जारी विकलांगता प्रमाण पत्र राजपत्र अधिसूचना संख्या के अनुसार होना चाहिए। हालांकि, 01.06.2021 से पहले जारी विकलांगता प्रमाण पत्र, अधिकारिता विभाग के अन्य मौजूदा लागू नियमों और अधिसूचनाओं के अनुसार माना जाएगा।

8. सीडब्ल्यू श्रेणी के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को शैक्षिक रियायत प्रमाणपत्र (ईसीसी)(उम्मीदवार के नाम पर) अपलोड करना होगा। प्रमाणपत्र के निर्धारित प्रारूप के लिए अनुलग्नक IV को देखें।

9. कश्मीरी प्रवासी श्रेणी के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार को संबंधित प्रमाण–पत्र को अपलोड करना होगा।

10. उम्मीदवार जो दिल्ली विश्वविद्यालय वार्ड सुपरन्यूमेरी कोटा के तहत प्रवेश लेना चाहते हैं, उन्हें एक वैध दस्तावेज अपलोड करना होगा :

देय अधिकारियों द्वारा जारी उसके माता–पिता का रोजगार प्रमाण–पत्र। केवल रोजगार प्रमाण–पत्र सीएसएएस आवेदन पत्र में अपलोड किए जाने पर विचार किया जाएगा। पहचान–पत्र, आधार कार्ड और/या कोई अन्य दस्तावेज स्वीकार नहीं

किया जाएगा। उम्मीदवार अपने द्वारा अपलोड किए गए प्रमाण पत्र की गुणवत्ता और प्रामाणिकता के लिए जिम्मेदार होंगे। उम्मीदवार को अपलोड किए गए दस्तावेज/प्रमाण–पत्र प्रामाणिक और सटीक हैं, यह सुनिश्चित करने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतनी होगी। मांगे गए दस्तावेजों/प्रमाण–पत्रों का उपलब्ध करवाने के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होंगे। सभी प्रमाण पत्र/दस्तावेज वास्तविक सत्यापन के पूरा होने पर कॉलेज/विभाग द्वारा उम्मीदवार को वापस किया जाएगा।

यदि मूल प्रमाण–पत्र अंग्रेजी/हिंदी में नहीं हैं, तो ऐसे प्रमाण–पत्रों का अंग्रेजी/हिंदी संस्करण/अनुवाद, पिछले संस्थान के प्राचार्य/निदेशक या अन्य सक्षम प्राधिकारी द्वारा विधिवत प्रमाणित, दस्तावेजों के सत्यापन के दौरान आवश्यक है।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम और प्रत्येक पाठ्यक्रम में स्वीकृत सीटों की संख्या 2022–23

पाठ्यक्रम	सीटों की संख्या	सामान्य	एस.सी. 15%	एस.टी. 7.5%	ओ.बी.सी. 27%	ई.डब्ल्यू. एस
मानविकी						
बी.ए. (प्रोग्राम)	230	93	35	17	62	23
बी.ए. (ऑनर्स) व्यावहारिक मनोविज्ञान	47	19	7	3	13	5
बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	59	24	9	4	16	6
बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी	59	24	9	4	16	6
बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी	59	24	9	4	16	6
बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास	59	24	9	4	16	6
बी.ए. (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र	40	16	6	3	11	4
बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	114	46	17	9	31	11
बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत	47	19	7	3	13	5
वाणिज्य						
बी.कॉम. (प्रोगाम)	230	93	35	17	62	23
बी.कॉम. (ऑनर्स)	156	63	23	12	42	16
विज्ञान						
बी.एससी. (प्रोगाम) जीव विज्ञान	114	46	17	9	31	11
बी.एससी. (प्रोगाम) भौतिक विज्ञान	77	31	11	6	21	8
बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान	77	31	11	6	21	8
बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन शास्त्र	40	16	6	3	11	4
बी.एससी. (ऑनर्स) सूक्ष्मजीव विज्ञान	40	16	6	3	11	4
बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिक	40	16	6	3	11	4
बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी विज्ञान	77	31	11	6	21	8
गणितीय विज्ञान						
बी.एससी. (ऑनर्स) गणित	59	24	9	4	16	6
व्यावसायिक विषय						
बी.ईएल.ईडी.	63	25	9	5	17	7
बी.ए. (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स	59	24	9	4	16	6
कुल	**1746**	**705**	**261**	**129**	**474**	**177**
परास्नातक पाठ्यक्रम						
एम.ए अंग्रेजी	30	12	4	3	8	3
एम.ए राजनीति विज्ञान	30	12	4	3	8	3
एम.एसई. रसायन शास्त्र	30	12	4	3	8	3
कुल योग	**1836**	**741**	**273**	**138**	**498**	**186**

**उपरोक्त तालिका में दिया गया सीट आवंटन विश्वविद्यालय से अनुमोदन के अधीन है।*

पाठ्येतर गतिविधियों और खेलकूद में प्रवेश (अतिरिक्त कोटा)

ईसीए और खेल दोनों के लिए, केवल 1 अप्रैल 2017 – 30 जून 2022 की समयावधि के बीच जारी किए गए प्रमाण पत्र पर विचार किया जाएगा। ईसीए सुपरन्यूमेरी कोटा के तहत प्रवेश के लिए, एक उम्मीदवार के संयुक्त ईसीए मेरिट (सीईएम) स्कोर पर विचार किया जाएगा। एक उम्मीदवार का सीईएम स्कोर उच्चतम प्रोग्राम–विशिष्ट के 25% का योग होगा

उन सभी प्रोग्रामों का सीयूईटी प्रतिशत स्कोर जिसमें उसने आवेदन किया है और उच्चतम ECA स्कोर का 75% ईसीए श्रेणियों से प्राप्त किया गया जिसके लिए उम्मीदवार पर विचार किया जा रहा है। विवरण के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की सूचना विज्ञप्ति देखें।

स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेरी कोटा में प्रवेश के लिए कॉलेजों की सीट मैट्रिक्स (2022–2023)

क्र.सं.	खेल	सीटें
1	व्यायाम	7
2	बास्केटबाल	5
3	शतरंज	4
4	क्रिकेट	7
5	जूडो	8
6	टेनिस	3
7	वॉलीबाल	7
	कुल	**41**

स्नातक प्रवेश के लिए ईसीए सीट मैट्रिक्स (2022–2023)

श्रेणी	उप–श्रेणी	कोड	सीटें
रचनात्मक लेखन	रचनात्मक लेखन (हिंदी)	1ए	2
	रचनात्मक लेखन (अंग्रेजी)	1बी	2
डांस	इंडियन क्लासिकल	2ए	3
	भारतीय लोक	2बी	2
	वेस्टर्न	2सी	3
	नृत्यकला	2डी	4
डिबेट	वाद–विवाद (हिंदी)	3ए	2
	वाद–विवाद (अंग्रेजी)	3बी	2
डिजिटल	मीडिया फोटोग्राफी	4ए	2
	फिल्म बनाना	4बी	2
ललित कला	स्केचिंग और पेंटिंग	5ए	4
संगीत (गायन)	भारतीय (शास्त्रीय और सुगम)	6ए	2
	पश्चिमी (शास्त्रीय और सुगम)	6बी	5
संगीत (वाद्य यंत्ररू पश्चिमी)	की बोर्ड	8जी	1
रंगमंच	रंगमंच	9	2
प्रश्नोत्तरी	प्रश्नोत्तरी	10	2
	कुल		**40**

- चयनित होने पर किसी प्रतिष्ठित अस्पताल से मेडिकल सर्टिफिकेट के अलावा कॉलेज में मेडिकल चेक–अप अनिवार्य होगा। मेडिकल चेक–अप में विफल रहने वाले किसी भी उम्मीदवार को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- चयनित खिलाड़ी द्वारा यह कहते हुए कि वे अपने स्नातक पाठ्यक्रम के दौरान कॉलेज और विश्वविद्यालय के लिए खेलेंगे, प्रवेश के समय 100/– रुपये के न्यायिक स्टांप पेपर पर एक शपथ–पत्र जमा करना अनिवार्य है।
- प्रवेश डीयू सूचना बुलेटिन 2022–23 के अनुसार किया जाएगा

अन्य अतिरिक्त कोटा पर दाखिला

बेंचमार्क विकलांग व्यक्ति (PwBD)

सभी कॉलेजों के प्रत्येक प्रोग्राम में कुल स्वीकृत संख्या का पांच प्रतिशत (5%) पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवार के लिए आरक्षित हैं। पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के लिए निर्धारित विकलांगता से संबंधित योग्यता और विवरण स्नातक सूचना विज्ञप्ति में बताया गया है।

पीडब्ल्यूबीडी कोटे के तहत प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए अलग मेरिट सूची घोषित की जाएगी। PwBD प्रमाणपत्र के निर्धारित प्रारूप के लिए, सीएसएएस 2022 देखें।

सशस्त्र बल कर्मियों के बच्चे/विधवाएं (सीडब्ल्यू)

सशस्त्र बल कार्मिकों के बच्चों/विधवाओं उम्मीदवारों के लिए पांच प्रतिशत (5%) सीटें प्रोग्राम–क्रम से सभी कॉलेजों में आरक्षित हैं। सीडब्ल्यू कोटे के तहत प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए अलग मेरिट सूची घोषित की जाएगी।

सीडब्ल्यू उम्मीदवारों को अपनी प्राथमिकता और प्रमाण पत्र की भी पुष्टि करनी होगी। सीडब्ल्यू प्राथमिकता से संबंधित विवरण के लिए, स्नातक सूचना विज्ञप्ति 2022 देखें।

कश्मीरी प्रवासी

कश्मीरी प्रवासी कोटे के तहत प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों के लिए अलग मेरिट सूची घोषित की जाएगी। कश्मीरी प्रवासियों के बच्चों के लिए सभी कॉलेजों में 5% तक सीटें आरक्षित हैं। कश्मीरी प्रवासियों के सभी बच्चों को कश्मीरी प्रवासियों के रूप में पंजीकरण प्रमाणपत्र अपलोड करना होगा : संभागीय आयुक्त/राहत आयुक्त।

जम्मू–कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधान मंत्री की विशेष छात्रवृत्ति योजना (पीएमएसएसएस)

जम्मू–कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधान मंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के तहत चयनित उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जाएगा, एआईसीटीई और दिल्ली विश्वविद्यालय नियमों के अनुसार।

सिक्किम के छात्रों के लिए सीटों का नामांकन

सिक्किम के छात्रों के लिए नामांकित सीटों के लिए सीटों की उपलब्धता से संबंधित विवरण के लिए, स्नातक सूचना विज्ञप्ति–2022 देखें।

दिल्ली विश्वविद्यालय वार्ड कोटा

विश्वविद्यालय और कॉलेज के कर्मचारियों के बच्चों (शिक्षण और गैर–शिक्षण दोनों) का प्रवेश, अकादमिक परिषद के संकल्प 9क और ख, दिनांक 27.11.2020 और उसके बाद के संशोधनों/अधिसूचनाओं के अनुसार होगा।

नई शिक्षा नीति के तहत स्नातक कोर्स रूपरेखा का विवरण, जैसा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में लागू है

1. **एकेडमिक क्रेडिट** – एकेडमिक क्रेडिट एक इकाई है जिसके द्वारा पाठ्यक्रम–कार्य को मापा जाता है। यह प्रति सप्ताह आवश्यक निर्देशों के घंटों की संख्या निर्धारित करता है। एक क्रेडिट एक घंटे के शिक्षण (व्याख्यान या ट्यूटोरियल) या प्रति सप्ताह दो घंटे के व्यावहारिक कार्यक्षेत्र कार्य के बराबर है।

2. **अध्ययन पाठ्यक्रम** – अध्ययन पाठ्यक्रम एक विशेष विषय में अध्ययन के अनुसरण को दर्शाते हैं। प्रत्येक अनुशासन अध्ययन के पाठ्यक्रमों की तीन श्रेणियों को प्रदान करेगा अर्थात अनुशासन विशिष्ट कोर पाठ्यक्रम (डीएससी), अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) और सामान्य ऐच्छिक (जीई)।

क) **अनुशासन विशिष्ट कोर (डीएससी)** : अनुशासन विशिष्ट कोर अध्ययन का एक पाठ्यक्रम है, जिसे एक छात्र द्वारा अध्ययन के अपने कार्यक्रम की अनिवार्य आवश्यकता के रूप में अपनाया जाएगा । डीएससी उस विशेष अनुशासन के मुख्य क्रेडिट पाठ्यक्रम होंगे, जिन्हें एनईपी 2020 के अनुसार कई निकास विकल्पों के साथ, छात्र द्वारा किए जा रहे अध्ययन के सेमेस्टर में उचित रूप से वर्गीकृत और व्यवस्थित किया जाएगा। प्रत्येक प्रोग्राम में पढ़ाए जाने वाले मुख्य पाठ्यक्रम के रूप में निर्दिष्ट डीएससी की पहचान संबंधित विभाग द्वारा की जाएगी। उदाहरण के लिए, एकल अनुशासन विशिष्ट ऑनर्स डिग्री प्रदान करने के लिए, जैसे कि बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास , बी.कॉम. (ऑनर्स), बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी और इसी तरह के ऐसे कार्यक्रम, डीएससी क्रमशः इतिहास, वाणिज्य और भौतिकी के मुख्य पाठ्यक्रम होंगे।

हालाँकि, 'अध्ययन के बहु–विषयक पाठ्यक्रमों के क्षेत्र' (एक एकल अनुशासन के बजाय) जैसे बी.एससी. में ऑनर्स डिग्री प्रोग्राम को आगे बढ़ाने के लिए। (ऑनर्स) जीवन–विज्ञान, बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक विज्ञान/मानविकी, डीएससी में एक से अधिक विषयों के कोर क्रेडिट पाठ्यक्रम शामिल होंगे। उदाहरण के लिए, बी.एस.सी. (ऑनर्स) जीवन विज्ञान प्रोग्राम के लिए एक छात्र तीन विषयों अर्थात वनस्पति विज्ञान, प्राणीशास्त्र और रसायन विज्ञान के क्रेडिट पाठ्यक्रमों का अध्ययन करेगा। डीएससी 1 डिसिप्लिन क1 (जैसे, बॉटनी) का हो सकता है, डीएससी 2 डिसिप्लिन ख 1 (जैसे, जूलॉजी) का हो सकता है और डीएससी 3 डिसिप्लिन ग 1 (जैसे, केमिस्ट्री) का हो सकता है। हालांकि, ऐसे ऑनर्स डिग्री प्रोग्राम का चौथा वर्ष केवल एक विषय के अध्ययन के लिए समर्पित होगा और इसलिए सातवें और आठवें सेमेस्टर में डीएससी पाठ्यक्रम अनुशासन क/ख/ग के होंगे न कि इन तीन विषयों के संयोजन के लिए। कृपया तालिका–63 में दिए गए ढाँचे को उदाहरण–I के रूप में देखें।

ख) **अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई)** : अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) उस विशेष अनुशासन (अध्ययन के एकल अनुशासन कार्यक्रम) या उन विषयों (अध्ययन के बहु–विषयक कार्यक्रम) के क्रेडिट पाठ्यक्रमों का एक समुच्चय होगा, (किसी भी स्थिति में), जिसमें एक छात्र अपने विशेष अनुशासन का अध्ययन करना चुनता है। रूपरेखा में निर्दिष्ट डीएसई को संबंधित विभाग द्वारा एक कार्यक्रम में पढ़ाए जाने वाले वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के रूप में पहचाना जाएगा। उदाहरण के लिए, बीएससी करने के लिए (ऑनर्स) फिजिक्स, डीएसई चुने गए डीएसई फिजिक्स के समुच्चय से होने चाहिए। इसी प्रकार बी.एस.सी. (ऑनर्स) जीव विज्ञान प्रोग्राम, चुने गए डीएसई को वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान और रसायन विज्ञान के डीएसई के पाठ्यक्रमों का एक समुच्चय होना चाहिए, जो अध्ययन के इस प्रोग्राम के लिए मुख्य विषय हैं।

हालाँकि, 'अध्ययन के बहु–विषयक पाठ्यक्रमों के क्षेत्र' (एक एकल अनुशासन के बजाय) जैसे बी.एससी. में ऑनर्स डिग्री प्रोग्राम को आगे बढ़ाने के लिए। (ऑनर्स) जीव विज्ञान, बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक विज्ञान/मानविकी, सातवें और आठवें सेमेस्टर में इस तरह के ऑनर्स डिग्री प्रोग्राम के चौथे वर्ष में, छात्र को किसी एक विषय क/ख/ग से डीएसई का चयन करना होगा, न कि इन तीनों का संयोजन अनुशासन। कृपया दिए गए ढांचे को देखें उदाहरण – I तालिका–3 में।

ग) **सामान्य ऐच्छिक (जीई)** : जेनेरिक ऐच्छिक पाठ्यक्रमों का एक समुच्चय होगा जो छात्रों को बहु–विषयक या अंतःविषय शिक्षा प्रदान करने के लिए है। जीई में विषम और सम सेमेस्टर के समूहों में अध्ययन के विभिन्न विषयों (मूल अनुशासन द्वारा प्रस्तावित जीई को छोड़कर) द्वारा पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों का एक समुच्चय शामिल होगा, जिसमें से छात्र चुन सकता है। ढांचे में निर्दिष्ट जीई की पहचान संबंधित विभाग द्वारा एक कार्यक्रम में पढ़ाए जाने वाले जीई के रूप में की जाएगी। यदि कोई छात्र अध्ययन के अपने अनुशासन विशिष्ट पाठ्यक्रम (पाठ्यक्रमों) से परे डीएसई का विकल्प चुनता है, तो ऐसे डीएसई को उस छात्र के लिए जीई के रूप में माना जाएगा।

घ) **क्षमता वृद्धि पाठ्यक्रम (एईसी), कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम (एसईसी) और मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी)** : ये तीन पाठ्यक्रम सभी विभागों द्वारा विषम और सम सेमेस्टर के समूहों में पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों का एक समुच्चय होगा, जिसमें से छात्र चुन सकते हैं। छात्र को शैक्षणिक परियोजना/उद्यमिता को लघु रूप में बनाने के लिए जीई, एसईसी, वीएसी, और इंटर्नशिप/प्रशिक्षुता/परियोजना/समुदाय (आईएपीसी) के पाठ्यक्रमों के उपर्युक्त संयोजन को चुनना होगा जो योजना में निर्दिष्ट विभिन्न मॉड्यूल के रूप में पेश किए जाएंगे ।

(i) एईसी पाठ्यक्रम सामग्री पर आधारित पाठ्यक्रम हैं जो अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से ज्ञान वृद्धि की ओर ले जाते हैं। वे भाषा और साहित्य और पर्यावरण विज्ञान और सतत विकास हैं जो सभी विषयों के लिए अनिवार्य होंगे।

(ii) एसईसी सभी विषयों में कौशल आधारित पाठ्यक्रम हैं और इनका उद्देश्य व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है, छात्रों के लिए दक्षता और कौशल। कौशल–आधारित निर्देश प्रदान करने के लिए डिजाइन किए गए पाठ्यक्रमों के समुच्चय से एसईसी पाठ्यक्रमों का चयन किया जा सकता है। प्रत्येक विषय कौशल आधारित पाठ्यक्रम प्रदान कर सकता है, जिनमें से कुछ अपने अनुशासन के छात्रों को प्रदान किए जा सकते हैं जबकि शेष अन्य सभी विषयों के छात्रों के लिए खुले हो सकते हैं।

(iii) वीएसी पाठ्यक्रम विभिन्न विषयों द्वारा पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों का सामान्य समुच्चय है और इसका उद्देश्य व्यक्तित्व निर्माण है; नैतिक, सांस्कृतिक और संवैधानिक मूल्यों को शामिल करना; आलोचनात्मक सोच, भारतीय ज्ञान प्रणाली, वैज्ञानिक स्वभाव, संचार कौशल, रचनात्मक लेखन, प्रस्तुति कौशल, खेल और शारीरिक शिक्षा और टीम क्षमता को बढ़ावा देना जो छात्रों के सर्वांगीण विकास में मदद करेगा।

3. प्रमुख अनुशासन

क) एक विशिष्ट विषय (कोर कोर्स) में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम को करने वाले छात्र को आठवां सेमेस्टर के पूरा होने पर एक 'प्रमुख अनुशासन' के साथ एक उपयुक्त ऑनर्स डिग्री से सम्मानित किया जाएगा, यदि वह उस अनुशासन में कम से कम 50% हासिल करता है। कुल क्रेडिट यानी, उस अनुशासन में कुल 176 क्रेडिट में से कम से कम 88 क्रेडिट। वह आठ सेमेस्टर में 20 डीएससी और कम से कम 2 डीएसई का अध्ययन करेगा।

उदाहरण के लिए, एक छात्र जो बी.कॉम करता है। (ऑनर्स) वाणिज्य मेजर प्राप्त करने के लिए 20 डीएससी और कम से कम दो डीएसई से न्यूनतम 88 क्रेडिट अर्जित करेगा।

ख) कोर कोर्स (उदाहरण के लिए बी.ए सामाजिक विज्ञान/मानविकी, बीएससी जीव विज्ञान, बीएससी भौतिक विज्ञान, बीएससी गणितीय विज्ञान, बी. कॉम और इस तरह के अन्य कार्यक्रमों) को आठवां सेमेस्टर के पूरा होने पर एक अनुशासन में 'मेजर' के साथ उचित सम्मान की डिग्री से सम्मानित किया जाएगा, यदि वह उस अनुशासन में कुल 176 क्रेडिट में से 80 क्रेडिट हासिल करता है। वह 6 डीएससी और कम से कम 3 डीएसई का अध्ययन करेगा ।

पहले छह सेमेस्टर और 2 डीएससी, 6 डीएसई में वह अनुशासन और सातवें और आठवें सेमेस्टर में उस विषय में शोध प्रबंध लिखेगा। उदाहरण के लिए, एक छात्र जो चार वर्षीय बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक विज्ञानध्मानविकी आठवें सेमेस्टर के पूरा होने पर इतिहास में मेजर के लिए पात्र होंगे, यदि वह 8 डीएससी और इतिहास के कम से कम 9 डीएसई से न्यूनतम 80 क्रेडिट अर्जित करता है और इतिहास से संबंधित विषय पर शोध प्रबंध लिखता है।

4. लघु अनुशासन

क) ऊपर 3 (क) में उल्लिखित एक छात्र को आठवां सेमेस्टर के पूरा होने पर एक विषय में 'माइनर' से सम्मानित किया जा सकता है, अगर वह उस विषय के सात जीई पाठ्यक्रमों से न्यूनतम 28 क्रेडिट अर्जित करता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई छात्र बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास कुल दस जीई पाठ्यक्रमों में से राजनीति विज्ञान के सात जीई पाठ्यक्रमों को चुनता है और निबंध लिखता है, उसे आठवें सेमेस्टर, इतिहास में मेजर और राजनीति विज्ञान में माइनर के सफल समापन पर सम्मानित किया जाएगा।

ख) ऊपर 3 (ख) में उल्लिखित एक छात्र को आठवें सेमेस्टर के पूरा होने पर एक विषय में माइनर से सम्मानित किया जा सकता है, अगर वह छह डीएससी और उस अनुशासन के एक डीएसई से न्यूनतम 28 क्रेडिट अर्जित करता है। उदाहरण के लिए, चार वर्षीय बीए (ऑनर्स) सामाजिक विज्ञान/मानविकी इतिहास में मेजर (इतिहास में कम से कम 80 क्रेडिट हासिल करने के बाद) का अध्ययन करने वाले छात्र को हिंदी में माइनर से सम्मानित किया जा सकता है यदि वह छह डीएससी से 28 क्रेडिट अर्जित करता है और एक आठवें सेमेस्टर के सफलतापूर्वक समापन पर हिंदी का एक डीएसई (छठे सेमेस्टर तक)।

माइनर की यह परिभाषा जीई से मुक्त है जिसके लिए माइनर के रूप में माने जाने के लिए 28 क्रेडिट की आवश्यकता है। इसके अलावा, यदि कोई छात्र भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित जैसे तीन विषयों के बजाय भौतिकी और रसायन विज्ञान जैसे दो विषयों का विकल्प चुनता है, तो प्रमुख और लघु अध्ययन से संबंधित पाठ्यक्रमों में अर्जित क्रेडिट के अनुसार निर्धारित किया जाएगा। माइनर की अवधारणा तभी प्रासंगिक है जब कोई मेजर डिसिप्लिन हो।

तालिका 1

क्र. सं.	पुरस्कार के प्रकार	निकास का चरण	अनिवार्य क्रेडिट जो प्रवेश के लिए आवश्यक हैं
1.	अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र में स्नातक प्रमाणपत्र	सेमेस्टर II के सफल समापन के बाद	44
2.	अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र में स्नातक डिप्लोमा	सेमेस्टर IV के सफल समापन के बाद	88
3.	स्नातक (अध्ययन के क्षेत्र) (ऑनर्स) डिसिप्लिन (अध्ययन के सिंगल कोर अनुशासन पाठ्यक्रमों के लिए)	सेमेस्टर VI के सफल समापन के बाद	132
4.	स्नातक (अध्ययन के बहु–विषयक पाठ्यक्रमों का क्षेत्र) (अध्ययन के कई प्रमुख विषयों के पाठ्यक्रम के लिए)	सेमेस्टर VI के सफल समापन के बाद	132
5.	स्नातक (अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र) (अनुसंधान/शैक्षणिक परियोजनाओं/उद्यमिता) अनुशासन (अध्ययन के सिंगल कोर अनुशासन पाठ्यक्रमों के लिए)	सेमेस्टर VIII के सफल समापन के बाद	176
6.	स्नातक (अध्ययन के बहु–विषयक पाठ्यक्रमों के क्षेत्र) (ऑनर्स)	सेमेस्टर VIII के सफल समापन के बाद	176

तालिका 2 : स्नातक (अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र) (ऑनर्स)

सेमेस्टर	कोर (DSC)	वैकल्पिक (DSC)	सामान्य वैकल्पिक (GE)	क्षमता वृद्धि पाठ्यक्रम (AEC)	कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम (SEC)	इंटर्नशिप/ शिक्षुता/ परियोजना/ सामुदायिक पहुंच (2)	मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (VAC)	कुल क्रेडिट
I	डीएससी – 1(4) डीएससी – 2(4) डीएससी – 3(4)		जीई–1 पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें (4)	एईसी पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)	22 क्रेडिट
II	डीएससी – 4(4) डीएससी – 5(4) डीएससी – 6(4)		जीई–1 पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें (4)	AEC पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)	22 क्रेडिट
	बाहर निकलने पर छात्रों को सेमेस्टर I और II में अपेक्षित 44 क्रेडिट हासिल करने के बाद स्नातक प्रमाणपत्र (अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र में) से सम्मानित किया जाएगा।							***कुल = 44***
III	डीएससी – 7(4) डीएससी – 8(4) डीएससी – 9(4)	पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें, डीएसई – 1 (4) या पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें, जीई – 3 (4)**		AEC पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)	एक एसईसी चुनें या इंटर्नशिप/शिक्षुता/परियोजना/ सामुदायिक आउटरीच (आइएपीसी) (2)*		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)	22 क्रेडिट
IV	डीएससी – 10(4) डीएससी – 11(4) डीएससी – 12(4)	पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें, डीएसई – 2 (4) या वैकल्पिक रूप से पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें, जीई – 4 (4)**		AEC पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)	एक एसईसी चुनें या इंटर्नशिप/शिक्षुता/परियोजना/ सामुदायिक आउटरीच (IAPC) (2)*		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)	22 क्रेडिट
	बाहर निकलने पर छात्रों को सेमेस्टर IV के पूरा होने पर अपेक्षित 88 क्रेडिट हासिल करने के बाद स्नातक डिप्लोमा (अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र में) से सम्मानित किया जाएगा।							***कुल = 88***

V	डीएससी – 13(4) डीएससी – 14(4) डीएससी – 15(4)	पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें डीएसई–3(4)	पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें जीई–5(4)		एक एसईसी चुनें या इंटर्नशिप / शिक्षुता / परियोजना / सामुदायिक आउटरीच (IAPC) (2)***		22 क्रेडिट
VI	डीएससी – 16(4) डीएससी – 17(4) डीएससी – 18(4)	पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें डीएसई–4(4)	पाठ्यक्रमों के पुल में से किसी एक को चुनें जीई–6(4)^		एक एसईसी चुनें या इंटर्नशिप / शिक्षुता / परियोजना / अनुसंधान / सामुदायिक आउटरीच (IAPC) (2)***		22 क्रेडिट
	बाहर निकलने पर छात्रों को सेमेस्टर VI के पूरा होने पर अपेक्षित 132 क्रेडिट हासिल करने के बाद स्नातक (अध्ययन / अनुशासन के क्षेत्र में) ऑनर्स डिग्री (3 वर्ष) से सम्मानित किया जाएगा।						***कुल = 132***
VII	डीएससी – 19(4)	तीन डीएसई (3×4) पाठ्यक्रम चुनें या दो डीएसई (2×4) और एक जीई (4)^ कोर्स चुनें या एक डीएसई (4) और दो जीई (2×4) कोर्स चुनें (कुल = 12) #				मेजर पर शोध प्रबंध (6) या माइनर पर शोध निबंध (6) या शैक्षणिक परियोजना / उद्यमिता (6)	22 क्रेडिट
VIII	डीएससी – 20(4)	तीन डीएसई (3×4) पाठ्यक्रम चुनें या दो डीएसई (2×4) और एक जीई (4)' कोर्स चुनें या एक डीएसई (4) और दो जीई (2×4) कोर्स चुनें (कुल = 12) #				मेजर पर शोध प्रबंध (6) या माइनर पर शोध निबंध (6) या शैक्षणिक परियोजना / उद्यमिता (6)	22 क्रेडिट
	बाहर निकलने पर और आठवें सेमेस्टर के पूरा होने पर छात्रों को अपेक्षित 176 क्रेडिट हासिल करने के बाद अनुसंधान / शैक्षणिक परियोजनाओं / उद्यमिता के साथ स्नातक (अध्ययन / अनुशासन के क्षेत्र में) ऑनर्स या अनुशासन–1 (मेजर) में अनुशासन–2 (माइनर) के साथ सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।						***कुल = 176***

तालिका 3 : (उदाहरण : बीएससी कार्यक्रम पाठ्यक्रम)
उदाहरण–1 : अध्ययन के बहु–विषयक पाठ्यक्रमों के लिए सैंपल UGCF@#

सेमेस्टर	कोर (DSC)	वैकल्पिक (DSC)	सामान्य वैकल्पिक (GE)	क्षमता वृद्धि पाठ्यक्रम (AEC)	कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम (SEC)	इंटर्नशिप / शिक्षुता / परियोजना (2)	मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (VAC)	कुल क्रेडिट
I	डिसिप्लिन ए1–(4) डिसिप्लिन बी1–(4) डिसिप्लिन सी1–(4)		पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें जीई–1(4)	एईसी पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें (2)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)	22 क्रेडिट
II	डिसिप्लिन ए2–(4) डिसिप्लिन बी1–(4) डिसिप्लिन सी2–(4)		पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें जीई–2(4)	एईसी पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें (2)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)	22 क्रेडिट
	बाहर निकलने पर छात्रों को सेमेस्टर I और II में अपेक्षित 44 क्रेडिट हासिल करने के बाद स्नातक प्रमाणपत्र (बहु–विषयक अध्ययन के क्षेत्र में) से सम्मानित किया जाएगा।							***कुल = 44***
III	डिसिप्लिन ए3–(4) डिसिप्लिन बी3–(4) डिसिप्लिन सी3–(4)	पाठ्यक्रमों के पूल में से चुनें, डीएसई ए / बी / सी (4) या पाठ्यक्रमों के पूल में से चुनें, जीई–3 (4)		एईसी पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें (2)	एक एसईसी या इंटर्नशिप / शिक्षुता / परियोजना / सामुदायिक आउटरीच चुनें (2)		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)	22 क्रेडिट
IV	डिसिप्लिन ए4–(4) डिसिप्लिन बी4–(4) डिसिप्लिन सी4–(4)	पाठ्यक्रमों के पूल में से चुनें, डीएसई ए / बी / सी (4) या विकल्प में जीई–4 (4)		एईसी पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें (2)	एक एसईसी या इंटर्नशिप / शिक्षुता / परियोजना / सामुदायिक आउटरीच चुनें (2)		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)	22 क्रेडिट

	बाहर निकलने पर छात्रों को सेमेस्टर IV के पूरा होने पर अपेक्षित 88 क्रेडिट हासिल करने के बाद स्नातक डिप्लोमा (बहु–विषयक अध्ययन के क्षेत्र में) से सम्मानित किया जाएगा।						***कुल=88***
V	डिसिप्लिन ए5–(4) डिसिप्लिन बी5–(4) डिसिप्लिन सी5–(4)	पाठ्यक्रम ए/बी/सी के पूल में से किसी एक को चुनें–(4)	पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें जीई–5 (4)		एक एसईसी या इंटर्नशिप/शिक्षुता/परियोजना/सामुदायिक आउटरीच चुनें (2)		22 क्रेडिट
VI	डिसिप्लिन ए6–(4) डिसिप्लिन बी6–(4) डिसिप्लिन सी6–(4)	पाठ्यक्रम ए/बी/सी के पूल में से किसी एक को चुनें–(4)	पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें जीई–5 (4)		एक एसईसी या इंटर्नशिप/शिक्षुता/परियोजना/अनुसंधान/सामुदायिक आउटरीच चुनें (2)		22 क्रेडिट
	बाहर निकलने पर छात्रों को सेमेस्टर VI के पूरा होने पर अपेक्षित 132 क्रेडिट हासिल करने के बाद स्नातक (बहु–विषयक अध्ययन के क्षेत्र में) से सम्मानित किया जाएगा।						***कुल=132***
VII	डीएससी–(4)	तीन डीएसई (3×4) पाठ्यक्रम चुनें या दो डीएसई (2×4) और एक जीई (4) कोर्स चुनें या एक डीएसई (4) और दो जीई (2×4) कोर्स चुनें (कुल = 12)				मेजर पर शोध प्रबंध (4+2) या माइनर पर शोध निबंध (4+2) या शैक्षणिक परियोजना/उद्यमिता (4+2)	22 क्रेडिट
VIII	डीएससी–(4)	तीन डीएसई (3×4) पाठ्यक्रम चुनें या दो डीएसई (2×4) और एक जीई (4) कोर्स चुनें	पाठ्यक्रम (एईसी)	पाठ्यक्रम (एसईसी)	इंटर्नशिप/प्रोजेक्ट (2)	मेजर पर शोध प्रबंध (4+2) या माइनर पर शोध निबंध	22 क्रेडिट

		या एक डीएसई (4) और दो जीई (2×4) कोर्स चुनें (कुल = 12)				(4+2) या शैक्षणिक परियोजना/ उद्यमिता (4+2)	
	बाहर निकलने पर छात्रों को सेमेस्टर VIII के पूरा होने पर अपेक्षित 176 क्रेडिट हासिल करने के बाद स्नातक (बहु–विषयक अध्ययन के क्षेत्र में) (ऑनर्स या अकादमिक परियोजनाओं/उद्यमिता के साथ ऑनर्स डिग्री) से सम्मानित किया जाएगा।						***कुल=176***

@# यह ढांचा तालिका –3 में प्रदान किए गए सामान्य यूजीसीएफ पर आधारित है और उन कार्यक्रमों के लिए प्रासंगिक है जहां एक से अधिक विषयों को मुख्य पाठ्यक्रमों के रूप में प्राथमिकता दी जाती है, जैसे जीवन विज्ञान, भौतिक विज्ञान और अध्ययन के ऐसे किसी भी अन्य बहु–विषयक क्षेत्रों में स्नातक।

तालिका 4 : (उदाहरण : बीए प्रोग्राम)
उदाहरण–2 : मुख्य अनुशासन से अधिक अध्ययन के पाठ्यक्रमों के लिए सैंपल UGCF

सेमेस्टर	कोर (DSC)	वैकल्पिक (DSC)	सामान्य वैकल्पिक (GE)	क्षमता वृद्धि पाठ्यक्रम (AEC)	कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम (SEC)	आईएपीसी (IAPC)	मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (VAC)	कुल क्रेडिट
I	डीएससी–1 (ए/बी) डिसिप्लिन–ए1 डिसिप्लिन–बी1–(4)		जीई भाषाओं के पूल में से किसी एक को चुनें, भाषा–1* जीई–1 (4)	एईसी पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें (2)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)	22 क्रेडिट
II	डीएससी–2 (ए/बी) डिसिप्लिन–ए2 डिसिप्लिन–बी2 (4)		जीई भाषाओं के पूल में से किसी एक को चुनें, भाषा–2* जीई–2 (4)	एईसी पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें (2)	पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)	22 क्रेडिट
बाहर निकलने पर छात्रों को सेमेस्टर I और II में अपेक्षित 44 क्रेडिट हासिल करने के बाद स्नातक प्रमाणपत्र (बहु–विषयक अध्ययन के क्षेत्र में) से सम्मानित किया जाएगा।								*कुल=44*
III	डीएससी–3 (ए/बी) डिसिप्लिन–ए3 डिसिप्लिन–बी3 (4)		जीई भाषाओं के पूल में से किसी एक को चुनें, भाषा–3* जीई–3 (4)	एईसी पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें (2)	एक एसईसी या इंटर्नशिप/शिक्षुता/परियोजना/सामुदायिक आउटरीच चुनें (आईएपीसी) (2)		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)	22 क्रेडिट
IV	डीएससी–4 (ए/बी) डिसिप्लिन–ए4 डिसिप्लिन–बी4 (4)		जीई भाषाओं के पूल में से किसी एक को चुनें, भाषा–4* जीई–4 (4)	एईसी पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें (2)	एक एसईसी या इंटर्नशिप/शिक्षुता/परियोजना/सामुदायिक आउटरीच चुनें (आईएपीसी) (2)		पाठ्यक्रमों के पूल में से एक चुनें (2)	22 क्रेडिट
बाहर निकलने पर छात्रों को सेमेस्टर IV के पूरा होने पर अपेक्षित 88 क्रेडिट हासिल करने के बाद स्नातक डिप्लोमा (बहु–विषयक अध्ययन के क्षेत्र में) से सम्मानित किया जाएगा।								*कुल=88*

V	डीएससी–5 (ए/बी) डिसिप्लिन–ए5 डिसिप्लिन–बी5 (4)	पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें डीएसई–1 (ए/बी) (4)	पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें जीई–5 (4)		एक एसईसी या इंटर्नशिप/शिक्षुता/परियोजना/सामुदायिक आउटरीच चुनें (2)		22 क्रेडिट
VI	डीएससी–6 (ए/बी) डिसिप्लिन–ए6 डिसिप्लिन–बी6 (4)	पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें डीएसई–2 (ए/बी) (4)	पाठ्यक्रमों के पूल में से किसी एक को चुनें जीई–6 (4)		एक एसईसी या इंटर्नशिप/शिक्षुता/परियोजना/अनुसंधान/सामुदायिक आउटरीच चुनें (2)		22 क्रेडिट
बाहर निकलने पर छात्रों को सेमेस्टर VI के पूरा होने पर अपेक्षित 132 क्रेडिट हासिल करने के बाद स्नातक (बहु–विषयक अध्ययन के क्षेत्र में) से सम्मानित किया जाएगा।							***कुल=132***
VII	डीएससी–(13) (4)	तीन डीएसई (3×4) पाठ्यक्रम चुनें या दो डीएसई (2×4) और एक जीई (4) कोर्स चुनें या एक डीएसई (4) और दो जीई (2×4) कोर्स चुनें (कुल = 12)				मेजर पर शोध प्रबंध (4+2) या माइनर पर शोध निबंध (4+2) या शैक्षणिक परियोजना/उद्यमिता (4+2)	22 क्रेडिट
VIII	डीएससी–(14) (4)	तीन डीएसई (3×4) पाठ्यक्रम चुनें या दो डीएसई (2×4) और एक जीई (4) कोर्स चुनें या एक डीएसई (4) और दो जीई (2×4) कोर्स चुनें (कुल = 12)				मेजर पर शोध प्रबंध (4+2) या माइनर पर शोध निबंध (4+2) या शैक्षणिक परियोजना/उद्यमिता (4+2)	22 क्रेडिट
बाहर निकलने पर छात्रों को सेमेस्टर VIII के पूरा होने पर अपेक्षित 176 क्रेडिट हासिल करने के बाद स्नातक (बहु–विषयक अध्ययन के क्षेत्र में) (ऑनर्स या अकादमिक परियोजनाओं/उद्यमिता के साथ ऑनर्स डिग्री) से सम्मानित किया जाएगा।							***कुल=176***

*भाषाएं 1,2,3 और 4 सेमेस्टर I, II, III और IV में क्रमशः दो अलग–अलग भाषाओं के पाठ्यक्रम हैं (जिनमें से एक भारतीय भाषा होगी) इन्हें जीई के रूप में पेश की जाने वाली भाषाओं के पूल से चुना जाना है। एक छात्र प्रत्येक भाषा के दो पाठ्यक्रमों का अध्ययन करेगा।

डीएससी–1 से डीएससी–6 अनुशासन ए या बी में से किसी एक के मुख्य पाठ्यक्रम होंगे।

यदि कोई छात्र अनुशासन ए में मेजर करना चाहता है, तो उसे डीएससीएस और डीएसईएस अनुशासन ए से कम से कम 80 क्रेडिट अर्जित करना चाहिए। यदि अनुशासन ए के डीएससी और डीएसई का योग 80 क्रेडिट से कम है, तो अनुशासन ए के विषय पर लिखे गए शोध प्रबंध में अर्जित क्रेडिट को भी अपेक्षित 80 क्रेडिट को पूरा करने के लिए ध्यान में रखा जाएगा।

वर्ष 2022–23 के लिए शुल्क

दाखिले के समय पूर्ण रूप से भुगतान किए जाने वाले संबंधित पाठ्यक्रमों के लिए कुल शुल्क निम्नलिखित है। जब तक शुल्क का भुगतान नहीं किया जाएगा तब तक दाखिले की स्वीकृति अमान्य है। संस्थान द्वारा संशोधन के मामले में शुल्क परिवर्तन के अधीन हैं।

*आवेदक को सलाह दी जाती है कि दाखिले की स्वीकृति के 24 घंटे के भीतर बिना देरी किए शुल्क का भुगतान किया जाना अनिवार्य है।

कोर्स	शुल्क (रु.)
बी.कॉम. (ऑनर्स)	14975/-
बी.कॉम. (प्रोग्राम)	14975/-
बीए (ऑनर्स) संस्कृत / दर्शनशास्त्र / इतिहास / राजनीति विज्ञान / हिंदी / अंग्रेजी	14975/-
बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	14975/-
बी.ए. (प्रोग्राम)	14975/-
बी.ए. (प्रोग्राम) जर्मन	14975/-
बी.ए. (प्रोग्राम) कंप्यूटर	14975/-
बी.ए. (प्रोग्राम) मनोविज्ञान	15475/-
बी.ए. (ऑनर्स) व्यावहारिक	16475/-
बी.एससी. (ऑनर्स) बॉटनी / जूलॉजी	15725/-
बी.एससी. (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी	16525/-
बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी	15725/-
बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान	16025/-
बी.एससी. (ऑनर्स) गणित	14975/-
बी.एससी. (कार्यक्रम) भौतिक विज्ञान	15725/-
बी.एससी. (कार्यक्रम) जीवन विज्ञान	15725/-
बी.एल.एड	18875/-
बी.बी.ई	43100/-
एम.ए. अंग्रेजी	14361/-
एम.ए. राजनीति विज्ञान	14361/-
एम. एससी. रसायन विज्ञान	14411/-

नोट : एम.ए. राजनीति विज्ञान / अंग्रेजी / एम.एससी. के पाठ्यक्रमों के लिए, रसायन शास्त्र रु. 1200 / – (उपर्युक्त शुल्क सहित) पुस्तकालय विकास और विश्वविद्यालय सुरक्षा शुल्क के रूप में लिया जाता है।

महत्वपूर्ण

पीडब्ल्यूडी श्रेणी के लिए रुपये 20 / – मात्र का शुल्क लिया जाएगा।

टिप्पणी

- सभी विदेशी छात्रों से उपरोक्त निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त 100 डॉलर के बराबर रुपए लिए जाएंगे।
- सभी छात्रों को दाखिले के लिए पूरी फीस का भुगतान करना होगा। विश्वविद्यालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार जरूरतमंद छात्र वित्तीय सहायता के लिए आवेदन कर सकते हैं।

महत्वपूर्ण समितियां

दाखिला शिकायत समिति

डॉ रागिनी सिंह	9910040196
प्रो. स्वाति श्वेता	9818434369
प्रो. वंदना लूथरा	9811794118

एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्ल्यूडी श्रेणी के लिए दाखिला शिकायत समिति

श्री देवराज सिंह	9958988626
डॉ. नीतीश कुमार	8800731338
डॉ. सरथ बाबू	8076480677
प्रो. श्रीनिवास त्यागी	8527978508

प्रवेश समिति संयोजक

डॉ निधि (वाणिज्य)	9136145215
डॉ. रेणु अग्रवाल (विज्ञान)	9811591110
डॉ. श्वेता मिश्रा (मानविकी)	9650154740

प्रॉक्टर

डॉ. अनीता भट्ट	9811340042
प्रो. अपराजिता मोहंती	9810567611

संघ सलाहकार

डॉ. जसविंदर कौर	9953535146
डॉ. मंजू सहाय	9899212129
डॉ पूनम फोगट	9891903040

***नोट** : ये नामावली वर्णक्रमानुसार है।*

गार्गी कॉलेज के संकाय

प्रो. संगीता भाटिया, प्राचार्या (कार्यवाहक) पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

वनस्पति विज्ञान

डॉ. अंजना रुस्तगी, पीएचडी (जवारलाल नेहरू विश्वविद्यालय)

प्रो. अपराजिता मोहंती, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. गर्विता सिंह, पीएचडी (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय)

डॉ. गीता प्रकाश, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. लीसान जुडिथ, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. प्रियंका पांडे, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. रीमा खुराना, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. रेणु मुंधरा, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय), (प्रभारी शिक्षक)

सुश्री रुचित्रा गुप्ता, एमएससी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. वेरा यरंगमला कपाई, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

रसायन विज्ञान

डॉ. बी. वैजयंती, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. बीना नेगी, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. चंदना मुखर्जी, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय), (प्रभारी शिक्षक)

डॉ. चिंग्रिशोन काथिंग, पीएचडी (शिलांग विश्वविद्यालय)

डॉ. गीता सैनी, पीएचडी (आईआईटी दिल्ली)

डॉ. मंजू कुमारी सरोज, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. नेहा शर्मा, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. निशा सैनी, पीएचडी (डीआरडीओ)

डॉ. नियति सिंह, पीएचडी (सागर विश्वविद्यालय, म.प्र.)

डॉ. रेणु अग्रवाल, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. रीता भाटला, पीएचडी (पंजाब विश्वविद्यालय)

डॉ. सलमा खान, एमएससी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. सरथबाबू, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. तृप्ति कुमारी, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. उत्तरा दत्ता, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

वाणिज्य

श्री अमित रोहिल्ला, एमबीए, एम.फिल (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय)

सुश्री अलका गुप्ता, एम.फिल (दिल्ली विश्वविद्यालय)

सुश्री अंजनी आनंद, एम. फिल (नरसी मोंजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, मुंबई)

सुश्री चित्रा राजोरा, एम.कॉम (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. गीता किचलू, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. गीता सिद्धार्थ, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. मंदाकिनी दास, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. मंजू खोसला, पीएचडी (वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर)

डॉ. मंजू सहाय, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. निधि गुप्ता, पीएचडी (बरेली विश्वविद्यालय)

सुश्री रमनबीर बिंद्रा, एम.फिल (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ रोमितापोपली, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. संगीता जेरथ, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

सुश्री सुमंत मीणा, एमबीए, एम.कॉम (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. सोनाली आहूजा दुआ, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय), (प्रभारी शिक्षक)

प्राथमिक शिक्षा (बी.ईएल.ईडी.)

सुश्री अपर्णा जोशी, एम.फिल (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. छाया साहनी, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

प्रो. ज्योति रैना आनंद, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय), (प्रभारी शिक्षक)

डॉ. मोनिका गुप्ता, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

सुश्री प्राची कालरा, एम.फिल (दिल्ली विश्वविद्यालय)

सुश्री शैलजा मोडेम, एमए (हैदराबाद विश्वविद्यालय)

डॉ. सुमन लता, पीएच.डी (पंजाब विश्वविद्यालय)

अंग्रेज़ी

डॉ. अनीता राजेंद्रन, पीएचडी (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय)

डॉ. अंजना नीरा देव, पीएचडी (आईआईटी दिल्ली)

डॉ. अरुणिमा दास, पीएचडी (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय)

डॉ. मुदिता मोहिले, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

सुश्री नजानमोंगी पैटन, एम.फिल (दिल्ली विश्वविद्यालय)

सुश्री प्रज्ञा गुप्ता, एम.फिल (दिल्ली विश्वविद्यालय)

सुश्री राजकुमारी समेजिता देवी, एम.फिल (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. शतरूपा सिन्हा, पीएचडी (जामिया मिलिया इस्लामिया), (प्रभारी शिक्षक)

प्रो. सुतपा दत्ता, पीएचडी (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय)

जर्मन

सुश्री रीमा चौहान, एम.फिल (दिल्ली विश्वविद्यालय), (शिक्षक–प्रभारी)

हिन्दी

डॉ. अनीता यादव, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ कृष्णा मीणा, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय), (प्रभारी शिक्षक)

डॉ मीना पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. पार्वती शर्मा चंदला, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

प्रो श्रीनिवास त्यागी, पीएचडी (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय)

प्रो. स्वाति श्वेता, पीएचडी (जीएनडीयू, अमृतसर)

डॉ. वीणा शर्मा, पीएचडी (जीएनडीयू, अमृतसर)

इतिहास

डॉ. अलका सैकिया, पीएचडी (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय), (प्रभारी शिक्षक)

डॉ. दीक्षा भारद्वाज, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

गणित

सुश्री अर्शमीत कौर, एम.फिल (दिल्ली विश्वविद्यालय)

सुश्री भारती आर तलवार, एम.फिल (दिल्ली विश्वविद्यालय)

सुश्री भावना कपूर, एम.फिल (दिल्ली विश्वविद्यालय)

सुश्री पूजा गुप्ता, एम.फिल (दिल्ली विश्वविद्यालय)

श्री रमाकांत प्रसाद, एमएससी, एम.टेक (आईआईटी, खड़गपुर)

सुश्री सपना मल्होत्रा, एम.फिल (दिल्ली विश्वविद्यालय), (शिक्षक–प्रभारी)

सूक्ष्मजीव विज्ञान

डॉ. अनीता कपिला, पीएचडी (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय), (प्रभारी शिक्षक)

प्रो. कविता वासुदेव, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. रेखा गुप्ता, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

प्रो. शशि चावला, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. सुरभि श्रीवास्तव, पीएचडी (आरडी विश्वविद्यालय)

दर्शन शास्त्र

डॉ. दीपिका चटर्जी, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय), (प्रभारी शिक्षक)

डॉ. पल्लवी वैद, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. पूर्णिमा अग्रवाल, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. रश्मि भारद्वाज, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. रेखा नवनीत, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

शारीरिक शिक्षा

डॉ. शीला के.एस., पीएचडी (जीवाजी विश्वविद्यालय), (प्रभारी शिक्षक)

भौतिक विज्ञान

डॉ. अलका गर्ग, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ अनीता, एमएससी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. दीप्ति लहरी, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. हीरा जोशी, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय), (प्रभारी शिक्षक)

श्री मुनीश, एमएससी (आईआईटी खड़गपुर)

डॉ. एन. चंद्रिका देवी, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ सुप्रीति दास, पीएचडी (आईआईटी कानपुर)

प्रो. वंदना लूथरा, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

राजनीति विज्ञान

डॉ. अनीता भट्ट, पीएचडी (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय)

श्री देवराज सिंह, एम.फिल (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय), (प्रभारी शिक्षक)

डॉ जोया भट्टाचार्य, पीएचडी (सीएफएस, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय)

डॉ मनीषा रॉय, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

श्री मुकेश गौतम, एमए (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. नीतीश कुमार, पीएचडी (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय)

सुश्री पेमाला भूटिया, एमए (उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय)

डॉ. पूजा रानी, पीएचडी (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय)

डॉ. रागिनी सिंह, पीएचडी (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय)

डॉ सीमा शर्मा, पीएचडी (बिहार विश्वविद्यालय)

डॉ श्वेता मिश्रा, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

मनोविज्ञान

डॉ पूनम फोगट, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ प्रीति पंत, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय) (प्रभारी शिक्षक)

डॉ. सबीन एच. रिजवी, पीएचडी (लखनऊ विश्वविद्यालय)

प्रो. संगीता भाटिया, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय), (कार्यवाहक प्राचार्य)

डॉ. नीरा पंत, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

संस्कृत

डॉ. अनामिका, पीएचडी (बिहार विश्वविद्यालय), (प्रभारी शिक्षक)

डॉ. ममता त्रिपाठी, पीएचडी (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय)

डॉ. सुचित्रा भारती, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

प्राणी विज्ञान

डॉ. चौताली घोष, पीएचडी (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय)

डॉ. जसविंदर कौर, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. कुंतल, पीएचडी (बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा)

डॉ. एम. दिव्या ज्ञानेश्वरी, पीएचडी (मदुरै कामराज विश्वविद्यालय)

डॉ. मधु यशपाल, पीएचडी (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय)

डॉ. ममतेश सिंह, पीएचडी
(सीएसआईआर–आईजीआईबी, दिल्ली)

डॉ. नीना कुमार, पीएचडी (पंजाब विश्वविद्यालय)

डॉ. पूनम शर्मा, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. रश्मि सैनी, पीएचडी (सीडीआरआई, लखनऊ)

डॉ. शिवानी त्यागी, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय), (प्रभारी शिक्षक)

सुश्री स्मिता चौधरी (रे), एमएससी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ स्मृति शर्मा, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय),

डॉ. सुप्रिया सिंह, पीएचडी (एनसीडीसी, दिल्ली)

डॉ. तेनजिन न्यिबम भूटिया, पीएचडी (दिल्ली विश्वविद्यालय)

डॉ. थौडम रेजिना देवी, पीएचडी (बिट्स, पिलानी)

पाठ्यक्रम समन्वयक

व्यावसायिक अर्थशास्त्र

श्री अमित रोहिल्ला

अर्थशास्त्र

डॉ श्वेता मिश्रा

बी.ए. (कार्यक्रम)

सुश्री रीमा चौहान

बी.एससी. जीवन विज्ञान

डॉ. अंजना रुस्तगी

बी.एससी. भौतिक विज्ञान

डॉ. अनीता

बरसर	:	डॉ. सुप्रीति दास
पुस्तकालयाध्यक्ष	:	डॉ. बबीता गौर

**नामावली वर्णक्रमानुसार है।*

विभाग

वनस्पति विज्ञान

गार्गी कॉलेज में वनस्पति विज्ञान विभाग 1967 में स्थापित किया गया था और विभाग जीव विज्ञान के सभी क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान के लिए समर्पित है। गार्गी में वनस्पति विज्ञान विभाग में विविध विशेषज्ञता वाले संकाय, अच्छी तरह से सुसज्जित तकनीकी कर्मचारी और उत्साही छात्र शामिल हैं। विभाग प्रयोग कक्षाओं और शोध कार्य करने के लिए प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है, एक संग्रहालय है, जो पौधों के नमूनों को संरक्षित करता है, और एक वनस्पति उद्यान भी है। पाठ्यक्रम संरचना भी छात्रों को पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी, जैव उर्वरक, बौद्धिक संपदा अधिकार, औद्योगिक सूक्ष्म जीव विज्ञान, औषधीय वनस्पति विज्ञान, आदि जैसे विशेष क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला से चुनने के अवसर प्रदान करती है। अच्छी तरह से डिजाइन किया गया पाठ्यक्रम छात्रों को वनस्पति विज्ञान, जैव विज्ञान, जैव चिकित्सा विज्ञान, आणविक जीव विज्ञान, आनुवंशिकी, जैव प्रौद्योगिकी, पर्यावरण विज्ञान, जैव सूचना विज्ञान, आदि में स्नातकोत्तर अध्ययन करने की सुविधा प्रदान करता है। छात्रों को उनके प्राकृतिक आवास में वनस्पतियों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए क्षेत्रीय यात्राएं और भ्रमण आयोजित किए जाते हैं। छात्रों के लिए उनकी पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों के एक भाग के रूप में औद्योगिक दौरों का भी आयोजन किया जाता है। इन वर्षों में, विभाग ने उच्च शैक्षणिक मानकों को बनाए रखा है और कई समर्पित शिक्षकों, वैज्ञानिकों और कई अन्य लोगों को भी तैयार किया है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विभाग छात्रों को उनके स्नातक पाठ्यक्रम के साथ–साथ लघु शोध परियोजनाओं पर काम करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

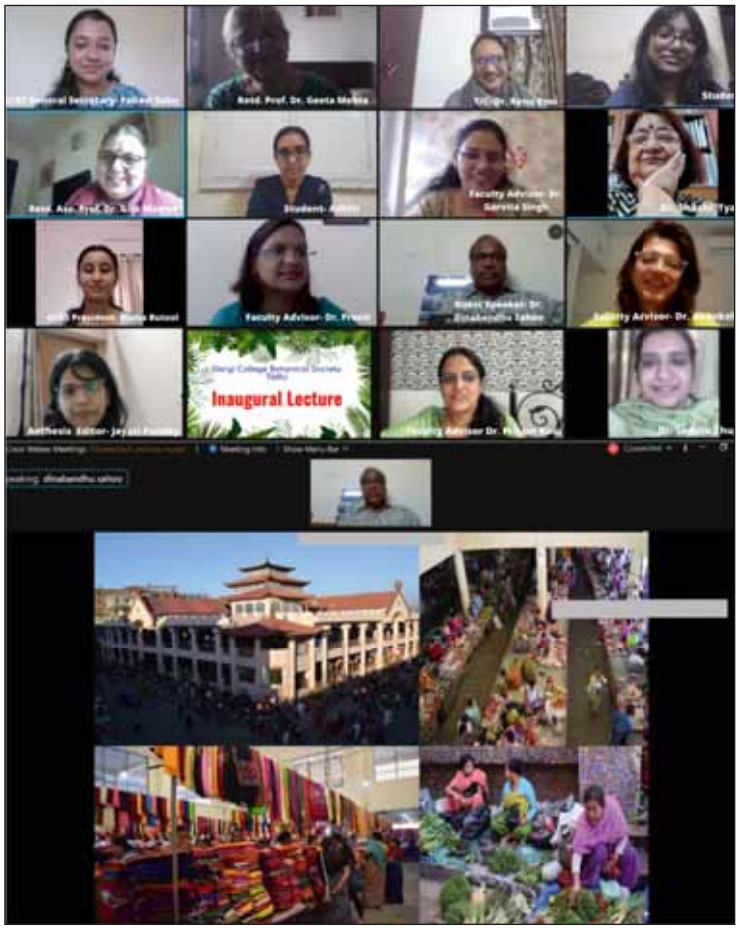

विभाग में एक सक्रिय बॉटनिकल सोसायटी 'तरू' है जो कई सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन करती है। महामारी के दौरान चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों ने विभाग को विभिन्न ऑनलाइन वेबिनार आयोजित करने से नहीं रोका और इस प्रकार छात्रों को विश्व स्तर के शोधकर्ताओं के साथ बातचीत के प्रत्यक्ष अनुभव के साथ लाभान्वित किया। सोसायटी एक ई–पत्रिका 'एंथेसिस' भी प्रकाशित करती है जहाँ छात्र अपने वैज्ञानिक लेखन कौशल का पता लगा सकते हैं।

व्यावसायिक अर्थशास्त्र

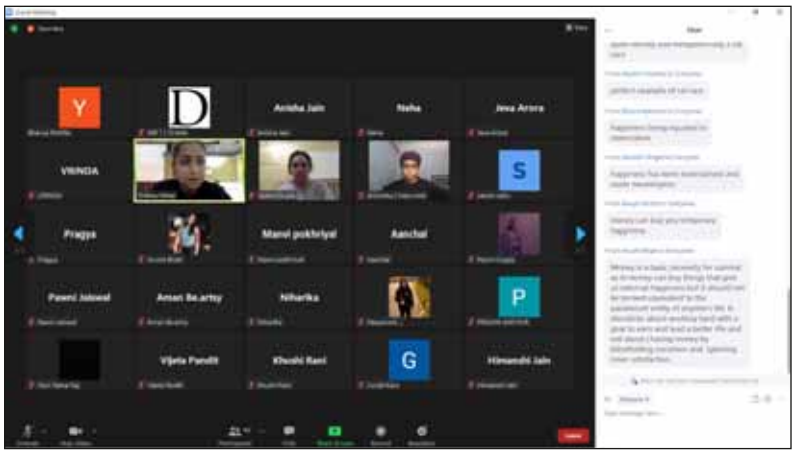

गार्गी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रमुख कॉलेजों में से एक है जो बीए एच बिजनेस इकोनॉमिक्स पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम गार्गी कॉलेज में वर्ष 2007 में शुरू किया गया था। इस विभाग के छात्रों ने न केवल अपनी शैक्षणिक गतिविधियों और करियर में, बल्कि रचनात्मक लेखन, कला, नृत्य, संगीत, खेल और विभिन्न प्रकार की पाठ्येतर गतिविधियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कॉलेज, विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय स्तर पर, हमारे छात्रों ने कई पुरस्कार जीते हैं। यह पाठ्यक्रम छात्रों को उद्यमिता, अनुसंधान, नेतृत्व और नैतिकता सहित कौशल सीखने में मदद करता है। नतीजतन, हमारे स्नातकों ने या तो दुनिया भर के प्रतिष्ठित कॉलेजों और बिजनेस स्कूलों में परास्नातक कार्यक्रमों में दाखिला लिया है या स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद प्रतिष्ठित फर्मों में काम किया है।

बीए (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स प्रोग्राम छात्रों को स्मार्ट नीति विकास और निर्णय लेने के लिए डेटा और जानकारी का विश्लेषण करने के लिए आवश्यक कौशल देने के लिए व्यावहारिक, विश्लेषणात्मक और सैद्धांतिक तरीकों को जोड़ता है। पाठ्यक्रम के अकादमिक संरेखण को एक व्यावसायिक उद्यम के विभिन्न कार्यों में अर्थशास्त्र और संबंधित उपकरणों की निर्बाध प्रयोगशीलता की दिशा में एक मजबूत अभिविन्यास बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह एक पाठ्यक्रम के साथ एक अंतर–अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम है जिसका उद्देश्य छात्रों को अर्थशास्त्र, वाणिज्य, गणित और अनुसंधान जैसे विभिन्न विषयों में विशेषज्ञता प्रदान करना है। तीन साल का कार्यक्रम छात्रों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में इंटर्न करके व्यावहारिक अनुभव हासिल करना अनिवार्य बनाता है। हमारे स्नातकों ने पीडब्ल्यूसी, केपीएमजी, डेलॉइट, ईवाई, डेल, नीति आयोग, एनडीटीवी, ओएलएक्स और एनटीपीसी और अन्य जैसी फर्मों के लिए इंटर्नशिप और काम किया है।

बिजनेस इकोनॉमिक्स के छात्र कॉमर्स, इकोनॉमिक्स, बिजनेस इकोनॉमिक्स, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, फाइनेंस, इंटरनेशनल बिजनेस आदि में मास्टर्स कर सकते हैं। वे सीए, सीएफए, सीएस, सीएमए, एफआरएम, एक्चुरियल साइंस आदि जैसे प्रोफेशनल कोर्स भी कर सकते हैं।

नए छात्रों का स्वागत करने और उन्हें विभाग द्वारा पेश किए जाने वाले शैक्षणिक पाठ्यक्रम और अन्य गतिविधियों से परिचित कराने के लिए शैक्षणिक वर्ष विभागीय अभिविन्यास के साथ शुरू होता है। छात्रों को अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने की अनुमति देने के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। वर्तमान छात्रों को पूर्व छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए इंटरैक्टिव सत्र नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। विभाग नियमित आधार पर विभिन्न समसामयिक विषयों पर वार्ता और सेमिनार भी आयोजित करता है। Advitya – हमारा वार्षिक विभागीय उत्सव बिजनेस इकोनॉमिक्स एसोसिएशन द्वारा हर साल अद्वितीय उत्साह और समर्पण के साथ आयोजित किया जाता है। विभाग नवीनतम विषयों पर प्रख्यात वक्ताओं के साथ विभिन्न कार्यशालाओं, करियर परामर्श सत्रों और अतिथि व्याख्यानों का भी आयोजन करता है।

रसायन विज्ञान

रसायन विज्ञान एक केंद्रीय विज्ञान है क्योंकि यह कई विषयों को आपस में जोड़ता है जैसे फार्माकोलॉजी, पर्यावरण विज्ञान, खगोल विज्ञान, पदार्थ विज्ञान, आणविक और सेलुलर जीव विज्ञान, भूविज्ञान, फोरेंसिक विज्ञान, विश्लेषणात्मक रसायनशास्त्र, बहुलक विज्ञान इत्यादि। रसायन विज्ञान का ज्ञान एक विज्ञान के छात्र को ज़्यादा सामर्थ्यवान बनाता है और विभिन्न क्षेत्रों में कैरियर/व्यवसाय के मार्ग खोलता है। छात्र रसायन विज्ञान के क्षेत्र में आगे की पढ़ाई जारी रखते हुए भारत और विदेशों के प्रतिष्ठित संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे छात्र विभिन्न निजी, और सरकारी फर्मों और सार्वजनिक उपक्रमों, फार्मा क्षेत्र, विश्लेषणात्मक प्रयोगशालाओं, शिक्षण क्षेत्रों (स्कूलों और कॉलेजों) और अन्य कई अनुसंधान और विकास विंग में अपनी पहचान बना सकते हैं। जो छात्र रसायन विज्ञान से विषयांतर होंगे, वे भी अपरंपरागत क्षेत्रों में जैसे कॉर्पोरेट और कानूनी पेशेवरों के रूप में, प्रबंधकीय और प्रशासनिक पदों, या परामर्श, रक्षा और मीडिया क्षेत्रों में महान उपलब्धियाँ हासिल कर सकते हैं।

1967 में स्थापित रसायन विज्ञान विभाग, कॉलेज के सबसे पुराने विभागों में से एक है। विभाग में उच्चतम शैक्षणिक योग्यता वाले शिक्षकगण हैं और विभाग की उल्लेखनीय एल्यूमनाई की एक लंबी सूची है, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई है। नई शिक्षा नीति के आधार पर दिल्ली विश्वविद्यालय के अंडरग्रेजुएट करिकुलम फ्रेमवर्क (यूजीसीएफ) 2022 के अनुपालन में, इस शैक्षणिक सत्र से चार–वर्षीय–स्नातक–पाठ्यक्रम लागू किया जाएगा जिसमें विद्यार्थी अपनी रूचि के आधार पर विषयों का चयन कर सकते हैं। पाठ्यक्रम फ्लेक्सिबल, अनुसंधान–आधारित, और छात्रों के कौशल संवर्धन के उद्देश्य से बनाया गया है। सभी विषयों के छात्रों की रुचियों और आकांक्षाओं को पूरा करने और यूजीसीएफ 2022 के बहु–विषयक दृष्टिकोण को सामने लाने के लिए विभाग रसायन विज्ञान विषय को मेजर और माइनर के रूप में प्रस्तुत करेगा। छात्रों के पास निकास के कई विकल्प होंगे और निकास के आधार पर उन्हें अंडरग्रेजुएट सर्टिफिकेट/अंडरग्रेजुएट डिप्लोमा/यथोचित स्नातक डिग्री विषय/डिसिप्लिन प्रदान की जाएगी। ऑनर्स के छात्रों को पढ़ाने के अलावा, विभाग अन्य विषयों के छात्रों को रसायन विज्ञान एक वैकल्पिक विषय के रूप में पढ़ाने और बी.एससी. भौतिक विज्ञान और जीव विज्ञान जैसे बहु–विषयक पाठ्यक्रमों के शिक्षण से भी जुड़ा हुआ है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार स्नातक–पाठ्यक्रम में 4 वर्षों (या आठ सेमेस्टर) की अवधि में डिसिप्लिन स्पेसिफिक कोर (डीएससी) जिसमें अकार्बनिक, कार्बनिक और भौतिक रसायन विज्ञान, डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव (डीएसई), स्किल एनहांसमेंट कोर्स (एसईसी), जेनेरिक इलेक्टिव (जीई) पेपर्स, एबिलिटी एनहांसमेंट कोर्स (एईसी), वैल्यू अडिशन कोर्स (वीएसी) और इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/कम्युनिटी (आईएपीसी) शामिल होंगे। प्रैक्टिकल के साथ पाठ्यक्रम को भी छात्रों को रसायन विज्ञान के मूल सिद्धांतों का गहन ज्ञान प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है और

इसका उद्देश्य उनकी तार्किक और कौशल–आधारित योग्यता को बढ़ाना है। जी.ई में अन्य विषयों के पेपर चुनने की स्वतंत्रता छात्रों को उनकी रुचि के विषयों को पढ़ने में मदद करेगी जो उनके करियर की प्रगति में उपयोगी हो सकते हैं।

विभाग में दो मुख्य रसायन प्रयोगशालाएं, दो इंस्ट्रुमेंटेशन रूम, उपकरण और रसायनों के लिए एक स्टोर और एक विभागीय पुस्तकालय है। रसायन विज्ञान विभाग के सभी छात्र रसगंधायन नामक केमिकल सोसाइटी का हिस्सा हैं। विभिन्न पदों के लिए छात्र प्रतिनिधियों का चुनाव किया जाता है। शिक्षकों के मार्गदर्शन में, यह सोसाइटी पूरे वर्ष कार्यरत रहकर नियमित–कक्षा शिक्षण के अलावा अनेक दिलचस्प गतिविधियों का आयोजन भी करती है। सोसायटी एक वार्षिक पत्रिका अमलगम जारी करती है जिसमें छात्र रचनात्मक और वैज्ञानिक लेखों द्वारा योगदान देते हैं।

प्रख्यात वक्ताओं द्वारा व्याख्यान, शैक्षणिक और एक्स्ट्रा–करीकुलर प्रतियोगिताओं, करियर परामर्श सत्र, पूर्व छात्रों की बातचीत, मनोरंजन/खेल गतिविधियों के साथ–साथ सोसायटी द्वारा विभिन्न शैक्षणिक और प्रौद्योगिक संस्थानों पर विजिट्स का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष, हमें दो दिलचस्प व्याख्यान सुनने का सौभाग्य मिला – एनएमसीजी के महानिदेशक, डॉ राजीव रंजन मिश्रा द्वारा पहला व्याख्यान, और डीन ईसीए और त्यागराजर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, मदुरै में प्रोफेसर डॉ. आर. वासुदेवन द्वारा वार्षिक डॉ सी.के. खुराना स्मारक व्याख्यान। इस शैक्षणिक वर्ष के कुछ प्रमुख कार्यक्रमों में इंटर–कॉलेज आईडिया प्रोपोजल प्रतियोगिता और पेपर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता, स्लैम पोएट्री और रंगोली मेकिंग, पिक्चर डिस्क्रिप्शन प्रतियोगिता, और विज्ञान के छात्रों के लिए कैरियर प्रॉस्पेक्ट्स की एक वेबिनार श्रृंखला शामिल हैं। अंततः वैलेडिक्टरी समारोह में डिग्री–वितरण के साथ सोसाइटी अपने सालाना कार्यक्रमों को विराम देती है।

छात्रों के समग्र विकास हेतु कई सेमिनारों, ऐड–ऑन पाठ्यक्रमों, सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है। शिक्षक मेंटर भी छात्रों को विभिन्न अनुसंधान कार्यों के लिए अक्सर मार्गदर्शन देते हैं जिससे वे शोध और अनुसंधान की दुनिया से परिचित हो जाएँ।

विभागीय और कॉलेज–स्तर पर विभिन्न शैक्षणिक पुरस्कारों के रूप में मेधावी और उत्कृष्ट छात्रों को पुरस्कृत किया जाता है जिससे उनके उत्साह में वृद्धि आए और वो भविष्य में और भी परिश्रम करने के लिए प्रेरित रहें। जल्द ही डॉ. सी. के. खुराना मेमोरियल स्कॉलरशिप भी शुरू करने का प्रस्ताव है जिससे योग्य और जरूरतमंद छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा सके। विभाग प्रत्येक छात्र को राष्ट्र का ईमानदार, जिम्मेदार और परिश्रमी नागरिक बनने के लिए प्रशिक्षित करता है, जो शिक्षकों और छात्रों के मिले–जुले सतत प्रयासों के सामंजस्य से ही संभव हो पाता है।

रसायन विज्ञान विभाग में आपका स्वागत है!

वाणिज्य

वाणिज्य हमारे दैनिक जीवन का एक अभिन्न अंग है। प्रत्येक आर्थिक गतिविधि वाणिज्य से जुड़ी हुई है। व्यापार और उद्योग को सफलता पूर्वक चलाने के लिए और समाज की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए विकासशील कौशल, दृष्टिकोण और ज्ञान की आवश्यकता होती है जो केवल वाणिज्य शिक्षा के माध्यम से संभव है।

1973 में स्थापित वाणिज्य विभाग में वर्तमान में लगभग 1000 छात्रों की संख्या है। विभाग के पास अपने संबंधित क्षेत्रों में समर्पित और अनुभवी संकाय सदस्यों का एक शानदार समूह है जो छात्रों के समग्र विकास के लिए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने की दिशा में काम करते हैं और विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में पत्र लिखने, प्रकाशित करने और प्रस्तुत करने में भी लगे हुए हैं।

वर्तमान में, विभाग दो स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम– बी.कॉम (ऑनर्स) और बी.कॉम (प्रो.) प्रदान करता है और बीए (पी) के छात्रों को उद्यमिता और लघु व्यवसाय का एक पेपर पढ़ाता है। इसके अलावा, विभाग विज्ञापन और विपणन संचार और बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं के नाम से दो ऐड–ऑन सर्टिफिकेट कोर्स भी चलाता है।

इन पाठ्यक्रमों का प्राथमिक फोकस छात्रों को एक गतिशील व्यावसायिक दुनिया में सक्षम नेता, प्रबंधक और पेशेवर बनने में सक्षम बनाना है। यह एमबीए, सीए, सीएमए, और सीएस, डिजिटल मार्केटिंग, और सीएफए, जैसे कई शैक्षिक और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में आगे की शिक्षा का मार्ग प्रशस्त करता है। कॉमर्स के छात्रों को डेलॉयट, अर्न्स्ट एंड यंग, केपीएमजी, विप्रो और कई अन्य प्रतिष्ठित संगठनों में कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से रखा गया है।

विभाग में एक सक्रिय वाणिज्य संघ है, जिसके सदस्य संकाय सलाहकारों के सक्षम मार्गदर्शन के साथ पूरे वर्ष अपने छात्रों को वित्त, उद्यमिता और नेतृत्व के क्षेत्र में आवश्यक प्रदर्शन प्रदान करने के लिए लगन से काम करते हैं। विभाग द्वारा हर साल विभिन्न गतिविधियों जैसे कैस्केड – वार्षिक उत्सव, प्रख्यात वक्ताओं द्वारा व्याख्यान और कार्यशालाएं, करियर परामर्श सत्र और शैक्षिक यात्राएं आयोजित की जाती हैं।

यहाँ तक कि महामारी ने हमारे जीवन को बदल दिया और चीजें धीरे–धीरे सामान्य हो रही थीं, विभाग ने अपने समय का सबसे अच्छा उपयोग किया, मॉडल की परवाह किए बिना, और एक तरह की गतिविधियों की पेशकश करने के लिए लगातार प्रयास किया। सेमिनार से लेकर अखिल भारतीय कॉन्क्लेव तक, द कॉमर्स एसोसिएशन ने कई कार्यक्रम आयोजित करके शैक्षिक वर्ष 2021–2022 को फलदायी बनाना सुनिश्चित किया।

इनमें 'उद्यमिताः संस्कृति और रचनात्मकता' विषय के साथ उद्यमिता सम्मेलन शामिल था, जिसने भारतीय अर्थव्यवस्था में छोटे व्यवसायों के महत्व पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में पूर्व छात्रों संग कनेक्ट शामिल था, जिसमें प्रमुख पूर्व छात्र उद्यमियों ने अपना व्यवसाय शूरू करने के अपने अनुभव साझा किए, साथ ही एक पेपर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता भी की, जिसमें पूरे भारत के छात्रों ने अच्छी तरह से शोध पत्र प्रस्तुत किए।

उसके बाद कास्केड– वाणिज्य विभाग का वार्षिक मुख्य कार्यक्रम था। इस कार्यक्रम में एक पैनल चर्चा शामिल थी जहाँ जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के प्रख्यात वक्ताओं ने 'वर्क फ्रॉम होम, द न्यू नॉर्मलः ए बून ऑर बेन फॉर वीमेन' विषय पर चर्चा की।

इसके साथ ही दो इंटर कॉलेज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसका नाम 'बिडिगं अर्काडिया' और 'द अनकैनी क्वेस्ट' जिसने प्रतिभागियों को वास्तविक कॉर्पोरेट जगत के लिए तैयार करते समय उनके प्रबंधन कौशल को चुनौती दी।

विभाग अपनी द्वि–वार्षिक पत्रिका 'कॉमासेंट' और इयर बुक 'रिफ्लेक्शंस' (जिसमें गार्गी कॉलेज के निवर्तमान छात्रों की सबसे प्यारी यादें शामिल हैं) का विमोचन भी करता है।

प्राथमिक शिक्षा (एलीमेंटरी एजुकेशन) विभाग

वर्ष 1997 में स्थापित, प्रारंभिक शिक्षा विभाग चार वर्षीय व्यावसायिक डिग्री प्रोग्राम बैचलर ऑफ एलीमेंट्री एजुकेशन (बी.ई.एल.एड) आयोजित करता है। B.El.Ed विशेष रूप से प्राथमिक विद्यालय स्तर के लिए प्रशिक्षण शिक्षकों के लिए अध्ययन का एक एकीकृत पाठ्यक्रम है। शिक्षक की तैयारी के कई पहलुओं में चार साल की कठोर शिक्षा के बाद छात्र व्यावसायिक रूप से योग्य शिक्षक बन जाते हैं। इस कार्यक्रम के पीछे का विचार विषय ज्ञान, मानव विकास, शिक्षण कौशल और संचार कौशल के अध्ययन को एकीकृत करना है। इसलिए, B.El.Ed अनिवार्य और साथ ही वैकल्पिक सिद्धांत पाठ्यक्रम दोनों प्रदान करता है। इसमें प्रैक्टिकल कोर्स पर खासा फोकस है। इसके चौथे वर्ष में एक व्यापक स्कूल इंटर्नशिप कार्यक्रम भी शामिल है।

छात्रों के लिए एक विशेष विभागीय पुस्तकालय सह संसाधन केंद्र उपलब्ध है। यह विभिन्न प्रकार के शिक्षण–अधिगम संसाधनों से भरा हुआ है। बी.ई.एल.एड एक द्विभाषी कार्यक्रम है। कक्षा शिक्षण–शिक्षण अंग्रेजी और हिंदी दोनों माध्यमों में होता है। पाठ्यक्रम सामग्री भी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है। इस कार्यक्रम के दो आवश्यक घटक सिद्धांत और व्यावहारिक पाठ्यक्रम हैं। अध्ययन के चार साल के कार्यक्रम के दौरान छात्र से 19 सिद्धांत पाठ्यक्रम शामिल होने की उम्मीद है। यह भी शामिल है।

फाउंडेशन पाठ्यक्रमः इन पाठ्यक्रमों को छात्रों को शिक्षा में बाल विकास संबंधित अवधारणाओं और दृष्टिकोणों का गहन अध्ययन करने में सक्षम बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, जिस संदर्भ में बच्चे की शिक्षा जुड़ी है – सामाजिक संगठन की प्रक्रियाएं और तकनीकी प्रारंभिक शिक्षा से संबंधित विभिन्न मुद्दों और संचार से संबंधित कौशल विकसित करने के लिए।

मुख्य पाठ्यक्रमः मुख्य पाठ्यक्रम भावी शिक्षक को स्कूल में सीखी गई अवधारणाओं को फिर से संगठित करने और उन्हें बहु–विषयक परिप्रेक्ष्य में समेकित करने का अवसर प्रदान करते हैं।

शिक्षाशास्त्र पाठ्यक्रमः शिक्षाशास्त्र में पाठ्यक्रम छोटे बच्चों के शिक्षण के लिए विशिष्ट मुख्य शिक्षण कौशल विकसित करने में मदद करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इसमें शिक्षाशास्त्र में परिप्रेक्ष्य विकसित करना और विशिष्ट ज्ञान क्षेत्रों से संबंधित तकनीकों को शामिल करना है।

खुला विकल्प (एलओ) पाठ्यक्रमः उदार वैकल्पिक पाठ्यक्रम छात्रों को अकादमिक जिम्मेदारी के साथ एक विशिष्ट अनुशासन का अध्ययन करने का अवसर प्रदान करते हैं। वे ज्ञान के आधार को समृद्ध करने के लिए डिजाइन किए गए हैं ताकि अनुशासन और शिक्षाशास्त्र में आगे के अध्ययन की अनुमति मिल सके जिसमें छात्र विशेषज्ञ हों। गार्गी कॉलेज द्वारा पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रम हैंः अंग्रेजी, हिंदी, राजनीति विज्ञान, भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीव विज्ञान (पाठ्यक्रम के लिए चुनने वाले सात छात्रों की न्यूनतम संख्या के अधीन।)

व्यावहारिक पाठ्यक्रमः व्यावहारिक पाठ्यक्रम इस कार्यक्रम का एक अन्य महत्वपूर्ण घटक हैं। इन पाठ्यक्रमों को प्राथमिक विद्यालयों में और बाहर के बच्चों के साथ विभिन्न प्रकार के कार्य अनुभव और आत्म–प्रतिबिंब और विकास के अवसरों की अनुमति देने के लिए डिजाइन किया गया है। व्यावहारिक इनपुट में शामिल हैंः प्रदर्शन और ललित कला, शिल्प और भागीदारी कार्य, स्कूल–संपर्क कार्यक्रम, बच्चों का अवलोकन, आत्म–विकास कार्यशालाएं, शारीरिक शिक्षा, स्कूल इंटर्नशिप, परियोजनाएं, ट्यूटोरियल और बोलचाल।

B.El.Ed में छात्रों का प्रवेश। कार्यक्रम एनटीए द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आयोजित केंद्रीकृत प्रवेश परीक्षा सीयूईटी (यूजी) के माध्यम से है। अतिरिक्त जानकारी के लिए कृपया केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखें: http://www.doe.du.ac.in/ । भारत में शिक्षकीय शिक्षा को राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद द्वारा नियंत्रित किया जाता है, जो भारत सरकार का एक सांविधिक निकाय है। कृपया परिषद की वेबसाइट https://ncte.gov.in/website/index-aspx पर जाएं।

प्रत्येक उम्मीदवार को कार्यक्रम के प्रत्येक भाग के दौरान दिए गए व्याख्यान और अभ्यास के कम से कम 3/4 भाग में भाग लेने की आवश्यकता होगी।

अर्थशास्त्र

अर्थशास्त्र विभाग की स्थापना 1967 में हुई थी। इसमें सुश्री वी बाला सुब्रमण्यम, सुश्री मंजीत कौर, सुश्री किरण चोपड़ा, सुश्री इंदु जयरथ, सुश्री स्वर्ण भल्ला, सुश्री आशा सचदेव और सुश्री शोभा माथुर जैसे संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में अर्थशास्त्र में एक पाठ्यक्रम की पेशकश करके गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से अकादमिक प्रदर्शन को उत्कृष्टता प्रदान करने की परिकल्पना की गई । पूर्ववर्ती FYUP योजना के तहत, विभाग को 250 छात्रों की आवेदन स्वीकृति को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। छात्रों ने शत–प्रतिशत उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ शानदार सफलता हासिल की।

वर्ष 2017–18 में विभाग ने 60 से अधिक छात्रों के साथ अर्थशास्त्र में पूर्ण ऑनर्स कोर्स शुरू किया। वर्तमान में, विभाग में विभिन्न विशेषज्ञताओं और शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में विशाल अनुभव के साथ आठ गतिशील और समर्पित संकाय सदस्य हैं ।

विभाग ने वर्ष 2011 में शुरू किए गए इकोमंत्रा, अर्थशास्त्र संघ के माध्यम से वार्षिक अर्थशास्त्र महोत्सव, सेमिनार, और इंट्रा–डिपार्टमेंट के साथ–साथ इंटर–कॉलेज प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं सहित विभिन्न गतिविधियों की मेजबानी कर क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। महामारी से प्रेरित चुनौतीपूर्ण समय के बावजूद, यह सफलतापूर्वक अकादमिक सत्र में घटनाओं के एक मेजबान का आयोजन करके नाम अर्जित किया है ।

शैक्षणिक वर्ष 2021–22 की शुरुआत करियर काउंसिलिंग के सहयोग से 'अर्थशास्त्र में करियर के पहलुओं पर एक कैरियर परामर्श सत्र के साथ हुई। 10वां वार्षिक अर्थशास्त्र महोत्सव भारत का विकास प्रक्षेपवक्र अनंत संभावनाओं का प्रिज्म– नवाचार, कोविड और नीतियां विषय पर आयोजित किया गया था।

विभाग एक वार्षिक पत्रिका 'इकोबज़' भी प्रकाशित करता है जो छात्रों को विभिन्न आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों के पहलुओं पर अपनी सोच रखने और अपने विचार व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है।

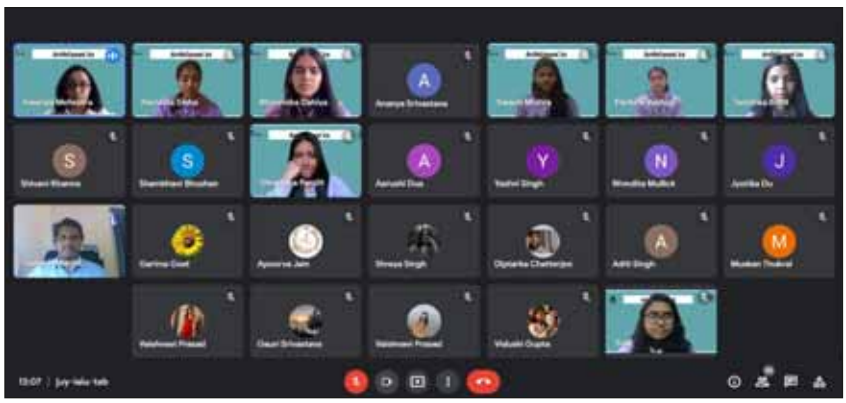

विभाग अपने पूर्व छात्रों की शानदार उपलब्धियों पर गौरवान्वित है, जो आईआईएम अहमदाबाद, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों, सीआईआई, बिग फोर कंसल्टेंसी आदि से जुड़ चुके हैं।

अंग्रेज़ी

अंग्रेज़ी विभाग, महाविद्यालय के संस्थापक विभागों में से एक है, जो 1967 में शुरू हुआ और 1978 में बीए अंग्रेज़ी (ऑनर्स) पेश किया गया था। अंग्रेज़ी पाठ्यक्रम प्रभावशाली और कठिन है, जो छात्रों को विश्व साहित्य में सर्वश्रेष्ठ माध्यम से ले जाता है। पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण साहित्यिक ग्रंथों और सीमाचिन्हों की व्याप्ति में अच्छी तरह से संरचित और प्रासंगिक है और इस प्रकार भविष्य के सभी व्यावसायिक और व्यक्तिगत प्रयासों में छात्रों को नियमित स्थिति में खड़ा करता है। पत्रों की श्रेणी, भारतीय और पश्चिमी शास्त्रीय परंपराओं के सर्वेक्षणों से लेकर जीवंत और तत्काल समकालीन लेखकों तक हैं। छात्रों को कविता, नाटकों, उपन्यासों सहित विभिन्न शैलियों में व्यापक रूप से पढ़ना होगा तथा इसके इलावा आलोचनात्मक विचार कौशल प्राप्त करना, जो उन्हें शैक्षिक रूप से और साथ ही रोजमर्रा की जिंदगी में सक्षम और सशक्त बनाएगा। शैक्षिक वर्ष 2022–23 से, छात्र विभाग के माध्यम से अध्ययन के 'प्रमुख' के साथ–साथ 'अल्प' कार्यक्रमों को ले सकते हैं, और पहले, दूसरे, तीसरे वर्ष में निकास बिंदुओं पर डिग्री प्राप्त कर सकते हैं यदि वे पहले से बाहर निकलने का विकल्प चुनते हैं या चौथे/अंतिम वर्ष में अपनी पसंद के विषय पर शोध प्रबंध के साथ। अंग्रेज़ी विभाग संकाय संसाधनपूर्ण और अच्छी तरह से नेटवर्क है और इसमें व्यापक रूप से प्रकाशित विद्वानों और लेखकों को शामिल किया गया है। हमारे प्रतिष्ठित संकाय में निहित विषय, रचनात्मक लेखन, भारत और विदेश के आरंभिक आधुनिक साहित्य, अनुवाद, लिंग और कामुकता अध्ययन, लोक और लोकप्रिय संस्कृतियों से विभिन्न प्रकार की साहित्यिक परंपराओं और रूपों को फैलाते हैं, जो अंतःविषय तरीकों से पढ़ाने की हमारी क्षमता को प्रतिबिंबित करते हैं और साथ ही छात्रों को गार्गी कॉलेज में अंग्रेज़ी कक्षा में प्रस्ताव पर तरीकों के माध्यम से सुसज्जित जीवन पथों की एक विस्तृत विविधता लेने के लिए प्रेरित करते हैं। विभाग सभी पाठ्यक्रमों के छात्रों को अंग्रेज़ी सिखाता है, जिसमें विज्ञान, वाणिज्य, कला और शिक्षा विषयों में प्रमुखता शामिल है, एमए (अंग्रेज़ी) के छात्रों को ट्यूशन देने के अलावा। विभाग के संसाधनों में 3,000+ वॉल्यूम ओसवाल–सेना लाइब्रेरी शामिल है, जो छात्रों को पाठ्यक्रम से परे पुस्तकों की दुनिया तक पहुँच प्रदान करता है।

मुख्य पाठ्यक्रमों के अलावा, जहाँ ध्यान साहित्यिक शैलियों, दृष्टिकोणों और शेक्सपियर या जेन ऑस्टेन जैसे विहित लेखकों या सिलाप्पादिकारम जैसे क्लासिक्स को समझने के लिए नींव बनाने पर है, जो समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं, जिनका छात्रों को अनिवार्य रूप से अध्ययन करना चाहिए। हम 'प्रमुख' और 'अल्प' दोनों स्तर के छात्रों की रुचि के साहित्यिक अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों में अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक की व्यापक पसंद प्रदान करते हैं। क्षेत्रों में सीमांतता या नारीवादी सिद्धांत जैसी विश्लेषणात्मक और महत्वपूर्ण अवधारणाओं को समझने से लेकर, उन पत्रों तक हैं जो साहित्य को विषयगत और ऐतिहासिक रूप से सर्वेक्षण करते हैं, जैसे विभाजन साहित्य, यूरोपीय साहित्य, दक्षिण एशिया, अफ्रीका के साहित्य, आदि। इसी तरह, एईसी (योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम, विषय क्षेत्रों में जहाँ प्रशिक्षण और कौशल–निर्माण पर ध्यान केन्द्रित है, जैसे कि विपणन योग्य नरम सीखने (सॉफ्ट लर्निंग) के नेतृत्व कौशल, अंग्रेज़ी भाषा शिक्षण, फिल्म अध्ययन, मीडिया विश्लेषण, अनुवाद अभ्यास जैसे क्षेत्रों पर काम करना, फिल्म स्क्रिप्ट, प्रकाशन योग्य ब्लॉग, आदि जैसे रचनात्मक ग्रंथों का उत्पादन) का एक समृद्ध विकल्प उपलब्ध होगा, साथ ही प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप) पर परामर्श और उपयुक्त विकल्प चुनना।

उन छात्रों के लिए जो अंग्रेज़ी में 'अल्प' विकल्प को लेते हैं, हमारे जेनेरिक वैकल्पिक विषय, उन छात्रों को पेश किए जाते हैं जो कॉलेज के अन्य विभागों में प्रवेश लेते हैं। यह विषय आँख खोलने में शक्तिशाली और गहन आनंद देने वाले होंगे जो ग्रंथों को अच्छी तरह से पढ़ने के लिए सीख देते हैं। हमारे प्रस्तावित विषयों में समकालीन, लोकप्रिय और विहित विषयों का मिश्रण शामिल है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी छात्रों को अध्ययन के स्तर या निकास के बिंदु के बावजूद विषय में व्यापक और संतुलित पहुँच प्राप्त हो।

चार साल के स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद छात्र आगे की पढ़ाई (एक वर्ष के एमए, और उसके बाद पीएचडी) पर जा सकते हैं, और जो छात्र पहले बाहर निकलते हैं, उनके पास बाद में अपनी शिक्षा समाप्त करने के लिए वापस आने का विकल्प होता है यदि वे ऐसा चाहते हैं। हमारे पूर्व छात्रों ने शोधकर्ताओं के रूप में साहित्य के अध्ययन में करियर का निर्माण किया है और शिक्षण में करियर (स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तरों पर), मीडिया और जन संचार (पत्रकारिता, फिल्म, विज्ञापन), प्रकाशन (लेखन, संपादन, अनुवाद), जनसंपर्क प्रबंधन और इन क्षेत्रों में परास्नातक के अध्ययन के माध्यम से सामाजिक कार्य, कानून, प्रबंधन जैसे पार्श्व क्षेत्रों में भी। ध्वनि विचार और लेखन कौशल छात्रों को अध्ययन के 1/2/3/4 वर्षों में प्राप्त होता है, यह भी प्रबंधन अध्ययन और सिविल सेवाओं सहित प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए एक अच्छी नींव है।

विभाग के पास विभिन्न गतिविधियों का एक रोमांचक सह–पाठ्यचर्या कैलेंडर है, जिसमें एक वार्षिक राष्ट्रीय संगोष्ठी और साहित्यिक उत्सव, अक्सर आमंत्रित व्याख्यान और प्रख्यात शिक्षाविदों, रचनात्मक लेखकों के साथ बातचीत के अलावा रचनात्मक लेखन, संपादन, अनुवाद, रंगमंच और सिनेमा जैसे विभिन्न विषयों पर कार्यशालाओं और सह–पाठ्यचर्या कौशल–निर्माण सत्र शामिल हैं। विभाग की सह–पाठ्यचर्या गतिविधियों को कई क्लबों के माध्यम से निर्देशित किया जाता है, जिनमें से किसी भी या सभी छात्रों को उनके हितों और लक्ष्यों के आधार पर शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इनमें 'बुक क्लब', 'क्रिएटिव राइटिंग क्लब', 'क्विज क्लब', 'परफॉरमेंस क्लब' और 'फिल्म क्लब' शामिल हैं, जो छात्रों द्वारा प्रबंधित किए जाते हैं और उन्हें विभाग के शिक्षकों द्वारा सलाह दी जाती है। हमारे विभाग की पत्रिका, बीटाकोरा (Bitacora), रचनात्मक अभिव्यक्ति और प्रतिलिपि तथा सामग्री संपादन के कौशल में प्रशिक्षण के लिए एक स्वतंत्र मंच प्रदान करता है। छात्र रचनात्मकता और उनके अनुशासन की समझ को प्रोत्साहित करने के लिए डिजाइन की गई गतिविधियों का एक जानकारी संग्रह (पोर्टफोलियो), जैसे क्विज और साहित्यिक प्रतियोगिताएं जो छात्रों द्वारा की जाती हैं।

जर्मन विभाग

जर्मन भाषा बी.ए. प्रोग्राम के विद्यार्थी ले सकते हैं, जिसका अर्थ यह है कि जो विद्यार्थी जर्मन अध्ययन का विकल्प चुनते हैं, वे इसका अध्ययन आगामी तीन वर्षों तक करेंगे। अगर आप 21वीं सदी के खिलाड़ी बनना चाहते हैं तो जर्मन सीखना आपको वह धारा प्रदान करेगा जो आपके लिए आवश्यक है। पूरे विश्व में लाखों लोग जर्मन भाषा में सम्प्रेषण करते हैं। जर्मन सिर्फ जर्मनी में ही नहीं बोली जाती है बल्कि उसका ऑस्ट्रेलिया, हँगरी और स्विटजरलैण्ड में शासकीय भाषा के रूप में व्यवहार किया जाता है। अगले वर्षों तक जर्मन भाषा अध्ययन करने के पश्चात विद्यार्थी जर्मन भाषा में स्नातकोत्तर की डिग्री के लिए पढ़ाई कर सकते हैं। उच्च शिक्षा के लिए ऐसे विद्यार्थी जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, स्विटजरलैण्ड और हंगरी जा सकते हैं। ये देश अनेक छात्रवृत्तियों की भी तजवीज करते हैं। जर्मन भाषा के ज्ञान से वे अपने रोजगार परक अवसरों में वृद्धि कर सकते हैं। निसंदेह जर्मन आपकी माँग को बढ़ाता है। अगर आप संयुक्त राज्य अमेरिका में रोजगार के अवसरों की तलाश कर रहे हैं तो जर्मन का ज्ञान आपके लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में जर्मन कम्पनियों की संख्या 700,000 हैं और इतनी ही रोजगार की संख्या को संयुक्तराज्य अमेरिका जर्मनी में सृजित करती है। इसके अतिरिक्त जर्मन भाषा का सीखना पर्यटन उद्योग, आतिथ्य उद्योग, विमान सेवाओं, दूतावासों, शैक्षणिक, बहुराष्ट्रीय कम्पनियों तथा दुभाषिये एवं अनुवादकों के क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए रास्ते खोलती हैं। हमारी वार्षिक कॉलेज पत्रिका में जर्मन अनुभाग भी है, जिसमें छात्र कविताएँ, लेख, निबंध आदि लिखते हैं।

हिन्दी

हिंदी विभाग अपनी अकादमिक गतिविधियों के लिए जाना जाता है। यह स्नातक स्तर के छात्रों को शिक्षण प्रदान करता है। हिंदी विभाग की शुरुआत सन 1967 ई. में कॉलेज की स्थापना वर्ष के साथ ही हुई। समकालीन दृष्टिकोण से, हमारे कॉलेज में स्नातक शिक्षण के लिए हिंदी (ऑनर्स) एक महत्वपूर्ण विकल्प है।

यदि आप हिंदी साहित्य ऑनर्स में रुचि रखते हैं तो यह स्नातक पाठ्यक्रम आपके लिए भविष्य में कई रास्ते और अवसर खोल सकता है। ग्लोबल विलेज की अवधारणा की तर्ज पर हिंदी भाषा के बहुआयामी आयामों को विश्व पटल पर लाया जा रहा है। हिंदी साहित्य छात्रों के मन में रचनात्मकता और साहित्यिक संवेदनशीलता का विकास करता है। हिन्दी का ऑनर्स पाठ्यक्रम न केवल प्राचीन काल से लेकर वर्तमान तक के महान कवियों, लेखकों, उपन्यासकारों, आलोचकों आदि से छात्राओं का परिचय कराता है, बल्कि उनकी छिपी प्रतिभा को भी सामने लाता है। रोजगार के दृष्टिकोण से यदि आप पत्रकारिता, अनुसंधान, एंकरिंग,

पटकथा–लेखन, अनुवाद, संपादन, गीतकार आदि के क्षेत्र में अपनी रचनात्मकता को बढ़ाना चाहते हैं, तो यह कोर्स आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। हिंदी विभाग के संकाय सदस्य अनुभवी और योग्य हैं जो छात्राओं की क्षमता को विकसित करने के साथ ही उनको सर्वश्रेष्ठ बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षण में उत्कृष्टता के अलावा, हिन्दी विभाग ने छात्राओं के लिए एक सक्रिय और साहित्यिक संस्था 'हिंदी साहित्य परिषद' का गठन किया है जो हिंदी विभाग छात्राओं को सर्वांगीण विकास प्राप्त करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करता है। वाद–विवाद, रचनात्मक लेखन और नाटकीय गतिविधियों में संलग्न सहित विभिन्न कौशल प्रदान करता है। ये गतिविधियाँ प्रत्येक छात्रा को अपने भीतर की प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करती हैं। विभाग प्रत्येक सत्र में नियमित रूप से छात्राओं को उनकी साहित्यिक प्रतिभा और कौशल को निखारने के लिए वाद–विवाद प्रतियोगिता, कविता–लेखन, कहानी–लेखन, निबंध– प्रतियोगिता आदि आयोजित करता है। विभाग छात्राओं को परंपरा और आधुनिकता, अतीत और वर्तमान के बीच एक अच्छा संतुलन बनाने में मदद करके तथा उनके विचारों को पोषित करने में विश्वास करता है। हिंदी विभाग ने छात्राओं को जीवन, समाज और राष्ट्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करने हेतु एक पत्रिका 'विचारायन' शुरू की है।

विभागीय गतिविधियाँ:

- प्रख्यात वक्ताओं द्वारा व्याख्यान
- सेमिनार / कार्यशालाएं
- इंटर कॉलेज और इंट्रा कॉलेज प्रतियोगिताएं
- वाद–विवाद, रचनात्मक लेखन और 'नाटक' गतिविधियाँ

इतिहास

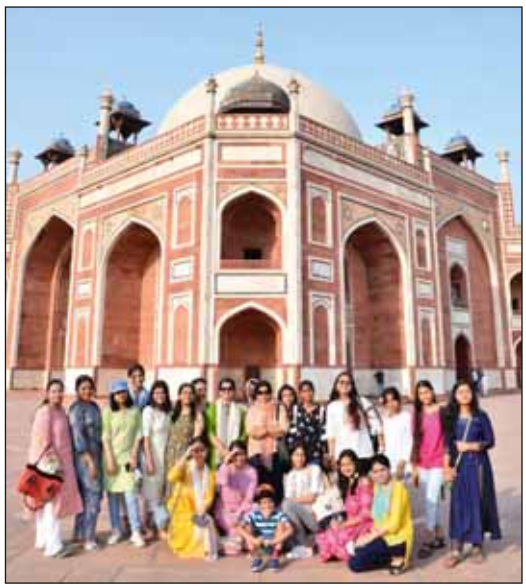

गार्गी महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही 1967 में एक महत्वपूर्ण विभाग के रूप में इतिहास विभाग की स्थापना हुई. शुरुवाती दौर में इतिहास विषय को स्नातक के प्रोग्राम कोर्स में शामिल किया गया था। 1972 से पहली बार स्नातक में इतिहास को ऑनर्स के विषय के रूप में पढ़ाया जाने लगा। उत्तरोत्तर इतिहास एक विषय के रूप में अपनी प्रासंगिकता को मजबूती देता रहा है। भारतीय और विश्व इतिहास में दक्षता हासिल कर विभाग के अध्यापकों ने इस विषय को एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक विषय के रूप में परिष्कृत किया। इतिहास स्नातक प्रतिष्ठा के स्तर पर जिसमें भारतीय और विश्व इतिहास दोनों ही पढ़ाए जाते हैं।

2006 से इतिहास विभाग द्वारा इतिहास एसोसिएशन की शुरुआत की गई जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के साथ विभिन्न स्तरों पर संवाद कायम करना और इतिहास की समझदारी को और आगे बढ़ाना रहा है।

अकादमिक सेशन में विभाग लागतार ही विभिन्न पुस्तकों पर चर्चा, चलचित्र प्रदर्शन और वाद विवाद का आयोजन करता रहा है। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर–राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों, अपैक्स संस्थान के पुरातत्वेत्ता, ASI और इतिहासकारों को विभाग द्वारा लगतार ही आमंत्रित किया जाता रहा है। इन अकादमिक गतिविधियों के साथ साथ विभाग हर साल इतिहास विभाग के वार्षिक समारोह "अंतराल" का आयोजन किया जाता है जिसमें इतिहास के बदलते ट्रेंड और संभावित शोध विषयों पर संवाद केन्द्रित होता है। अंतराल में ऐकडेमिक कार्यक्रम के साथ साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी सम्मिलित है जो पूरी तरह से ऐकडेमिक विषयों पर केंद्रित होते है जिनमे विद्यार्थी अपनी क्षमता और कला का प्रदर्शन करते है। गत सालो में विभाग द्वारा दिल्ली के इतिहास, पर्यावरण, खान पान, धर्म, कला, नया इतिहास लेखन और महिलाओं की भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा और कार्यक्रम आयोजित किए गए है।

गत वर्षों में विभाग द्वारा लगातार ही इतिहास के विभिन्न विषयों मसलन दिल्ली का इतिहास, पर्यावरण, भोजन, धर्म और कला के इतिहास जैसे मुद्दों को अपने वार्षिक महोत्सव और सेमिनार में उठाया गया। इस साल के अन्तारल महोत्सव में इतिहास के नए चलन और उसमे बदलते हुए तरीको पर केन्द्रित था जिसका शिर्सक "New Histories: Changing Perspectives and Influences" था। इतिहास में स्नातक के तीन सालों में विद्यार्थियों को इतिहास की अधिक व्यापक समझ विकसित कर भविष्य में आने वाली ऐकडेमिक, व्यावसायिक दुनिया की चुनौतियों का तर्कपूर्ण मूल्यांकन और स्पष्ट अभिव्यक्ति करने में सक्षम बनाती है।

साल 2022 में, अंतराल के वार्षिक आयोजन में "समानांतर इतिहास : प्रादेशिक इतिहास का समालेखन" (Parallel Narratives: Foregrounding Regional Histories) के विषय पर ऑनलाइन पोर्टल पर आयोजित किया गया, इसके अलावा विभाग द्वारा विभिन्न एतिहासिक प्रादेशिक, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विषयों पर भी लगातार वेबिनार आयोजित किए जाते रहे है।

इतिहास में स्नातक के तीन सालो में विद्यार्थियों को इतिहास की अधिक व्यापक समझ विकसित कर भविष्य में आने वाली ऐकडेमिक, व्यावसायिक दुनिया की चुनौतीयों का तर्कपूर्ण मूल्यांकन और स्पष्ट अभिव्यक्ति करने में सक्षम बनाती है।

गणित

गार्गी कॉलेज में गणित विभाग ने 2016 में बी.एससी. (ऑनर्स) गणित पाठ्यक्रम शुरू किया जिसका पाठ्यक्रम दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तथा सूक्ष्म रूप, तार्किक और विश्लेषणात्मक रूप से सोचने की क्षमता विकसित करने के लिए डिजाइन किया गया था। यह पाठ्यक्रम शिक्षा, सरकार, व्यवसाय और उद्योग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कैरियर के लिए छात्रों को विकसित करता है। कार्यक्रम की संरचना का सारांश दिल्ली विश्वविध्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। विभाग में संकाय शुद्ध, अनुप्रयुक्त, वित्तीय गणित और कंप्यूटर विज्ञान के विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता वाले पेशेवर हैं। संकाय विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों में शामिल है। विभाग मानविकी और अन्य विज्ञान पाठ्यक्रमों के माध्यम से अंतर–विभागीय शिक्षण भी करता है। कॉलेज में नवीनतम उपकरणों के साथ अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब और कई गणितीय सॉफ्टवेयर प्रोग्राम जैसे वोल्फ्राम मैथमैटिका, आर, लेटेक्स आदि हैं जो व्यावहारिक घटकों के साथ विभिन्न पेपरों के लिए आवश्यक हैं।

यह माना जाता है कि पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने से टीम वर्क, संचार, संबंध और अपनेपन की भावना का निर्माण होता है, ये सभी छात्रों को सामाजिक रूप से विकसित होने और जीवन के सभी हिस्सों में सफल होने में मदद करते हैं। पाठ्येतर

गतिविधियों में भागीदारी सामुदायिक भागीदारी के महत्व को प्रदर्शित करती है। विभाग शिक्षाविदों और छात्रों की भागीदारी से बहु–विषयक आयोजनों की योजना बनाने और अनुकूल वातावरण बनाने में सक्रिय है। हर साल, कॉलेज की गणित सभा 'मैथेमा' हमारे छात्रों को उनके लक्ष्यों की सफल प्राप्ति के लिए ज्ञान और कौशल के साथ पोषण करने के लिए वेबिनार, लेख लेखन प्रतियोगिता, इंटरैक्टिव सत्र, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और करियर परामर्श सत्र जैसी लाभकारी गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

सूक्ष्मजीव विज्ञान

माइक्रोबायोलॉजी विभाग की स्थापना 1989 में न केवल जीवन विज्ञान और संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए की गई थी, बल्कि उन्हें गुणवत्ता नियंत्रण और खाद्य, दवा और स्वास्थ्य उद्योगों के अनुसंधान एवं विकास क्षेत्रों में एक उपयुक्त व्यवसाय खोजने में मदद करने के लिए भी की गई थी। मुख्य कागजात संरचनात्मक और शारीरिक पहलू पर ध्यान केंद्रित करते हैं, विविध रोगाणु, रोग के कारण, कृषि और उद्योग में उनकी भूमिका के साथ–साथ आणविक जीव विज्ञान, पुनः संयोजक डीएनए प्रौद्योगिकी, जैव सुरक्षा और जैव सूचना विज्ञान की अवधारणाओं का अध्ययन करते हैं।

व्यावहारिक सत्र माइक्रोस्कोपी, जैव रसायन के साथ–साथ विविध जैविक तकनीकों में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए संरचित हैं। ग्रेजुएशन के बाद छात्र माइक्रोबायोलॉजी / बायोटेक्नोलॉजी / लाइफ साइंसेज / जेनेटिक्स / मॉलिक्यूलर वायरोलॉजी / मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी / जल प्रबंधन और अन्य संबंधित क्षेत्रों में पोस्ट ग्रेजुएशन प्रोग्राम कर सकते हैं।

विभाग सिद्धांत और व्यावहारिक सत्र आयोजित करने के लिए एक अच्छा बुनियादी ढांचा प्रदान करता है। शैक्षिक पाठ्यक्रम के एक अभिन्न अंग के रूप में व्यापक स्तर की पाठ्येतर गतिविधियों और वैज्ञानिक वार्ताओं की व्यवस्था की जाती है।

दर्शनशास्त्र

गार्गी कॉलेज के बी. ए. प्रोग्राम कोर्स में पहले से दर्शनशास्त्र पढ़ाया जाता रहा है। ऑनर्स कोर्स की पेशकश करने के लिए 1995 में दर्शनशास्त्र विभाग स्थापित किया गया था। विभाग में दर्शनशास्त्र के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाले प्राचार्य शामिल हैं। वर्तमान में, शिक्षक प्रभारी (TIC) डॉ दीपिका चटर्जी हैं और एसोसिएशन प्रभारी श्री इनामुल हक़ हैं।

दर्शन शास्त्र सामान्य और मूलभूत समस्याओं का अध्ययन है जिसके अंतर्गत महत्वपूर्ण मूलभूत प्रश्नो पर मंथन किया जाता है, जैसे – सृष्टि की रचना कैसे हुई? पृथ्वी का निर्माण कैसे हुआ? क्या ईश्वर का अस्तित्व है? क्या ईश्वर ने दुनिया बनाई है या दुनिया प्रारम्भ से ही अस्तित्व में है? मनुष्य कैसे सोचता है, मस्तिष्क, मन और विचार के बीच क्या संबंध है? इच्छा और क्षमता के बीच क्या संबंध है? इसके अतिरिक्त लिंग, पर्यावरण, चिकित्सा में नैतिक प्रश्न, कानून के मामलों, मीडिया, कला, फिल्म आदि के संदर्भ में जीवन के मुद्दों को परिप्रेक्ष्य में रखते हुए अध्यन किया जाता है ।

दर्शनशास्त्र को उसके विषय वस्तु के आधार पर कुछ शाखाओ में विभाजित किया गया है, जैसेः तत्वमीमांसाः विभिन्न प्रकार के अस्तित्व और उनके अंतर्संबंधों की जांच करता है, ज्ञानमीमांसा और तर्कः ज्ञान की प्रकृति और वैधता, नैतिकता और सौंदर्यशास्त्रः और मूल्य की प्रकृति आदि पर मंथन करते हैं। इस प्रकार दर्शनशास्त्र का उद्देश्य हमारे आसपास की दुनिया को पढ़ना, सोचना, शोध करना और आलोचनात्मक विश्लेषण करना है। यह व्यक्ति को उसके अनुभवों की आत्म–संगत समझ प्राप्त करने में मदद करता है। दर्शनशास्त्र छात्रों को शिक्षा, अनुसंधान, जनसंचार, पत्रकारिता, सामाजिक कार्य, कानून, फिल्म प्रशंसा, सिविल सेवा, प्रबंधन अध्ययन और लिंग अध्ययन में करियर के लिए तैयार करने में मदद करता है।

मीमांसा–फिलॉसफी समिति : यह विशेष रूप से दार्शनिक चर्चाओं और वाद–विवाद के लिए एक मंच है, जो छात्रों और शिक्षकों सहित सभी विषयों के प्रतिभागियों के लिए खुला है।

नॉसिस–फिलॉसफी न्यूजलेटरः यह छात्रों के लिए और छात्रों द्वारा प्रतिवर्ष प्रकाशित किया जाता है।

छात्र हर साल एक केंद्रीय विषय प्रस्तावित करते हैं। इस वर्ष की थीम "मिलांजः संस्कृति, भाषाविज्ञान और दर्शनशास्त्र की विविधता" थी।

डायलेक्टिका – वार्षिक दर्शन महोत्सवः विभाग किसी महत्वपूर्ण सामयिक दार्शनिक मुद्दे पर एक वार्षिक शैक्षणिक व्याख्यान आयोजित करता है, जिसमे प्रख्यात विद्वानों का एक पैनल व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया जाता है। निमत्रित वक्ता दिए गए विषय पर दार्शनिक व्याख्यान देते हुए विषय के माध्यम से सामायिक मुद्दों पर दर्शन की प्रासंगिकता दर्शाते हैं।

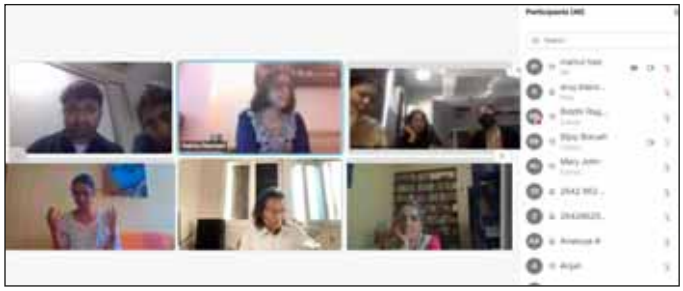

दिन का उत्तरार्ध, छात्रों के अंतर–महाविद्यालय स्तर की प्रतियोगिताओ जैसे वाद–विवाद और रचनात्मक कार्यक्रम आदि के लिए समर्पित रहता है जो कि मुख्य प्रसंग के इर्द–गिर्द होता है। शैक्षणिक सत्र 2021–22 में विषय थाः 'विवाह के माध्यम से एजेंसी का अनुशासन'। जहां छात्रों ने प्रख्यात वक्ताओं के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र अटेंड किया ।

विभाग, दर्शनशास्त्र के विभिन्न शैक्षिक विषयों पर समय–समय पर संवादात्मक वेबिनार/सेमिनार आयोजित करता है। पिछले सत्र का फोकस 'ग्रीक फिलॉसफी' पर था। आगामी सत्र में, विभाग का लक्ष्य दर्शनशास्त्र में दार्शनिक परामर्श और अन्य उभरते हुए दार्शनिक विषयों पर व्याख्यान आयोजित कराना है।

विभाग ने दर्शनशास्त्र के क्षेत्र में करियर विकल्पों और दर्शन की उपयोगिता पर अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए, दर्शन के शिक्षा जगत के पेशेवरों को आमंत्रित करने के उद्देश्य से एक वेबिनार की एक श्रृंखला शुरू किया है । पिछला सत्र 'उच्च अध्ययन के लिए शोध पत्र और छात्रवृत्ति लेखन' को समर्पित था।

छात्र संघः छात्र संघ विभाग के सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से नई पहल करता है। इसके माध्यम से हाल की पहल हैं 'दर्शनशास्त्र के मानव', इस के माध्यम से विभाग के छात्रों को किसी भी प्रकार की आत्म–प्रगति की अपनी कहानियों को साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जहाँ उनकी तस्वीरों और एआईएम (ऑल आइडिया मैटर) – को विभाग के पन्नों पर जारी किया जाता है। यह छात्रों के सुझावों, प्रतिक्रिया और किसी भी अन्य महत्वपूर्ण विषयों के लिए है। यहाँ पाठ्यक्रम और अंतर–अनुशासनात्मक दर्शन पर केंद्रित वार्ता और व्याख्यान की एक श्रृंखला उपलब्ध है। क्षेत्रों के परिप्रेक्ष्य को व्यापक बनाने के लिए कुछ फिल्में भी दिखाई जाती हैं।

पुरस्कारः विभाग तृतीय वर्ष की वर्तमान छात्रा जिसने पिछले दो वर्षों में उच्चतम स्कोर किया हो, को "मिस्टर एंड मिसेज अरोड़ा मेमोरियल अवार्ड" प्रदान करता है।

भौतिक शास्त्र

भौतिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1967 में गार्गी में हुई थी।

पाठ्यक्रम/अवलोकन के बारे में: भौतिकी विभाग बी एससी भौतिकी (ऑनर्स) और बी एससी भौतिक विज्ञान के छात्रों को विभिन्न पेपर प्रदान करता है। विभाग विभिन्न विभागों के छात्रों को सामान्य वैकल्पिक प्रश्नपत्र भी प्रदान करता है।

नौकरी के अवसर: भौतिकी में स्नातक पूरा करने के बाद, छात्रों के लिए कई करियर विकल्प उपलब्ध हैं। कुछ नाम रखने के लिए: एक वैज्ञानिक बनना, भौतिकी पढ़ाना, प्रबंधन, प्रशासन, कानून में करियर, आदि। भौतिक विज्ञान, पर्यावरण और ऊर्जा क्षेत्र, नैनो प्रौद्योगिकी, भूभौतिकी, सूचना और प्रौद्योगिकी, रक्षा अनुसंधान और संचार उद्योग जैसे विविध उद्योगों के अनुसंधान और विकास विंग में भौतिकी स्नातकों का भी स्वागत किया जाता है।

विभाग/समाज और गतिविधियों के बारे में: नियमित शैक्षणिक पाठ्यक्रम के अलावा, छात्र विभाग के संकाय के मार्गदर्शन में अनुसंधान करते हैं और परियोजनाएं करते हैं। दो संकाय सदस्य पीएच.डी. विद्वानों का पर्यवेक्षण कर रहे हैं। विभाग के पास दिल्ली विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त अनुसंधान प्रयोगशाला है जिसमें छात्र लगन से अनुसंधान करते हैं।

भौतिकी विभाग छात्रों को भौतिकी के विभिन्न क्षेत्रों से परिचित कराने के लिए हर साल छुट्टियों के दौरान एक ग्रीष्मकालीन स्कूल भी आयोजित करता है। फिजिक्स डिपार्टमेंट सोसाइटी, क्वासर, साल भर गतिविधियों से हमेशा गुलजार रहती है। विभाग इस सोसायटी के तत्वावधान में विभिन्न संस्थानों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान आयोजित करता है। छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देने के लिए, पूरे शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। छात्रों को इंट्रा/इंटर कॉलेज कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। उन्हें इन संस्थानों में किए गए सभी शोधों और वहाँ उपलब्ध नवीनतम अत्याधुनिक तकनीक से अवगत कराने के लिए उन्हें नियमित रूप से प्रसिद्ध संस्थानों में ले जाया जाता है। छात्रों के साथ–साथ विभाग के संकाय सदस्य भौतिकी और अन्य क्षेत्रों में वर्तमान अनुसंधान और नवीनतम विकास के साथ अद्यतन रखने के लिए सेमिनारों और सम्मेलनों में भाग लेते हैं/आयोजित करते हैं। इस वर्ष 'अर्धचालकों के लिए नैनो प्रौद्योगिकी: अवसर और चुनौतियां' पर पहला 'आभासी' उद्घाटन व्याख्यान 28 अक्टूबर, 2021 को आयोजित किया गया था, जिसे RISE स्वीडन में

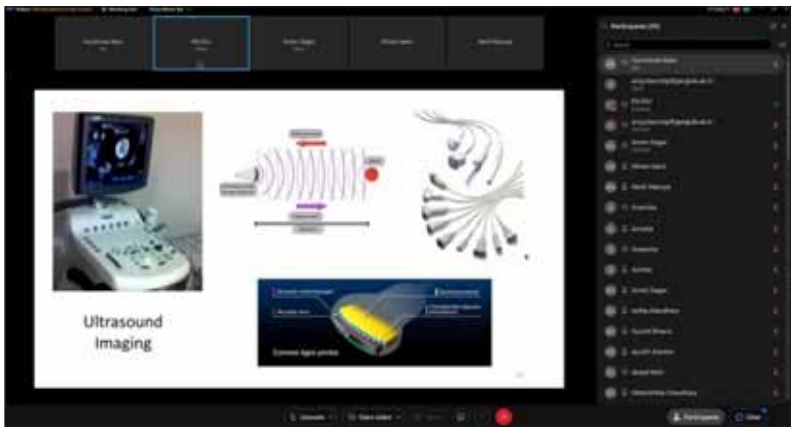

वैज्ञानिक के रूप में कार्यरत डॉ. आशुतोष कुमार द्वारा दिया गया था। क्वासर ने वस्तुतः 'क्यों मुझे विज्ञान से प्यार था' पर एक व्याख्यान भी आयोजित किया, जिसे 9 फरवरी, 2022 को बैंगलोर में जीई के ग्लोबल रिसर्च सेंटर से सेवानिवृत्त प्रमुख वैज्ञानिक डॉ। काजोल बनर्जी द्वारा दिया गया था। विश्व खाद्य दिवस पर प्रश्नोत्तरी, करियर मार्गदर्शन सत्र जैम और जेस्ट, स्ट्रेस बस्टर क्विज नामतः 'सिनेमा क्विजोहिलिक' और मेमेनिया – एक मेम बनाने की प्रतियोगिता इस वर्ष के समाज कार्यक्रमों का हिस्सा थी।

शारीरिक शिक्षा

शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग की स्थापना जुलाई 1967 में हुई थी।

शारीरिक शिक्षा के विषय में पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रम

- योग और तनाव प्रबंधन को 100 अंकों के लिए सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों के साथ सेमेस्टर–I में एक सामान्य ऐच्छिक के रूप से ऑनर्स पाठ्यक्रम में पढ़ाया गया है।
- मोटापा प्रबंधन को 100 अंकों के लिए सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों के साथ सेमेस्टर–II में एक सामान्य ऐच्छिक के रूप से ऑनर्स पाठ्यक्रम में पढ़ाया गया है।
- एरोबिक्स प्रशिक्षण को सेमेस्टर–III में सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों के साथ 100 अंकों के लिए सामान्य ऐच्छिक के रूप से ऑनर्स पाठ्यक्रम में पढ़ाया गया है।
- फिटनेस और व्यायाम प्रबंधन को 100 अंकों के लिए सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों के साथ सेमेस्टर–IV में एक सामान्य ऐच्छिक के रूप से ऑनर्स पाठ्यक्रम में पढ़ाया गया है।
- शारीरिक शिक्षा अभ्यास विभाग द्वारा बी.ई.एल.एड द्वितीय वर्ष के छात्रों को पढ़ाया जाता है।

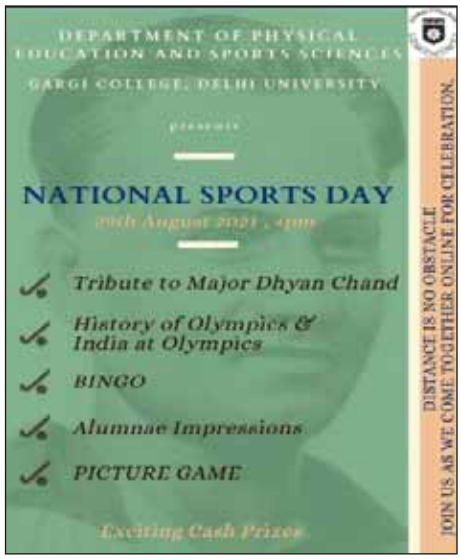

रोजगार के अवसरः उपरोक्त सामान्य वैकल्पिक विषय बुनियादी स्तर के पाठ्यक्रम हैं जो एक छात्र को शारीरिक शिक्षा में आगे विशेषज्ञता हासिल करने के योग्य बना सकते हैं यदि खेल में भी भागीदारी हो। छात्र उन पाठ्यक्रमों में भी नामांकन कर सकते हैं जो फिटनेस ट्रेनर बनाते हैं। छात्र जिम और होटलों में फिटनेस ट्रेनर, फिटनेस प्रशिक्षण संस्थानों में नौकरी कर सकता है, योग में पेशेवर डिग्री हासिल करने के बाद योग प्रशिक्षक बन सकता है। छात्र अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद स्कूलों या कॉलेजों में शारीरिक शिक्षा शिक्षक भी बन सकता है।

2021–22 में अन्य विभागीय गतिविधियाँ

1. कोविड–19 प्रोटोकॉल के कारण सभी खेलों में विशिष्ट कॉलेज खेलों में नियमित कोचिंग सत्र आयोजित नहीं किए जा सके।
2. सभी स्तरों पर खेल प्रतियोगिताओं में भागीदारी।
3. छात्र खेल परिषद का गठन।
4. 'सारथी' – साथियों के सहयोग पर आधारित खिलाड़ियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य पहल

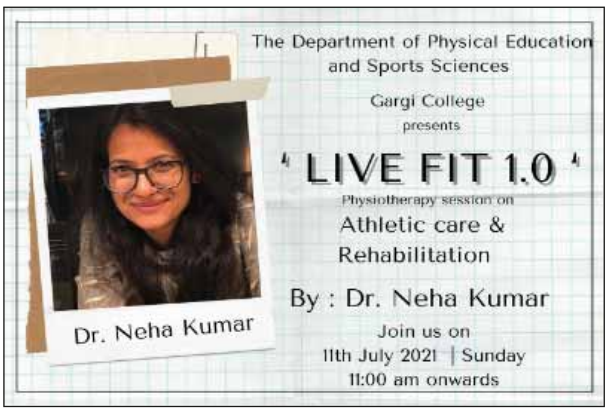

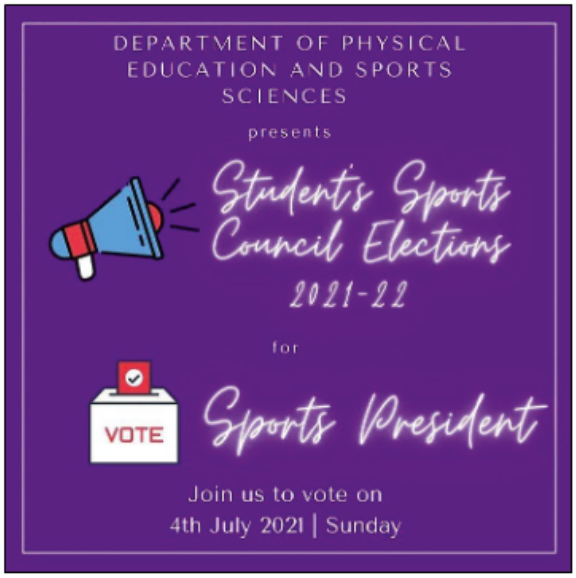

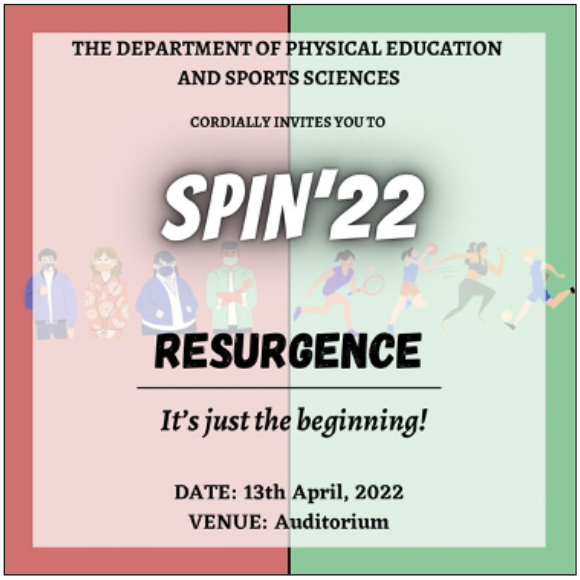

5. लाइवफिट 1.0
6. 'गार्गी ओलंपियाड' इंटर स्ट्रीम खेल प्रतियोगिता
7. राष्ट्रीय खेल दिवस ऑनलाइन उत्सव
8. वार्षिक स्पोर्ट्स मीट– स्पिन '22

मेधावी खिलाड़ियों के लिए साधन आधार पर छात्रवृत्ति 2021–22

- स्वर्गीय श्री एस के सूद मेमोरियल स्कॉलरशिप दो खिलाड़ियों को @ रु. 6000/– प्रति वर्ष चार खिलाड़ियों को।
- आरपी क्रिकेट अकादमी छात्रवृत्ति @ रु. 6000/– प्रति वर्ष दो खिलाड़ियों को।
- सुश्री मधु कुमार छात्रवृत्ति @ रु. 5000/– प्रति वर्ष दो खिलाड़ियों को।
- उत्कृष्ट खिलाडियों को प्रवेश के समय शुल्क में छूट।

पुरस्कार श्रेणियां

- सभी तीन वर्षों में उत्कृष्ट खिलाड़ी के लिए डॉ. शशि त्यागी पुरस्कार @ रु 5000/– रुपये प्रति वर्ष।
- वर्ष के खिलाड़ी के लिए सुश्री ए मालती छात्रवृत्ति @ रु 6000/– प्रति वर्ष।
- मेधावी खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार* रु. 1200/–, 1100/–, 1000/–.
- सबसे नियमित खिलाड़ी पुरस्कार।
- गार्गी ओलंपियाड इंटर स्ट्रीम खेल प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ स्ट्रीम पुरस्कार।
- गार्गी ओलंपियाड इंटर स्ट्रीम खेल प्रतियोगिता में तीनों स्ट्रीम से सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर का पुरस्कार।
- अंतर–विभागीय मार्च पास्ट प्रतियोगिता के लिए नकद पुरस्कार रु. 2000/–, 1500/–, 1000/–.
- विभागीय पत्रिका में सर्वश्रेष्ठ लेख का पुरस्कार 'एब्लेज' रु. 500/–.

'Gargi Olympiad' Inter Stream Competitions

**मौजूदा कॉलेज नियमों के अनुसार*

खेल	उपलब्धियाँ
एथलेटिक्स	जेएलएन में आयोजित 3–6 सितंबर 2021 से 81वीं दिल्ली राज्य वार्षिक एथलेटिक्स चौंपियनशिप में एक स्वर्ण और एक रजत पदक। स्टेडियम, दिल्ली। हेप्टाथलॉन में 82वीं दिल्ली राज्य वार्षिक एथलेटिक्स चौंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक और जे.एल.एन. 12–15 मई 2022 को स्टेडियम, दिल्ली।
बास्केटबाल	टीम ने 11–12 मार्च 2022 को मिरांडा हाउस द्वारा आयोजित इरोबर्न 3 बनाम 3 आमंत्रण बास्केटबॉल इंटर कॉलेज टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया।
शतरंज	टीम ने 29 अगस्त 2021 को एक्सआरटी ऑफिशियल, चेसोलॉजी द्वारा संचालित क्राफ्टीनून डॉट कॉम द्वारा अखिल भारतीय इंटरयूनिवर्सिटी चयन ट्रायल और ऑनलाइन एमेच्योर विश्व कप में भाग लिया; 11 सितंबर 2021 को भारतीय प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान द्वारा ऑनलाइन इंटर कॉलेज शतरंज प्रतियोगिता; 3 अक्टूबर 2021 को दिल्ली शतरंज एसोसिएशन के सहयोग से कोमल और वी के पाहुजा फाउंडेशन द्वारा आयोजित ऑनलाइन पहली कोमल और वी के पाहूजा ब्लिट्ज शतरंज चौंपियनशिपय गुरुग्राम जिला अंडर 20 गर्ल्स एंड अंडर 20 बॉयज चेस चौंपियनशिप 19 दिसंबर 2021 को विबग्योर स्कूल, गुरुग्राम में; एरोबर्न आमंत्रण शतरंज इंटर कॉलेज टूर्नामेंट, 10–11 मार्च 2022
क्रिकेट	इंटर स्टेट महिला सीनियर वन डे ट्रॉफी सीनियर क्रिकेट टीम में 4 खिलाड़ियों ने अपने–अपने राज्यों के विभिन्न स्थानों पर भाग लिया, 5 छात्रों ने अपने–अपने राज्यों से अंडर 19 महिला एक दिवसीय ट्रॉफी में भाग लिया, टीम ने रेडबुल इनविटेशनल कैंपस क्रिकेट टूर्नामेंट में दूसरा स्थान हासिल किया महिलाओं के लिए 21 से 23 अक्टूबर 2021 तक शिवाजी कॉलेज, दिल्ली में, टी.एन.एम. में प्रथम स्थान। 1–8 नवंबर 2021 से इंदिरापुरम, नोएडा में क्रिकेट मेमोरियल टूर्नामेंट।
जुडो	10 मार्च 2022 को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में जूडो में अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में एक रजत पदक और 24 अप्रैल से 3 मई 2022 तक खेलो इंडिया इंटरयूनिवर्सिटी खेलों में 1 रजत और 1 कांस्य पदक; तमिलनाडु जूडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित तंजावुर में 31 जनवरी से 2 फरवरी तक तमिलनाडु राज्य जूनियर और सीनियर जूडो चौंपियनशिप में वरिष्ठ महिला वर्ग में स्वर्ण पदक।
कुराश	5 मई 2022 को पुणे में कुराश 19वें एशियाई खेलों के टेस्ट इवेंट में पहला रजत पदक।
शूटिंग	एक खिलाड़ी ने 9 से 12 अप्रैल 2022 तक सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ में शूटिंग में अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।
तायक्वोंडो	अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय ताइक्वांडो टूर्नामेंट 2021–22 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय ताइक्वांडो टीम के चयन परीक्षणों में एक खिलाड़ी ने कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया।
टेनिस	एक खिलाड़ी ने 27 सितंबर से 1 अक्टूबर 2021 तक झज्जर में एआईटीए महिला 1 लाख पुरस्कार राशि जीती। कई खुले आईटीएफ और एआईटीए टूर्नामेंट में भागीदारी।
वॉलीबाल	एक खिलाड़ी ने 7 फरवरी से 12 फरवरी 2022 तक भुवनेश्वर, ओडिशा में सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया। टीम ने दिल्ली सीनियर स्टेट वॉलीबॉल टूर्नामेंट 2020–21 में तीसरा स्थान हासिल किया। कॉलेज की दो टीमों ने 9–12 नवंबर 2021 को दिल्ली सीनियर वॉलीबॉल चैंपियनशिप में वी.एन. अकादमी, नजफगढ़ दिल्ली। टीम ने अपने संबंधित क्लबों का प्रतिनिधित्व करते हुए 21–23 मार्च 2022 तक दिल्ली यूथ स्टेट वॉलीबॉल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक भी जीता।
कुश्ती	कोई प्रतियोगिता आयोजित नहीं की गई।

उत्कृष्ट खिलाड़ी 2021–22

1. सुश्री कीर्ति ईशरवाल बीए (एच) अंग्रेजी तृतीय वर्ष ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम नई दिल्ली में 3–6 सितंबर 2021 तक आयोजित 81वीं दिल्ली राज्य वार्षिक एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जेवलिन थ्रो में स्वर्ण पदक और 82 वें दिल्ली राज्य वार्षिक एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में हेप्टाथलॉन और जेवलिन थ्रो में स्वर्ण पदक जीता, 12–15 मई 2022 तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम नई दिल्ली में आयोजित की गई।

2. सुश्री प्राची सोम बी.ए. कार्यक्रम 2 ने 3–6 सितंबर 2021 तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम नई दिल्ली में आयोजित 81वीं दिल्ली राज्य वार्षिक एथलेटिक्स चैंपियनशिप में ऊँची कूद में रजत पदक जीता और उन्होंने 12–15 मई 2022 तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम नई दिल्ली में आयोजित 82वीं दिल्ली राज्य वार्षिक एथलेटिक्स चैंपियनशिप में ऊँची कूद में रजत पदक और 100 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य पदक भी जीता।

3. सुश्री आरुषि गुप्ता बीए (एच) एप्लाइड साइकोलॉजी प्रथम वर्ष ने बास्केटबॉल में अंडर–19 जूनियर नेशनल में भाग लिया।

4. सुश्री स्तुति अग्निहोत्री बीए (एच) एप्लाइड साइकोलॉजी प्रथम वर्ष ने 71 वें एमपी में कांस्य पदक जीता। राष्ट्रीय बास्केटबॉल अकादमी, इंदौर में 21–24 अक्टूबर 2021 तक स्टेट जूनियर बास्केटबॉल चैंपियनशिप

5. सुश्री कशिश बीए (एच) एप्लाइड साइकोलॉजी प्रथम वर्ष ने ऑनलाइन टोरनेलो ऐप पर 26–28 जुलाई 2021 तक ऑनलाइन सीनियर नेशनल और नेशनल जूनियर गर्ल्स शतरंज चैंपियनशिप में भाग लिया। उन्होंने 19 दिसंबर 2021 को विबग्योर स्कूल, गुरुग्राम में 20 गर्ल्स चेस चैंपियनशिप के तहत गुरुग्राम जिले में भी भाग लिया।

6. सुश्री प्रज्ञा रावत बीए (एच) अंग्रेजी द्वितीय वर्ष ने 31 अक्टूबर से 16 नवंबर 2021 तक दिल्ली महिला सीनियर क्रिकेट टीम, विशाखापत्तनम की ओर से इंटर स्टेट महिला सीनियर वन डे ट्रॉफी में भाग लिया।

7. सुश्री पूजा सिंह कुशवाहा बी.ए. कार्यक्रम द्वितीय वर्ष ने 31 अक्टूबर से 16 नवंबर 2021 तक दिल्ली महिला सीनियर क्रिकेट टीम, विशाखापत्तनम की ओर से अंतरराज्यीय महिला वरिष्ठ एक दिवसीय ट्रॉफी में भाग लिया।

8. सुश्री भारती कश्यप बीए (एच) इतिहास द्वितीय वर्ष ने 23 अक्टूबर से 6 नवंबर 2021 तक हरियाणा महिला सीनियर क्रिकेट टीम, विशाखापत्तनम से इंटर स्टेट महिला सीनियर एक दिवसीय ट्रॉफी में भाग लिया।

9. सुश्री नितिका बी.ए. कार्यक्रम द्वितीय वर्ष हरियाणा महिला सीनियर क्रिकेट टीम, विशाखापत्तनम की ओर से 23 अक्टूबर से 6 नवंबर 2021 तक इंटर स्टेट महिला सीनियर एक दिवसीय ट्रॉफी में भाग लिया

10. सुश्री आंचल राय बीए (एच) संस्कृत द्वितीय वर्ष ने हरियाणा टीम की ओर से विशाखापत्तनम में 20 सितंबर से 18 अक्टूबर 2021 तक अंडर–19 महिला एक दिवसीय ट्रॉफी में भाग लिया।

11. सुश्री वंदना बीए (एच) हिंदी प्रथम वर्ष ने हरियाणा टीम की ओर से विशाखापत्तनम में 20 सितंबर से 18 अक्टूबर 2021 तक अंडर–19 महिला एक दिवसीय ट्रॉफी में भाग लिया।

12. सुश्री ज्योति बीए (एच) संस्कृत प्रथम वर्ष ने हरियाणा टीम की ओर से विशाखापत्तनम में 20 सितंबर से 18 अक्टूबर 2021 तक अंडर–19 महिला एक दिवसीय ट्रॉफी में भाग लिया।

13. सुश्री रिया कोंडल बी.ए. कार्यक्रम प्रथम वर्ष ने 30 सितंबर से 13 अक्टूबर 2021 तक दिल्ली अंडर 19 महिला एक दिवसीय ट्रॉफी में भाग लिया।

14. सुश्री वंशिका फगेत्रा बी.ए. कार्यक्रम प्रथम वर्ष ने 27 सितंबर से 30 अक्टूबर 2021 तक जम्मू–कश्मीर यू 19 महिला एक दिवसीय ट्रॉफी में भाग लिया।

15. सुश्री ज्योति टोकस बी.ए. कार्यक्रम द्वितीय वर्ष ने जम्मू में 24–27 दिसंबर 2021 से सीनियर राष्ट्रीय कुराश टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता, उन्होंने 10 मार्च 2022 को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में जूडो में अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय में रजत पदक और खेलो इंडिया विश्वविद्यालय में रजत पदक जीता। गेम्स 2021–22।

16. सुश्री भावना टोकस बी.ए. कार्यक्रम तृतीय वर्ष ने जम्मू में 24–27 दिसंबर 2021 से सीनियर राष्ट्रीय कुराश टूर्नामेंट में रजत पदक जीता, उन्होंने आईजीआई स्टेडियम, दिल्ली में 9–11 सितंबर 2021 तक कैडेट और जूनियर नेशनल ट्रायल में कांस्य पदक भी जीता।

17. सुश्री प्रेरणा टोकस बी.ए. कार्यक्रम तृतीय वर्ष ने जम्मू में 24–27 दिसंबर 2021 तक सीनियर राष्ट्रीय कुराश टूर्नामेंट में रजत पदक जीता। उन्होंने 10 मार्च 2022 को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी में जूडो में चौथा स्थान और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2021–22 में कांस्य पदक हासिल किया।

18. सुश्री अंशिका सोलंकी बी.कॉम पी द्वितीय वर्ष ने जम्मू में 24–27 दिसंबर 2021 तक सीनियर राष्ट्रीय कुराश टूर्नामेंट में भाग लिया।

वर्ष के खिलाड़ी
ज्योति टोकस बी.ए.पी. द्वितीय वर्ष।

19. सुश्री आकांक्षा चौधरी बी.एससी. (एच) रसायन विज्ञान द्वितीय वर्ष ने 10 मार्च 2022 को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में जूडो में अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय में भाग लिया।

20. सुश्री स्वाता टोकस बी.ए. प्रो.। तृतीय वर्ष ने 10 मार्च 2022 को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में जूडो में अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय में भाग लिया और पुणे में कुराश 19वें एशियाई खेलों की टेस्ट प्रतियोगिता 2022 में रजत पदक जीता।

21. सुश्री शैली सोलंकी बी.ए.प्रथम वर्ष ने जम्मू में 24–27 दिसंबर 2021 तक सीनियर राष्ट्रीय कुराश टूर्नामेंट में भाग लिया।

22. सुश्री सूर्या बी.ए.प्रोग. प्रथम वर्ष ने तमिलनाडु जूडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित तंजावुर में 31 जनवरी से 2 फरवरी तक तमिलनाडु राज्य जूनियर और सीनियर जूडो चौंपियनशिप में वरिष्ठ महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने तमिलनाडु जूडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित तंजावुर में 31 जनवरी से 2 फरवरी तक तमिलनाडु राज्य जूनियर और सीनियर जूडो चैंपियनशिप में जूनियर महिला वर्ग में कांस्य पदक भी जीता।

23. सुश्री वंशिका चौधरी बी.ए. (एच) अंग्रेजी द्वितीय वर्ष ने 27 सितंबर से 1 अक्टूबर 2021 तक एआईटीए महिला 1 लाख पुरस्कार राशि में सिंगल और डबल इवेंट में स्वर्ण पदक जीता, झज्जर, उन्होंने 13–20 सितंबर 2021 तक अखिल भारतीय टेनिस संघ 1 लाख महिला टूर्नामेंट में भी भाग लिया और जयपुर में 8–12 नवंबर 2021 से महिलाओं की 2.5 लाख राष्ट्रीय रैंकिंग टेनिस टूर्नामेंट।

24. अस्मिता कौर बी.कॉम पी द्वितीय वर्ष ने 13–20 सितंबर 2021 तक अखिल भारतीय टेनिस संघ 1 लाख महिला टूर्नामेंट में भाग लिया, उन्होंने 17–22 जनवरी 2022 तक झज्जर में आयोजित एआईटीए महिला 1 लाख में भी भाग लिया।

25. सुश्री श्रेया ठुकराल बीए (एच) अर्थशास्त्र तृतीय वर्ष ने 9–12 नवंबर 2021 तक दिल्ली सीनियर वॉलीबॉल राज्य में वी.एन. अकादमी, नजफगढ़ दिल्ली। उन्होंने 21–23 मार्च 2022 तक दिल्ली यूथ स्टेट वॉलीबॉल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक भी जीता।

26. सुश्री निशा जखमोला बीएससी (एच) रसायन विज्ञान तृतीय वर्ष ने सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप, केआईआईटी, भुवनेश्वर, ओडिशा में 7–12 फरवरी 2022 तक भाग लिया, उन्होंने 9–12 नवंबर 2021 तक दिल्ली

सीनियर वॉलीबॉल राज्य में स्वर्ण पदक भी जीता। वी.एन. में अकादमी, नजफगढ़ दिल्ली और 21–23 मार्च 2022 तक दिल्ली यूथ स्टेट वॉलीबॉल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक।

27. सुश्री मुस्कान तंवर बीए प्रोग्राम द्वितीय वर्ष ने 9–12 नवंबर 2021 तक दिल्ली सीनियर वॉलीबॉल राज्य में वी.एन. अकादमी, नजफगढ़ दिल्ली। उन्होंने 21–23 मार्च 2022 तक दिल्ली यूथ स्टेट वॉलीबॉल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक भी जीता।

28. सुश्री नैनू बी.ए. (एच) हिंदी प्रथम वर्ष ने दिल्ली सीनियर वॉलीबॉल राज्य में 9–12 नवंबर 2021 से वी.एन. में स्वर्ण पदक जीता। अकादमी, नजफगढ़ दिल्ली। उन्होंने 21–23 मार्च 2022 तक दिल्ली यूथ स्टेट वॉलीबॉल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक भी जीता।

सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (तीनों वर्ष)
निशा जखमोला रसायन विज्ञान एच तृतीय वर्ष

राजनीति विज्ञान

गार्गी कॉलेज में राजनीति विज्ञान सबसे अधिक प्रसिद्ध पाठ्यक्रमों में से एक रहा है। इस पाठ्यक्रम की लोकप्रियता सिद्धांत और वास्तविकता के बीच की खाई को कम करने की क्षमता में निहित है। छात्रों को न केवल सैद्धांतिक रूप से राज्य से संबंधित विभिन्न मुद्दों के बारे में पढ़ाया जाता है बल्कि वास्तविक समय में उन मुद्दों की प्रयोज्यता के बारे में भी पढ़ाया जाता है। इन मुद्दों में सत्ता, राजनीति, लोकतंत्र, संविधान, प्रशासन, नागरिक समाज और अंतरराष्ट्रीय संबंध शामिल हैं। कॉलेज में राजनीति विज्ञान के शिक्षकों का प्राथमिक उद्देश्य छात्रों को तर्कसंगतता और विश्लेषणात्मक कौशल से लैस करना है ताकि वे निर्णय लेने की प्रक्रियाओं और व्यक्ति, समाज, राज्य और दुनिया पर उनके प्रभाव को समझ सकें।

साथ ही, छात्रों को प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय मुद्दे जैसे विकास, जलवायु परिवर्तन, सुरक्षा और मानव कल्याण की समग्र समझ दी जाती है जो अब तक पश्चिमी प्रभुत्व वाले रहे हैं।

राजनीति विज्ञान विभाग 1967 में स्थापित किया गया था। इसकी स्थापना के बाद से, यह अपने शिक्षक सदस्य की राजनीति विज्ञान के विभिन्न उप–विषयों में विविध विशेषज्ञता और समृद्ध अनुभव पर गर्व करता है। विभाग को अपने छात्रों की पाठ्यचर्या के साथ–साथ पाठ्येतर गतिविधियों में उपलब्धियों पर समान रूप से गर्व है। विभाग के अकादमिक उत्कृष्टता के प्रतिष्ठित दृष्टिकोण को साकार करने के लिए विभाग के शिक्षक सदस्य और छात्र लगन से काम करते हैं।

विभाग तीन पाठ्यक्रम प्रदान करता है: बीए ऑनर्स, बीए प्रोग्राम और राजनीति विज्ञान में एमए। अपने बीए ऑनर्स और बीए प्रोग्राम पाठ्यक्रमों के द्वारा, विभाग कई प्रकार के पेपर प्रदान करता है जैसे राजनीतिक सिद्धांत, भारत सरकार और राजनीति, भारतीय राजनीतिक विचार, राजनीतिक दर्शन, लोक नीति और प्रशासन, भारत की विदेश नीति, नारीवाद, समकालीन भारत में विकास प्रक्रिया और सामाजिक आंदोलन, तुलनात्मक सरकार और राजनीति, और अंतर्राष्ट्रीय संबंध। विभाग जेनेरिक इलेक्टिव पेपर भी प्रदान करता है जैसे वैश्वीकरण की राजनीति, भारत में राष्ट्रवाद, संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक संघर्ष, और अम्बेडकर पर समझ जिससे छात्रों को मानव कल्याण और व्यक्तिगत विकास के संबंध में प्रासंगिक सवालों के जवाब देने में मदद मिलती है।

विभाग का विभिन्न गतिविधियों द्वारा चिह्नित एक गतिशील शैक्षणिक कैलेंडर भी है जो छात्रों को पूरे वर्ष व्यस्त रखता है। महत्वपूर्ण समसामयिक विषयों पर सेमिनार, व्याख्यान, वार्ता, वृत्तचित्र स्क्रीनिंग, वेबिनार और कार्यशालाएं नियमित आधार पर आयोजित की जाती हैं। ये आयोजन छात्रों को विविध क्षेत्रों के विद्वानों जैसे अकादमीशियन, शोधकर्ता, राजनयिक, नौकरशाह और सामाजिक कार्यकर्ता के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान करते हैं। इस तरह के आयोजन न केवल छात्रों के बौद्धिक कौशल और रचनात्मकता को बढ़ाते हैं बल्कि उन्हें उनकी योजना और संगठन में जोरदार भाग लेने का अवसर भी प्रदान करते हैं। विभाग में एक सक्रिय छात्र निकाय है – राजनीति विज्ञान संघ जिसके द्वारा विभागीय प्रयासों से संबंधित छात्रों की कड़ी मेहनत और प्रयासों को कारगर बनाया जाता है। छात्र निकाय का चुनाव विभाग के छात्रों द्वारा प्रतिवर्ष किया जाता है।

विभाग का सबसे महत्वपूर्ण और बहुप्रतीक्षित आयोजन, उसका वार्षिक उत्सव 'पोल पुरी' है जो एक दिवसीय थीम आधारित कार्यक्रम है। इस अवसर पर कई अंतर–महाविद्यालय गतिविधियां और प्रतियोगिताएं जैसे पैनल चर्चा, वाद–विवाद, बोलचाल में कविता लेखन, नीति विश्लेषण और प्रश्नोत्तरी आयोजित की जाती हैं और जिसमें छात्रों की उत्साहजनक भागीदारी भी देखी जाती है। इसके अलावा, विभाग की वार्षिक पत्रिका 'डीमोस' छात्रों को महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार और राय व्यक्त करने का अवसर प्रदान करती है। प्रतिवर्ष मध्य सेमेस्टर ब्रेक के दौरान विभाग द्वारा छात्रों के लिए शैक्षिक यात्राएं भी आयोजित की जाती हैं।

विभाग अपने तीन साल के स्नातक कार्यक्रम के दौरान अपने छात्रों के व्यापक विकास को सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है। विभाग को यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि उसके छात्रों की प्रतिभा और कड़ी मेहनत ने उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छुआ है। विभाग के कई छात्र दिल्ली विश्वविद्यालय के रैंक धारक हैं। इसके अलावा, छात्रों ने विभिन्न सरकारी संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों में इंटर्न के रूप में भी काम किया है। कई छात्रों ने प्रसिद्ध विदेशी विश्वविद्यालयों से उच्च अध्ययन पूरा किया है और अब नौकरशाहों, मीडिया कर्मियों, शोधकर्ताओं, वकीलों और कार्यकर्ताओं के रूप में आकर्षक करियर में काम कर रहे हैं।

मनोविज्ञान

गार्गी कॉलेज में सन् 1972 में मनोविज्ञान विभाग की स्थापना की गई। जिसके पश्चात बी.ए. पास विद्यार्थियों के लिए मनोविज्ञान पाठ्यक्रम का प्रारंभ किया गया। सन् 1987 में व्यावहारिक पाठ्यक्रम के रूप में रखा गया। गार्गी कॉलेज ने दिल्ली विश्वविद्यालय में सर्वप्रथम व्यावहारिक मनोविज्ञान बी.ए. (विशेष) पाठ्यक्रम प्रारंभ किया तथा अब तक पाठ्यक्रम में परिवर्तन अनुसार तालमेल बनाए रखने के लिए पाठ्यक्रम के सभी संशोधन किए गए।

पाठ्यक्रम विभिन्न जीवन स्तर में बुनियादी मनोविज्ञान और आई.टी के अनुप्रयोगों के मौलिक ज्ञान को प्रदान करता है। वर्तमान में व्यावहारिक मनोविज्ञान का उद्देश्य, बुनियादी ज्ञान प्राप्त करता है प्रत्येक कोर प्रश्न पत्रों में विशेष क्षेत्र का परिचय, अनुशासन पाठ्यक्रम में दिया जाता है एवं छात्रों को कौशल से युक्त पाठ्यक्रम अनुप्रयोग संभावनाओं के संपर्क में लाया जाता है। इसके तहत मनोविज्ञान संज्ञानात्मक, सामाजिक, परामर्श, संगठनात्मक, मीडिया, युवा और स्वास्थ्य मनोविज्ञान के आधारशिला पर बल दिया जाता है। छात्रों को मनोविज्ञान की अकादमिक जांच करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। और इसी के साथ–साथ संप्रेषण कौशल परामर्श क्षमता तथा वैज्ञानिक लेखन से अवगत कराया जाता है। इसके अतिरिक्त व्यक्तिगत विभाग के अध्ययन और उपयोग के पाठ्यक्रम के साथ व्यक्तिगत अनुभव को जोड़ने तथा भावनात्मक व नियम कौशल के बारे में आलोचनात्मक रूप से प्रशिक्षित भी किया जाता है। छात्रों को निर्णय लेने, सहानुभूति, दया, सांस्कृतिक, संवेदनशील एवं समुदाय के प्रति उत्तरदायित्व के सकारात्मक गुणों वाले व्यक्ति के रूप में विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

विशेष पाठ्यक्रम

1. बी.ए. (विशेष) एप्लाइड मनोविज्ञान
2. बी.ए. (पास) मनोविज्ञान

मनोविज्ञान संघ अपने छात्रों को अनुशासन के व्यापक दृष्टिकोण को लाने के लिए शैक्षणिक वर्ष में असंख्य सत्र आयोजित करता है। योग और विपश्यना ध्यान पर सत्रों से लेकर डेटा गोपनीयता, कामुकता आदि पर व्याख्यान तक, क्षेत्र के विशेषज्ञों ने छात्रों और शिक्षकों को समान रूप से समृद्ध करने में मदद की। वेलनेस सीरीज विभाग द्वारा महामारी से उत्पन्न मानसिक संकट से निपटने के लिए एक पहल थी। प्रोफेसर एम मंजुला, डॉ शरद फिलिप, मानसी सक्सेना, संजय महालिंगम, डॉ नंदिता चौधरी और डॉ अवंतिका भाटिया जैसे विशिष्ट वक्ताओं ने तनाव और चिंता के प्रबंधन, दुःख और हानि से निपटने, दबाव में अनुग्रह प्राप्त करने, अनिश्चितता का प्रबंधन करने, अंतर–पीढ़ी के संबंध बनाने और महामारी में युवा वयस्कों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं पर क्रमशः वार्ता की।

मनोविज्ञान के विभिन्न उपक्षेत्रों में पेशेवरों के साथ आदान–प्रदान की सुविधा के लिए, सुश्री कृतिवी केडिया को तनाव प्रबंधन के लिए योग और विपश्यना में निहित शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए सुश्री स्वाती झा और श्री नीरज माथुर के साथ औद्योगिक/संगठनात्मक मनोविज्ञान पर एक वार्ता देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

विभाग ने सुश्री सैयदा लमीया परवीन को LGBTQIA+ युवाओं के सामने आने वाले मुद्दों पर व्याख्यान देने के लिए भी आमंत्रित किया। नए युग की दुनिया में कदम रखते हुए, डॉ. देबरती हलदर द्वारा डेटा गोपनीयता पर एक सूचनात्मक सत्र दिया गया।

विभाग की मानसिक स्वास्थ्य पहल– इजहार, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से और हाल ही में ऑफलाइन मोड में कई इंटरैक्टिव कार्यक्रमों का आयोजन करके मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर जागरूकता पैदा करना जारी रखती है।

आत्महत्या रोकथाम सप्ताह का सम्मान करने के लिए, टीम ने सुश्री देविका खन्ना द्वारा आयोजित क्यूपीआर गेट– कीपिंग ट्रेनिंग फॉर सुसाइड प्रिवेंशन में भाग लिया। हाल ही में, ईटिंग डिसऑर्डर अवेयरनेस वीक और इंटरनेशनल डे ऑफ हैप्पीनेस भी इजहार द्वारा मनाया गया। साइबरसाइकोलॉजी की थीम पर वार्षिक डिपार्टमेंट फेस्ट–साइफिएस्टा का आयोजन किया गया। क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा अकादमिक लेखन, आभासी दुनिया में अल्पसंख्यक, ऑनलाइन अभिव्यंजक कला चिकित्सा जैसे विषयों पर सत्र आयोजित किए गए। इन संवादात्मक कार्यशालाओं ने छात्रों को पाठ्यपुस्तक से परे सीखने के अवसर के साथ एक महान विषय सीखने का अनुभव प्रदान किया।

संस्कृत

1967 में स्थापित गार्गी महाविद्यालय का संस्कृत विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ विभागों में से एक है। अध्ययन की प्रासंगिकता हाल के दिनों में बढ़ी है और छात्रों को बौद्धिक और व्यावसायिक विकास के कई रास्ते प्रदान कर सकती है। संस्कृत का ज्ञान मीडिया (संस्कृत समाचार पढ़ना और प्राचीन संस्कृति पर आधारित अन्य कार्यक्रम), प्रबंधन (जीवन के प्रबंधन की भारतीय प्रणाली का ज्ञान), आयुर्वेद, योग, कविता, संगीत, रंगमंच, इतिहास, भाषाओं का दर्शन, भाषाई, सङ्गणक भाषा विज्ञान, एनीमेशन उद्योग और अनुवाद कार्य जैसे कई व्यावसायिक क्षेत्रों में उपयोगी है। विभाग संस्कृत में ऑनर्स कोर्स कराता है।

विभाग छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाने, उनके समग्र व्यक्तित्व को विकसित करने एवं सर्वांगीण विकास हेतु हर साल अंतर–महाविद्यालय और अंतः–महाविद्यालय प्रतियोगिता आयोजित करता है।

विभाग विभिन्न विषयों पर छात्रों के ज्ञान को समृद्ध करने के लिए नियमित गतिविधियों जैसे, विभिन्न मुद्दों पर कार्यशाला, सेमिनार, वार्ता और प्रख्यात वक्ताओं द्वारा व्याख्यान आयोजित करता है। छात्रों से संबंधित गतिविधियाँ जैसे, शैक्षिक यात्राएँ, प्राचीन ज्ञान के विभिन्न पहलुओं जैसे वास्तु शास्त्र, ज्योतिष, आयुर्वेद और योग, संस्कृत भाषी कक्षाएं, निबंध लेखन, पेंटिंग, संस्कृत पेपर रीडिंग और रंगोली प्रतियोगिता भी आयोजित की जाती हैं, जो छात्रों के समग्र विकास में मदद करती है। मुख्यधारा के ज्ञान के अलावा, वार्षिक कॉलेज उत्सव " रेवेरी" और विभाग उत्सव "स्वस्ति" के दौरान संस्कृत नाट्यभिव्यक्ति और संस्कृत वाद–विवाद भी छात्रों के पाठ्येतर गतिविधियों के लिए वार्षिक आधार पर आयोजित किया जाता है।

प्राणी विज्ञान

प्राणी विज्ञान विभाग वर्ष 1967 में शुरू हुआ। विभाग की मुख्य विशेषता में योग्य संकाय सदस्य, चार अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएं, प्राणी संग्रहालय और अनुसंधान प्रयोगशाला शामिल हैं। बीएससी (ऑनर्स) जूलॉजी पाठ्यक्रम बुनियादी जीव विज्ञान और उन्नत क्षेत्रों के विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षार्थियों को सशक्त बनाएगा।

यूजीसी के दिशानिर्देशों और टेम्पलेट्स के आधार पर, विभाग प्राणी विज्ञान में एक ऑनर्स कोर्स, जीवविज्ञान में कोर पेपर और अन्य विषयों के छात्राओं के लिए सामान्य वैकल्पिक पेपर प्रदान करता है। विभाग नॉन – कॉर्डेट और कॉर्डेट जैसे प्रतिष्ठित पाठ्यक्रम की पेशकश करके अकशेरुकी और कशेरुक जीव विज्ञान की नींव का विस्तार करता है। इन प्रतिष्ठित पत्रों के अलावा, विभाग मुख्य पत्रों की एक सारणी प्रदान करता है, अर्थात् शरीर विज्ञान, जैव रसायन, पारिस्थितिकी, कशेरुकियों की तुलनात्मक शरीर रचना विज्ञान, विकासात्मक जीव विज्ञान, आनुवांशिकी और विकासवादी जीव विज्ञान। इसके अलावा, विभाग कई विषयों में विशिष्ट पत्र प्रदान करता है, जैसे तंत्रिका विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, आणविक जीव विज्ञान, प्रतिरक्षा विज्ञान, पशु व्यवहार और क्रोनोबायोलॉजी। विभाग रेशम कीट पालन, चिकित्सा निदान, भोजन, पोषण और स्वास्थ्य और

अनुसंधान पद्धति में कौशल विकसित करने के लिए एक बुनियादी और सर्व–समावेशी दृष्टिकोण की भी सुविधा प्रदान करता है। संक्षेप में, प्राणिविज्ञान विभाग द्वारा पेश किए गए पाठ्यक्रम प्राणी विज्ञान का एक पूरा स्पेक्ट्रम प्रदान करते हैं, पशु व्यवहार और विकास से लेकर शरीर रचना विज्ञान और शरीर विज्ञान तक और छात्रों को आणविक जीव विज्ञान, शरीर विज्ञान, प्रतिरक्षा विज्ञान और सेल जीव विज्ञान में

आवश्यक प्रयोगशाला कौशल विकसित करने में मदद करते हैं जो विभिन्न अनुसंधान संगठनों के नियोक्ताओं द्वारा मांगे जाते हैं।

प्राणी विज्ञान विभाग के स्नातक पेशेवर प्राणीविज्ञानी बनने के लिए प्रवीणता और कौशल प्राप्त करेंगे और विभिन्न विश्वविद्यालयों, संस्थानों और बायोसाइंस कंपनियों में शोधकर्ताओं जैसे व्यवसायों की एक विविध श्रृंखला में काम करेंगे। इसके अलावा, अन्य कैरियर की संभावनाएं चिड़ियाघरों और संग्रहालयों में अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला हैं। वैकल्पिक रूप से, प्राणी विज्ञान विभाग के स्नातक स्नातकोत्तर स्तर तक अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं और विभिन्न क्षेत्रों में वैज्ञानिक अनुसंधान और विकास में कैरियर बनाने में रुचि रखते हैं।

अल्बाट्रॉस पूरे वर्ष में कई स्पर्धाओं के आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल है और छात्रों को आत्म–अभिव्यक्ति, रचनात्मकता और सामाजिकता के लिए मौका प्रदान करता है। इसके अलावा, अल्बाट्रॉस छात्र स्पर्धाओं की योजना बनाने और निष्पादित करने के लिए जिम्मेदार हैं जो छात्रों में जिम्मेदारी और नेतृत्व गुणों की भावना को सिखाता है। अल्बाट्रॉस अपनी वार्षिक पत्रिका 'फ्लाइट' भी जारी करता है, जो प्रतिभाशाली नवोदित लेखकों को अवसर प्रदान करता है और छात्रों को अपने रचनात्मक अभिव्यक्तियों को प्रकट करने में सक्षम बनाता है।

अल्बाट्रॉस – जूलॉजिकल सोसाइटी शैक्षिक कार्यों के अलावा छात्रों में रचनात्मकता, टीमवर्क, जिम्मेदारी और अन्य मूल्यों को पैदा करने के लिए एक वातावरण बनाने का प्रयास करती है। कोविड महामारी, जिसने हमें ऑफलाइन मिलने का अवसर छीन लिया, के बावजूद भी अल्बाट्रॉस कभी भी रुका नहीं और छात्रों में भागीदारी की भावना को बनाए रखने और पाठ्येतर गतिविधियों के महत्व को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों के साथ पूरे साल सक्रिय रहा है। छात्रों को विकसित करने और उनके वैज्ञानिक स्वभाव को जीवित रखने के लिए वेबिनार, प्रतियोगिताओं, क्विज और सोशल मीडिया गतिविधियों का आयोजन किया गया है।

6 अक्टूबर, 2021 को, अल्बाट्रॉस ने 'क्रोनोबायोलॉजीः एन इंट्रोडक्शन' पर एक वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें प्रोफेसर ए.के. पती, प्रोफेसर एमेरिटस ऑफ बायोसाइंसेज, PRSU, रायपुर पूर्व कुलपति, जीएमयू, संबलपुर, ने व्याख्यान दिया। 31 अक्टूबर, 2021 को, करियर और भविष्य के अन्य अवसरों से संबंधित विभिन्न प्रश्नों पर चर्चा करने के लिए पूर्व छात्रा सुश्री इशिता तलवार के साथ एक 'एलमकनेक्ट' का आयोजन किया गया। 15 जनवरी, 2022 को, यूपीएससी उम्मीदवारों के लिए

'गंतव्य की यात्रा' नामक एक वेबिनार आयोजित किया गया था, और श्री रवितेजा मुनिकोटी (आईआरएस (आईटी)–2016 बैच) और सुश्री तेजस्विनी पुसुलुरी (आईएफएस –2018 बैच) ने इस अवसर पर भाग लिया। अल्बाट्रॉस ने 13 जनवरी, 2022 दुधवा टाइगर रिजर्व में एक वर्चुअल यात्रा का आयोजन किया, जिससे छात्रों को घर बैठे–बैठे बाघों को ट्रैक करने के रोमांच का अनुभव करने का एक मौका मिला। 4 फरवरी 2022 – विश्व कैंसर दिवस पर, कैन्सर बीमारी के सभी पहलुओं के बारे में जागरूकता और संवेदनशीलता पैदा करने के लिए एक वृत्तचित्र, 'द सी वर्ड' का प्रदर्शन किया गया था। गार्गियन्स की रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के लिए, अल्बाट्रॉस ने 12 फरवरी 2022 को 'Picturesque' – द इलस्ट्रेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस– 28 फरवरी, 2022 को एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, 'पोस्टरमेनिया' आयोजित की। इसके अतिरिक्त, 24 फरवरी, 2022 को, छात्रों ने जेएलएन स्टेडियम, नई दिल्ली में विज्ञान प्रसार और संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से, भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह सप्ताह 'विज्ञान सर्वत्र पुज्यते' के दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाली एक मेगा प्रदर्शनी और एक राष्ट्रीय विज्ञान पुस्तक मेले का भी दौरा किया।

इसके अतिरिक्त, अल्बाट्रॉस ने 'जैव विविधता' विषय पर एक फोटोग्राफी प्रतियोगिता – 'बायोस्नैप' और एक लेख लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया और छात्रों को अपनी फोटोग्राफी और लेखन कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर दिया। चयनित प्रविष्टियों को विभाग की वार्षिक पत्रिका 'फ्लाइट' में अंकित किया गया था।

बी.ए. प्रोग्राम

बी.ए. प्रोग्राम अधिकतम माँग वाले विषयों में से एक है जो ऐसे विद्यार्थियों के लिए है जो पढ़ने के साथ–साथ अन्वेषणरत रहना चाहते हैं और जो पारम्परिक रास्तों के अनुगामी नहीं हैं। ऑनर्स कोर्ससेज के विपरीत दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त बी.ए. प्रोग्राम का कोर्स अधिकतम लचीला है और यह विद्यार्थियों का परिचय अंतर अनुशासन और अंतः अनुशासन विषयों के विविध पाठ्यक्रमों से कराता है। बी.ए. प्रोग्राम के कोर्स सामाजिक अवसरों तथा तत्कालीन वातावरण के लिए प्रासंगिक हैं। इनके कार्यक्रम उच्च शिक्षा के आधारभूत बौद्धिक उपकरणों की अपेक्षा करते हैं। विद्यार्थी विषयों की एक लम्बी श्रृंखला से कोई भी विषय चुन सकते हैं। नए एवं रुचिपूर्ण विषयों का अध्ययन कर सकते हैं और साथ–साथ उस अनुशासन के विषय के स्नातकोत्तर पढ़ाई की योजना बना सकते हैं।

इन विषयों की ठोस बौद्धिक उपकरणों से युक्त एक आवधिक डिगरी या उच्च अध्ययन के लिए सक्षम बनाने की डिग्री के रूप में देखा जा सकता है। यह ऐसा कोर्स है जो विभिन्न रास्तों और आगे के लिए अवसरों की एक सम्भावी श्रृंख्लाओं को खोलता है। महाविद्यालय को विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित अपने पूर्व विद्यार्थियों पर गर्व है।

कठिन शैक्षणिक संरचना के अतिरिक्त बी.ए. प्रोग्राम ऐसोसिएशन 'नवदृष्टि' सारे वर्ष में अनेक गतिविधियों का आयोजन करता है। वार्षिक उत्सव 'एपीफेनी' के अतिरिक्त पैनल विचार विमर्श, शैक्षणिक प्रपत्र और विद्यार्थियों की प्रतिस्पर्धाओं, कार्यशालाओं एवं फिल्म की स्क्रीनिग का आयोजन भी किया जाता है। बी. ए. प्रोग्राम के विद्यार्थी एक दूसरे के साथ मिल–जुल कर काम करते हैं और 'विबग्यौर' नामक वार्षिक द्विभाषिक पत्रिका प्रकाशित करते हैं जिसमें पूर्व विद्यार्थियों के लेखकीय योगदान भी आमंत्रित किये जाते हैं।

बी.एससी. प्रोग्राम

बी.एससी. कार्यक्रम में बी.एससी. जीवन विज्ञान (Life Science) और बी.एससी. भौतिक विज्ञान (Physical Science) शामिल हैं। बी.एससी. भौतिक विज्ञान समूह ए का पहला बैच 1967 में पूर्व–चिकित्सा पाठ्यक्रम के रूप में पेश किया गया था और बाद में बी.एससी. ग्रुप बी (गैर–चिकित्सा) को गार्गी कॉलेज में 1968 में शामिल किया गया था। पाठ्यक्रम विज्ञान विषयों का बहुआयामी ज्ञान प्रदान करता है। इन पाठ्यक्रमों की अंतःविषय प्रकृति छात्रों को अन्य पाठ्यक्रमों पर बढ़त देती है क्योंकि छात्र केवल एक विषय तक सीमित नहीं हैं। वे संबंधित विषयों को सीखते हैं और उच्च अध्ययन और रोजगार के लिए अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला है।

बी.एससी. जीवन विज्ञान वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान और प्राणी विज्ञान का एक संयोजन है जबकि बी.एससी. भौतिक विज्ञान में रसायन विज्ञान, भौतिकी और गणित शामिल हैं। दोनों पाठ्यक्रमों को विज्ञान के इन क्षेत्रों से पारंपरिक और उन्नत दोनों विषयों का एक व्यापक खाता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। पाठ्यक्रम व्यावहारिक और सैद्धांतिक ज्ञान दोनों का एक महान संयोजन हैं। बी.एससी. कार्यक्रम में एक डिग्री छात्रों को मास्टर स्तर पर अपनी पसंद के विषय चुनने और विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए कई विकल्प प्रदान करती है।गार्गी कॉलेज के बी.एससी. कार्यक्रम के छात्रों के पास 'ZENITH' नामक एक संघ है जो छात्रों के समग्र विकास के लिए पूरे वर्ष अकादमिक और पाठ्येतर गतिविधियों की एक श्रृंखला का आयोजन करता है।

'Zenith' ने सत्र 2018–19 में अपनी वार्षिक पत्रिका 'INFINITUS' भी शुरू की है। पत्रिका टीम के काम, सहकर्मी सीखने और सहकर्मी मूल्यांकन के माध्यम से ज्ञान को बढ़ावा देने, साझा और विस्तारित करने वाले अद्वितीय दिमागों का सम्मिलन है। इच्छुक छात्रों को अनुसंधान के अवसर भी प्रदान किए जाते हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2021–22 में विभाग द्वारा कई गतिविधियों का आयोजन किया गया था सत्र सितंबर 2021 में लोगो और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता 'lite race' के बाद शिक्षक दिवस समारोह के साथ शुरू हुआ। तत्पश्चात, हमारे पास डा. शशि त्यागी द्वारा 'विश्व को बदलने वाली महिला वैज्ञानिकों' पर उद्घाटन व्याख्यान दिया गया। प्रसिद्ध यूट्यूबर, श्री अमन धत्तरवाल के साथ एक जबरदस्त इंटरैक्टिव सत्र 'विचार विमार्श' का आयोजन किया गया था। इसके बाद, हमारे पूर्व छात्र सुश्री इशिता शरण श्रीवास्तव ने विभिन्न स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षाओं के बारे में 'हार्ट टू हार्ट टॉक' के लिए छात्रों के साथ बातचीत की।

अक्टूबर, 2021 में एक तीन दिवसीय कार्यक्रम 'Eloquence Arena' का आयोजन किया गया था, जिसका समापन एक प्रसिद्ध फिल्म निर्माता श्री परितोष आनंद के साथ विचारोत्तेजक बातचीत के साथ किया गया था। आकांक्षी फ्रेशर्स के लिए एक शानदार स्वागत और आभासी अभिविन्यास भी आयोजित किया गया था। बाद में, नवंबर में, श्री अमन कुमार, सिविल सेवा अधिकारी, हरियाणा के लोक सेवा आयोग से संबंधित छात्रों के साथ सुझाव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

वर्ष 2022 की शुरुआत नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के अवसर पर

'चित्रण बनाने' और 'पैराग्राफ लेखन' प्रतियोगिता के साथ हुई। 29 जनवरी, 2022 को ई–जंकी और हुलाडेक रीसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से 'ई–अपशिष्ट जागरूकता' पर एक समृद्ध वेबिनार का आयोजन किया गया था।

संघ ने कॉलेज के लोगो के साथ टी–शर्ट और स्वेटशर्ट भी डिजाइन और वितरित किए। दोनों पाठ्यक्रमों में अनुसंधान और रोजगार के अवसरों की एक भीड़ है। बायोमेडिकल और जेनेटिक इंजीनियरिंग, इम्यूनोलॉजी, पैथोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, नैनोटेक्नोलॉजी को L.Sc. के बाद आगे बढ़ाया जा सकता है, जबकि P.Sc. पाठ्यक्रम के बाद खगोल विज्ञान, विमानन, सूचना प्रौद्योगिकी और भारतीय सिविल सेवाओं का पीछा कर सकता है। दोनों पाठ्यक्रम सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में मूल्यवान प्लेसमेंट प्रदान करते हैं और भर्तीकर्ताओं द्वारा पसंद किए जाते हैं।

प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

रोज़गार उन्मुख पाठ्यक्रम

कॉलेज एक दशक से अधिक समय से कुछ कॅरियर गहन ऐड–ऑन पाठ्यक्रम आयोजित कर रहा है। ये 80–100 घंटे के पाठ्यक्रम हैं और हम इन पाठ्यक्रमों के लिए अतिथि संकाय को आमंत्रित करते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए यह पाठ्यक्रम खुले हैं।

विज्ञापन और विपणन संचार

समन्वयकः डॉ. गीता किचलू

विज्ञापन के सृजनात्मक, रणनीतिक और रूचिकर संसार में अंतर्दृष्टि मुहैया कराने के लिए गार्गी कॉलेज के अंडरग्रेज्युएट विद्यार्थियों के लिए वर्ष 2004–05 में एक पाठ्यक्रम आरंभ किया गया था। आज, एक दशक बाद जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो अवलोकन कर सकते हैं कि इस पाठ्यक्रम ने कितना अधिक अमूर्त और मूर्त मूल्य संवर्धन करने का प्रयास किया है। पाठ्यक्रम की शुरुआत उस वक्त उद्योग के लिए प्रासंगिक पाठ्यक्रम के रूप में की गई थी। विद्यार्थियों ने देश की सर्वोत्तम एजेंसियों में इंटर्नशिप और काम किया है, जैसे ओगिलवी, मैकेन, बीबीडीओ, यूनिवर्सल लोडस्टार आदि।

बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं

समन्वयकः डॉ. मंजु सहाय

यह पाठ्यक्रम 100 घंटे की अवधि का एक सामान्य अध्ययन–क्रम है। इसमें वित्तीय बाजार, निवेश, बैंकिंग, पोर्टफोलियो प्रबंधन, डेरिवेटिव : फ्यूचर एंड ऑप्शन, पूंजी संरचना निर्णयन, वित्तीय सेवाएं, विलय और अधिग्रहण, जोखिम प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय वित्तक और जोखिम प्रबंधन शामिल हैं।

जनसंचार

समन्वयकः डॉ. दीपिका चटर्जी

कॅरियर–उन्मुखी पाठ्यक्रमों के लिए प्रशासनिक समन्वयक : श्री सुनील कोहली (अनुभाग अधिकारी)

जन संचार एड–ऑन कोर्स 2017 से शुरू हुआ और यह 100 घंटे लंबा कोर्स है। आई.टी. छात्रों को जनसंचार के घटकों को समझने के लिए प्रशिक्षित करता है और उन्हें पत्रकारिता, समाचार क्या है, मीडियाः बदलता परिदृश्य, रेडियो और टीवी एक संदेश वितरण के माध्यम के रूप में, विज्ञापन और पीआर के साथ–साथ अवलोकन मीडिया पर डिजिटल मीडिया और सिद्धांतों की मूल बातें सिखाई जाती हैं। विद्यार्थियों को वीडियो, ऑडियो और मल्टीमीडिया कहानियां बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

विदेशी भाषाएं

समन्वयकः सुश्री रीमा चौहान

प्रशासनिक समन्वयकः श्री प्रवीण सिंह

विदेशी भाषा सीखना न केवल एक पूरी तरह आनंददायक अनुभव होता है जो भाषा और संस्कृति के एक बिल्कुल नए संसार के दरवाजे खोल देता है, बल्कि आज के समय में यह एक महत्वपूर्ण गुण भी है। किसी विदेशी भाषा के ज्ञान से, आपको

दूसरों की तुलना में निश्चित रूप से बढ़त प्राप्त होती है और नौकरी के अनेक अवसर खुल जाते हैं, जैसे भारतीय विदेश सेवा, अकादमिक और शोध, अनुवाद, दुभाषिया या पर्यटक गाइड इनमें से ये थोड़े से उदाहरण हैं।

जर्मन भाषा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जारी)

बायोटेकसेलेन्स : इनसाइट और इनोवेशन

समन्वयकः डॉ. पूनम शर्मा और डॉ. जसविन्दर कौर

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य और इरादा स्नातक छात्रों को बुनियादी जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला और जैव सूचना विज्ञान प्रक्रियाओं को सिखाना है, जो छात्रों को निर्धारित पाठ्यक्रम के ऊपर एक बढ़त प्रदान करेगा। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को एक प्रारंभिक प्रयास प्रदान करना है और विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उच्च डिग्री की दिशा में सुविधा प्रदान करना है, इसके अलावा एक सफल अनुसंधान कॅरियर का रास्ता खोलने के अलावा, इस पाठ्यक्रम की सामग्री इस तथ्य पर ध्यान केंद्रित कर रही है कि जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान वर्तमान जैविक अनुसंधान की मुख्य चीजें हैं। जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान का मिश्रण, औद्योगिक अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। विशेष रूप से दवाओं के विकास, और लक्ष्यीकरण में यह कोर्स छात्रों को उच्च शिक्षा, अनुसंधान और औद्योगिक दुनिया के लिए तैयार करेगा।

जैव सूचना विज्ञान – उपकरण और अनुप्रयोग

समन्वयकः डॉ. चैताली घोष एवं डॉ. एम. दिव्या ज्ञानेश्वरी

इस पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य अपने जीवविज्ञान के विद्यार्थियों को जीनोम–अनुसंधान के लिए आवश्यक आधारभूत संगणकीय उपकरणों से परिचित करवाना था। हमने विद्यार्थियों को जैव सूचना विज्ञान के आधारभूत सिद्धान्तों से अवगत करवाने हेतु जैव सूचना विज्ञान के मूल तथा संरचनात्मक विषयों का चयन कर उन्हें पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया। हमने इस पाठ्यक्रम को इंटरनेट संचार माध्यम (ऑनलाइन) से प्रारम्भ किया और इसमें पंजीकरण करवाने हेतु विद्यार्थियों में अत्यधिक उत्साह देखने को मिला। इस पाठयक्रम में बीएससी जीव विज्ञान (प्रोग्राम) एवं बीएससी जन्तु विज्ञान (प्रतिष्ठा) से कुल 52 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इसमें विद्यार्थियों के ज्ञानवर्द्धन के लिये भारत और विभिन्न अन्य देशों के प्रतिष्ठित संस्थानों से विषय–विशेषज्ञों को आमन्त्रित किया गया था। इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत डॉ. हेमन्त कुशवाहा (जेएनयू), डॉ. सोनिका त्यागी (मोनाश यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया), डॉ. गिरिनाथ पिल्लै, (मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी, जास्ट्रा इन्नोवेशन्स), डॉ. मनो के. शर्मा (जेएनयू), डॉ. जीतेन्द्र सिंह राठौर (जी.बी.यू.), डॉ. शक्ति साही, (जी.बी.यू.), डॉ. अमित मित्रा (ऑबर्न यूनिवर्सिटी, यूएसए), तथा डॉ. विवेक धर द्विवेदी (वैज्ञानिक, सेण्टर फॉर बायोइनफार्मेटिक्स, कम्प्यूटेशनल एंड सिस्टम बायोलॉजी, पाथ फाइण्डर रिसर्च एंड ट्रेनिंग फाउंडेशन) ने अपने व्याख्यान दिये। इसके साथ ही विद्यार्थियों को जैव सूचना विज्ञान के विभिन्न उपकरणों का व्यावहारिक ज्ञान एवम् अनुभव प्रदान करने के लिए प्रयोगात्मक सत्र का भी आयोजन किया गया। प्रत्येक प्रयोगात्मक सत्र के पश्चात् विद्यार्थियों को अभ्यास–कार्य भी दिया गया, जिसे पूर्ण कर उन्होंने गूगल क्लासरूप में भेजा। आयोजन एवं प्रबन्धन की गुणवत्ता के आकलन हेतु हमने प्रत्येक सत्र के पश्चात प्रतिपुष्टि पत्र (फीडबैक फार्म) भी प्रसारित किया, जिसपर विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया अत्यन्त ही उत्साहवर्धक थी। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के संगणकीय जीवविज्ञान विषयक ज्ञानवर्द्धन में अत्यन्त सहायक रहा तथा यह भविष्य में भी उनके वैज्ञानिक–अनुसंधान में सहायक होगा।

डॉ. सोनिका त्यागी द्वारा व्याख्यान, मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया

पर्यावरण के अनुकूल कृषि

समन्वयक: डॉ. प्रियंका पांडे और डॉ गीता

पर्यावरण के अनुकूल कृषि को पिछले वर्ष (2021) ऐड ऑन कोर्स के रूप में प्रस्तुत किया गया था। इस पाठ्यक्रम को शुरू करने का उद्देश्य भारत में कृषि पद्धति के बारे में बुनियादी ज्ञान प्रदान करना था। साथ ही, पाठ्यक्रम ने छात्रों को दुनिया के कई हिस्सों में प्रचलित सतत कृषि के बारे में जागरूक किया। पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियाँ भारत के लिए नयी नहीं हैं, लेकिन हमें अपनी जड़ों की ओर लौटने की दिशा में यह पाठ्यक्रम एक सकारात्मक कदम है।

इस पाठ्यक्रम की बहु–विषयक प्रकृति ने विज्ञान के अलावा वाणिज्य, मानविकी जैसी अन्य ज्ञान–शाखाओं के छात्रों को भाग लेने की अनुमति दी। कोविड के समय में ऑनलाइन व्याख्यान और प्रायोगिक तरीके अपनाए गए। परिस्थितियाँ सामान्य होने के साथ, "माई वेस्ट, माई रिस्पॉन्सिबिलिटी" पर व्यावहारिक कार्यशालाओं के रूप में ऑफलाइन प्रयोगिक सत्र आयोजित किए गए। कृषि मेला, भाकृअसं, पूसा का फील्ड विजिट/क्षेत्र भ्रमण आयोजित किया गया। छात्रों ने इस पाठ्यक्रम के प्रत्येक पहलू को बड़े उत्साह और रुचि के साथ सीखा। वक्ताओं में आईएएस अधिकारी, प्रोफेसर से लेकर गैर सरकारी संगठन के कार्मिक शामिल थे। वक्ता राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र से थे।

पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों से संबंधित विषयों पर किए गए शोध परियोजनाओं के आधार पर छात्रों का मूल्यांकन किया गया। समीक्षा के साथ–साथ शोध कार्य भी प्रस्तुत किया गया। इस पाठ्यक्रम के लिए एकत्रित फीडबैक ने वर्तमान परिदृश्य में इसकी आवश्यकता और महत्व पर जोर दिया। छात्रों द्वारा पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम शीर्षकों पर व्याख्यान की विधियों की भी सराहना की गई। पाठ्यक्रम रुचिकर है और बहुत ही स्पष्ट तरीके से छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करता है।

GENRE
2.0

A CENTURY OF ACADEMIC EXCELLENCE
दिल्ली विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF DELHI
निष्ठा धृतिः सत्यम्
YEARS
1922-2022

NOT ME, BUT YOU
NATIONAL SERVICE SCHEME
GARGI COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI

शिक्षणेत्तर गतिविधियाँ

गार्गी कालेज विद्यार्थियों को कला के अनेक रूपों में अपनी प्रतिभा का विकास और प्रदर्शन करने के असीम अवसर मुहैया कराता है। विभिन्न सांस्कृतिक समितियों की विरासत को निरंतर प्रति वर्ष और समृद्ध किया जाता है और हम सगर्व दृढ़तापूर्वक कहते हैं कि विद्यार्थी अब संकल्पना, डिजाइन, निर्देशन और निर्माण जैसे काम खुद ही बड़ी नफासत से कर रहे हैं और साथ ही अनेक इंटर–कॉलेज स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन करके कॉलेज को गौरवान्वित भी कर रहे हैं। अनेक समितियाँ हैं जो विद्यार्थियों को कला और संस्कृति के माध्यम से एक रोमांचक सफर कराने में सहायक हैं। यह समितियाँ विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने के लिए अपने–अपने क्षेत्रों के विशेषज्ञों की सेवाएं भी लेती हैं। सदस्यों ने समितियों की संरचना के अनुसार एकल के साथ–साथ सामूहिक परफारमेंस भी दी हैं। नीचे हम समितियों द्वारा संचालित की गई विभिन्न गतिविधियों की एक झलक दे रहे हैं।

अनुभूति – 'हिन्दी सृजनात्मक लेखन समिति'

शिक्षक संयोजक: प्रो. श्रीनिवास त्यागी, हिन्दी विभाग

अनुभूति का महाविद्यालय की एक समिति के रूप में गठन शैक्षणिक सत्र–2013–14 में हुआ है। 'हिन्दी सृजनात्मक लेखन समिति'–अनुभूति की स्थापना का मूल उद्देश्य महाविद्यालय की छात्राओं की सृजनात्मक लेखन की क्षमता को उभारकर, निखारने के लिए सभी संभव परिस्थितियाँ निर्मित करना है। जिससे महाविद्यालय की छात्राएँ अपने व्यक्तित्व के सभी आयामों को समुचित रूप से विकसित करने का अवसर और माहौल पा सके। कविता लेखन, कविता वाचन के साथ–साथ लेखन की अन्य विधाओं में रुचि रखने वाली छात्राओं को प्रेरित कर उनमें छिपी प्रतिभा को सही दिशा में गति देने के लिए निरंतर सेमिनार,वर्कशॉप और आपसी संवाद से उनमें आत्मविश्वास के भाव को जागृत करने की निरंतर कोशिश करते रहना ही अनुभूति का मूल ध्येय है।अनुभूति की स्थापना का उद्देश्य छात्राओं को एक ऐसा मंच प्रदान करना था, जहाँ उनके जज़्बात विभिन्न विषयों पर मुखर हो सके, जिसमें यह पूर्णत सफल रही है। हमारी सृजनात्मक लेखन समिति की छात्राएँ महाविद्यालय के विभिन्न विभागों से संबंध रखती हैं। अब तक इस समिति के सदस्यों ने अपने अथक प्रयासों और मेहनत से अनेक पुरस्कार अपनी जीते हैं, जिसमें अतः महाविद्यालयीय, अंतर्महाविद्यालय तथा अंतर राज्य प्रतियोगिताएँ शामिल हैं।

अनुभूति के द्वारा सत्र 2021–22 में जश्न–ए–आजादी काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी सप्ताह मनाया गया, जिसमें अनेक रचनात्मक लेखन संबंधी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। हमने एन.एस.

एस.गार्गी के साथ मिलकर" जश्न–ए–अल्फाज" का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इन सभी प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के साथ ही साथ साहित्य एवं भाषा के प्रति सम्मान विकसित करना भी था। समिति के सभी सदस्य बहुत ही होनहार एवं एक से बढ़कर एक हैं, सभी ने कई पुरस्कार जीत कर अनुभूति एवं गार्गी कॉलेज का नाम रोशन किया है।

एनलिवन : पश्चिमी नृत्य समिति

शिक्षक संयोजिका: सुश्री रीमा चौहान, जर्मन विभाग

एनलिवेन, पश्चिमी नृत्य समिति पिछले कुछ वर्षों से दिल्ली के कॉलेजों के पश्चिमी नृत्य सर्किट में शीर्ष टीमों में से एक बना हुआ है। वे कड़ी मेहनत और जुनून का संतुलित मिश्रण हैं। अपने काम के प्रति उनकी अत्यधिक ईमानदारी ने हमेशा एनलिवेन के झंडे को गर्व से ऊंचा किया है। वे अपनी ऊर्जा और अभिव्यक्ति के लिए जाने जाते हैं और वे कोरियोग्राफी आधारित वार्षिक उत्पादन करते हैं जिसमें विभिन्न शैलियां जैसे हाउस, व्हेकिंग, लॉकिंग और कई अन्य शामिल हैं। जब उन्होंने "रेवेरी" 2021 में पश्चिमी नृत्य कार्यक्रम "जेनिथ" की मेजबानी की, तो उनकी दृढ़ता अपने चरम पर थी, जिसने दिल्ली विश्वविद्यालय के नर्तकियों को अपनी प्रतिभा दिखाने में सक्षम बनाया। एनलिवेन ने एक और कार्यक्रम, शॉर्ट सर्किट का आयोजन किया, जिसमें दिल्ली भर के प्रतिभाशाली कलाकारों के प्रदर्शनों की कतार थी।

उन्होंने शिवाजी कॉलेज, माता सुंदरी कॉलेज, डीटीयू, एसपीएमसी, शहीद सुखदेव और कई अन्य कॉलेजों में अपने गुरु, श्री धीरज सोनी, कोरियोग्राफर के मार्गदर्शन में दिल्ली और उसके बाहर के विभिन्न कॉलेजों में कई पुरस्कार प्राप्त किए। उन्होंने पूरे भारत में पेशेवर प्रतियोगियों के भीतर शीर्ष 12 रैंक हासिल की है और उन्हें भारत में सबसे मजबूत लड़कियों के दल में से एक के रूप में भी स्वीकार किया गया है।

यूफोनी : पश्चिमी संगीत समिति

शिक्षक संयोजिका: सुश्री जानमोंगी जैस्मीन पैट्टन, अंग्रेजी विभाग

गार्गी कॉलेज की पश्चिमी संगीत समिति 'यूफोनी', एक अकेला ग्रुप है जो संगीत में नवीनता और रचनात्मकता के अनूठे मंथन के लिए जाना जाता है। यह ग्रुप जोशीली गायिकाओं का एक ऐसा समूह है जिसकी ताकत उनके स्वरों की विविधता और उनके द्वारा चुने गए बेहतरीन गानों में है। यूफोनी सभी को संगीत के माध्यम से जोड़ने में विश्वास रखता है; संगीत जो सीमाओं से परे है, वह संगीत जो शब्दों

के न होने पर अर्थ बतलाता है, संगीत जो शांति और सामंजस्य लाता है। पूरे वर्ष जोश, जज़्बे और आवेशपूर्ण प्रशिक्षण के साथ–साथ, गार्गी कॉलेज की पश्चिमी संगीत समिति के छात्र कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं विभिन्न कॉलेज उत्सवों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते आ रहे हैं जिसके लिए वे कई बार पुरस्कृत किए जा चुके हैं।

ग्लास आई – द फिल्म क्लब समिति

शिक्षक संयोजिका: सुश्री प्राची कालरा, प्राथमिक शिक्षा विभाग

शुरुआत में केवल फिल्मों की स्क्रीनिंग और विश्लेषण के मकसद से शुरू हुआ, ग्लासआई अब फिल्म निर्माण के क्षेत्र में विस्तारित हो गया है। यह डीयू सर्किट में सबसे सक्रिय और उल्लेखनीय फिल्म निर्माण समितियों में से एक बन गया है।

ग्लासआई का काम मुख्य रूप से महामारी के कारण ऑनलाइन रहा है। सदस्यों ने पितृसत्ता के प्रभावों पर एक छोटा वीडियो बनाया है जिसे 5ा से अधिक बार देखा गया है। उन्होंने "ट्रेन टू बुसान", "पीकू", "कारवां", "मदारी" और "लुटेरा" जैसी पुरस्कार विजेता फिल्मों का विश्लेषण किया है। कारवां के विश्लेषण सहित ग्लास आई के लाइव सत्र को फिल्म के निर्देशक और मुख्य अभिनेत्री से सराहना मिली। समिति ने फिल्म और कला निर्देशक शाजिया इकबा नकवी के साथ ऑनलाइन बातचीत की। इस वर्ष, ग्लासआई ने "प्रिज्म" नामक एक ऑनलाइन कार्यक्रम का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसे कॉलेज के अन्य समितियों के सहयोग से आयोजित किया गया था, जिसमें डार गाई, आदित्य कृपलानी, अश्विन कुमार, ज्योति निशा और एक जैसे

उल्लेखनीय फिल्म निर्माताओं के साथ सत्र आयोजित किए गए थे। प्रतिभाशाली अलंकृता श्रीवास्तव के साथ साक्षात्कार।

ह्यूज़– ललित कला समिति

शिक्षक संयोजिका: डॉ. अलका गर्ग, भौतिकी विभाग

ह्यूज़, गार्गी कॉलेज की ललित कला समिति। समाज के सदस्य विभिन्न कला रूपों, शिल्प तकनीकों को सीखेंगे, और एक समग्र कौशल सेट और रचनात्मक आउटलेट हासिल करेंगे। पूरे सेमेस्टर के दौरान, हम जर्नल मीट्स आयोजित करते हैं जहां सदस्य अपनी सबसे वर्तमान कलाकृति प्रदर्शित करते हैं। इसे हमारे इंस्टाग्राम फीड पर स्टोरीज और पोस्ट के जरिए दिखाया जाता है। पीले, नीले और प्रकृति सहित हाल के उदाहरणों के साथ हमारे पास कुछ मुलाकातों के लिए थीम भी हैं।

समिति हमारे आजादी का अमृत महोत्सव जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन करती है, जिसमें एक ऑनलाइन ऑन–द–स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाती है।

हमारा प्राथमिक दृश्य कला कार्यक्रम, रेवेरी, 4 और 5 मार्च, 2022 को हुआ। हमारे पास उद्घाटन समारोह को ऑफलाइन आयोजित करने का विकल्प था, जिसका हमारे सदस्यों ने उत्साहपूर्वक पालन किया। हमने, एक समिति के रूप में, सजावट, बैनर, एक स्थापना और एक रंगोली बनाई। ऐसा करने के लिए, सदस्यों ने अपना सर्वश्रेष्ठ रचनात्मक प्रयास किया। हमने इस कार्यक्रम में डियर डायरी: बुलेट जर्नल

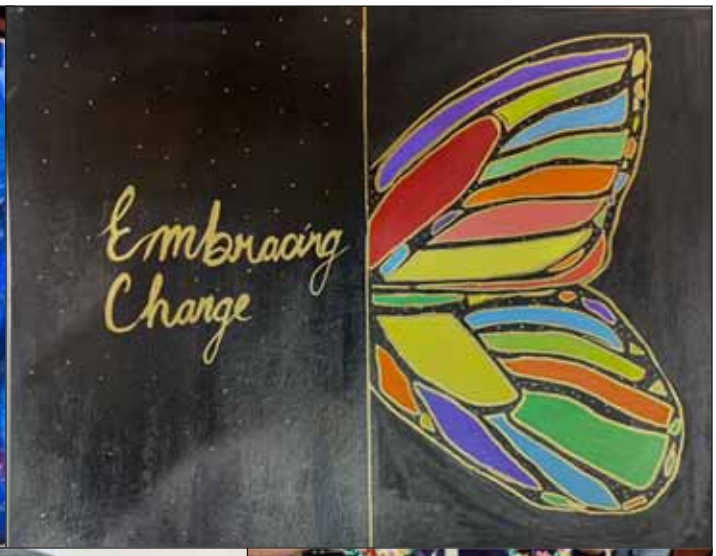

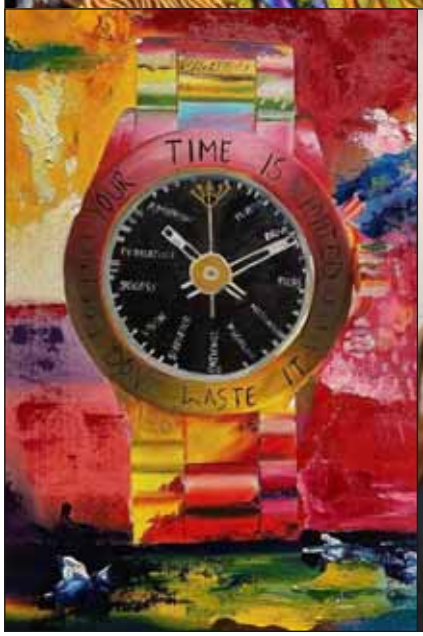

प्रतियोगिता और मुखोटाः द मास्क पेंटिंग प्रतियोगिता जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

पूरे साल, हमारे संगठन के सदस्यों ने विभिन्न स्कूलों और विश्वविद्यालयों जैसे आईआईटी दिल्ली, दयाल सिंह कॉलेज, श्री अरबिंदो कॉलेज, और शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमन द्वारा प्रायोजित विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में भाग लिया, प्रतियोगिताओं में कई पुरस्कार जीते। विस्टोसो कला प्रदर्शनी, टैटू पेंटिंग और स्ट्रीट पेंटिंग आदि।

आइरिस : फोटोग्राफी समिति

शिक्षक संयोजिका: सुश्री प्राची कालरा, प्राथमिक शिक्षा विभाग

गार्गी कॉलेज की फोटोग्राफी समिति आईआरआईएस फोटोग्राफी के माध्यम से कॉलेज में रचनात्मक वातावरण को विकसित करने और बढ़ावा देने का प्रयास करती है। इस वर्ष, समिति ने गार्गी कॉलेज के भीतर और इसके अलावा अंतर–समिति सहयोग के साथ–साथ फोटोवॉक, गतिविधियों और कार्यशालाओं की एक श्रृंखला की योजना बनाई।

हर साल, फोटोग्राफरों के उभरते गार्गी समूह को प्रोत्साहित करने के लिए समिति ने सक्रिय रूप से कई फोटो–वॉक और प्रदर्शनियों का आयोजन किया है। इस वर्ष आईआरआईएस ने चांदनी चौक और महरौली पुरातत्व पार्क में फोटोवॉक का आयोजन किया, जिसमें सदस्यों को फोटोग्राफी के विभिन्न पहलुओं के साथ प्रयोग करने का अवसर मिला और समिति ने कई थीम आधारित परियोजनाओं को अंजाम दिया। महामारी के बाद, ये फोटोवॉक सदस्यों के लिए एक लेंस के माध्यम से शहर के जीवन का पता लगाने और फिर से जुड़ने के महान अवसर साबित हुए।

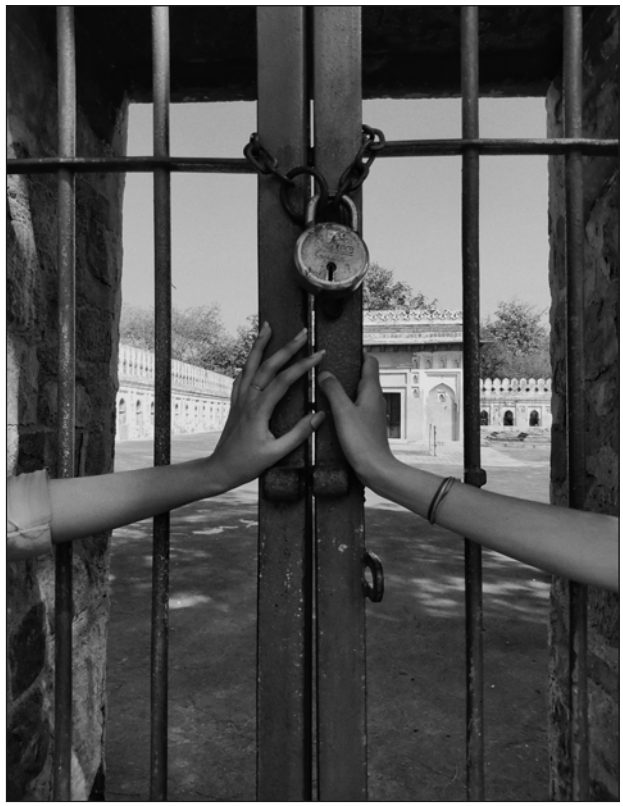

इस वर्ष, आइरिस ने 'समानांतर फोटोग्राफी', 'मूवी स्टिल्स रिक्रिएशन', 'फ्लैटले' आदि जैसे विभिन्न विषयों पर लगभग 400 चित्र और कैनवास प्रदर्शित किए। इसके अलावा, आइरिस ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अवसर पर एक ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया। पूरे विश्वविद्यालय के छात्रों की भारी भागीदारी देखी गई। लगभग 50 व्यक्तिगत प्रवेशकों ने 'एक्सप्लोरिंग विंटेज विंडोज' और 'मोशन फोटोग्राफी' के विषयों पर क्लिक किया। प्रतियोगिताओं का निर्णय सुश्री तेजस्विनी और सुश्री नंदिनी द्वारा किया गया, जो आईआरआईएस के उल्लेखनीय पूर्व छात्र हैं, जिन्होंने विविध प्रकार की तस्वीरों के साथ एक अद्भुत शो का प्रदर्शन करने के लिए टीम को बधाई दी।

क्षितिज : नुक्कड़ नाटक समिति

शिक्षक संयोजक : डॉ. छाया साहने, प्राथमिक शिक्षा विभाग

"क्षितिज–गार्गी कॉलेज की रंगमंच समिति" की स्थापना 2003 में हुई थी। समिति गतिशील युवा महिलाओं से बनी है जो सामाजिक बुराइयों और राजनीतिक मुद्दों के खिलाफ अपनी आवाज उठाने के लिए निडर होकर रंगमंच का उपयोग करती हैं। क्षितिज अपने आकर्षक वाक्यांशों और गीतों, कुरकुरी पटकथा, हास्य और जोर से दर्शकों पर लंबे समय तक चलने वाला और शक्तिशाली प्रभाव पैदा करता है। नाटक वास्तव में भावनाएँ और जागरूकता पैदा करने वाले तथा समाज को सकारात्मक बदलाव की ओर ले जाने वाले होते हैं। क्षितिज ने पिछले कुछ वर्षों में सामूहिक अपील के साथ विभिन्न सामाजिक–राजनीतिक हितों के नाटकों का मंचन करके भारतीय रंगमंच के परिदृश्य में अपनी जगह बनाई है।

क्षितिज का अंतिम वार्षिक नाटक 'RAA–वर्ण–VAAS' जातिवाद के बारे में एक ऐसे मुद्दे के रूप में बात करता है जो भारत के संविधान द्वारा समानता के 72 वर्षों के प्रावधान के बाद भी सदियों से कायम है। मानवीय आधार पर मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हुए जाति व्यवस्था का भार निम्नतम जातियों पर पड़ता है। यह नाटक इस बात पर केंद्रित है कि कैसे पूरे इतिहास में दलित, बहुजन और आदिवासी समुदायों को हाशिए पर रखा गया है और उनके विद्रोहों को खामोश कर दिया गया है। और जब तक यह समस्या बनी रहेगी तब तक डॉ. अम्बेडकर की आज्ञाओं–शिक्षित करना, आंदोलन करना तथा संगठित रहना, को माना नहीं जाता रहेगा। ए आर एस डी कॉलेज के स्ट्रीटप्ले कार्यक्रम में प्रदर्शन करने का अवसर मिलने के बाद, नया नाटक, 'RAA–वर्ण–VAAS' एक सफल नाटक के रूप में विकसित हुआ और शिव नादर विश्वविद्यालय, श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज एवम् NIFT में प्रथम स्थान जैसे कई पुरस्कार प्राप्त किए।

क्षितिज ने पिछले साल 15 पुरस्कार जीते, जिसमें इसके तीन सदस्यों द्वारा सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार शामिल है, और पिछले 5 वर्षों में 100 से अधिक पुरस्कारों के साथ 25 से अधिक सर्वश्रेष्ठ अभिनेता मान्यता, 6 सर्वश्रेष्ठ पटकथा पुरस्कार, 3 सर्वश्रेष्ठ संगीत पुरस्कार, 2 सर्वश्रेष्ठ निर्देशन पुरस्कार, मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर और आईआईटी कानपुर में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार (लगातार दो वर्षों के लिए) और पद्म भूषण प्राप्तकर्ता, डॉ बिंदेश्वर पाठक द्वारा विशेष सम्मान शामिल हैं। "क्षितिज–गार्गी कॉलेज की रंगमंच समिति" ने खुद को विश्वविद्यालय थिएटर क्लब के एक योग्य घटक के रूप में स्थापित किया है।

नज़ाकत – भारतीय नृत्य समिति

शिक्षक संयोजिका: डॉ. रश्मि भारद्वाज, दर्शनशास्त्र विभाग

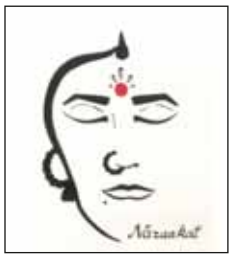

जब संगीत की ताल दिल की धड़कन के साथ तालमेल बिठाती है, तो निश्चित रूप से मंच पर नज़ाकत होती है। प्रत्येक सदस्य का जुनून और समर्पण, अभिव्यंजक नृत्य, आकर्षक वेशभूषा, बेजोड़ जटिल नृत्यकला, सामूहिक भावना और नृत्य के प्रति समर्पण ही इस समिति को डीयू सर्किट में दूसरों से ऊपर रखता है। नज़ाकत ने डीयू बीट द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय की शीर्ष तीन भारतीय नृत्य समितियों में पहला स्थान हासिल किया है। विशिष्ट और अद्वितीय प्रस्तुतिकरण के साथ, नज़ाकत ने पिछले कुछ वर्षों में गार्गी कॉलेज को गौरवान्वित करने में सफलता प्राप्त की है। हर साल नए और कठिन रूपों के साथ खुद को चुनौती देना और उसमें उत्कृष्टता हासिल करना ही नज़ाकत की विशेषता है।

लोक नृत्य हो या शास्त्रीय नृत्य, नज़ाकत ने कॉलेज को वाहवाही दिलाई है। हमेशा की तरह, नज़ाकत ने कई स्थान हासिल किए हैं और इस वर्ष मणिपाल विश्वविद्यालय में पहला स्थान हासिल करने में सफल रहा है; दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय युवा उत्सव (दिल्ली–राज्य) में, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज और हिंदू कॉलेज में दूसरा और जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज और विवेकानंद कॉलेज में तीसरा स्थान हासिल किया।

जोश और उत्साह के साथ, हम रंगीन उपलब्धियों और अत्यधिक आनंददायक सीखने के अनुभव के लिए एक और वर्ष की प्रतीक्षा कर रहे हैं। धीरे–धीरे होते सामान्य दौर में काम करने के बाद, हम इंस्टाग्राम (nazaakat_gargi) जैसे सोशल मीडिया के माध्यम से ऐसा करने के आदी हो गए हैं। हम समान विचारधारा वाले लोगों के साथ जुड़ना पसंद करेंगे और उन्हें अपने साथ जोड़ना चाहेंगे। नज़ाकत गार्गी कॉलेज के नाम पर कई और सम्मान लाने के लिए एक और रोलर कोस्टर राइड के लिए पूरी तरह तैयार है।

सार्वजनिक और मीडिया संबंध समिति

गार्गी कालेज की पब्लिक एंड मीडिया रिलेशंस समिति में 25 युवा लोग शामिल हैं, जो आपके लिए पूरे वर्ष 2 सबसे अच्छे उत्सवों का आयोजन करते हैं। यह दिल्ली विश्वविद्यालय सर्किट के दो सबसे बहु प्रतीक्षित कार्यक्रमों का आयोजन करता है। इनमें जिस्तत्व – एन एस एस का सांस्कृतिक वार्षिक उत्सव और रेवेरी – महाविद्यालय का प्रसिद्ध वार्षिक उत्सव शामिल है।

2019 की जिस्तत्व टीम ने परवाज–ए–ख्वाहिश–अपने सपनों की उड़ान : थीम के साथ शुरूआत की। इस बार जिस्तत्वा से पहले प्री–जिटर्स में चुनरी लहराएं और जश्न–ए–सुर मुख्य आकर्षण थे।

पब्लिक एंड मीडिया रिलेशंस समिति, एक गैर–सांस्कृतिक और गार्गी विशिष्ट समिति, पूरे वर्ष लगातार काम करती है और इन उत्सवों के माध्यम से डीयू सर्किट में कॉलेज का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व महसूस करती है। प्रत्येक वर्ष, टीम स्वयं नए बदलाव लाती है और अव्यक्त अप्रत्याशित चुनौतियों पर काबू पाती है, साथ ही साथ सभी के लिए यादगार उत्सवों को आयोजित करने के प्रयास में उनसे मजबूत बनने के लिए प्रयास करती है।

टीम यह बताने में गर्व महसूस करती है कि वो डीयू सर्किट और साथ ही आगामी सदस्यों के लिए भी हर साल नए मानक सेट करती है। हमें यकीन है कि भविष्य के पीएमआर सदस्य भी पीएमआर की विरासत को बनाए रखेंगे और ऊंची उड़ान भरते रहेंगे।

पब्लिक एंड मीडिया रिलेशंस टीम अधिक कार्यक्रमों के लिए सदैव तत्पर है इस विचार के साथ – ''स्ट्रॉन्ग अलोन, अनस्टॉपेबल टुगेदर''।

समीक्षा हिंदी वाद विवाद समिति

शिक्षक संयोजिका: डॉ. कृष्णा मीणा, हिन्दी विभाग

समीक्षा – हिंदी वाद–विवाद समिति दिल्ली विश्व विद्यालय की प्रतिष्ठित वाद–विवाद समितियों में से एक है। समीक्षा इस विचार में विश्वास रखती है कि युवाओं के भीतर जागरूकता एवं सतर्कता समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में कार्य करते हैं। उसी को सम्मानित करने के लिए समीक्षा समिति समय–समय पर प्रतियोगिताएं आयोजित करती रहती है। इस वर्ष भी समिति ने प्रमखु तीन प्रतियोगिताओं की मेजबानी की: गूंज–पारंपरिक वाद–विवाद प्रतियोगिता, टर्नकोट वाद–विवाद प्रतियोगिता और अन्वेषण ससंदीय वाद–विवाद प्रतियोगिता। समिति

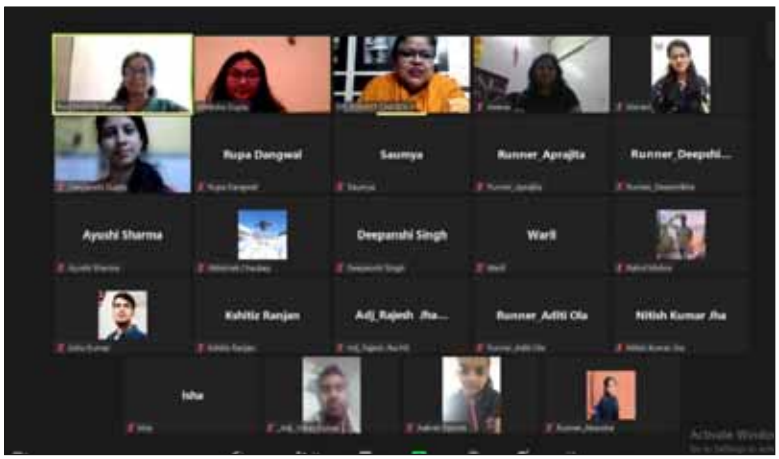

के सदस्य विभिन्न वाद–विवाद प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से प्रतिभाग भी करते हैं और सर्व श्रेष्ठ प्रदर्शन प्रस्तुत करते हुए समीक्षा एवं गार्गी महाविद्यालय का परचम लहराते हैं।

तार्किक निर्माण और कौशल को सम्मानित करने के अलावा समीक्षा अपने सदस्यों को वार्षिक ई–पत्रिका 'प्रज्ञा' के प्रकाशन के माध्यम से रचनात्मक लेखन और कला के आयामों की समझ हेतु प्रेरित भी करती रही है।

समरंजिनी : भारतीय संगीत समिति

शिक्षक संयोजिका: डॉ. जोया भट्टाचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग

समरंजिनी गार्गी कॉलेज की भारतीय संगीत समिति, कॉलेज के भीतर सभी सांस्कृतिक उत्सवों और अवसरों पर संगीत की विभिन्न शैलियों को एक साथ लाने में सक्रिय रूप से शामिल रही है।

समिति में एक शिक्षक संयोजक, छात्र संयोजक, छात्र सह–संयोजक, महासचिव और उसके सदस्य होते हैं।

समरंजिनी हमेशा से ही दिल्ली विश्वविद्यालय में सर्वश्रेष्ठ संगीत समितियों में से एक रही है और अपनी वार्षिक रचना जो कि हर साल बनाई जाती है उसे दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रदर्शित करती है। किंतु वर्ष 2020 में कोविड–19 के चलते ऐसा कर पाना संभव नहीं था। फिर भी समिति ने कार्यरत रहने का भरसक प्रयास किया और सफल भी रही।

एक अभूतपूर्व महामारी की प्रतिकूलता और सब कुछ डिजिटल होने के बावजूद समरंजिनी अपने नियमित कामकाज को बनाए रखने में सक्षम रही है। समरंजिनी की डिजिटल उपस्थिति को समिति के सदस्यों द्वारा बढ़ाया गया है जिन्होंने नियमित रूप से हमारे इंस्टाग्राम हैंडल के लिए रचनात्मक प्रदर्शनियां तैयार की है। हमने राग श्रृंखला की पहल से भारतीय शास्त्रीय संगीत को एक व्यापक दर्शक समुदाय के सामने प्रस्तुत करने में अपना छोटा सा योगदान देने का प्रयास किया है। हमारे कुछ सदस्यों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया और अपना उचित श्रेय प्राप्त किया।

लोगों ने व्यक्तिगत रूप से और समरंजिनी का प्रतिनिधित्व करते हुए भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अन्य कलाकारों के साथ कार्य किया है। कुल मिलाकर यह वर्ष अपनी सभी प्रतिकूलताओं के बावजूद समरंजिनी के लिए सीखने और नए अनुभवों को प्राप्त करने का एक शानदार अवसर रहा है।

स्पार्क्स : कोरियोग्राफी समिति

शिक्षक संयोजिका: डॉ. रश्मि भारद्वाज, दर्शनशास्त्र विभाग

स्पार्क्स, गार्गी कालेज की कोरियोग्राफी समिति डीयू में शीर्ष नृत्य समितियों में से एक है। यह समकालीन, बैले और जैज़ जैसे विभिन्न नृत्य रूपों के माध्यम से विषयगत नृत्य को प्रदर्शित करता है। पॉलिश तकनीकों और अद्वितीय विषयों के माध्यम से समिति ने इसे प्रमुखता दी है। यह सिर्फ एक समिति नहीं बल्कि एक जीवन शैली है; सीखने के अवसरों, कड़ी मेहनत और मस्ती से भरी जीवन शैली। इस समिति का एक हिस्सा होने के नाते पूरे भारत में पेशेवरों और प्रतियोगिताओं के साथ विभिन्न कार्यशालाओं के माध्यम से सबसे प्रामाणिक नृत्य रूपों के बारे में और अधिक जानने में मदद मिलती है।

एक बार जब हम प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन करना शुरू कर देते हैं, तो यह बहुत अधिक रोमांचक हो जाता है। विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रदर्शन करने के लिए यह उत्साहवर्धन का काम करता है। समिति विभिन्न बाहरी क्षेत्रों की यात्राओं के लिए जाती हैं जैसे बिट्स पिलानी, आईआईटी बाम्बे और कुरुक्षेत्र। यह सब अनुभव समिति सदस्यों को समझदारी प्रदान करते हैं, आत्मविश्वास और टीम निर्माण सिखाते हैं। साथ ही बहुत सारे प्रमाण पत्र मिलते हैं जो भविष्य में बहुत मदद करने वाले साबित होते हैं। सदस्य हर साल प्रतिभाशाली नर्तकियों की विभिन्न नृत्य कार्यशालाओं में भी भाग लेते हैं। इससे हमें काफी अवसर प्राप्त होते हैं। इस तरह के प्लेटफार्म पर खुद का प्रतिनिधित्व करना समिति के लिए महत्वपूर्ण है। एक तरफ व्यक्तित्व निखरता है और बाहरी दुनिया के संपर्क में आने से इतने सारे नए दोस्त मिलते हैं और समिति के सदस्यों का विस्तार होता है। एक नए संसार से वे रूबरू होते हैं। यह समिति, जिसके साथ आप अपने दिन के कई घंटे बिताते हैं, जिससे आप प्यार करते हैं।

नए साल के साथ DU त्योहारों का मौसम और बहुत सारी जिम्मेदारियां आती हैं क्योंकि हर साल लगभग 18–20 प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। इसलिए यदि आप नृत्य करना पसंद करते हैं, तो स्पार्क्स एक ऐसी चीज है जो निश्चित रूप से आपके कॉलेज के जीवन को यादगार बना देता है।

क्यू.ई.डी. : अंग्रेजी वाद–विवाद समिति

शिक्षक संयोजिका: सुश्री राजकुमारी स्मेजिता देवी, अंग्रेजी विभाग

QED THE ENGLISH DEBATING SOCIETY · GARGI COLLEGE

क्यू.ई.डी. अंग्रेजी वाद–विवाद समिति, गार्गी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय – 2021–22 क्यू.ई.डी. के लिए चुनौती पूर्ण था जहाँ लोगों को आपदा को अवसर में बदलने का मौका मिला।

कोविड–19 के कुप्रभाव से कई प्रक्रियाऐं रूकने के बाद भी हमारे क्यू.ई.डी. के सदस्यों ने अपनी क्षमता के अनुसार ऐसे बहुत कार्य किए जिसने हमारे मनोबल को कम नहीं होने दिया।

हमने इस वर्ष की शुरूआत आंतरिक मॉक एवं सत्र संचालन से की जिससे प्रतियोगिता प्रारम्भ होने से पहले हम ऑनलाइन वाद–विवाद की प्रक्रिया से परिचित हुए। उक्त सत्र से कौशल को बढ़ावा मिला तथा वाद–विवाद की कला से सम्पर्क बना रहा। "मिक्स आईडिया" एवं "डिस्कॉर्ड" जैसे कई ऑनलाइन मंच ने इस आभासी प्रक्रिया को काफी सुविधाजनक एवं मनोरंजक बनाया।

क्यू.ई.डी. ने आभासी मंच से लगभग 25 से अधिक टीमों तथा 50 से अधिक एडजूडिकेटर को प्रतिभाग कराया। मिक्स आइडिया एवं डिकॉर्ड ने वाद–विवाद प्रतियोगिता के संचार को सुविधाजनक बनाया जो गोपनीय भी था। गंभीर चिंतन की बाध्यता, उत्साहवर्धक माहौल, सक्षम ओ.सी. तथा सुरक्षित समावेशी इक्विटी पैनल ने प्रतियोगिता को निसन्देह सफल बनाने में मदद की। प्राचार्या मैडम की उपस्थिति ने प्रतियोगिता के अंतिम सत्र की शोभा को बढ़ाया।

समिति के लिए यह वर्ष काफी उतार–चढाव भरा था। फिर भी इसके सदस्यों ने अपनी दृढता, आशावादिता से सीखने की प्रक्रिया को जीवित बनाए रखा। इस प्रयास को आपदा में अवसर ढूँढ़ना कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। हम इसी संकल्प के साथ आने वाले सालों में भी अपना कार्य जारी रखेंगे।

क्विलुमिनाती : अंग्रेज़ी सृजनात्मक लेखन समिति

शिक्षक संयोजिका: सुश्री प्रज्ञा गुप्ता, अंग्रेजी विभाग

क्विलुमिनाती, अंग्रेज़ी सृजनात्मक लेखन समिति उन नवोदित लेखकों को एक यशस्वी मंच प्रदान करता है जो अपनी लेखन कला के जरिये अपने विचार व्यक्त करने की इच्छा रखते हैं। हमारा मानना है कि हर एक लेखक को अपनी कला से जुड़ने हेतु एक अत्यधिक सुकून जनक स्थान की आवश्यकता होती है, हमारी कोशिश यही है कि हम सुनिश्चित करें कि हर कलाकार को ऐसा माहौल प्रदान किया जाए।

हर साल, हम अपने वार्षिक रचनात्मक लेखन उत्सव – पैनोरामा का आयोजन करते हैं – जहाँ लेखन और स्लैम कविता प्रतियोगिताओं से संबंधित कार्यक्रम, विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लेखकों को एक साथ लाते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में हमें डॉ. रूथ वनिता, प्रसिद्ध अकादमिक, लेखिका और 'मानुषी' (महिला सशक्तिकरण पर आधारित भारत की पहली पत्रिका) की सह–संस्थापक, डॉ. पायल नागपाल, अंग्रेजी की एक प्रख्यात प्रोफेसर और 'शिफ्टिंग पैराडिग्म्स इन कल्चर' की लेखिका, सुश्री जपलीन पसरीचा, एक फेमिनिस्ट कवयित्री और 'फेमिनिज्म इन इंडिया' की संस्थापक, डॉ. कमला भसीन, प्रख्यात भारतीय कवयित्री और सामाजिक वैज्ञानिक एवं विक्रमादित्य सहाय, एक समलैंगिक कार्यकर्ता, जिन्हें 'वकीराम' के नाम से जाना जाता है और कई और प्रसिद्ध एवम सम्माननीय व्यक्तित्वों को हमारे वार्षिक उत्सव में आमंत्रित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

पिछले एक साल में ही, हमारे सदस्यों ने इंटर के साथ–साथ इंट्रा–कॉलेज रचनात्मक लेखन और स्लैम कविता प्रतियोगिताओं में भी कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं। उनके कार्यों को लाइववायर, द रेमनेंट आर्काइव, अयस्काला मैगजीन जैसे अन्य प्रसिद्ध प्लेटफार्मों पर प्रकाशित किया गया है। उन्होंने अन्य कॉलेजों की साहित्यिक पत्रिकाओं जैसे मिरांडा हाउस कॉलेज के ब्लूक्विल, मोतीलाल नेहरू कॉलेज के अभियान, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज के प्रिंसिपिया आदि में भी योगदान दिया है। रेवेरी में स्लैम कविता करने से लेकर, गार्गी कॉलेज के वार्षिक उत्सव के दौरान फेयरवेल में एक हार्दिक कृति तक, क्विलुमिनेटी ने हमेशा सुन्दर, सरल और सूक्ष्म शब्दों के माध्यम से अपनी छाप छोड़ी है।

क्विज़िटो : प्रश्नोत्तरी समिति

शिक्षक संयोजिका : सुश्री अपर्णा जोशी, प्राथमिक शिक्षा विभाग

गार्गी की प्रश्नोत्तरी समिति–क्विजिटो–दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ महिला प्रश्नोत्तरी समितियों में से एक है। हमारा मुख्य उद्देश्य छात्रों के बीच क्विजिंग गतिविधियों को लोकप्रिय बनाना और एक ऐसा वातावरण बनाना है जहाँ वे अपने ज्ञान और उत्साह के बल पर नई ऊंचाइयों को छू सकें।

कॉलेज के ऑनलाइन होने के दौरान हमने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया है। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत हम ने एक इंट्रा–कॉलेज भारत क्विज आयोजित किया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया।

दिसंबर–जनवरी के महीनों में फ्रेशर्स की भर्ती के बाद, हमने उन्हें क्विजिंग की विभिन्न शैलियों से अवगत कराया, जिसमें लोकप्रिय संस्कृति, व्यवसाय, खेल आदि शामिल थें। इसके बाद साप्ताहिक डिस्कोर्ड बैठकों में क्विज के संचालन, प्रश्नों को तैयार करने और विचार–मंथन की विभिन्न तकनीकों का स्पष्ट रूप में विवरण दिया गया।

मार्च 2022 में गार्गी के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव–Reverie–के तहत हमने HighQ वार्षिक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसके अंतगत 4 और 5 मार्च को सुमंत्र सारथी दत्ता द्वारा– जनरल क्विज और हमारी पूर्व छात्रा एवं क्विज मास्टर, श्रेष्ठा मंडल द्वारा एक पॉप क्विज का आयोजन हुआ। कॉलेजों के फिर से खुलने के बाद, हमने सदस्यों को ऑफलाइन मोड से परिचित कराने के लिए एक ऑफलाइन विचार–मंथन सत्र का आयोजन भी किया।

ऑनलाइन एवं ऑफलाइन क्विजिंग के साथ सदस्यों ने विभिन्न संस्थानों व शैलियों पर क्विज में भाग लिया है। हमने SRCASW, भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, गार्गी, और जाकिर हुसैन कॉलेज में पोडियम फिनिश हासिल किया। हम SRCC, ZHDC, SRCASW, और SGTBKC व अन्य कॉलेजों में फाइनलिस्ट रहे।

अपस्टेज : अभिनय समिति

शिक्षक संयोजिका: डॉ सुचित्रा भारती, संस्कृत विभाग

अपस्टेज समिति का उद्देश्य हमेशा ऐसी कला को बनाना रहा है, जो चर्चा और प्रवचन से उत्पन्न हुई हो। यहाँ हम पटकथा और मंच से परे जाकर, रचनात्मक प्रक्रिया के साथ–साथ व्यक्तिगत मस्तिष्क के विकास को भी महत्व देते हैं। इस आशा के साथ कि दर्शकों के मन में विचार उत्पन्न हो ।

अपस्टेज का यह वर्ष हर दूसरे वर्ष की तरह, हमारे लिए यहां एक रोलर कोस्टर की सवारी के समान रही है। वर्ष 2021 के लिए हमारा वार्षिक उत्पादन द फिशरमैन, द राइटर और द स्केलेटन वुमन था, जो कल्कि कोचलिन और प्रशांत प्रकाश द्वारा लिखित द स्केलेटन वुमन से प्रेरित था। इस साल को

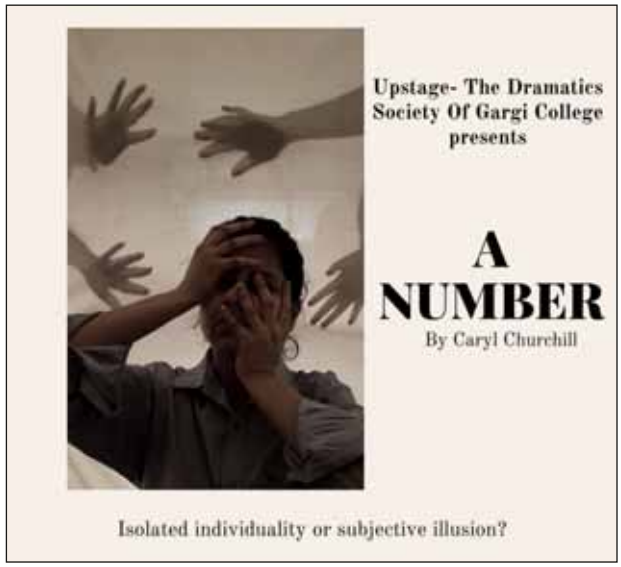

हमारे लिए खास इस बात ने बना दिया कि इस बार हम प्रयोग करने से पीछे नहीं हटे। इस प्रकार हमने विभिन्न तत्वों को शामिल किया, और रोशनी, ध्वनि और सहायक सामग्रियों का भरपूर प्रयोग किया। हमने ब्लैक बॉक्स थिएटर फेस्टिवल, अलोहोमोरा– लेडी इरविन द्वारा स्टेज प्ले फेस्ट और वीआईपी द्वारा एफ्लाटून – स्टेज प्ले फेस्ट में प्रदर्शन किया। हम हर जगह समीक्षकों द्वारा प्रशंसित थे, जबकि ब्लैक बॉक्स और अलोहोमोरा में हमने सर्वश्रेष्ठ निर्देशन का पुरस्कार जीता था।

हमने क्रियेट थिएटर फेस्टिवल में अपने प्रोडक्शन के दो टिकट वाले शो भी आयोजित किए। अपस्टेज ने सफलतापूर्वक अपने वार्षिक मंच नाटक उत्सव,

Nivacanna'22 रेवेरी, गार्गी कॉलेज के सांस्कृतिक उत्सव को आयोजित किया। यह शब्द हमारी टीम के लिए सफलता की कुंजी रही है, और हम थिएटर के प्यार को जीवित रखने के लिए सीखने, बढ़ने और सबसे महत्वपूर्ण बात, जारी रखने की उम्मीद करते हैं! यह वर्ष सीख और अन्वेषण का रहा है। हम आगे भी कला के प्रति जिज्ञासा, रचनात्मकता और जुनून जैसे गुणों में वृद्धि की आशा करते हैं।

सामाजिक पहुँच और जागरूकता

लोगों की आर्थिक रूप से सहायता करना हर किसी की पहुँच में नहीं होता। परंतु व्यक्तिगत रूप से कोई निश्चित तौर पर जरूरतमंद पर दया करके, बीमार के पास जाकर और किसी अकेले को सुकून प्रदान करके एक फरिश्ते का हृदय पा लेता है। गार्गी कालेज अपने युवा विद्यार्थियों को सिखाता है कि आत्म–पूर्ति का लक्ष्य अपने उत्तरदायित्व को समाज की ओर बढ़ाकर पाया जा सकता है, सर जगदीश चंद्र बसु के कथन के अनुसार ''याद रखें कि जब तक खुशी सबके लिए न हो तब तक किसी एक के लिए कोई खुशी नहीं हो सकती''। सामाजिक जागरूकता के कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए उनकी उच्चतर आवश्यकताओं को पूरा करने के अवसर मुहैया कराते हैं। हमारे कुछ कार्यक्रम हैं :

अवनिः इको क्लब

शिक्षक संयोजिकाः डॉ अनीता भट्ट, राजनीति विज्ञान विभाग

अवनि : गार्गी कॉलेज का इको क्लब हमारे कॉलेज और उसके आसपास पर्यावरण के अनुकूल वातावरण बनाने की दिशा में काम करता है और इस तरह हमारे ग्रह को बचाने में योगदान देता है। पर्यावरण जागरूकता के मूल्यों को प्रदान करने और छात्रों के बीच पर्यावरण नैतिकता विकसित करने के लिए इको क्लब की स्थापना की गई है। इसका उद्देश्य विभिन्न नवीन विधियों के माध्यम से छात्रों के बीच स्वच्छ और हरित चेतना पैदा करना है। ताकि वे अपनी पर्यावरण शिक्षा में सुधार कर सकें और कॉलेज में पर्यावरण प्रबंधन में अधिक संगलित हो सकें।

इस प्रकार से, 'आजादी का अमृत महोत्सव' (Azadi Ka Amrit Mahotsav) के अंतर्गत भारत सरकार की एक पहल के रूप में स्वतंत्रता के 75 वर्ष मनाने के लिए 'अवनि' ने अपने शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत 'स्वच्छता पखवाड़ा' के साथ की, इस श्रृंखला में 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट', 'आप जो पानी पीते हैं उसे जानें: एक सर्वेक्षण' और 'प्लास्टिक खपत सर्वेक्षण' सहित तीन गतिविधियों को संयोजित किया गया था।

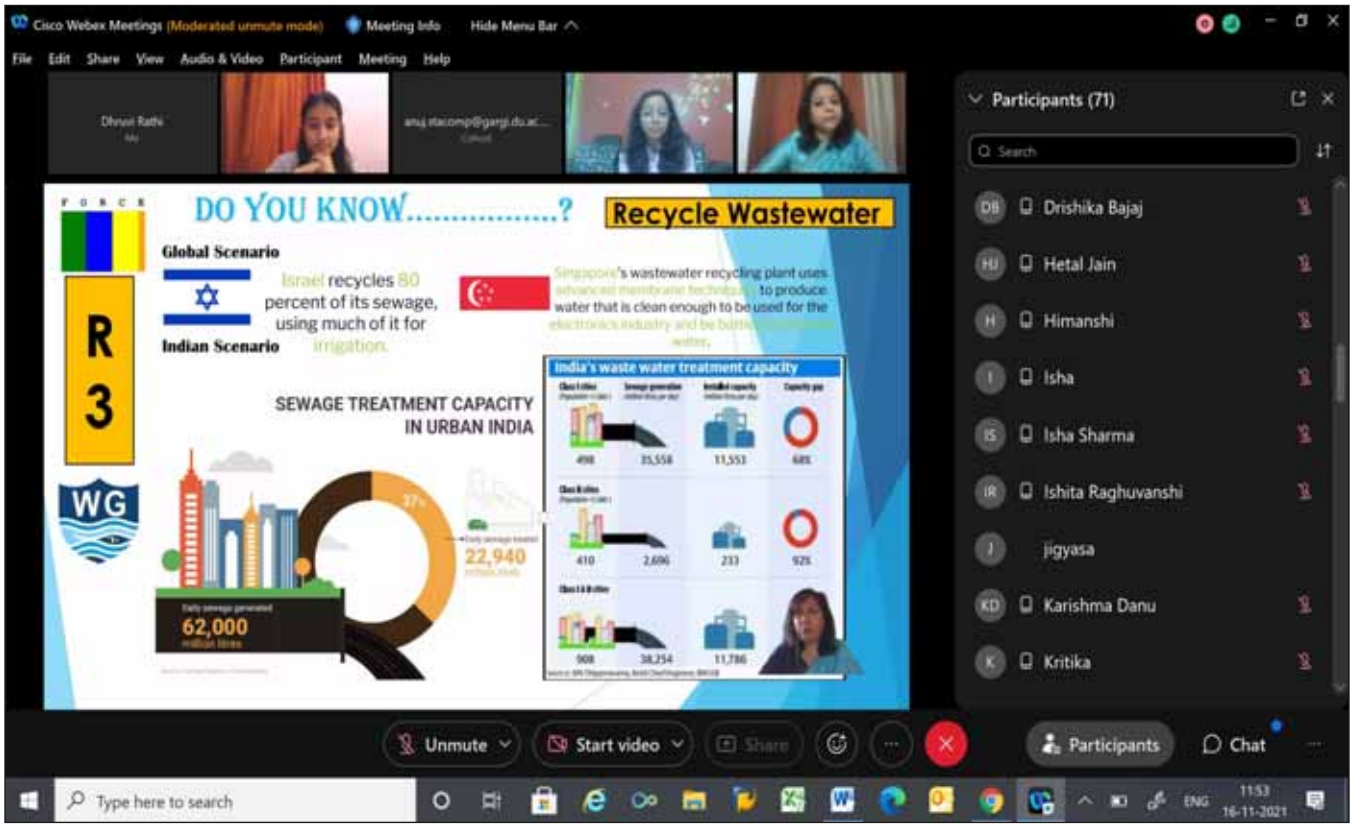

'हाथी प्रशंसा दिवस' का अवलोकन करने के लिए, सदस्यों ने 'एली एक्सप्रेशन' नामक एक कार्यक्रम के माध्यम से अपनी कलाकृति, लघु कथाएँ, पोस्टर, नारे और कविताएँ साझा कीं। इसके अलावा, 'प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने' के विषय पर 'ग्रीन कंज्यूमर जर्नल' शुरू किया गया था। अवनि ने 31.10.2021 से 6.11.2021 तक 'ग्रीन दिवालीः पर्यावरण के साथ सद्भाव में दिवाली मनाना' जैसे विषय पर हरित दिवाली सप्ताह का भी आयोजन किया। जिसके तहत पोस्टर मेकिंग, रंगोली मेकिंग, स्पीच प्रतियोगिता, ग्रीन दिवाली गैलरी जैसी विभिन्न इंटर कॉलेज गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इस वर्ष, छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक कचरे (ई–कचरे) के सुरक्षित निपटान के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से, अवनि ने 28.11.2021 को एक प्रमुख पहल के रूप में परिसर में एक ई–कचरा ड्रॉप बॉक्स स्थापित किया है।

अवनी के अगले प्रमुख कार्यक्रम में सुश्री ज्योति शर्मा, अध्यक्ष, फोरम फॉर ऑर्गनाइज्ड रिसोर्स कंजर्वेशन एंड एन्हांसमेंट (FORCE) द्वारा 16.11.2021 को 'हर एक जल रक्षक के साथ जल संरक्षण के 5 R's जैसे विषय पर एक ऑनलाइन वार्ता का आयोजन किया गया। सुश्री शर्मा ने 5Rs या मंत्रों को पुरःस्थापित किया जैसे कि अपव्यय को कम करें, पानी का कम से कम एक बार पुनः उपयोग करें, भूजल को रिचार्ज करें, अपशिष्ट जल को रीसायकल करें और पानी का सम्मान करें। अपनी प्रस्तुति से व्यावहारिक उदाहरणों का हवाला देते हुए, उन्होंने अपने संभाषण के दौरान मंत्र के प्रत्येक आर (Rs) को विस्तार से समझाया। इस कार्यक्रम का छात्रों और शिक्षकों ने जोश से स्वागत किया और इसमें 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। सत्र ज्ञानवर्धक था।

इसके अलावा, हमने एक 'वृक्षारोपण अभियान' का आयोजन किया जिसमें सदस्यों ने वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। इसी तरह, सदस्यों ने राष्ट्रीय पक्षी दिवस पर 'बर्ड फीडिंग गतिविधि' में भाग लिया। खाद बनाने के महत्व को स्वीकार करने के लिए, 'कम्पोस्ट ओ'क्लॉक', 40–दिवसीय खाद बनाने की चुनौती का आयोजन किया गया।

'ग्रीन फुटप्रिंट्स', कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के उद्देश्य से एक अनूठी पहल को अपनाया गया था, जिसने जंक ईमेल को हटाने के लिए प्रोत्साहित किया। हम कुल 28,430+ ईमेल जंकयार्ड करने में सक्षम थे। यह दर्शाता है कि कैसे छोटे से छोटे प्रयास भी बदलाव ला सकते हैं।

इन पहलों के साथ, अवनि ने 'उपभोक्ता जागरूकता अभियान' जैसे सार्वजनिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए लगातार अपने सोशल मीडिया हैंडल का उपयोग किया, जिसमें नियमित रूप से पोस्ट करना और लोगों को दैनिक उपयोग की वस्तुओं के स्थायी विकल्पों के बारे में सूचित करना शामिल था।

विविधता और समावेश का केन्द्र

शिक्षक संयोजिका: डॉ. नीरा पंत, मनोविज्ञान विभाग

इज़हार: मनोविज्ञान विभाग की मानसिक स्वास्थ्य पहल

इज़हार मनोविज्ञान विभाग के प्रतिबद्ध स्वयंसेवकों का समूह है जो मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में काम करता है। इज़हार का मानना है कि महामारी की दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना समय की मांग है। केवल बात करने से ही मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता पैदा की जा सकती है और कलंक को तोड़ा जा सकता है। हमारा लक्ष्य कॉलेज के भीतर लोगों के लिए अपने बारे में बात करने और हर दिन सामना करने वाले संघर्षों के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाना है। इज़हार एक सहकर्मी से सहकर्मी सहायता समूह के रूप में भी कार्य करता है। यह सहानुभूति और गैर–निर्णय के आदर्शों पर आधारित है।

पिछले साल महामारी के दौरान इज़हार द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। इज़हार ने स्वस्थ खाने की आदतों और मानसिक स्वास्थ्य के साथ उनके संबंधों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर एक ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया। क्यूपीआर प्रशिक्षण संस्थान, कैलिफोर्निया की सुश्री देविका खन्ना के साथ एक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन, छात्रों को आत्महत्या रोकथाम पर प्रशिक्षित करने के लिए किया गया था। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस, 10 अक्टूबर 2021 पर, इज़हार ने छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकता के बारे में जागरूक करने के लिए डॉ अंजुमन बैंस और सुश्री उफरा मीर को गार्गी कॉलेज में आमंत्रित किया। मार्च 2022 में इज़हार ने कोविड–19 के बाद ऑफलाइन मोड में मनोविज्ञान विभाग में अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस मनाया।

व्हाइट रोज़ क्लब

व्हाइट रोज़ क्लब गार्गी कॉलेज के सटेंर फॉर डायवर्सिटी एंड इन्क्लूजन के अतंर्गत काम करता है जिसकी प्रभारी शिक्षक डॉ नीरा पंत हैं। WRC 2017 से सक्रिय रूप से काम कर रहा है, लेकिन जून 2020 में इसे मान्यता प्राप्त हुई। क्लब का उद्देश्य LGBTQ मुद्दों के बारे में लोगों को शिक्षित करना, जागरूकता बढ़ाना और लोगों को संवेदनशील बनाना है, ताकि गार्गी कॉलेज को क्वीर छात्रों के लिए एक सुरक्षित और समावेशी स्थान बनाया जा सके। क्लब ने अब तक अनेक कार्यक्रम आयोजित किए है जैसे अनोखी चर्चा, प्राइड परेड, वृत्त चित्र स्क्रीनिगं और शैक्षिक चर्चा। किन्नर समाज द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियां एवं कम्पल्सरी हेटेरो सेक्सुअलिटी आदि जैसे विषयों के इर्दगिर्द घूमने वाले पेशवेरों और शिक्षाविदों द्वारा पैनल चर्चा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित किये जा चुके है। अनोखी चर्चा, जो अनौपचारिक, लोकतांत्रिक चर्चाएं है जिसका उद्देश्य समुदाय की चिंताओं को समझना है, समय–समय पर आयोजित की जाती रहीं है। पिछले साल,

प्राइड महीना मनाने के लिए, क्लब ने 'आउर डेज डुरिगं प्राइड एंड पेंडेमिक' विषय पर इलस्ट्रेटर सुखमहक कौर के साथ एक जीन निर्माण वर्कशॉप की मेजबानी की। डीयू में कई क्वीर कलेक्टिव्स के साथ, क्लब ने दो दिवसीय कार्यक्रम क्वेरनामा– ए वर्चुअल प्राइड सम्मेलन की भी मेजबानी की। वार्षिक कॉलेज उत्सव, रेवेरी के लिए, WRC ने 'क्यूरिगं द चेंज' नामक एक कला निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की। क्लब ने एक क्वीर–सकारात्मक मनोवैज्ञानिक सृष्टि बनर्जी को भी 'एम्ब्रेसिगं चेंजेस एंड ओवरकमिगं एडवर्सिटीज' पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया। WRC ने 'फाइव फिल्म्स फॉर फ्रीडम' की एक फिल्म स्क्रीनिगं, 26 मार्च 2022 को ब्रिटिश काउंसिल ऑडिटोरियम में क्वियर मुस्लिम प्रोजेक्ट के साथ आयोजित की। क्लब का आदर्श वाक्य 'अनलर्निंग फोबिया अवेयरनेस' है क्योंकि हमारा मानना है कि बिना सीखे और अवगत हुए बिना हम अपने गहरे और आतंरिक पूर्वधारणा को दूर नहीं कर सकते।

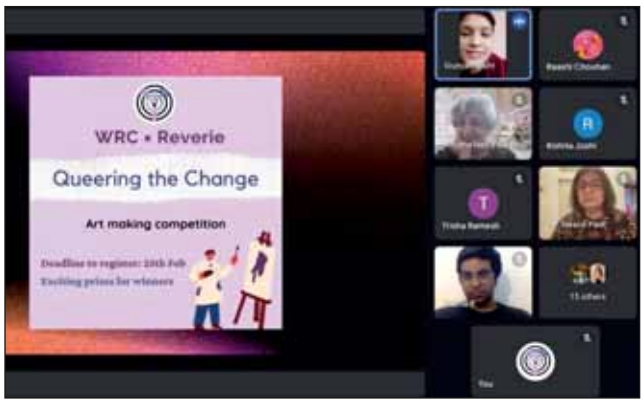

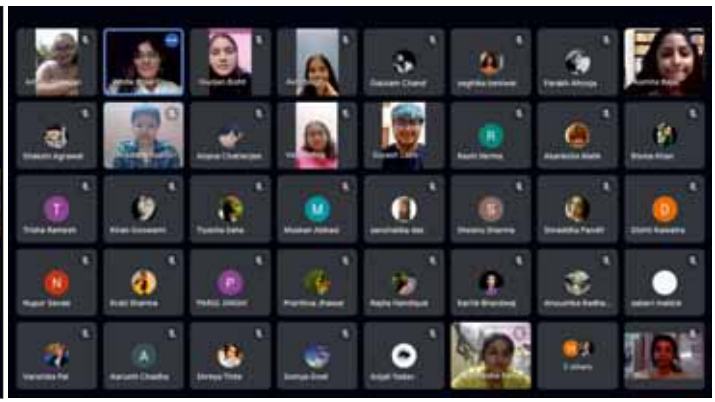

एनेब्लिंग यूनिट (सक्षमीकरण इकाई)

शिक्षक संयोजक: डॉ. मोनिका गुप्ता, प्राथमिक शिक्षा विभाग

समर्थ : गार्गी कॉलेज का इनेबलिंग यूनिट एक ऐसी चेतना के विकास के लिए काम करता है जो समावेशी, न्यायपूर्ण एवं संतुलित समाज की रचना करने में सहायक हो। इनेबलिंग यूनिट के कार्य–क्षेत्र में ऐसे भाषण, सेमिनार एवं पैनल – वार्ता का आयोजन करना आता है, जो समस्त कॉलेज की छात्राओं की संवेदना समावेशी शिक्षा

दर्शन, विकलांग व्यक्ति विशेष द्वारा अनुभव की गई सामाजिक विषमताएं एवं इन से जुड़े नकारात्मक विचारों में सहज बदलाव लाने में सहायक हों। पिछले कुछ वर्षों में हमनें विकलांग व्यक्ति विशेष के लिए विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया है जैसे कि बड्डी – कार्यक्रम जिसमे हर विकलांग – छात्रा को एक ऐसा दोस्त देना जो उसका साथ दे सके; परीक्षा में स्क्राइब मुहैय्या कराना; विकलांग विद्यार्थियों के लिए विशेष

स्कीम लागू करना; उनके विविध मुद्दों पर कॉलेज के प्रिंसिपल के साथ वार्ता; विकलांग विद्यार्थियों के लिए उपयोगी विशेष यंत्रों पर लेक–डेम कार्यशाला का आयोजन एवं आर.पी.डब्ल्यू.डी एक्ट पर वार्ता का आयोजन करना। इनेबलिंग यूनिट के सालाना जलसों का यह प्रयास रहा है कि वह विद्यार्थियों में क्षमतावादी– विचारधारा और ढांचागत स्पर्धा के खिलाफ एक सोच बना सके। इन जलसों में विद्यार्थियों के मननशील लेखन, काव्य–चित्रों का सृजन, कहानी बुनना, चित्रकला, कार्टून–सृजन इत्यादि को स्पर्धा के बजाए सहयोगी गतिविधियों द्वारा साझा किया जाता है ताकि सब विद्यार्थियों के निज–अभिव्यक्ति को समान रूप से सुना एवं अनुभव किया जा सके। हमने यह पाया कि आंतरिक अभिप्रेरणा किसी बाह्य पुरुस्कार की मोहताज नहीं है। गत वर्षों में हमनें विकलांग व्यक्ति विशेष के यौन–संवेगों के प्रति समाज में अपूर्ण समझ, लिंग–भेद सम्बंधित मुद्दे, आर्ट–फॉर–डिसेबिलिटी, नीतिगत मुद्दे, क्षमता–प्रधान समाज के अन्यायपूर्ण पहलुओं पर वार्ताओं और गोष्ठियों का आयोजन भी किया है।

समान अवसर सेल (इक्वल औपरचुनिटी सेल)

शिक्षक संयोजिका: डॉ. श्वेता मिश्रा, राजनीति विज्ञान विभाग

कॉलेज के इक्वल औपरचुनिटी सेल की स्थापना 2010 में हुई। यह एक बहुआयामी समूह है जो समाज में वंचित समूहों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता लाने के उदेश्य से कई गतिविधियों का आयोजन करता है।

सेल का उदेश्य

- अलग अलग छात्रों को उनकी समस्याओं को दूर करने, उनकी क्षमता का पता लगाने और उन्हे सक्षम करने और सशक्त बनाने के लिए एक योग्य माहौल उपलब्ध कराना।
- सेल के विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों की क्षमता निर्माण, जो उन्हें इक्विटी, न्याय और समावेशन के मुददों से संबंधित विभिन्न दृष्टिकोणों को समझने में सहायता करता है।

सेल की क्रियाएँ

- उपयुक्त उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, ई. ओ. सी. विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है जैसे – 2010 से सकारात्मक भेदभाव पर यू. जी. सी. प्रायोजित अल्पविधि पाठ्यक्रम
- विश्वविद्यालय और अन्य संस्थानों से प्रासंगिक जानकारी के प्रसार के मामले में और परीक्षा के लिए लेखकों की व्यवस्था में सहायता के मामले में कॉलेज के अलग–अलग अभ्यस्त छात्रों को सक्रिय समर्थन प्रदान करता है। अलग–अलग छात्रों के लिए अंतर–कॉलेज उत्सव आयोजित करता है।
- उत्सव में अंतर–महाविद्यालय प्रतियोगिताओं जैसे पोस्टर बनाने, गायन, नृत्य, रचनात्मक लेखन और रंगोली बनाना शामिल है।
- महाविद्यालय के शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण छात्र विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सांस्कृतिक और खेल प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।
- पी एच श्रेणी के अंतर्गत भर्ती छात्रों को ध्यान में रखते हुए सेल अपना कार्य करता है।

इस वर्ष इकवल आपुरचुनिटि सेल ने 28 मार्च, 2022 को एक आनलाइन व्याख्यान आयोजित किया। प्रो अशोक आचार्य, राजनीति शास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, ने 'इक्वल औपरचुनिटी बनाम इक्वल आउटकमः द थ्युरी ऐंड प्रेक्टिस आफ ऐफरमेटिव ऐक्शन' जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उनका व्याख्यान प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक एवं विचारणीय था।

व्याख्यान के अंत में श्रोताओं ने कईं प्रश्न भी किये जिसका जवाब प्रो. आचार्य ने सहजतापूर्वक दिया। इस व्याख्यान में 150 लोग उपस्थित थे।

4 अप्रैल 2022 को सेल ने इंटरा कालेज पोस्टर प्रतियोगिता "अनइकवलस कैनौट भी ट्रिटैड ऐज इकवल्सः ऐफरमेटिव ऐक्शन इन इंडिया" विषय पर करवाया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

उत्तर–पूर्वी समिति

शिक्षक संयोजिकाः डॉ. अरूणिमा दास, अंग्रज़ी विभाग

गार्गी कालेज के उत्तर–पूर्व सेल का गठन मार्च 2018 में उत्तर पूर्व भारत के आठ राज्यों के छात्रों को एकीकृत करने और बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था। समिति क्षेत्र की विविधता और समृद्धि पर ध्यान केंद्रित करने के लिए विभिन्न वार्ताओं और प्रतियोगिताओं को कराने हेतु एक मंच तैयार करने का प्रयास करती है। यह लोगों के बीच, खास तौर पर कालेज के लोगों के बीच, इस क्षेत्र की कम जानी जाने वाली संस्कृतियों के प्रति जागरूकता फैलाने की भी इच्छा रखती है, ताकि ना सिर्फ कालेज में बल्कि समाज में भी इन संस्कृतियों और इन्हें अपनाने वाले लोगों के प्रति समझ और एकता का भाव पैदा हो। वर्तमान में गार्गी कालेज में उत्तर पूर्व से 14 शिक्षिकाएं और लगभग 120 छात्राएं हैं।

इनेक्ट्स गार्गी

शिक्षक संयोजिका: डॉ. सीमा शर्मा, राजनीतिक विज्ञान विभाग

2013 में स्थापित इनेक्टस गार्गी अंतर्राष्ट्रीय एन–जी–ओ इनेक्टस की शाखा है। इनेक्टस गार्गी अपने चार प्रोजेक्ट्स रचना, आगाह, नीव और विकास के द्वारा समाज में परिवर्तन लाने में जुटी है। महामारी में अडिग रहकर इस सोसाइटी ने हमारी प्राचार्या डॉ. प्रोमिला कुमार और संकाय सलाहकार डॉ. शीला दुबे और डॉ. पायल जैन के समर्थन से नए मुकाम हासिल किए हैं। यह वॉलमार्ट की मेंटरशिप प्राप्त करने वाली प्रथम 8 टीमों में से एक बन गई। प्रोजेक्ट विकास के लिए सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार– बेस्ट कोलैबोरेटिव एंट्री जीतकर इस सोसाइटी ने आइडियाज़ फॉर इम्पैक्ट कॉन्टेस्ट के तहत 5,000 की प्रारंभिक धन–राशि प्राप्त की। प्रोजेक्ट रचना के दिव्यांग लाभार्थियों को ढांचागत और विज़ुअल मीडिया सहायता (संकेत भाषा प्रशिक्षण और कौशल विकास के लिए एल.ई.डी टीवी की स्थापना प्रदान करने के लिए पहली बार इनेक्टस गार्गी ने 50,000 का के.पी.एम.जी. बिजनेस एथिक्स ग्रांट 2020 भी प्राप्त किया। टीम ने अपने प्रमुख प्रोजेक्ट रचना और प्रोजेक्ट नीव को इनेक्टस इंडिया ऑनलाइन सम्मेलन और राष्ट्रीय प्रतियोगिता 2020 में प्रदर्शित किया।

सोसाइटी ने सत्र 2021–22 को हिंदुस्तान टाइम्स से मान्यता के साथ एक उच्च नोट पर शुरू किया, क्योंकि प्रमुख दैनिक ने एक लेख प्रकाशित किया जिसमें उपभोक्ता के बाद के वस्त्र कचरे के प्रबंधन में इसके प्रयासों की सराहना की गई, जबकि श्रवण बाधित महिलाओं के लिए रोजगार पैदा किया गया। अपनी आभासी मानसिक चिकित्सा पहल के एक भाग के रूप में, इसने मनोचिकित्सक सुश्री श्रेया जैन के साथ अनिश्चितता से जूझ रहे उम्मीदवारों की सहायता के लिए 'परीक्षा के दौरान तनाव और चिंता से कैसे निपटें' पर एक कार्यशाला भी आयोजित की।

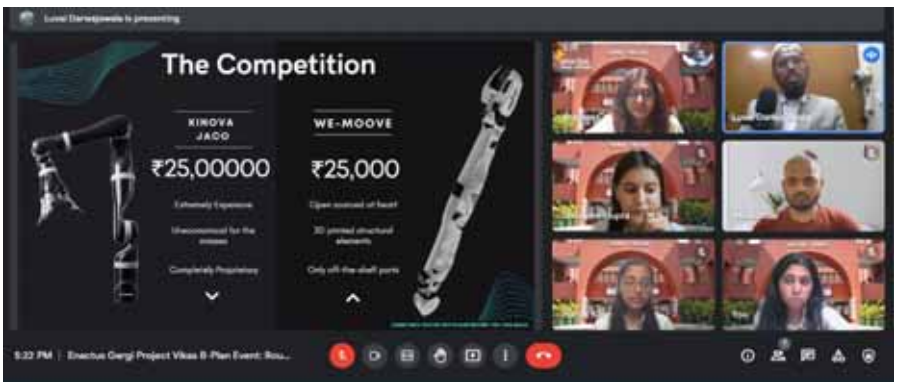

गाँधी अध्ययन मंडल

शिक्षक संयोजिका: डॉ. श्वेता मिश्रा, राजनीति विज्ञान विभाग

गाँधी स्टडी सर्कल की स्थापना कॉलेज में 2008 में इस उद्देश्य से की गयी थी कि युवा पीढ़ी द्वारा गाँधी की पुनः समीक्षा और उन पर वाद– विवाद किया जा सके। गार्गी कॉलेज का गाँधी स्टडी सर्कल न केवल कॉलेज के सभी सोसाइटी में बल्कि पूर्ण विश्वविधालय का एक प्रमुख सेल है।

यहाँ छात्र गाँधीवादी सिद्धांतों और प्रचलनों का हिस्सा बनते है। गाँधी स्टडी सर्कल कई कार्येक्रमों का आयोजन करता है जिसके द्वारा छात्रों, सर्कल के सदस्यों तथा गैर–सदस्यों दोनों को गाँधी के अहिंसक विचारों के बारे में जागरूक किया जाता है। सर्कल प्रसिद्ध विद्वानों को गाँधी तथा गांधीवादी विचारो के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान देने के लिये आमंत्रित करता है जिसके माध्यम से युवा पीढ़ी को गाँधी तथा गांधीवादी विचारों पर पुनः गौर करने, उनकी समीक्षा करने तथा उन पर चर्चा करने का अवसर दिया जाता है साथ ही उनमें गांधीवादी मूल्यों और आदर्शो को अपनाने का।

गाँधी स्टडी सर्कल का उद्देश्य

1. उनके बीच गांधीवादी मूल्यों और आदर्शो को विकसित करना।
2. गाँधी के सादगी और निंस्वार्थता के सिद्धांतो पर बल देते हुए छात्रों का सर्वांगीण विकास करना।
3. महात्मा गाँधी के कार्यों और दर्शन को समझना और क्रियान्वित करना
4. गाँधीवादी विचारधारा के प्रभाव और महत्व तथा समकालीन समय में उनकी प्रासंगिता के बारे में छात्रों को शिक्षित करना

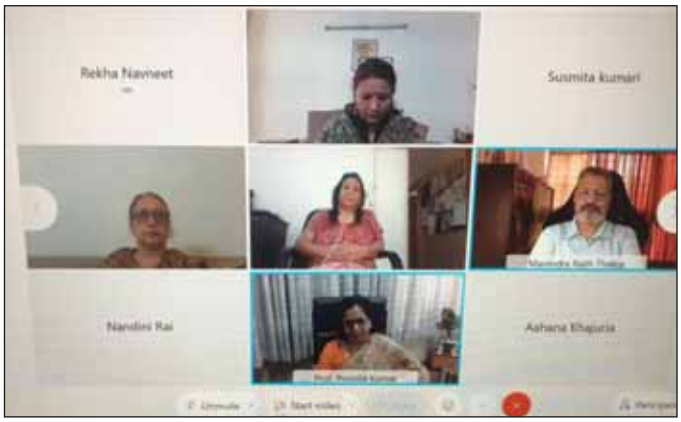

2021–22 के दौरान गतिविधियाँ

इस वर्ष 01 अक्टूबर, 2021 को गाँधी अध्ययन केन्द्र द्वारा "गाँधी एवं सर्च फॉर न्यू यूटोपिया" विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें डॉ. मनिन्दर ठाकुर, एसोसिऐट प्रोफेसर, सेंटर फॉर पोलिटिकल स्टडीज, जे. एन.

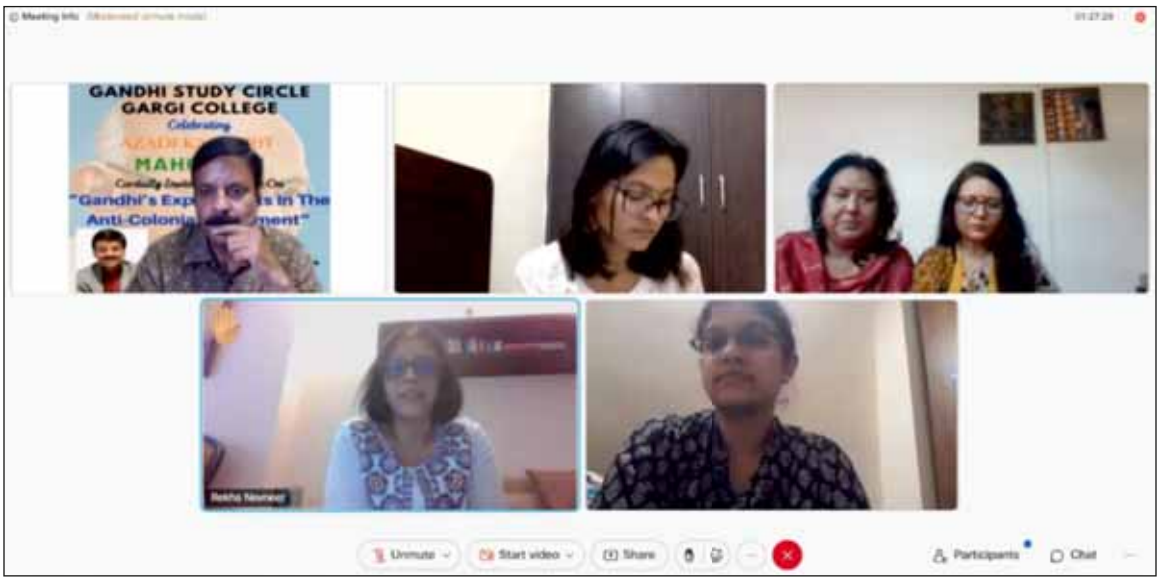

यू. ने अपना व्याख्यान दिया। 26 मार्च, 2022 को गाँधी अध्ययन केन्द्र ने एक अन्य व्याख्यान विषय "उपनिवेशिक विरोधी आन्दोलन में गाँधी के प्रयोग" का आयोजन किया। जिसमें डॉ. भुवन झा, असिस्टेंट प्रोफेसर, इतिहास विभाग, सत्यवती कॉलेज तथा डिप्टी डायरेक्टर, सेन्टर फॉर ग्लोबल स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपना व्याख्यान दिया। इन दोनों के व्याख्यान प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक एवं कर्तव्यबोध को दर्शाने वाला था।

30 मार्च, 2022 को इंट्रा कॉलेज पोस्टर और स्लोगन प्रतियोगिता "गाँधी एवं उपनिवेश विरोधी" विषय पर आयोजित की गई । इन दोनों प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया। ऑल इंडिया रेडियो द्वारा आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव के "AIRNxt कार्यक्रम" में 06 विद्यार्थियों ने भाग लिया । इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के स्वतंत्रता के संबंध में युवाओं के दृष्टिकोण एवं उनकी आवाज को जानना था ।

मार्केटिंग समिति

शिक्षक संयोजिका: सुश्री सुमन्त मीणा, वाणिज्य विभाग

गार्गी कॉलेज की मार्केटिंग समिति की स्थापना 2013 में अपने सदस्यों को मार्केटिंग क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों के संपर्क में लाने के लक्ष्य के साथ की गई थी। यह उन महिलाओं द्वारा प्रशासित एक मजबूत इरादों वाली अभिनव संस्था रही है जो अपनी क्षमता से अधिक सीखना चाहती हैं।

समय बीतने के साथ टीम बढ़ी है, चाहे वह आकार हो या ऑनलाइन उपस्थिति हो। इस मुश्किल समय में भी टीम लचीला साबित हुई है और अपनी शिक्षण–सीखने की प्रक्रिया पर दृढ़ रही है। इस वर्ष टीम ने मार्केटिंग के विभिन्न नए पहलुओं पर ध्यान दिया और इसे सबसे दिलचस्प मीडिया प्रस्तुतियों के साथ जीवंत बनाना सुनिश्चित किया।

हर साल,एक पूर्वनिर्धारित थीम के साथ दो इवेंट अलोहोमोरा और एबुलियंस की मेजबानी करते हैं। एबूलीन्स, हमारे ऑनलाइन मार्केटिंग सप्ताह में, दिल्ली विश्वविद्यालय, IIT, BITS पिलानी, और कई अन्य कॉलेजों के 180 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम तीन दिनों तक चला और इसमें ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आयोजित समापन समारोह सहित तीन कार्यक्रम थे। टीम ने अतिथि वक्ताओं के साथ 'रचनात्मकता: नई प्रतिस्पर्धात्मक लाभ' विषय पर एक व्यवहारिक और मनोरंजक वेबिनार के साथ इस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया। अंकिता चावला, जिन्हें इंस्टाग्राम पर हसलरानी के नाम से भी जाना जाता है, जो एक मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव और एक कंटेंट क्रिएटर हैं।

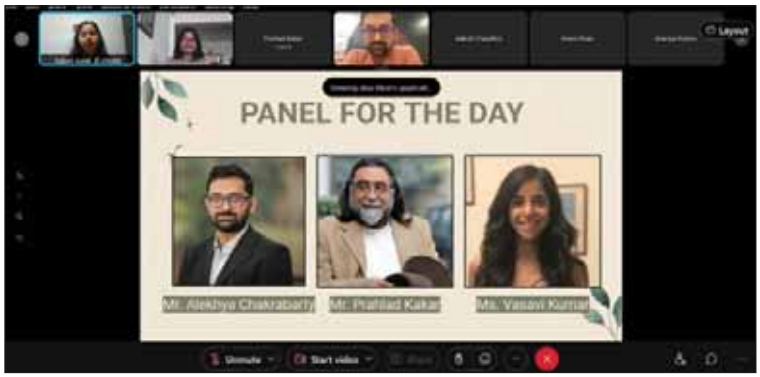

अलोहोमोरा में पूरे भारत के कॉलेजों के कई छात्रों ने भाग लिया। यह दो कार्यक्रमों और एक वेबिनार के साथ तीन दिनों तक चला। समापन समारोह के लिए, हम श्री अलेख्य चक्रवर्ती (विपणन प्रमुख, सनस्टोन, पूर्व विपणन प्रमुख नेस्ले), श्री प्रह्लाद कक्कड़ (भारतीय विज्ञापन फिल्म निदेशक), और सुश्री वासवी कुमार (विपणन और रणनीति सलाहकार, वोग्यू) को सुन कर खुश थे।

मार्केटिंग के क्षेत्र में अपने दर्शकों को समग्र प्रदर्शन से लैस करने पर एक दृढ़ ध्यान देने के साथ हमने अपने अभियानों के लिए इंस्टाग्राम पर विभिन्न लोकप्रिय मार्केटिंग पेजों से मान्यता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त किया। इस साल लिंक्डइन से जुड़कर टीएमएस ने पहला कदम उठाया। हमने इस साल 31 मई 2021 को लिंक्डइन पर पोस्टिंग और सहभागिता शुरू की, ताकि अधिक रणनीतिक दिमागों के साथ व्यावसायिकता और विचारधाराओं का मिलान किया जा सके। इस प्रकार हमारा उद्देश्य छोटे से शुरू करना और कुछ बड़ा करना है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी)

शिक्षक संयोजिका: डॉ. पूर्णिमा अग्रवाल, दर्शनशास्त्र विभाग

एनसीसी एक कैडेट के समग्र व्यक्तित्व को आकार देने और अप्रत्याशित चुनौतियों के लिए जीवन के नए क्षेत्रों के लिए तैयार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गार्गी कालेज की एनसीसी इकाई न केवल युवाओं की मदद करने के लिए बल्कि बड़े कारण के लिए भी प्रतिबद्ध है, जैसे कि देश की सेवा करने और इसे अधिक चुनौतीपूर्ण समय के लिए तैयार करने में मदद करना। यह संबंधित स्थलों पर फायरिंग, राकक्लाइंबिंग, पैराशूटिंग, ट्रेकिंग, फ्लाइंग, पैराग्लाइडिंग, स्नो स्कीइंग, पर्वतारोहण, रीवर राफ्टिंग इत्यादि जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस)

कार्यक्रम अधिकारीः डॉ. निशा सैनी, रसायनिकी विभाग

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), गार्गी कॉलेज की इकाई दिल्ली विश्वविद्यालय की सबसे सक्रिय इकाइयों में से एक है, एवं युवाशक्ति के व्यक्तित्व विकास और समाज सेवा के लिए सदैव कार्यरत है। एनएसएस गार्गी 1000 स्वयंसेवकों का समूह है, जो इसे गार्गी कॉलेज का सबसे बड़े समिति का रूप देता हैं। एनएसएस में छात्रों का सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास के साथ साथ मानवता की सेवा करने की प्रेरणा मिलती है। आजादी के 75वें वर्ष पर 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अवसर पर स्वतंत्रता की भावना का जश्न मनाते हुए, एनएसएस गार्गी ने पूरे साल कई गतिविधियों, सत्रों और ज्ञानवर्धक वार्ताओं का आयोजन किया और इस आदर्श वाक्य 'मैं ही नहीं, आप भी' के क्षितिज का विस्तार किया। विभिन्न दान अभियान, समूह चर्चा, फिल्म स्क्रीनिंग, विभिन्न प्रतियोगिताओं, प्रतिज्ञाओं, एनएसएस दिवस की स्मृति, वार्षिक उत्सव जिस्तत्व और एनजीओ मेला, संविधान दिवस, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, मतदाता दिवस, वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान और प्राइड मंथ सहित 180 से अधिक युवा केंद्रित गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इनायत–सद्भावना दिवस और रक्तदान शिविर– 'समर्पण' जैसे प्रमुख एनएसएस कार्यक्रम आयोजित किए गए। एनएसएस दिवस 2021 – 'उमंग' भी एक ज्ञानवर्धक पैनल चर्चा और परियोजना प्रस्तुति प्रतियोगिता– उड़ान के साथ सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। एनएसएस गार्गी ने अपने स्वयंसेवकों को 'देश के मेंटर्स प्रोग्राम' से जोड़ने के लिए दिल्ली सरकार के साथ भी सहयोग किया। कॉलेज परिसर में थैलेसीमिया जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा अनूठी पहल के माध्यम से विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर जनता को जागरूक करने के लिए विभिन्न ऑनलाइन अभियान आयोजित किए गए।

एनएसएस गार्गी का वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव – 'जिस्तत्व' सफलतापूर्वक आयोजित किया गया जहाँ ई–एनजीओ मेला में 14 सामाजिक उद्यमी संस्थाओं को एनएसएस गार्गी की वेबसाइट के माध्यम से अपने उत्पादों को डिजिटल रूप से बाजार में लाने में मदद की गई। छात्र स्वयंसेवकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने प्रतिभा खोज, प्रश्नोत्तरी, प्रेरक वार्ता, कॉमेडी नाइट, ओपन माइक, वर्कशॉप इत्यादि जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ देश की समृद्ध महिमा और ज्वलंत पारंपरिक विरासत का सार प्रसारित किया।

एनएसएस गार्गी ने संयुक्त राष्ट्र संघ के एसडीजी पर अतिरिक्त समझ के लिए यूपीजीएसएल के सहयोग से ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने के लिए 2 दिवसीय पर्यावरण अभियान चलाया गया। बाल श्रम के खिलाफ विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर स्वयंसेवकों के माध्यम से बाल श्रम के बहिष्कार हेतु साक्षात्कार आयोजित किया। एनएसएस गार्गी ने बाल शोषण पर जागरूकता लाने के लिए रक्षिन परियोजना के साथ भी हाथ मिलाया। प्राइड मंथ के दौरान गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसका समापन एक प्रगतिशील सत्र 'ह्यूज ऑफ प्राइड' में हुआ।

फिटनेस और पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए कई गतिविधियां भी आयोजित की गईं 'कुदरत' नामक पर्यावरण जागरूकता पर एक सप्ताह तक चलने वाले अभियान ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से हरित संवेदीकरण का प्रचार किया। टाइड टर्नर प्लास्टिक चैलेंज पर सत्र और बूटकैंप भी आयोजित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में एनएसएस ने घर पर योग पर 5 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। फिट इंडिया फ्रीडम रन के तहत प्लॉगरन का आयोजन किया गया। एक पखवाड़े की अवधि के लिए स्वच्छता पखवाड़ा 2021 के तहत गतिविधियां भी आयोजित की गईं। एनएसयूटी के साथ एनएसएस गार्गी ने भी 'योग फॉर न्यूट्रिशन' का पोशन अभियान के तत्वावधान में आयोजन किया। जानवरों और पक्षियों के सर्वोत्तम हित के लिए स्वयंसेवकों द्वारा दयालुता अभियान जैसी कई पहल की गईं।

कोविड–19 योद्धा सप्ताह के तहत कोविड जागरूकता फैलाने के लिए गतिविधियाँ आयोजित की गईं। दूसरी लहर के दौरान टीकाकरण जागरूकता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए, एनएसएस गार्गी ने टीकाकरण डायरी का आयोजन किया। डीसीएफआरसी के सहयोग से तनाव प्रबंधन, कैंसर की रोकथाम और उपशामक देखभाल पर वेबिनार भी आयोजित किए गए।

एनएसएस गार्गी ने यूथ अपस्किलिंग को शून्य कर दिया और 'स्किल इट' शीर्षक से 3 दिवसीय युवा कौशल कार्यशाला का आयोजन किया। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। मातृ और शिशु पोषण अभियान के तहत स्तनपान को सामान्य करने के प्रयास में स्तनपान सप्ताह आयोजित किया गया। महिला समानता दिवस के अवसर पर अपने अधिकारों को जानें वेबिनार का आयोजन किया गया। स्तन कैंसर जागरूकता और मासिक धर्म स्वच्छता और प्रजनन स्वच्छता पर वेबिनार भी आयोजित किए गए। एनएसएस गार्गी के मासिक धर्म कैफे पहल के तहत 7 दिवसीय मासिक धर्म जागरूकता अभियान भी चलाया गया।

जीएसएस ने विभिन्न गैर–लाभकारी संगठनों के साथ हाथ मिलाया है। विशेज एंड ब्लेसिंग्स फाउंडेशन, कनेक्टिंग ड्रीम्स फाउंडेशन गार्गी, और विद्या ज्योति प्रोजेक्ट, के तहत स्वयंसेवक कला और शिल्प कार्यशालाएं आयोजित करते हैं, बच्चों को पढ़ाते हैं, कौशल विकास और सह–पाठ्यचर्या कार्यशालाएं आयोजित करते हैं, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर सत्र आयोजित करते हैं और विशेज एंड ब्लेसिंग स्क्वाड फॉर चेंज के अंतर्गत बदलाव के लिए विभिन्न अभियानों का आयोजन करते हैं। सीडीएफ गार्गी के सहयोग से प्रोजेक्ट किलकारी और अफलाज में, एक से एक शिक्षण सत्र आयोजित किए जाते हैं जो बच्चों के समग्र विकास पर केंद्रित होते हैं। विजनरीज में, छात्र दृष्टिबाधित छात्रों के लिए ऑडियो पुस्तकें रिकॉर्ड करते हैं। जीएसएस स्वयंसेवक एशियाड गांव में सामुदायिक केंद्र का दौरा करते हैं और छात्रों को उनके लिए मजेदार नृत्य कार्यशालाओं का आयोजन करते हुए उनकी परीक्षा के लिए संशोधित करने में मदद करते हैं। फैमिली ऑफ डिसेबल्ड और उन्नत हेल्थकेयर फाउंडेशन में, फोटोग्राफी, वीडियो संपादन, सामग्री लेखन, पत्रकारों को उनके विपणन में मदद करने के लिए जीएसएस के कुशल स्वयंसेवक प्रयासरत हैं।

एनएसएस गार्गी डीयू सर्किट में अग्रणी इकाईयों में से एक है। हाल ही में, एनएसएस गार्गी को एनएसएस हंसराज और एनएसएस एसआरसीसी के साथ आईआईटी दिल्ली में काइजन–एनएसएस कार्य प्रस्तुति प्रतियोगिता में 3 सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली एनएसएस इकाइयों में से एक के रूप में घोषित किया गया है और इसी के साथ साथ एनएसएस गार्गी ने एनएसएस शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज में भी शीर्ष स्थान हासिल किया।

युवा एवं खेल मंत्रालय के कई वेबिनार में स्वयंसेवकों ने भाग लिया जिसमें युवाओं पर एनईपी के प्रभाव और राष्ट्रीय युवा पुरस्कार समारोह और राष्ट्रीय युवा महोत्सव शामिल थे। दृश्य हानि के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए व्हाइट केन

जागरूकता दिवस भी मनाया गया। एनएसएस विशेष शिविर भी बहुत उत्साह के साथ चलाया गया है जहां स्वयंसेवकों ने एक प्लॉग रन, जागरूकता रैली और हमारे दत्तक गांव शाहपुर जाट में एक सर्वेक्षण भी किया जिसने समाज सेवा की भावना को और आगे बढ़ाने में मदद की।

मानवता की सेवा करने वाले कर्तव्यनिष्ठ और आत्मविश्वास से भरे नागरिकों को तैयार करने की दृष्टि से, एनएसएस गार्गी का प्रत्येक सदस्य, सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन, राष्ट्रवाद, प्रजातंत्र, धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक सद्भावना, वैज्ञानिक रुझान के विकास जैसे समाज कल्याण के उद्देश्यों को सफल करने हेतु प्रेम और सेवाभाव के साथ सदैव कार्यरत होता है।

उन्मुक्ति, महिला विकास केन्द्र

शिक्षक संयोजिका: डॉ. मंजू खोसला, वाणिज्य विभाग

गार्गी कालेज का नाम एक अत्यंत साहसी और सुशिक्षित महिला के नाम पर रखा गया है, जो लाजवाब करने वाले प्रश्न पूछने में निर्भीक थीं। उन्मुक्ति, महिला विकास केन्द्र (डब्ल्यू डीसी) एक ऐसा स्थान है जो आज की औरत को स्वतंत्र, निर्भीक और गरिमामयी रूप में विकास करने की, उसकी क्षमता को सम्मानित करने का मौका देने के लिए प्रयासरत है।

हमारा कॉलेज स्नातक विद्यार्थियों के लिए लिंग और यौन आधारित विषमता, जो हमारे दिन–प्रतिदिन के जीवन की कठोर और तकलीफ देह सच्चाई बनी हुई है, इसके बारे में विचार करने, बात करने और इस पर काम करने के लिए एक गतिशील मंच है। विद्यार्थियों को लिंग भेद, लिंग–निर्धारण के बारे में सोचने और यह सोचने के लिए– कि लिंग भेद के नाम पर अपने ऊपर थोपे गए प्रतिबंधों से बाहर कैसे निकला जाए– सक्षम बनाने के अतिरिक्त, साथ ही पारम्परिक रूप से जुडी हुई आंतरिक शिकायत समिति (यौन उत्पीड़न के खिलाफ), उन विद्यार्थियों को समर्थन और समाधान मुहैया कराती है जो विश्वविद्यालय के भीतर लिंग भेद आधारित उत्पीड़न का सामना करती हैं और इसका प्रतिरोध करती हैं।

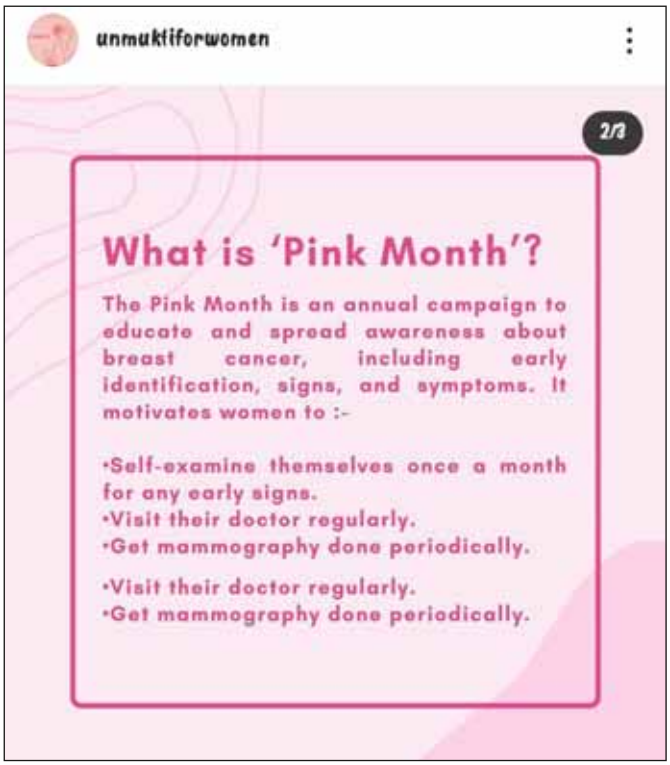

समिति द्वारा मुहैया कराई जाने वाली सेवाएं गार्गी विद्यार्थी समुदाय के सभी सदस्यों के लिए उपलब्ध हैं, यह विद्यार्थियों को केंद्रीय टीम में सदस्यता लेने और 60 घंटे की गतिविधियों, विविध कार्यशालाओं, सेमिनारों, वार्ताओं, वाद–विवाद, चर्चाओं और क्षेत्र के दौरों (फील्ड ट्रिप) में सहभागिता करने के लिए भी उनका हार्दिक स्वागत करता है। हमारी समस्त गतिविधियां लिंगभेद की प्रकृति वाले बहुविध मुद्दों से जुड़ी हुई हैं, चाहे वे कानूनी हों, आर्थिक, सामाजिक या सांस्कृतिक हों। हमारा केन्द्र बिन्दु अनेक स्तरों पर अकादमिक अवसर और कौशल विकास प्रदान करने पर है। हम विद्यार्थियों को दिन प्रतिदिन के शारीरिक उत्पीड़न से कैसे निपटा जाए, इसके लिए सशक्त बनाते हैं, उदाहरण के लिए आत्म–रक्षा प्रशिक्षण के जरिए, जो हम दिल्ली पुलिस के सहयोग से मुहैया कराते हैं। हम बाल–उत्पीड़न, यौन–आधारित हिंसा और उत्पीड़न से बचने, पुलिस प्रक्रियाओं, कानूनी निवारण जैसे विषयों पर गहन कौशल–विकास कार्यशालाएं आयोजित करते हैं ताकि जब विद्यार्थियों के सामने ये चुनौतियां आएं तो वे इनका सामना करने के लिए अधिक संसाधन–सम्पन्न बन सकें।

हमारा बाहरी विद्यार्थी प्रकोष्ठ, दिल्ली के बाहर से आने वाली विद्यार्थियों – जो कालेज के नियमित निकाय का एक बड़ा हिस्सा हैं– को सहायता उपलब्ध कराता है, जिसमें दिल्ली शहर पर मार्गदर्शक पुस्तिकाएं, पेइंग गेस्ट आवास/होस्टलों पर सामग्री, स्वास्थ्य सुविधाएं और ऐसी ही अन्य सहायताएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्ति, हम लागत के आधार पर एक सेनीटरी नेपकिन वेंडिंग मशीन के साथ–साथ कालेज की किसी भी सदस्या के बच्चों के लिए डे–केयर सुविधा का संचालन भी करते हैं जिन्हें ऐसी सेवाओं की आवश्यकता है।

केंद्र, अपने वार्षिक उत्सव के अलावा, अतिरिक्त (Add-on)/प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम (जैसे 'लिंगभेद और कानून') भी चलाता है जो पाठ्यक्रम के दायरे से बाहर अकादमिक अवसर प्रदान करता है। हमारी कार्रवाई–आधारित शोध परियोजनाएं, जैसे कालेज के आस पास के निकटवर्ती क्षेत्रों (Zone) का सेफ्टी ऑडिट, के परिणामस्वरूप विद्यार्थियों को उन क्षेत्रों में, जिनमें से वे गुजरती हैं, बेहतरी लाने में मदद करने के अतिरिक्त–सहभागी विद्यार्थियों के लिए प्रकाशन योग्य लेखन को भी प्रोत्साहित करता है।

उन्मुक्ति विद्यार्थियों को आमंत्रित करता है कि वे एक विषम लैंगिक संसार में बदलाव (चाहे वह छोटा हो या बड़ा) लाने के अवसर का लाभ उठाने के लिए इसमें शामिल हों।

गार्गी मीडिया सेल

शिक्षक संयोजिका: प्रो. ज्योति रैना आनन्द, प्राथमिक शिक्षा विभाग

मार्च 2020 में स्थापित गार्गी कॉलेज मीडिया सेल का उद्देश्य समय के साथ आगे बढ़ने, जुड़े रहने और अधिक से अधिक हितधारकों, विशेष रूप से छात्रों तक पहुंचने के महत्व को स्वीकार करते हुए शिक्षा के मूल्य को बढ़ाना है।

महामारी के समय में जब कॉलेज को अपने छात्रों, पूर्व छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए सोशल मीडिया की उपस्थिति की आवश्यकता थी, तीन आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर प्लेटफॉर्म पर बनाए गए।

हमारे आधिकारिक पोस्ट समुदाय को इस बात की सटीक तस्वीर देते हैं कि गार्गी क्या हासिल कर रही है और कॉलेज परिसर में आयोजित (यद्यपि वस्तुतः) नवीनतम घटनाओं (घटनाओं, वेबिनार, शैक्षणिक और सह–पाठयक्रम कार्यक्रमों आदि) को साझा करने में सक्षम बनाती है। यह छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों, अभिभावकों, पूर्व छात्रों, प्रशंसकों और दोस्तों से सीधे और तुरंत प्रतिक्रिया और सुझाव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है। यह कॉलेज को प्रत्यक्ष हितधारकों (अर्थात् संकाय, छात्रों, कर्मचारियों, पूर्व छात्रों) की कैरियर उपलब्धियों को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है, जो हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

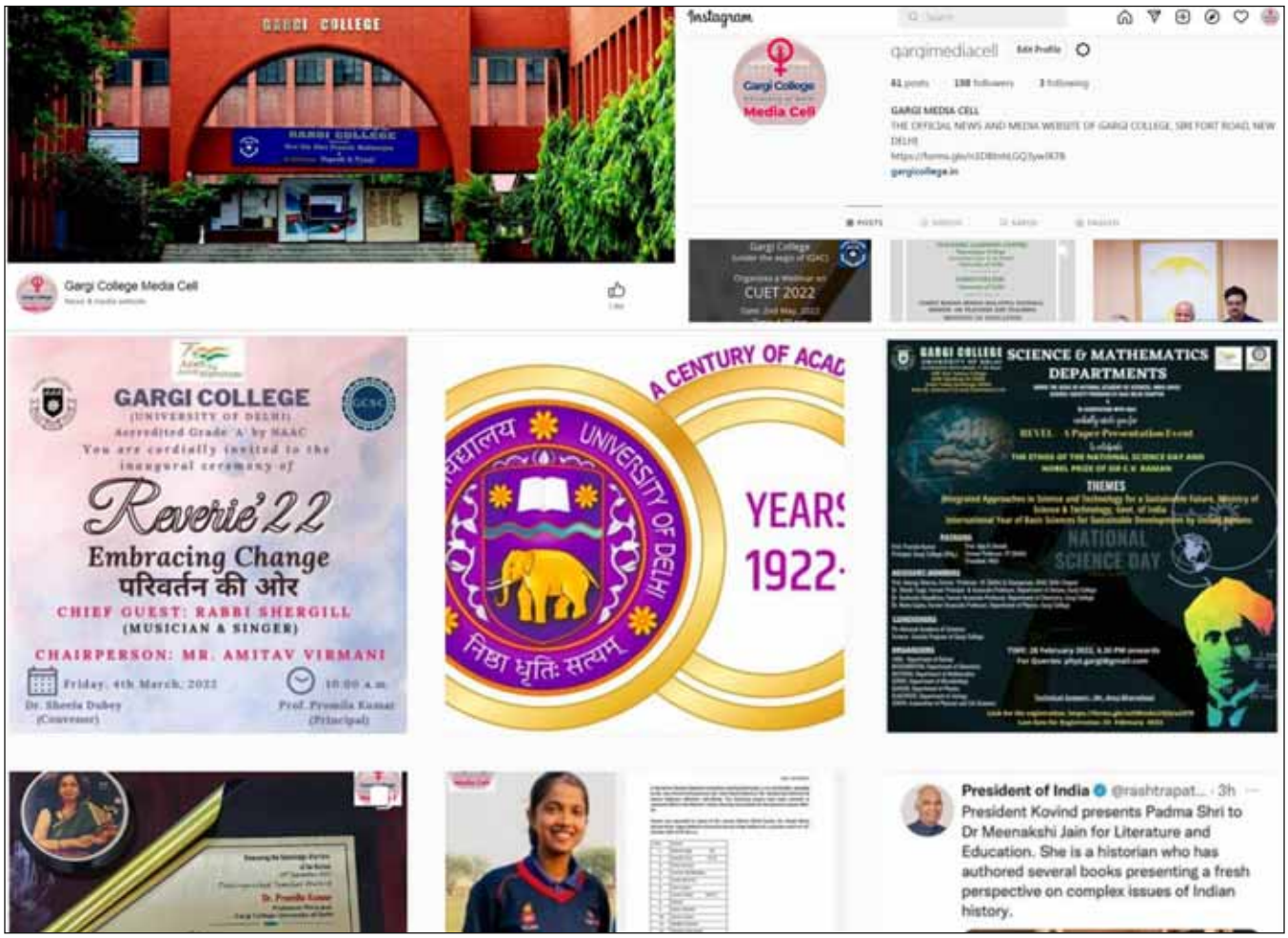

हम छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों को आपस में जुड़े रहने और अपडेट रहने के लिए इन खातों का अनुसरण करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

आईक्यूएसी रिपोर्ट

शिक्षक संयोजिका: सुश्री सैलजा मोडेम, प्राथमिक शिक्षा विभाग

आंतरिक सहभागिता:

- नैक संचालन समिति के साथ सहभागिता
- प्लेसमेंट सेल – एसओपी का निरंतर परिशोधन, वार्षिक समीक्षा, द्वितीय ऑनलाइन इंटर्नशिप मेला और ग्रूमिंग और प्रशिक्षण सत्रों के लिए उद्योग के साथ सहभागिता।
- प्राणी विज्ञान विभाग – अल्बाट्रॉस, गार्गी कॉलेज की जूलॉजिकल सोसायटी, ने पूर्व छात्रों के साथ कैरियर परामर्श श्रृंखला–2 के अंतर्गत पारस्परिक विचार–विमर्श आयोजित किया।

अक्टूबर और जनवरी में

- 13–15 जनवरी 2022 को दुधवा टाइगर रिजर्व की वर्चुअल जंगल सफारी
- क्रोनोबायोलॉजी विषय पर 'एन इंट्रोडक्शन' शीर्षक पर 6 अक्टूबर 2022 को उद्घाटन व्याख्यान किया गया।
- विज्ञान और गणित विभागों ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस और सर सी.वी. रमन के नोबेल पुरस्कार के लोकाचार का जश्न मनाने के लिए REVEL, एक पेपर प्रस्तुति कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पेपर प्रेजेंटेशन इवेंट के विषय थे :–

- एक सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार
- संयुक्त राष्ट्र द्वारा सतत विकास के लिए बुनियादी विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष '26 फरवरी 2022 को प्रोफेसर वंदना अरोड़ा और टीम द्वारा आयोजित दिल्ली चैप्टर और आईक्यूएसी द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (NASI) के तत्वावधान में 'बौद्धिक संपदा अधिकारों का अवलोकन' पर एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजन किया गया।
- दिल्ली विश्वविद्यालय की एक पहल विद्या विस्तार योजना के तहत 26 अक्टूबर 2021 को गार्गी कॉलेज और गवर्नमेंट मॉडल डिग्री कॉलेज, पदुम जांस्कर, लद्दाख विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। दिल्ली विश्वविद्यालय की एक पहल, विद्या विस्तार योजना के तहत, अप्रैल के लिए सत्र निर्धारित: विचारों का संगम, विचारों का आदान–प्रदान के बीच जीएमडीसी–जांस्कर, लद्दाख–गार्गी कॉलेज, दिल्ली का जांस्कर से परिचय, जांस्कर के सांस्कृतिक और संजाति विषयक त्यौहार, पठन अभ्यास, खोज इंजन की कार्यक्षमता और भारत सरकार द्वारा शिक्षा में डिजिटल पहल और बिना किसी भय के गणित तक की पहुँच।
- एक कार्यक्रम/पाठ्यक्रम की सीमा के साथ कौरसेरा (निरंतरता) के साथ समझौता ज्ञापन।
- आईसीटी अकादमी के साथ समझौता ज्ञापन
- छात्रों के लिए रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस मनी सोशल इनिशिएटिव के सहयोग से
- आईसीटी अकादमी द्वारा 80 घंटे की वित्तीय साक्षरता का आयोजन किया गया। संकाय सलाहकार: डॉ निधि और डॉ अंजनी आनंद
- 28 मार्च को 240 घंटे का सर्टिफिकेट प्रोग्राम, जिसका शीर्षक था, 'स्टूडेंट ट्रांसफॉर्मेशन प्रोग्राम'– बीपीएस इंश्योरेंस (यूएस प्रोसेस) और सेल्फ–मैनेजमेंट में स्किल ट्रेनिंग। कौशल प्रशिक्षण डीएक्ससी प्रौद्योगिकी और आईसीटी अकादमी की एक सीएसआर पहल है जो छात्रों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार प्रशिक्षित और कौशल प्रदान करती है जो छात्रों को उद्योग के लिए तैयार संसाधन बनाने में सक्षम बनाएगी। संकाय सलाहकार: प्रोफेसर शशि चावला, श्री रमाकांत प्रसाद और श्री मोहित अबरोल।
- छात्रों और कर्मचारियों के लिए कौशल आधारित कार्यक्रमों पर आईबीएम स्किल्सबिल्ड कंट्री पार्टनर–सीएसआरबीओएक्स के साथ एलओयू।

प्लेसमेंट सेल

शिक्षक संयोजिका: सुश्री सैलजा मोडम, प्राथमिक शिक्षा विभाग

गार्गी कॉलेज प्लेसमेंट सेल का उद्देश्य छात्राओं को व्यावहारिक अनुप्रयोगों और शैक्षिक ज्ञान के साथ उद्योग के लिए तैयार करना है। यह व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कराने के लिए हम छात्राओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करवाते है जिससे उनको उद्योग में काम के पैटर्न और उद्योग की अपेक्षाओं के बारे में जानकारी हासिल हो।

कुल 157 कंपनियां जैसे डेलॉइट यूएसआई केपीएमजी ईवाई जीडीएस डी.ई. शॉ. एक्सेंचर प्राइसवाटरहाउस कूपर्स यूके बीडी इंडिया प्रोटिविटी इंडिया ने 2020–21 में अवसर प्रदान किए। उच्चतम पैकेज 21–25 लाख प्रति वर्ष का है जो एक वैश्विक निवेश और प्रौद्योगिकी विकास फर्म डी.ई शॉ ग्रुप द्वारा पेश किया गया है, इसके बाद नेशन विद नमो और बीडी इंडिया है।

361 संगठनों ने छात्राओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए। उनमें से कुछ थे जोमैटो फीडिंग इंडिया लीडो लर्निंग हिंदुस्तान टाइम्स बजाज कैपिटल नेशन विद नमो और ईगो पाठशाला।

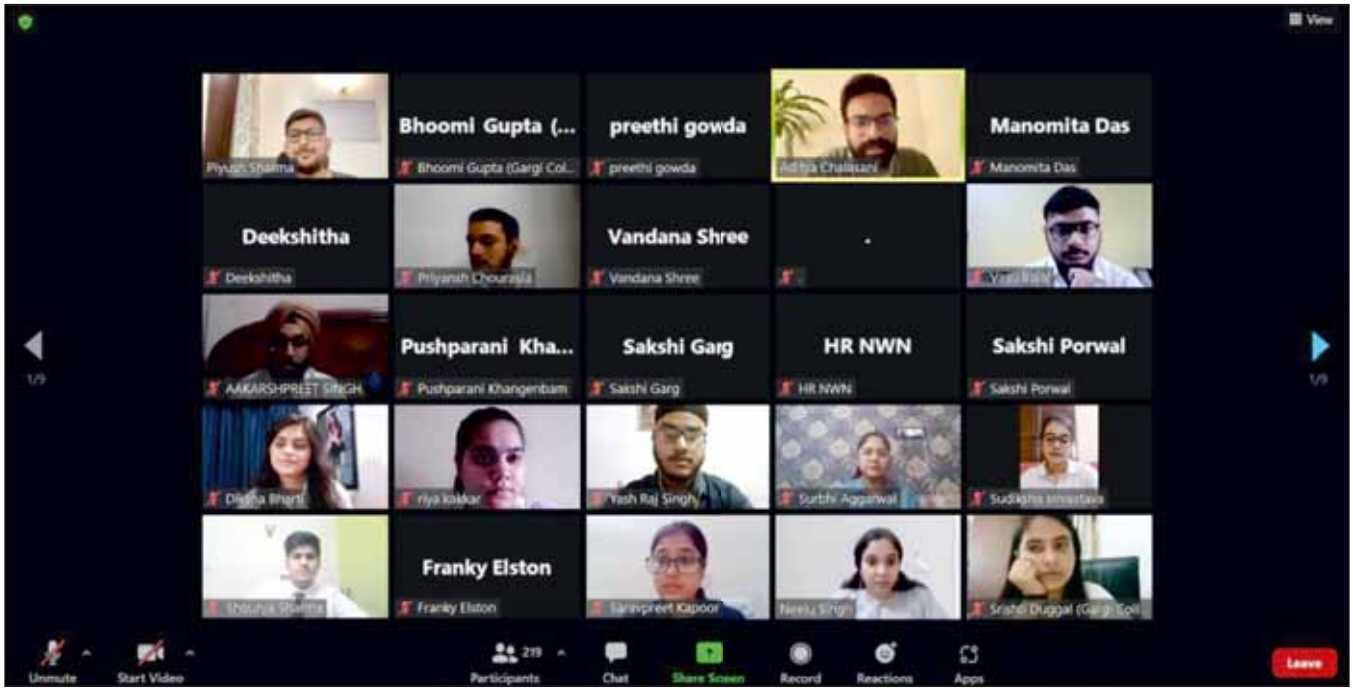

एस.पी. चोपड़ा एंड कंपनी महेश बंसल एंड कंपनी ने अंतिम वर्ष और भूतपूर्व छात्राओं को आर्टिकलशिप के अवसर भी प्रदान किए थे।

कोर्सेरा के माध्यम से पाठ्यक्रम को आगे बढ़ाने के अवसर प्रदान करने से कार्यशालाओं में भाग लेने से लेकर वस्तुतः पहला इंटर्नशिप मेला आयोजित करने तक, इस महामारी में गार्गी कॉलेज की छात्राओं के लिए सीखना बंद नहीं हुआ है।

श्री वी नंदकुमार (आईआरएस अधिकारी) द्वारा सिविल सेवा मुकेश पोद्दार (माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस विशेषज्ञ) द्वारा 3 इन 1 एमएस ऑफिस जैसे विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित की गईं हैं। छात्राओं की सुविधा के लिए वित्त में करियर केस सॉल्विंग अनुमान और रूपरेखा जैसे विषयों पर वेबिनार साल भर आयोजित किए गए हैं। हमारी छात्राओं ने डेलॉइट के ग्रेजुएट स्कूल मावेरिक प्रोग्राम में शीर्ष 5 टीमों में स्थान बनाया साथ ही ईवाई जीडीएस के यंग टैक्स प्रोफेशनल ऑफ द ईयर में भी शीर्ष 20 में जगह बनाकर विद्यालय का नाम रोशन करने के लिए लगातार प्रयास किया है।

हम छात्राओं को व्यक्तिगत साक्षात्कार समूह चर्चा को क्रैक करने और विभिन्न पहलुओं की मदद से उनके ज्ञान को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करके उन्हें तैयार करते हैं। रेस टू ऐस हमारी ऐसी पहली पहल का उद्देश्य छात्राओं को उनके कॉलेज के वर्षों का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए मार्गदर्शन करना था। माइंड स्क्रिबल हमारी व्हाट्सएप पहल के दूसरे संस्करण की योजना छात्राओं के ज्ञान को बढ़ाने के लिए बनाई गई थी।

हम अपनी टीम के सदस्यों को मानक संचालन प्रक्रियाओं को विकसित करके लक्ष्य निर्धारित करके और उनका विश्लेषण करके एक समूह में काम करने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। प्लेसमेंट सेल के सदस्य न केवल कॉर्पोरेट जगत के कामकाज में एक्सपोजर और अंतर्दृष्टि प्राप्त करते है बल्कि यह भी सीखते है कि गुणवत्तापूर्ण शोध कैसे करें तार्किक विचार प्रक्रियाओं को अनुक्रमित करें और उच्च गुणवत्ता वाले परिणाम दें। हम अपने दल में नए बैच का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

अवसंरचना और सुविधाएं

प्रेक्षागृह

कालेज के लिए गर्व का विषय है कि इसके पास अपना स्वयं का अत्याधुनिक प्रेक्षागृह है जो मुख्य तल और मैजेनाइन (रंगमंच के नीचे का तल) में व्याप्त 750 की बैठने के क्षमता सहित वास्तु की नफासत की पराकाष्ठा का नमूना है। प्राकृतिक प्रकाश से युक्त और मेज–कुर्सियों से सुसज्जित हवादार, विशाल पोर्टिका टयूटोरियल कक्षाओं के आयोजन के लिए एक शांत स्थल का काम करता है। प्रेक्षागृह का ब्लॉक पूरी तरह से वातानुकूलित है और सौर प्रकाशन उपकरणों से युक्त है।

जैव सूचना विज्ञान अवसंरचना सुविधा (बी.आई.एफ.)

गार्गी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के दो कालेजों में से एक इकलौता महिला महाविद्यालय है जिसमें जैव सूचना विज्ञान अवसंरचना सुविधा (बी.आई.एफ.) है (जिसकी अर्थव्यवस्था अनुरक्षण और संबद्ध व्ययों के लिए वार्षिक अनुदान के साथ डीबीटी द्वारा की जाती है)। विज्ञान की किसी भी विधा के स्नातक छात्र संकाय के मार्गदर्शन से जैव सूचना विज्ञान के प्रोजेक्ट कार्यान्वित कर सकते हैं।

बुक शॉप

एक बुक शॉप जिसमें आकर्षक छूट प्रदान की जाती है, विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए अध्ययन पुस्तकों के साथ–साथ स्टेशनरी उत्पादों से भी युक्त है। यह पुस्तकालय के रास्ते में स्थित है।

कम्प्यूटर प्रयोगशालाएं

विविध प्रकार के संशोधित और पुनःसंरचित पाठ्यक्रमों के लागू होने से 'कम्प्यूटर' स्नातक के विद्यार्थियों के अध्ययन का अभिन्न अंग बन चुका है। कालेज में वाई–फाई कनेक्टिविटी वाले 110 कम्प्यूटरों वाली तीन कम्प्यूटर प्रयोगशालाएं विद्यार्थियों को उनके कम्प्यूटर संबंधी कौशल के संवर्धन के लिए और व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए अवसर मुहैया कराती हैं। ये प्रयोगशालाएं नियमित कक्षा समय के बाद कॅरियर संबंधी शिक्षा के लिए भी उपलब्ध हैं।

फूड कोर्ट

विद्यार्थियों का मनपसंद अडडा है, फूड कोर्ट, वहाँ है जहाँ एक्शन है। किफायती कीमतों पर प्रदान किए जाने वाले बहुत सारे स्वादिष्ट खानपान की वजह से, यह वो जगह बन चुकी है जहाँ हर विधा के विद्यार्थी मिलकर आपस में चर्चा करते हैं और चाय/काफी के कप से निकलती हुई भाप में गपशप करते हैं। यहाँ परोसे जाने वाले अनेक व्यंजनों में शामिल हैं शीतल पेय, फ्रूट जूस, खस्ता स्प्रिंग रोल, मज़ेदार इडली, डोसा, मुँह में पानी लाने वाली पेस्ट्री, पेटीस, केक, बर्गर, समोसे और ब्रेड पकौड़े आदि।

कैंटीन एरिया में एक जल संरक्षण प्रणाली की संस्थापना की गई है। कैंटीन को एक अतिरिक्त फूड आउटलेट हैप्पीनेस कार्नर के निर्माण से नवीकरण और विस्तार प्रदान किया गया है। कैफेटेरिया के अहाते में एक नेस्कैफे कियोस्क भी स्थित है।

प्रयोगशालाएं / विज्ञान / प्राथमिक शिक्षा / मनोविज्ञान

वनस्पति विज्ञान, रसायन शास्त्र, प्राथमिक शिक्षा, सूक्ष्मजीव विज्ञान, भौतिकी, मनोविज्ञान और प्राणी विज्ञान की प्रयोगशालाएं न केवल विशाल हैं और अच्छी तरह से हवादार हैं बल्कि अनेक संसाधनों से युक्त भी हैं। इनमें से किसी भी प्रयोगशाला में काम करना एक आनंददायक अनुभव है। वनस्पति विज्ञान और भौतिक विभागों के लिए अलग से शोध प्रयोगशालाएं हैं जहां संकाय के सदस्यों द्वारा शोध किए जाते हैं।

शिक्षण साधन पाठ्यक्रम केंद्र

WEBOPAC और यूजीसी इनफलिबनेट और डीयू लाइब्रेरी कैटलाग की पहुंच की सुविधा इस वर्ष के दौरान भी जारी रही। पुस्तकालय संसाधनों और सुविधाओं की आसान समझ और आनलाइन पहुंच के लिए वर्ष के दौरान गार्गी लाइब्रेरी वेबसाइट http://www.gargicolglibrary.webs.com और ई–संसाधनों के ऑनलाइन उपयोग में भी वृद्धि हुई। मार्च 2018 में 617 किताबें और शामिल की गई, जिसमें कुल पठनीय पुस्तकों की संख्या 74027 हो गयी। वर्तमान में पुस्तकालय में 217 सीडी की परिसंपत्ति है और 51 पत्रिकाओं और 10 समाचार पत्रों की सदस्यता ली गई है। ई–संसाधनों के लिए इलेक्ट्रॉनिक संसाधन प्रबंधन पैकेज भी है: लाइब्रेरी UGC-Infosnet के माध्यम से बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक्स संसाधनों की सदस्यता लेती है जिसमें ई–संसाधन शामिल हैं– (6,000+ इजर्नल्स और 31,35,000+ईबुक) और दिल्ली विश्वविद्यालय कनेक्टिविटी जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली शामिल है। इसमें संदर्भ स्रोत, ग्रंथ सूची स्रोत, सांख्यिकीय स्रोत, और पूर्ण पाठ स्रोत शामिल हैं। उपयोगकर्ताओं की मदद के लिए यह अधिक जानकारी के लिए उपलब्ध हैं। दिए गए संसाधनों के तहत इनका एक संक्षिप्त विवरण जैसे कि विषय कवरेज, खोज सुविधाएं, डेटाबेस सेवाएं, दस्तावेज श्रेणी इत्यादि उपयोगकर्ताओं की मदद के लिए उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी के लिए देखें http://www.du.ac.in/du/index.php?page=e-resources जोकि वर्तमान पुस्तकालय में वाई–फाई पुस्तकालय कंप्यूटर प्रयोगशाला में उपलब्ध है।

चिकित्सा कक्ष

विद्यार्थियों के लिए कालेज के समय के दौरान चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है। एक चिकित्सा कक्ष है जिसमें विद्यार्थियों को मूल प्रथमोपचार प्रदान करने के लिए एक प्रशिक्षित नर्स रहती है। इसके अतिरिक्त, छात्राएं अपना स्वास्थ्य चेक–अप भी करा सकती हैं। योग्य चिकित्सकीय पेशेवरों द्वारा कालेज में नियमित चिकित्सा और दंत जांच की जाती हैं।

ओपन एयर थिएटर

हाल ही में ऑफिस ब्लाक के पीछे एक ओपन एयर स्टेज का निर्माण किया गया जिसमें दर्शकों के लिए इसकी सटी हुई सीढ़ियों और इसके आस पास हरे भरे लान के रूप में पर्याप्त बैठने की उपलब्धता का प्रावधान किया गया। यह विभिन्न कार्यक्रमों और विशेषकर नुक्कड़ नाटकों के लिए विद्यार्थियों के लिए एक ओपन एयर थिएटर का काम करता है।

सेमिनार हाल

प्रेक्षागृह के बिल्कुल साथ में 125 सीटों की क्षमता वाला एक शानदार सेमिनार हाल है। इसे आधुनिकतम दृश्य–श्रव्य उपकरणों से युक्त किया गया है और इसका इस्तेमाल विभिन्न अकादमिक कार्यक्रमों की मेज़बानी के लिए किया जाता है।

विद्यार्थियों का कॉमन कक्ष : 'रिट्रीट'

कैफेटेरिया के निकट स्थित, विद्यार्थियों का कामन रूम रिट्रीट, वह स्थान है जहाँ विद्यार्थी, अपने दोस्तों से खुलकर बात कर सकते हैं और वरिष्ठ विद्यार्थियों से परस्पर संवाद कर सकते हैं। यह उन्हें कालेज के जीवन को समझने और कैंपस से रूबरू होने में मदद करता है, जो तीन सालों के लिए उनका दूसरा घर हो जाता है। विद्यार्थियों का अपना स्थान–रिट्रीट सदैव अपने दरवाज़े सभी विद्यार्थियों के लिए खुले रखता है।

विद्यार्थी यूनियन कक्ष

गार्गी कालेज की विद्यार्थी परिषद विद्यार्थियों में लोकतंत्र के मूल्यों को स्थापित करने के लिए एक प्रभावी कदम है। जनरल बाडी प्रतिवर्ष एक नई परिषद का चुनाव करती है जो विद्यार्थियों का, विद्यार्थियों के लिए, विद्यार्थियों के द्वारा होता है।

विद्यार्थियों का यूनियन कक्ष 'मुख्यालय' है जहाँ से सामूहिक छात्र निकाय के निर्णयों को कार्यान्वित किया जाता है – साप्ताहिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों से लेकर विभागीय फेस्टिवल और कालेज के सबसे बड़े उत्सव 'रेवरी' तक। विद्यार्थी कक्ष केवल कुछ चुनिंदा विद्यार्थियों का स्थान नहीं है, बल्कि यह सभी विद्यार्थियों के लिए उनके मत और विचार प्रकट करने का एक खुला मंच है।

विद्यार्थियों के लिए शोध परियोजनाएँ

गार्गी पाथफाइंडर पुरस्कार

गार्गी मार्गदर्शक पुरस्कार विज्ञान, वाणिज्य तथा मानविकी विधाओं में विद्यार्थियों में शोध और अभिनव प्रयोजनों को प्रोत्साहित करने हेतु दिए जाते हैं। प्रतियोगिताओं को मूल परियोजना संकाय के पर्यवेक्षक द्वारा निर्देशित एवं प्रमाणित मूल प्रति के रूप में जमा करना होता है। इसे श्रव्य–दृश्य प्रस्तुतीकरण के माध्यम से तटस्थ जजों के सन्मुख प्रस्तुत करना होता है जिसके पश्चात् मौखिक परीक्षा होती है। यह पुरस्कार स्नातक स्तर के विद्यार्थियों की मौलिकता और अभिनव भावना को प्रोत्साहित करता है। कठिन प्रक्रिया के बाद तीनों विधाओं के विद्यार्थी अपने विचारों को रखते हैं, जिन्हें उन विषयों पर शोध के लिए प्रेरित किया जाता है। मानविकी, वाणिज्य तथा विज्ञान में दिया जाने वाला यह नगद सह–प्रमाण–पत्र पुरस्कार है। प्रतिभागी व्यक्तिगत तौर पर या टीम के रूप में महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर अपने मूल शोध जो विशेष विषयों पर हो, उसे प्रस्तुत कर सकते हैं। वे अभिनव व्यावसायिक प्रस्तावों या नए वैज्ञानिक अनुप्रयोगों को भी प्रस्तुत कर सकते हैं। विस्तृत ब्यौरा महाविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध कराया जायेगा।

बायोइन्फार्मेटिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर फेसिलिटी (BIF)

गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय दो कॉलेजों में से एक है और एकमात्र महिला कॉलेज है जिसमें बी.आई.एफ. (BIF) है (डीबीटी द्वारा वित्त पोषित) यह सुविधा देश के शीर्ष पाँच स्नातक स्तर के महाविद्यालयों में से एक गार्गी कॉलेज को प्राप्त है। यह प्रयोगशाला अब डायबिटिक नेफ्रोपेथी के इलाज के लिए एक थेराप्यूटिक टारगेट करने के लिए पलेवोनिक और गैर पलेवोनिक कंपाउंडों की Virtual स्क्रीनिंग पर केन्द्रित है। विज्ञान विधा के विद्यालयों को उनके नियमित अध्ययन–क्रम के साथ–साथ इनसिलिको आधारित शोध प्रोजेक्टों पर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इससे उनके जैव सूचना विज्ञान कौशकों में सुधार होता है और उनके क्षितिज को व्यापक बनाने में मदद मिलती है।

पुरस्कारों की सूची

गार्गी कॉलेज शिक्षा के साथ अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाली छात्राओं को अनेक अवसर प्रदान करता है। छात्राओं को विभिन्न कौशल, आत्मविश्वास, और अनुभव प्राप्त करने में मदद करने के लिए हमारा निरंतर प्रयास रहता है ताकि कालेज से स्नातक होने के बाद वे अपने चयनित कॅरियर पर चल सके। हर साल वार्षिक दिवस पर, हम छात्राओं की उपलब्धियों को पुरस्कार और छात्रवृत्ति के माध्यम से सम्मानित करते हैं।

निम्नलिखित प्रतिष्ठित पुरस्कार और छात्रवृत्तियाँ हैं जिसके लिए छात्राएँ प्रतियोगिता करती हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ देती हैं:

बेस्ट आल राउंडर अवार्डस

सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ आल राउंडर पुरस्कार, तीनों विषयों अर्थात विज्ञान, मानविकी और वाणिज्य प्रत्येक में दिया जाता है। ये छात्राओं के लिए अत्यधिक प्रतिष्ठित पुरस्कार हैं जो कि शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी तथा कालेज जीवन काल में महत्वपूर्ण योगदान को पहचानता है। कॉलेज की सभी छात्राएँ अपने विभागों के माध्यम से इस पुरस्कार के लिए आवेदन करने की पात्र हैं। सबसे योग्य उम्मीदवार का चयन करने के लिए कई स्तरों पर छानबीन की जाती है। अंतिम निर्णय, इसके लिए विधिवत गठित समिति द्वारा लिया जाता है।

बेस्ट आलराउंडर अवार्ड (विज्ञान) अंतिम वर्ष की उस छात्रा को प्रस्तुत किया जाता है जो कि बॉटनी, केमिस्ट्री, मैथमेटिक्स, माइक्रोबायोलाजी, फिज़िक्स, ज़ूलॉजी, बी.एससी. जीवन विज्ञान और बी.एससी. भौतिक विज्ञान के विभागों में सर्वश्रेष्ठ आल–राउंडर चुनी जाती है।

बेस्ट आलराउंडर अवार्ड (मानविकी) अंतिम वर्ष की उस छात्रा को प्रस्तुत किया जाता है जो कि बी.ए. प्रोग्राम, बिजनेस इकोनॉमिक्स, इकोनॉमिक्स, एलीमेंट्री एजुकेशन, इंग्लिश, हिंदी, इतिहास, दर्शनशास्त्र, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान और संस्कृत के विभागों में सर्वश्रेष्ठ आल–राउंडर चुनी जाती है।

बेस्ट आलराउंडर अवार्ड (वाणिज्य) अंतिम वर्ष की उस छात्रा को प्रस्तुत किया जाता है जो कि बी.कॉम. आनर्स और बी.कॉम. प्रोग्राम के विभागों में सर्वश्रेष्ठ आल–राउंडर चुनी जाती है।

लांग स्ट्राइडर अवार्ड

लांग स्ट्राइडर अवार्ड, महाविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ अल्यूमनी को दिया जाता है जिसने गार्गी कालेज से स्नातक होने के बाद दस वर्षों में अपने संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्ट सराहनीय प्रदर्शन किया हो। यह पुरस्कार, इस अवधि में उम्मीदवार द्वारा की गई शोध की सामाजिक सार्थकता और क्षमता का अवलोकन करता है।

गार्गी पाथफाइंडर पुरस्कार

महाविद्यालय द्वारा स्थापित गार्गी पाथफाइंडर पुरस्कार, संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन के अंतर्गत छात्राओं द्वारा किए गए मूल शोध को प्रोत्साहित करता है। स्वयं या टीम में, प्रतियोगी मूल परियोजनाएं प्रस्तुत करता हैं।

बाहरी निर्णायकों की भागीदारी के माध्यम से इसकी गहन स्क्रीनिंग की जाती है। छात्राएं स्वयं महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों, नवीन व्यवसाय प्रस्तावों या नए वैज्ञानिक प्रयोगों पर शोध करती हैं। बाहरी निर्णायकों के एक पैनल के समक्ष अन्य मीडिया के माध्यम से शोध को प्रस्तुत किया जाता है, जैसे कि पावर प्वाइंट, फिल्म और कलात्मक उत्पादन। इसके बाद मौखिक परीक्षा और फिर परिणामों की घोषणा की जाती है। यह पुरस्कार प्रत्येक तीन विषयों में अर्थात् मानविकी, वाणिज्य और विज्ञान में दिया जाता है। यह पुरस्कार कॉलेज के सभी छात्रों के लिए खुला है।

शैक्षिक पुरस्कार

जो छात्र प्रत्येक कक्षा में उच्चतम अंक अर्जित करते हैं, उन्हें उनकी शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए प्रमाण पत्र और पुरस्कार दिए जाते हैं। इसके अलावा, कई विषय हैं जहां प्रतिभाशाली छात्रों के लिए शैक्षणिक पुरस्कार और मेधावी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की स्थापना की गई है।

एक्स्ट्रा–करिकुलर एक्टिविटीज़, स्पोर्ट्स, एन.एस.एस. और एन.सी.सी. में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार

एक्स्ट्रा–करिकुलर एक्टिविटीज़, स्पोर्ट्स, एन.एस.एस. और एन.सी.सी. में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार भी छात्राओं को उनकी विभिन्न उपलब्धियों के लिए साल भर दिए जाते हैं।

अन्य पुरस्कार

कुछ अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कार जो छात्रों को वार्षिक दिवस पर दिए जाते हैं।

- वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान और प्राणीशास्त्र में सर्वश्रेष्ठ छात्र के लिए सारा थॉमस मेमोरियल पुरस्कार।
- अनुकरणीय नेतृत्व के लिए प्रो. रिहान खान सूरी पुरस्कार। यह पुरस्कार हमारे पूर्व अध्यक्ष प्रो. रिहान खान सूरी द्वारा 2022 में स्थापित किया गया है, जो हर साल कॉलेज छात्र संघ के सबसे सक्रिय सदस्य को दिया जाएगा।
- अंग्रेजी, जर्मन, हिंदी और संस्कृत में सर्वश्रेष्ठ लेख पुरस्कार, और कॉलेज पत्रिका में सर्वश्रेष्ठ कवर डिजाइन– वॉइसेस
- ललित कला में सर्वश्रेष्ठ छात्र।

2022 की कुछ यादगार उपलब्धियाँ

इस वर्ष कॉलेज ने द्वितीय वर्ष के एक छात्र को विशेष प्रशस्ति पुरस्कार प्रदान किया, जिसने कॉलेज को गौरवान्वित किया है। दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के लिए प्राप्त 315 लोगो डिजाइन प्रविष्टियों में से कृतिका खिंची द्वारा प्रस्तुत लोगो डिजाइन का चयन किया गया था। उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह उद्घाटन समारोह में भी सम्मानित किया गया, जो 1 मई, 2022 को आयोजित किया गया था।

पुरस्कारों की सूची

अकादमिक पुरस्कार

पुरस्कार का नाम	कसौटी	राशि
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक एप्लाइड मनोविज्ञान, तृतीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक एप्लाइड मनोविज्ञान, द्वितीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक एप्लाइड मनोविज्ञान, प्रथम वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक अंग्रेजी, तृतीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक अंग्रेजी, द्वितीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक हिंदी, प्रथम वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक इतिहास, तृतीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक इतिहास, द्वितीय वर्ष	1000

गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक इतिहास, प्रथम वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक दर्शनशास्त्र, तृतीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक दर्शनशास्त्र, द्वितीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक दर्शन, प्रथम वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक राजनीति विज्ञान, तृतीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक राजनीति विज्ञान, द्वितीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक राजनीति विज्ञान, प्रथम वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक संस्कृत, तृतीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक संस्कृत, प्रथम वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए कार्यक्रम में उच्चतम कुलांक, तृतीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए कार्यक्रम में उच्चतम कुलांक, प्रथम वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक बिजनेस इकोनॉमिक्स, तृतीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक बिजनेस इकोनॉमिक्स, द्वितीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक बिजनेस इकोनॉमिक्स, प्रथम वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बैचलर ऑफ एलीमेंट्री एजुकेशन में उच्चतम कुलांक, चतुर्थ वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बैचलर ऑफ एलीमेंट्री एजुकेशन में उच्चतम कुलांक, तृतीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बैचलर ऑफ एलीमेंट्री एजुकेशन में उच्चतम कुलांक, द्वितीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बैचलर ऑफ एलीमेंट्री एजुकेशन में उच्चतम कुलांक, प्रथम वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक अर्थशास्त्र, तृतीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक अर्थशास्त्र, द्वितीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीए (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक अर्थशास्त्र, प्रथम वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	एमए अंग्रेजी में उच्चतम कुलांक, द्वितीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	एमए अंग्रेजी में उच्चतम कुलांक, प्रथम वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	एमए राजनीति विज्ञान में उच्चतम कुलांक, द्वितीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	एमए राजनीति विज्ञान में उच्चतम कुलांक, प्रथम वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीएससी (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक रसायन विज्ञान, द्वितीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीएससी (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक रसायन विज्ञान, प्रथम वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीएससी (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक माइक्रोबायोलॉजी, द्वितीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीएससी (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक माइक्रोबायोलॉजी, प्रथम वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीएससी (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक गणित, तृतीय वर्ष	1000

गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीएससी (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक गणित, द्वितीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीएससी (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक गणित, प्रथम वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीएससी (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक जूलॉजी, द्वितीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीएससी (ऑनर्स) में उच्चतम कुलांक जूलॉजी, प्रथम वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीएससी लाइफ साइंस में उच्चतम कुलांक, द्वितीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीएससी लाइफ साइंस में उच्चतम कुलांक, प्रथम वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीएससी भौतिक विज्ञान में उच्चतम कुलांक, द्वितीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	बीएससी भौतिक विज्ञान में उच्चतम कुलांक, प्रथम वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	एमएससी रसायन विज्ञान में उच्चतम कुलांक, द्वितीय वर्ष	1000
गार्गी कॉलेज अवार्ड फॉर एक्सीलेंस	एमएससी रसायन विज्ञान में उच्चतम कुलांक, प्रथम वर्ष	1000
ज्ञान खोसला मेमोरियल अवार्ड	बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी प्रथम वर्ष में उच्चतम कुलांक	1000
श्रीमती कांति त्रिपाठी स्मृति पुरस्कार	बीए हिंदी (ऑनर्स) तृतीय वर्ष में उच्चतम कुलांक	1000
डॉ मंजू धवन मेमोरियल अवार्ड	बीए हिंदी (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष में उच्चतम कुलांक	1000
प्रथम और द्वितीय वर्ष में सर्वोच्च समुच्चय के लिए डॉ. अंबा प्रसाद पुरस्कार	बीए (ऑनर्स) इतिहास I और II वर्ष संयुक्त में उच्चतम कुलांक	2000
प्रथम और द्वितीय वर्ष में उच्चतम समुच्चय के लिए श्री और श्रीमती अरोड़ा छात्रवृत्ति	बीए (ऑनर्स) दर्शन प्रथम और द्वितीय वर्ष संयुक्त में उच्चतम कुलांक	2500
डॉ. बी. एम. चिंतामणि मेमोरियल अवार्ड	बीए संस्कृत (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष में उच्चतम कुलांक	1000
श्री टी. एम. कक्कड़ मेमोरियल अवार्ड	बीए कार्यक्रम द्वितीय वर्ष में उच्चतम कुलांक	1000
प्रथम+द्वितीय+तृतीय वर्ष में सर्वोच्च समुच्चय के लिए डॉली सहगल स्मारक पुरस्कार	बी.एल.एड में उच्चतम कुलांक। I+II+III वर्ष संयुक्त	1000
श्री सुल्तान चंद मेमोरियल छात्रवृत्ति	बी.कॉम में उच्चतम कुलांक (ऑनर्स) तृतीय वर्ष	1500
श्री सुल्तान चंद मेमोरियल छात्रवृत्ति	बी.कॉम में उच्चतम कुलांक (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष	1500
श्री सुल्तान चंद मेमोरियल छात्रवृत्ति	बी.कॉम में उच्चतम कुलांक (ऑनर्स) प्रथम वर्ष	1500
श्री रतन लाल मेमोरियल पुरस्कार	बी.कॉम में उच्चतम कुलांक (ऑनर्स) प्रथम और द्वितीय वर्ष संयुक्त	2000
डॉ उषा अग्रवाल 'तेजस्विता' छात्रवृत्ति	बी.कॉम कार्यक्रम तृतीय वर्ष में उच्चतम कुलांक	1500

डॉ उषा अग्रवाल 'तेजस्विता' छात्रवृत्ति	बी.कॉम कार्यक्रम द्वितीय वर्ष में उच्चतम कुलांक	1500
डॉ उषा अग्रवाल 'तेजस्विता' छात्रवृत्ति	बी.कॉम कार्यक्रम प्रथम वर्ष में उच्चतम कुलांक	1500
श्रीमती राज मेहता मेमोरियल स्कॉलरशिप I+II वर्ष में उच्चतम कुल के लिए	बी.कॉम में उच्चतम कुलांक कार्यक्रम प्रथम और द्वितीय वर्ष संयुक्त	2000
डॉ ललिता सहगल मेमोरियल अवार्ड	बीएससी में उच्चतम कुलांक (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान तृतीय वर्ष	5000
श्री एफ.सी. सहगल मेमोरियल अवार्ड	बीएससी में उच्चतम कुलांक (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान द्वितीय वर्ष	1000
श्रीमती प्रतिभा मुखर्जी स्मृति पुरस्कार	बीएससी में उच्चतम समुच्चय (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान प्रथम वर्ष	1000
श्री शिव भगवान मुंढारा मेमोरियल छात्रवृत्ति	बीएससी में उच्चतम कुलांक (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान प्रथम और द्वितीय वर्ष संयुक्त	2500
श्री रवि खुल्लर मेमोरियल अवार्ड	बीएससी में उच्चतम कुलांक (ऑनर्स) रसायन विज्ञान तृतीय वर्ष	1000
डॉ. सी. के. खुराना मेमोरियल अवार्ड, प्रथम+द्वितीय वर्ष में सर्वोच्च समुच्चय	बीएससी में उच्चतम कुलांक (ऑनर्स) रसायन विज्ञान प्रथम और द्वितीय वर्ष संयुक्त	1000
श्री ए.के. श्रीवास्तव मेमोरियल अवार्ड	बीएससी में उच्चतम कुलांक (ऑनर्स) माइक्रोबायोलॉजी तृतीय वर्ष	5000
श्रीमती लक्ष्मी त्रिवेदी स्मृति पुरस्कार	बीएससी में उच्चतम कुलांक (ऑनर्स) भौतिकी तृतीय वर्ष	1000
श्रीमती लक्ष्मी त्रिवेदी स्मृति पुरस्कार	बीएससी में उच्चतम कुलांक (ऑनर्स) भौतिकी द्वितीय वर्ष	1000
श्रीमती लक्ष्मी त्रिवेदी स्मृति पुरस्कार	बीएससी में उच्चतम कुलांक (ऑनर्स) भौतिकी प्रथम वर्ष	1000
डॉ. नीलम सचदेवा पुरस्कार	बीएससी में उच्चतम कुलांक (ऑनर्स) जूलॉजी तृतीय वर्ष	5000
श्रीमती शांति मुखर्जी स्मृति पुरस्कार	बीएससी जीवन विज्ञान तृतीय वर्ष में उच्चतम कुलांक	1500
श्रीमती शांति मुखर्जी स्मृति पुरस्कार	बीएससी में उच्चतम कुलांक भौतिक विज्ञान तृतीय वर्ष	1500

सह–शैक्षिक पुरस्कार

पुरस्कार का नाम	**कसौटी पर**	**राशि**
उत्कृष्ट खिलाड़ी के लिए डॉ. शशि त्यागी पुरस्कार (सभी तीन वर्ष)	I+II+III वर्षों में उत्कृष्ट खिलाड़ी संयुक्त	5000
वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार (वर्ष के खिलाड़ी पुरस्कार के लिए सुश्री ए मालती छात्रवृत्ति)	तृतीय वर्ष में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी	ट्रॉफी और नकद पुरस्कार
श्री निर्मल सिंह मेमोरियल अवार्ड	ललित कला में सर्वश्रेष्ठ छात्र	1000
डॉ. रेणु सेठी ट्रॉफी	सर्वश्रेष्ठ एनसीसी कैडेट	ट्रॉफी और 1000

उत्तम सेवक पुरस्कार	एनएसएस में सर्वश्रेष्ठ छात्र	1000
कॉलेज पत्रिका में सर्वश्रेष्ठ लेख – अंग्रेजी	अंग्रेजी में कॉलेज पत्रिका में सर्वश्रेष्ठ लेख	500
कॉलेज पत्रिका में सर्वश्रेष्ठ लेख – हिंदी	हिंदी में कॉलेज पत्रिका में सर्वश्रेष्ठ लेख	500
कॉलेज पत्रिका में सर्वश्रेष्ठ लेख – संस्कृत	संस्कृत में कॉलेज पत्रिका में सर्वश्रेष्ठ लेख	500
कॉलेज पत्रिका में सर्वश्रेष्ठ लेख – जर्मन	जर्मन में कॉलेज पत्रिका में सर्वश्रेष्ठ लेख	500
सर्वश्रेष्ठ कवर डिजाइन पत्रिका	पत्रिका के लिए सर्वश्रेष्ठ कवर डिजाइन	500

विशेष पुरस्कार

पुरस्कार का नाम	कसौटी पर	राशि
अनुकरणीय नेतृत्व के लिए प्रोफेसर रिहान खान सूरी पुरस्कार	गार्गी कॉलेज स्टूडेंट्स काउंसिल की सदस्य उनके अनुकरणीय समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए	5000
सारा थॉमस मेमोरियल अवार्ड – सर्वश्रेष्ठ छात्र – वनस्पति विज्ञान	वनस्पति विज्ञान में सर्वश्रेष्ठ छात्र	1500
सारा थॉमस मेमोरियल अवार्ड – सर्वश्रेष्ठ छात्र – रसायन विज्ञान	रसायन विज्ञान में सर्वश्रेष्ठ छात्र	1500
सारा थॉमस मेमोरियल अवार्ड – सर्वश्रेष्ठ छात्र – जूलॉजी	जूलॉजी में बेस्ट स्टूडेंट	1500
पाथफाइंडर पुरस्कार – मानविकी	मानविकी में सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान परियोजना	4000
पाथफाइंडर पुरस्कार – वाणिज्य	वाणिज्य में सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान परियोजना	4000
पाथफाइंडर पुरस्कार – विज्ञान	विज्ञान में सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान परियोजना	4000

ऑलराउंडर अवॉर्ड्स

पुरस्कार का नाम	कसौटी पर	राशि
डॉ मीरा रामचंद्रन मानविकी में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर पुरस्कार	मानविकी में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर छात्र	2000
श्रीमती लाजवंती मेमोरियल अवार्ड वाणिज्य में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर पुरस्कार	कॉमर्स में बेस्ट ऑलराउंडर स्टूडेंट	2000
डॉ छाया बिस्वास विज्ञान में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर पुरस्कार	विज्ञान में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर छात्र	2000

लॉन्ग स्ट्राइडर अवार्ड

पुरस्कार का नाम	कसौटी पर	राशि
डॉ. हेमा वी. राघवन लॉन्ग स्ट्राइडर अवार्ड	स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद पिछले दस वर्षों में अपनी उपलब्धियों के लिए पूर्व छात्र	2000

अकादमिक कैलेंडर (2022–23)
(दिल्ली विश्वविद्यालय)

सेमेस्टर I	
कक्षाएं प्रारम्भ	02 नवंबर 2022
कक्षायें समाप्त, परीक्षा की तैयारी के लिए अवकाश और प्रायोगिक परीक्षा प्रारम्भ	17 फरवरी 2023 – 26 फरवरी 2023
लिखित परीक्षा प्रारम्भ	27 फरवरी 2023 – 15 मार्च 2023
छमाही अंतराल (सेमेस्टर अंत)	16 मार्च 2023 – 19 मार्च 2023
सेमेस्टर II	
कक्षाएं प्रारम्भ	20 मार्च 2023
कक्षायें समाप्त, परीक्षा की तैयारी के लिए अवकाश और प्रायोगिक परीक्षा प्रारम्भ	08 जुलाई 2023 – 16 जुलाई 2023
लिखित परीक्षा प्रारम्भ	17 जुलाई 2023 – 28 जुलाई 2023
छमाही अंतराल (सेमेस्टर अंत)	29 जुलाई 2023 – 30 जुलाई 2023
सेमेस्टर III	
कक्षाएं प्रारंभ	26 अगस्त, 2022
कक्षाएं समाप्त, परीक्षा की तैयारी के लिए अवकाश और प्रायोगिक परीक्षा प्रारंभ	13 दिसम्बर, 2022 – 19 दिसम्बर, 2022
लिखित परीक्षा प्रारंभ	20 दिसम्बर, 2022
छमाही अंतराल (सेमेस्टर अंत)	04 जनवरी, 2023

सेमेस्टर IV	
कक्षायें प्रारंभ	05 जनवरी, 2023
मध्य सेमेस्टर अंतराल	05 मार्च, 2023 – 12 मार्च, 2023
मध्य सेमेस्टर अंतराल के बाद कक्षाएं प्रारंभ	13 मार्च, 2023 – 03 मई, 2023
कक्षाएँ समाप्त, परीक्षा की तैयारी के लिए अवकाश और प्रायोगिक परीक्षा प्रारंभ	04 मई, 2023 – 14 मई, 2023
लिखित परीक्षा प्रारंभ	15 मई, 2023
ग्रीष्मावकाश	30 मई, 2023 – 19 जुलाई, 2023
सेमेस्टर V/VII	
कक्षाएं प्रारम्भ	20 जुलाई, 2022
मध्य सेमेस्टर अंतराल	02 अक्टूबर, 2022 – 09 अक्टूबर, 2022
मध्य सेमेस्टर अंतराल के बाद कक्षाएं प्रारम्भ	10 अक्टूबर, 2022
कक्षाएं समाप्त, परीक्षा की तैयारी के लिए अवकाश और प्रायोगिक परीक्षा प्रारम्भ	16 नवंबर, 2022
लिखित परीक्षा प्रारम्भ	30 नवंबर, 2022
शीतकालीन अवकाश	17 दिसंबर, 2022 – 31 दिसंबर, 2022
सेमेस्टर VI/VIII	
कक्षाएं प्रारम्भ	02 जनवरी, 2023
मध्य सेमेस्टर अंतराल	05 मार्च, 2023 – 12 मार्च, 2023
मध्य सेमेस्टर अंतराल के बाद कक्षाएं प्रारम्भ	13 मार्च, 2023
कक्षाएं समाप्त, परीक्षा की तैयारी के लिए अवकाश और प्रायोगिक परीक्षा प्रारम्भ	01 मई, 2023
लिखित परीक्षा प्रारम्भ	11 मई, 2023
ग्रीष्मावकाश	27 मई, 2023 – 19 जुलाई, 2023

सांस्कृतिक समयावली 2022–23

गतिविधियाँ / कार्यक्रम	संभावित अनुसूची
महाविद्यालय तथा विभागीय अभिविन्यास कार्यक्रम	पहला उद्भवन कार्य दिवस
शिक्षणेत्तर क्रमोत्तर गतिविधियाँ अभिविन्यास कार्यक्रम	दूसरा उद्भवन कार्य दिवस
नवागत स्वागत कार्यक्रम	पन्द्रहवां उद्भवन कार्य दिवस
स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त, 2022
शिक्षक दिवस	5 सितंबर, 2022
जिस्तत्व : वार्षिक दिवाली मेला	10–15 अक्टूबर, 2022
रेवरी : वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव	6–18 फरवरी, 2023
बिग फाइट : चुनाव पूर्व वाद–विवाद	20–25 मार्च, 2023
छात्र परिषद चुनाव	20–25 मार्च, 2023
वार्षिक दिवस	20–29 अप्रैल, 2023
विदाई समारोह	24–29 अप्रैल, 2023
वनस्पति विज्ञान विभाग	
गतिविधियाँ / कार्यक्रम	**संभावित अनुसूची**
जीसीबीएस उद्घाटन कार्यक्रम	सितंबर, 2022
आगामी बैच के लिए विभागीय अभिविन्यास कार्यक्रम	अक्टूबर, 2022
विभागीय व्याख्यान श्रृंखला	अक्टूबर, 2022 – नवम्बर, 2022
	दिसम्बर, 2022 – जनवरी, 2023
	फरवरी, 2023 – मार्च, 2023
ऐड–ऑन कोर्स (अतिरिक्त पाठ्यक्रम)	सितंबर, 2022 – अप्रैल, 2023
छात्र अनुसंधान परियोजनाएं	जुलाई, 2023 – अप्रैल, 2023
विभागीय / अंतर–विभागीय / अंतर–महाविद्यालय प्रतियोगिताओं का आयोजन	अक्टूबर, 2022 – जनवरी, 2023 (महीने में एक बार)

शिक्षक दिवस, ओजोन दिवस, विश्व विज्ञान दिवस, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस और पृथ्वी दिवस जैसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्मारक दिवस/कार्यक्रम का उत्सव	5 सितंबर, 2022 16 सितंबर, 2022 10 नवंबर, 2022 28 फरवरी, 2023 22 अप्रैल, 2023 (तारीख–विशिष्ट कार्यक्रम)
छात्र संवर्धन कार्यक्रम (वेबिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन)	दिसंबर, 2022
पूर्व छात्रा समागम	नवम्बर, 2022 – दिसम्बर, 2022
विज्ञान महोत्सव 'सिंटिलेशन'	फरवरी, 2023 – मार्च, 2023
पुष्प प्रदर्शनी 'गार्गी ब्लूम्स 2023' और पौधे वितरण	मार्च, 2023 – अप्रैल, 2023
फील्ड ट्रिप/औद्योगिक दौरा	मार्च, 2023 – अप्रैल, 2023
निवर्तमान छात्रों को विदाई	अप्रैल, 2023
समापन समारोह	अप्रैल, 2023
व्यावसायिक अर्थशास्त्र	
गतिविधियाँ/कार्यक्रम	**संभावित अनुसूची**
प्रथम वर्ष के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	सितंबर, 2022
समसामयिक विषय पर संगोष्ठी	सितंबर, 2022
पूर्व छात्रा समागम	अक्टूबर, 2022
समसामयिक घटनाक्रम पर संगोष्ठी	अक्टूबर, 2022
औद्योगिक दौरा	नवंबर, 2022
रिसर्च–ओ–मीटर	अक्टूबर, 2022 का अंतिम सप्ताह/नवंबर, 2022 का पहला सप्ताह
कॉमिकोनो क्रंच	फरवरी, 2023
द्वितीय–वार्षिक उत्सव	मार्च, 2023
सांख्यिकीय पैकेज पर कार्यशाला	मार्च, 2023/अप्रैल, 2023

रसायन विज्ञान	
गतिविधियाँ / कार्यक्रम	**संभावित अनुसूची**
रसगंधायन संघ चुनाव	29 अगस्त, 2022
शिक्षक दिवस समारोह	05 सितंबर, 2022
ओजोन दिवस समारोह व रंगोली प्रतियोगिता	16 सितंबर, 2022
उद्घाटन व्याख्यान	28 सितंबर, 2022 या अक्टूबर, 2022 का पहला सप्ताह
दिवाली आयोजन और प्रतिभा खोज प्रतियोगिता	12 अक्टूबर, 2022
आमंत्रित व्याख्यान–1	नवंबर, 2022 का पहला सप्ताह
नवागत छात्रा मिलन	18 नवंबर, 2022
सी.के. खुराना स्मृति व्याख्यान	11 जनवरी, 2023
एक क्लिक प्रतियोगिता	20 जनवरी, 2023
पेपर प्रस्तुति प्रतियोगिता	22 फरवरी, 2023
आमंत्रित व्याख्यान–2	मार्च, 2023 का पहला सप्ताह
उद्योग यात्रा : शैक्षिक यात्रा	मार्च 2023 का तीसरा सप्ताह
विदाई और विदाई समारोह	अप्रैल 2023 का अंतिम सप्ताह
वाणिज्य	
गतिविधियाँ / कार्यक्रम	**संभावित अनुसूची**
नव नियुक्तियाँ वाणिज्य बोर्ड का आवधिक उन्नयन स्तर उन्नयन (पहले सप्ताह के दौरान मासिक सत्र / कार्यशाला)	अगस्त, 2022
शिक्षक दिवस उद्यमिता बैठक	सितम्बर, 2022
स्तर उन्नयन अभिविन्यास दिवस के प्रथम सप्ताह के दौरान मासिक सत्र / कार्यशाला	अक्टूबर, 2022 – नवंबर, 2022

परीक्षा	दिसंबर, 2022
कास्केड	जनवरी, 2023 – फरवरी, 2023
स्तर उन्नयन (प्रथम सप्ताह के दौरान मासिक सत्र/कार्यशाला) अभिविन्यास दिवस कार्यक्रम	मार्च, 2023
पाथ फाइंडर (वाणिज्य विभाग) विदाई समारोह	अप्रैल, 2023
प्राथमिक शिक्षा (एलीमेंटरी एजुकेशन) विभाग	
गतिविधियाँ/कार्यक्रम	**संभावित अनुसूची**
नए संघ का चुनाव	19–29 अगस्त, 2022
संयोजक का चुनाव	10–15 सितंबर, 2022
पूर्व छात्रा समागम सत्र 1	24–26 नवंबर, 2022
प्रथम वर्ष का अभिविन्यास कार्यक्रम	26–30 दिसंबर, 2022 (इस बात पर निर्भर होगा कि वह कब प्रवेश करते हैं)
एडु फेस्ट	15–21 दिसंबर, 2022
पूर्व छात्रा समागम सत्र 2	8–11 मार्च, 2023
संचयन	15–17 अप्रैल, 2023
बिदाई समारोह	26–30 अप्रैल, 2023
अर्थशास्त्र	
गतिविधियाँ/कार्यक्रम	**संभावित अनुसूची**
जीआरई, जीमैट और सीयूईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं पर सत्र	29 अगस्त, 2022
अभिविन्यास कार्यक्रम	4 नवंबर, 2022
अर्थशास्त्र विभाग उत्सव	12 नवंबर, 2022
कार्यक्रम/प्रतियोगिता	31 जनवरी, 2023
विदाई समारोह	25 अप्रैल, 2023

अंग्रेजी	
गतिविधियाँ / कार्यक्रम	**संभावित अनुसूची**
विभागीय शोध संगोष्ठी : व्याख्यान श्रृंखला / माला	2 सितंबर, 2022 से मासिक आधार पर
IISECS – द्वि–वार्षिक व्याख्यान श्रृंखला	अक्टूबर, 2022 से आयोजित
पूर्व छात्रा मिलन समागम	दिसंबर, 2022
कैरियर आधारित कार्यशाला	नवंबर, 2022
साहित्य समिति महोत्सव	जनवरी, 2023
संकाय संवर्धन कार्यक्रम	मार्च, 2023
व्याख्यान, कार्यशालाएं, फिल्म स्क्रीनिंग, प्रदर्शनी जैसी छात्रोंन्मुखी गतिविधियाँ	हर पखवाड़े
हिन्दी	
गतिविधियाँ / कार्यक्रम	**संभावित अनुसूची**
हिंदी पखवाड़ा सप्ताह	14–20 सितंबर, 2022
आईसीटी कार्यशाला	18–19 अक्टूबर, 2022
हिंदी वाद–विवाद प्रतियोगिता	17–18 नवंबर, 2022
हिंदी रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता	15–16 दिसंबर, 2022
अतिथि वक्ता वार्ता	18 जनवरी, 2023
स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता	9–10 फरवरी, 2023
हिंदी साहित्य परिषद का वार्षिक समारोह	10–11 मार्च, 2023
इतिहास	
गतिविधियाँ / कार्यक्रम / वक्ता	**संभावित अनुसूची**
डॉक्टर अर्चना ओझा (कमला नेहरू कॉलेज)	27 जुलाई, 2022
डॉक्टर मंजूश्री सिंह	18 अगस्त, 2022
डॉक्टर अदिति मान	30 अगस्त, 2022
डॉक्टर तान्या रॉय	सितम्बर, 2022 का दूसरा सप्ताह

डॉक्टर रेनी टामस	अक्टूबर, 2022 का दूसरा सप्ताह
विरासत की सैर, पुरानी दिल्ली और शाहजहांनाबाद	नवम्बर, 2022 का प्रथम सप्ताह
डॉक्टर आदित्य प्रताप देव, पुस्तक चर्चा	नवम्बर, 2022 का दूसरा सप्ताह
पूर्व छात्रा व्याख्यान	नवम्बर, 2022 का चौथा सप्ताह
डॉक्टर शालिनी ग्रोवर	जनवरी, 2023 का दूसरा सप्ताह
डॉक्टर दीपक नाओरेम	जनवरी, 2023 का चौथा सप्ताह
अंतराल (विभागीय वार्षिक समारोह)	फरवरी, 2023 का चौथा सप्ताह
राष्ट्रीय संग्रहालय भ्रमण	फरवरी, 2023 का दूसरा सप्ताह
राष्ट्रीय अभिलेखागार भ्रमण	मार्च, 2023 का तीसरा सप्ताह
गणित	
गतिविधियाँ / कार्यक्रम	**संभावित अनुसूची**
कैरियर परामर्श सत्र	14 अक्टूबर, 2022
सेमिनार	11 जनवरी, 2023
सिंटिलेशन (अन्य विज्ञान विभागों के साथ)	अभी तय होना है
सूक्ष्मजीव विज्ञान	
गतिविधियाँ / कार्यक्रम	**संभावित अनुसूची**
सेमेस्टर 2 की प्रैक्टिकल परीक्षा जुलाई के अंत में 'जर्म्स' पदाधिकारियों के लिए चुनाव नोटिस बोर्ड की तैयारी	जुलाई, 2022
अरावली जैव विविधता पार्क का भ्रमण पाठ्येतर गतिविधियां	अगस्त, 2022
एक विरासत स्मारक का दौरा / विरासत की सैर वेबिनार	सितंबर, 2022
पाठ्येतर गतिविधियां स्वच्छता अभियान	अक्टूबर, 2022
औद्योगिक दौरा	नवंबर, 2022

सेमेस्टर परीक्षा	दिसंबर, 2022
इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सुविधा का दौरा	जनवरी, 2023
अकादमिक व्याख्यान / वार्ता	फरवरी, 2023
वैज्ञानिक मूवी शो	मार्च, 2023
सह–पाठ्यचर्या गतिविधि	अप्रैल, 2023
सेमेस्टर परीक्षा	मई, 2023
दर्शनशास्त्र	
गतिविधियाँ / कार्यक्रम	**संभावित अनुसूची**
डायलेक्टिका (वार्षिक उत्सव)	फरवरी, 2023 के आखरी सप्ताह में
अकादमिक लेखन और करियर उन्नति पर व्याख्यान की श्रृंखला	पूरे शैक्षिक सत्र के दौरान
दार्शनिक विषयों पर व्याख्यान	अप्रैल, 2023
मीमांसा सत्र	प्रत्येक माह के अंतिम शनिवार को
आंतरिक परीक्षा	कॉलेज के दिशा–निर्देशों के अनुसार
सेमेस्टर परीक्षा	विश्वविद्यालय तिथि पत्र के अनुसार
भौतिक शास्त्र	
गतिविधियाँ / कार्यक्रम	**संभावित अनुसूची**
छात्र संघ चुनाव ई–मतदान के माध्यम से	अगस्त, 2022
शिक्षक दिवस	5 सितंबर, 2022
अभिविन्यास कार्यक्रम	सितंबर, 2022
उद्घाटन व्याख्यान	सितंबर, 2022
प्रश्नोत्तरी	अक्टूबर, 2022
नवागत अभिविन्यास कार्यक्रम	अक्टूबर, 2022
प्रख्यात वक्ता द्वारा व्याख्यान	जनवरी, 2023
प्रतियोगिता	फरवरी, 2023

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह	28 फरवरी, 2023
जगमगाहट	मार्च, 2023
विदाई	अप्रैल, 2023
शारीरिक शिक्षा	
गतिविधियाँ / कार्यक्रम	**संभावित अनुसूची**
सभी गार्गी छात्राओं के लिए फिटनेस सत्र आयोजन	जुलाई, 2022
मौजूदा कॉलेज खेलों में खेल विशिष्ट कोचिंग	अगस्त, 2022 – मार्च, 2023 या इंटर कॉलेज
कार्यक्रम	टूर्नामेंट कार्यक्रम समाप्त होने तक
खेल दाखिले	सितंबर, 2022 – अक्टूबर, 2022
गार्गी ओलंपियाड इंटर–स्ट्रीम खेल प्रतियोगिता 2022–23	अगस्त, 2022 – फरवरी, 2023
नव प्रवेशित खिलाड़ियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	5 सितंबर, 2022 – अक्टूबर, 2022
शिक्षक दिवस समारोह	सितंबर, 2022
टीचिंग और नॉन–टीचिंग स्टाफ के लिए प्री–स्पोर्ट्स डे कार्यक्रम	जनवरी, 2023 – फरवरी, 2023
स्पिन'23 वार्षिक स्पोर्ट्स मीट 2022–23	31 जनवरी, 2023 (अस्थायी)
विदाई कार्यक्रम	मार्च, 2023 – अप्रैल, 2023
राजनीति विज्ञान	
गतिविधियाँ / कार्यक्रम	**संभावित अनुसूची**
नये छात्रों के साथ ओरियंटेशन कार्यक्रम	सितम्बर, 2022
छात्र संघ चुनाव	सितम्बर, 2022
विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला : केंद्रीय विषय : आजादी के 75 वर्ष बाद भारत : पीछे मुड़कर देखना, आगे की ओर देखना (अवसर और चुनौतियां) व्याख्यानों के लिए उप–विषय : लिंग समानता का स्तर दलित सशक्तिकरण का स्तर जलवायु परिवर्तन एवं चुनौती लोकतांत्रिक पुनर्कल्पना पर फिर से संवाद अधिकार–आधारित नागरिकता का पुनः अध्ययन	सितम्बर, 2022 – मार्च, 2023

गांधी जयंती पर योग/ध्यान पर एक स्वास्थ्य संबंधी कार्यशाला का आयोजन	अक्टूबर, 2022
पोल पौरी थीम : आजादी के 75 वे वर्ष पर भारत : विदेश नीति समकालीन चुनौतियां और अवसर (विभाग महोत्सव)	नवम्बर, 2022
लोकतंत्र एवं सुशासन पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार	दिसम्बर, 2022
जलवायु परिवर्तन पर वृत्तचित्र स्क्रीनिंग	जनवरी, 2023
नई शिक्षा नीति या अम्बेडकर के आर्थिक विकास पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी	जनवरी, 2023 – फरवरी, 2023
महिला दिवस स्मरणोत्सव : निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं कविता पाठ	8 मार्च, 2023
प्रत्येक माह विभाग के छात्र संघ द्वारा प्रासंगिक और समसामयिक विषयों पर ओपन हाउस और गोलमेज विचार–विमर्श आयोजित किया जाएगा।	सितम्बर, 2022 – अप्रैल, 2023
मनोविज्ञान	
गतिविधियाँ/कार्यक्रम	**संभावित अनुसूची**
आमंत्रित विशेषज्ञ – ''औद्योगिक/संगठनात्मक मनोविज्ञान का मूल सिद्धान्त–1'' आमंत्रित विशेषज्ञ – ''युवा मनोविज्ञान''	अगस्त, 2022
शोध पद्धति में संकाय (प्राध्यापक) विकास प्रशिक्षण भूतपूर्व छात्र मिलन समारोह अंतरवर्ग छात्र संवाद– ''एपीए छात्र पेपर प्रारूप का ज्ञान'' आमंत्रित विशेषज्ञ – ''व्यवहारिक सामाजिक मनोविज्ञान'' आत्महत्या निवारण सप्ताह – जागरूकता कार्यक्रम	सितम्बर, 2022
आमंत्रित विशेषज्ञ – ''मनोवैज्ञानिक विकारों का ज्ञान'' विश्व मानसिक स्वास्थ्य (इजहार) तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए क्षेत्रीय निरीक्षण (मनोविज्ञान, पाठ्यक्रम के अर्न्तगत)	अक्टूबर, 2022

आमंत्रित विशेषज्ञ– ''मीडिया जगत में जीवन निर्वाह'' ''तनाव प्रबंधन'' राष्ट्रीय तनाव दिवस (SEC) पर कार्यशाला परामर्श कौशल में संकाय (प्राध्यापक) विकास प्रशिक्षण। भूतपूर्व छात्रा मिलन समारोह विभाग की वार्षिक सामूहिक चर्चा– चाय पर चर्चा (संपादकीय बोर्ड द्वारा संचालित) आमंत्रित विशेषज्ञ – ''जीवन–काल का विकास''	नवम्बर, 2022
आमंत्रित विशेषज्ञ – ''मनोविज्ञान का का क्षेत्र''	दिसम्बर, 2022
आमंत्रित विशेषज्ञ – ''स्वास्थ्य मनोविज्ञान'' साइफिएस्टा : मनोविज्ञान विभाग का वार्षिकोत्सव अकादमिक अनुसंधान और प्रकाशन में संकाय (प्राध्यापक) विकास प्रशिक्षण।	जनवरी, 2023
आमंत्रित विशेषज्ञ – मानव संसाधन प्रबंधन भूतपूर्व छात्रा मिलन समारोह सॉफ्टवेयर एसपीएसएस (SPSS) के लिए कार्यशाला प्रभावी संचार पर प्रयोगात्मक कार्यशाला	फरवरी, 2023
आमंत्रित विशेषज्ञ– ''परामर्श मनोविज्ञान'' ''मनोवैज्ञानिक विकारों का अध्ययन'' के लिए तृत्तीय वर्ष के छात्रों द्वारा क्षेत्रीय निरीक्षण एक्सटर्नशिप। भूतपूर्व छात्रा मिलन समारोह वार्षिक शोध सम्मेलन : अर्न्तविभागीय/अर्न्तमहाविद्यालय	मार्च, 2023
विभागीय व्यावसायिक उत्सव (भविष्य के कैरियर के अवसरों, अध्ययन के अवसरों, मनोविज्ञान के क्षेत्र में प्रशिक्षण और इंटर्नशिप का विवरण आदि पर आधारित) भूतपूर्व छात्रा मिलन समारोह	अप्रैल, 2023

संस्कृत	
गतिविधियाँ / कार्यक्रम	**संभावित अनुसूची**
योग दिवस	21 जून, 2022
पर्यावरण दिवस	5 जून, 2022
शिक्षक दिवस	5 सितम्बर, 2022
संस्कृत सप्ताह	31 अगस्त, 2022 – 5 सितम्बर, 2022
स्वच्छता दिवस	3 अक्टूबर, 2022
विभागीय वार्षिकोत्सव – स्वस्ति	19 अक्टूबर, 2022
संस्कृत सम्भाषण कार्यशाला	20–27 नवम्बर, 2022
संगच्छ्ध्वम् (संस्कृत प्रतियोगिता)	30 जनवरी, 2023
व्याकरण कार्यशाला	4–11 मार्च, 2023
विभागीय सौप्रस्थानिक समारोह	18 अप्रैल, 2023
प्राणि विज्ञान	
गतिविधियाँ / कार्यक्रम	**संभावित अनुसूची**
स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त, 2022
वाद–विवाद	सितंबर, 2022 का पहला सप्ताह
शिक्षक दिवस	5 सितंबर, 2022
अवसाद जागरूकता पर संगोष्ठी	9 अक्टूबर, 2022
वैज्ञानिक कागज प्रस्तुति	11 अक्टूबर, 2022
जाम (बस एक मिनट)	नवंबर, 2022 का दूसरा / तीसरा सप्ताह

बैच'25 के लिए फ्रेशर	नवंबर, 2022
सामूहिक चर्चा	जनवरी, 2023 का पहला सप्ताह
गणतंत्र दिवस	26 जनवरी, 2023
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	28 फरवरी, 2023
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	8 मार्च, 2023
बैच'23 – के लिए विदाई	मार्च, 2023
पोस्टर प्रस्तुति	16–23 मार्च, 2023
इन्फोग्राफिक्स बनाना	अप्रैल, 2023
वैज्ञानिक कविता प्रतियोगिता (संभावित)	अप्रैल, 2023
बी.ए. प्रोग्राम	
गतिविधियाँ / कार्यक्रम	**संभावित अनुसूची**
विश्व आभार दिवस	21 सितंबर, 2022
विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस	10 अक्टूबर, 2022
एक प्रतियोगिता (नकद पुरस्कार)	नवंबर, 2022
एक परामर्श सत्र	नवंबर, 2022
गणतंत्र दिवस	जनवरी, 2023
विदेशी भाषा सीखने के लाभ पर एक कार्यशाला / सत्र	फरवरी, 2023
एक प्रतियोगिता	मार्च, 2023
बीए कार्यक्रम विभाग का वार्षिक उत्सव	मार्च, 2023 / अप्रैल, 2023
प्रोजेक्ट 'पहचान'	कार्यकाल के दौरान 2022–2023

बी.एससी. प्रोग्राम	
गतिविधियाँ / कार्यक्रम	**संभावित अनुसूची**
शिक्षक दिवस समारोह	5 सितंबर, 2022
ओरिएंटेशन प्रोग्राम	सितंबर, 2022 / अक्टूबर, 2022
उद्घाटन व्याख्यान	सितंबर, 2022 का पहला सप्ताह
शैक्षिक यात्रा (अंतिम वर्ष के छात्र)	सितंबर, 2022 का अंतिम सप्ताह
प्रतियोगिता	अक्टूबर, 2022 का दूसरा सप्ताह
जेनिथ (सोसाइटी) एमयूएन	जनवरी, 2023
विज्ञान उत्सव (Scintillation)	जनवरी, 2023 का अंतिम सप्ताह
व्याख्यान श्रृंखला	फरवरी, 2023
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर आईयूएसी का दौरा	फरवरी, 2023 का अंतिम सप्ताह
विभागीय यात्रा	मार्च, 2023
विदाई समारोह	अप्रैल, 2023
आशीर्वादात्मक समारोह	अप्रैल, 2023

अनुशासन और आर.टी.आई. अधिनियम पर अध्यादेश

अध्यादेश XV-B	:	विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के बीच अनुशासन बनाए रखना
अध्यादेश XV-C	:	रैगिंग के लिए निषेध और दंड
अध्यादेश XV-D	:	कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न

आगे सूचना के लिए : दिल्ली विश्वविद्यालय का सूचना बुलेटिन 2022–23 देखें।

विवरण पत्रिका आयोग	:	डॉ आकांक्षा मदान, डॉ अलका गर्ग, डॉ जसविंदर कौर, डॉ. सारिका चौधरी, श्री सिद्धार्थ राठौड़, डॉ वीणा शर्मा
चित्रांकन	:	श्री राजन, ईशान स्टूडियो, 9810044582

चित्र साभार : **राधिका मरवाहा,** बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र, द्वितीय वर्ष, चतुर्थ सेमेस्टर

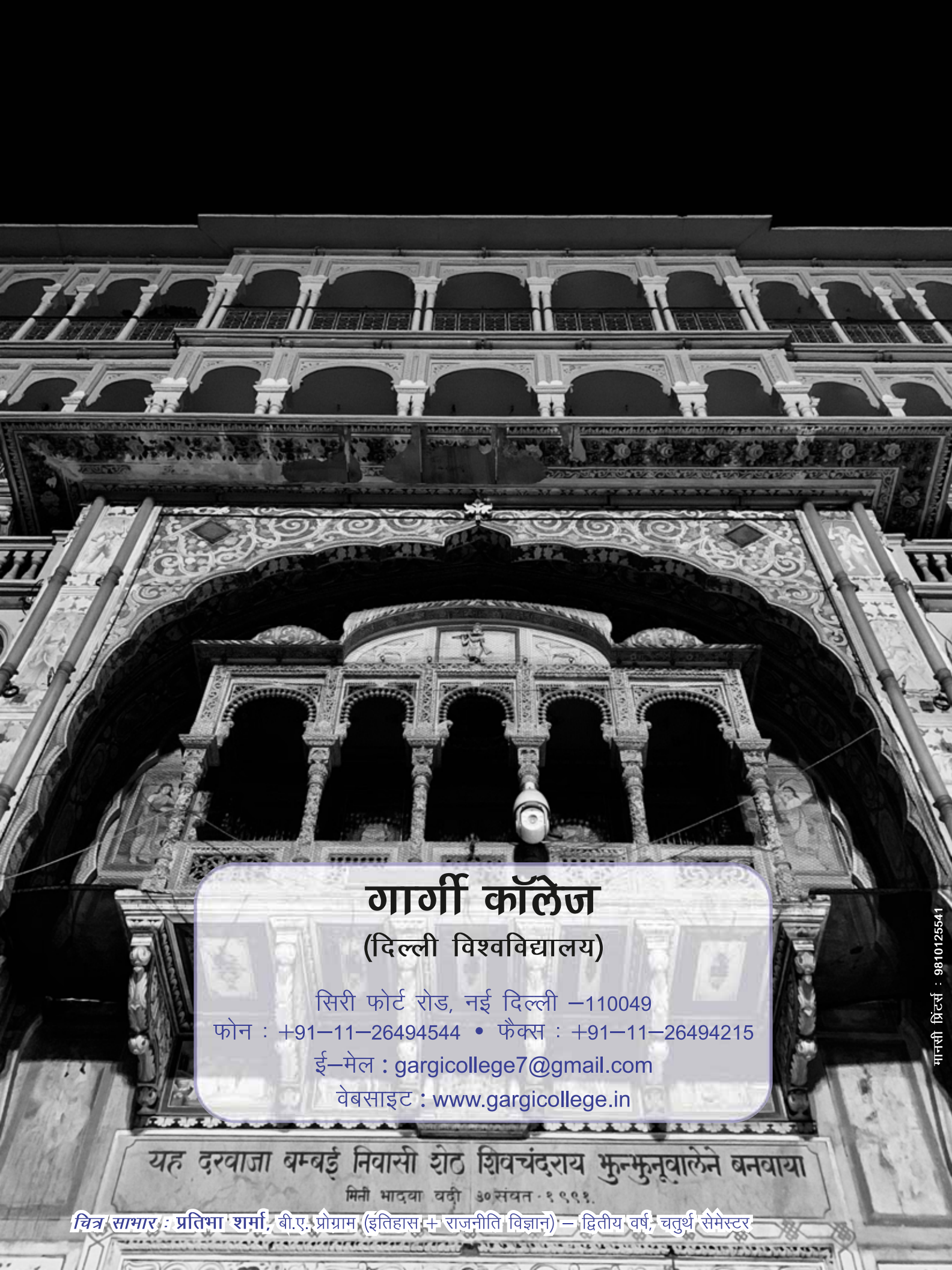

गार्गी कॉलेज

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

सिरी फोर्ट रोड, नई दिल्ली –110049
फोन : +91–11–26494544 • फैक्स : +91–11–26494215
ई–मेल : gargicollege7@gmail.com
वेबसाइट : www.gargicollege.in

चित्र साभार : **प्रतिभा शर्मा,** बी.ए. प्रोग्राम (इतिहास + राजनीति विज्ञान) – द्वितीय वर्ष, चतुर्थ सेमेस्टर

मानसी प्रिंटर्स : 9810125541